

फेंग शुई

(चीनी वास्तुशास्त्र)

के सूत्र एवं सिद्धान्त



परिचय, पंचतत्व, सुगम सूत्र एवं सिद्धान्त
के साथ भवन-निर्माण की जानकारी सहित



फेंगशुई के सूत्र एवं सिद्धान्त

फेंगशुई के सिद्धान्त एवं सूत्रों को अपने आवास में अपनाने वाला व्यक्ति अपने जीवन में सम्पन्नता प्राप्त करता है और नीरोगी रहता है। सन्तानों के उच्च शिक्षा प्राप्त करके अधिकारी वर्ग में चुने जाने की सम्भावना है। व्यापारी वर्ग अपने व्यापार में उन्नति करता है एवं नित नये कीर्तिमान स्थापित करता है। आप स्वयं सोचिये जब आप अपने आवास में आराम करते हैं और निद्रा ठीक से नहीं आती है तो क्या सुबह उठकर आप अपने आपको पूरी तरह से कार्य में लगा सकते हैं? जब काम में मन ही नहीं लगेगा तब आप कैसे तरक्की कर सकते हैं? इन सबके लिये आवश्यक है जब आप शाम को घर जायें एवं सुबह घर से काम के लिये जायें तो इस बीच आपको पूर्ण रूप से आराम मिले और किसी चिन्ता का साया आपके ऊपर न हो—इसके लिये आवश्यक है कि आपका आवास पूर्ण रूप से आरामदायक हो। यदि आप अपने आवास में कोई कमी अनुभव करते हैं या कोई नया आवास बनाने जा रहे हैं या अपने व्यापार या नौकरी से संतुष्ट नहीं हैं, तो हमारा आपसे अनुरोध है, आप अपने आवास, दुकान एवं कार्यालय में फेंगशुई के सिद्धान्त एवं सूत्र अपनायें जिसमें आपका विशेष व्यय भी नहीं होगा। बस आवश्यकता है थोड़ा-सा फेरबदल करने की वह भी बिना किसी तोड़-फोड़ के। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर यह पुस्तक तैयार की गयी है, ताकि आप उन्नति, सुख-समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर हो सकें।

पं० शशि मोहन बहल की एक और उपयोगी
रचना जो आपका घर खुशियों से भर देगी।

हमारे द्वारा प्रकाशित

लेखक की अन्य पुस्तकें

• फेंगशुई (चीनी वास्तुशास्त्र) द्वारा रहने की कला	—पं० शशि मोहन बहल	120.00
• मंगलकारी वास्तु के सूत्र एवं सिद्धान्त	—पं० शशि मोहन बहल	100.00
• फेंगशुई के सूत्र एवं सिद्धान्त	—पं० शशि मोहन बहल	100.00
• वास्तुदोष कारण और निवारण	—पं० शशि मोहन बहल	100.00
• भृगु संहिता	—शशि मोहन बहल	100.00
• रत्न, रंग और रुद्राक्ष	—पं० शशि मोहन बहल	60.00
• तंत्र-मंत्र-यंत्र का गुप्त ज्ञान	—तांत्रिक बहल	60.00
• उड्डीश महातंत्र	—तांत्रिक बहल	40.00
• तंत्रोक्त भैरव साधना	—तांत्रिक बहल	40.00
• नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियां (सचित्र)	—नास्त्रेदमस	40.00
• मनोकामनादायक व्रत एवं त्यौहार	—शशि मोहन बहल	40.00
• तन्त्र-मन्त्र द्वारा मनचाही सन्तान	—शशि मोहन बहल	40.00
• दत्तात्रेय तन्त्र	—तांत्रिक बहल	30.00

कोई भी दो पुस्तकें एक साथ मंगाने पर डाक-व्यय प्रती ।
कृपया पुस्तकें मंगाने के लिए पूरा पैसा मनीऑर्डर द्वारा भेजें ।

पुस्तकें मंगाने का पता :

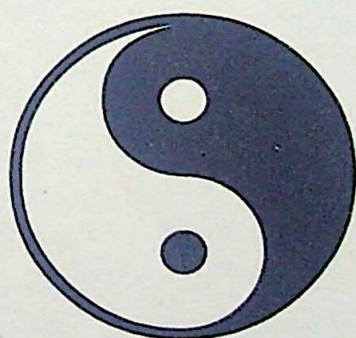
卐 आर्यविप्रकाशन

33, हरी नगर, मेरठ-250 002

फोन : 2518025, 2400873

फेंगशुई के सूत्र एवं सिद्धान्त

(परिचय, पंचतत्व, सुगम सूत्र एवं सिद्धान्त के
साथ भवन-निर्माण की जानकारी सहित)



प्रस्तुति :

पं० शशि मोहन बहल

ॐ आयुर्वेद प्रकाशन

33, हरी नगर, मेरठ-250 002

चेतावनी-भारतीय कॉपीराइट एक्ट के अन्तर्गत इस पुस्तक की सामग्री
प्रकाशितप्रकाश के पास सुरक्षित है, इसलिये कोई भी सज्जन मैटर आदि
पूर्ण रूप से अथवा तोड़-मरोड़कर एवं किसी भी भाषा में छापने या प्रकाशित करने
का साहस न करें, अन्यथा कानूनी तौर पर हर्जे-खर्चे के स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-
- ☐ पुस्तक : फेंगशुई के सूत्र एवं सिद्धान्त
 - ☐ प्रस्तुति : पं० शशि मोहन बहल
 - ☐ प्रकाशक : मारुति प्रकाशन, 33, हरी नगर, मेरठ-250 002
☎ (0121) 2518025, 2400873
 - ☐ कम्प्यूटरीकृत पृष्ठ सज्जा : मित्तल कम्प्यूटर्स, मेरठ। फोन : 2402740
 - ☐ मुद्रक : संजय प्रिन्टर्स, दिल्ली।
-
- ☐ मूल्य : सौ रुपये केवल (100.00)

लेखक की ओर से...

सुख, शांति और स्वास्थ्य के लिए फेंगशुई

वर्तमान समय में लोग परिवार में सुख-शांति बनाए रखने के लिए नई-नई वस्तुओं का प्रयोग करते हैं। अब वह बात अलग है वह उससे पूरी तरह से परिचित हों या ना हों। वास्तुशास्त्र के पश्चात् आज की पीढ़ी चीन की जानी-मानी वास्तुकला फेंगशुई को अपना रही है। फेंगशुई का अर्थ है शुद्धि। भारत में फेंगशुई काफी लोकप्रिय हो रहा है। फेंगशुई को पांच भागों में विभाजित किया गया है। इसके भीतर यह पांचों वस्तुएं किसी ना किसी क्रम में नकारात्मक ऊर्जा का नाश कर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करती हैं। फेंगशुई में 'ची' एक प्रकार की ऊर्जा (Energy) का नाम है, जो हर व्यक्ति के परिवेश में छिपी होती है।

आजकल बहुत-से भवनों में चीनी घंटी लटकी दिखलायी देती है। फेंगशुई के अनुसार इसका प्रयोग परिवार में सुख, शांति और समृद्धि के लिए होता है परन्तु इसको भवन में प्रवेश द्वार पर लटकाना चाहिए तभी इसका लाभ होता है, परन्तु प्रायः देखा जाता है कि अधिकतर लोग इसे घर के भीतर सुन्दरता के लिए लटका देते हैं इससे वह हानि को स्वयं निमंत्रण देते हैं। आजकल लॉफिंग बुद्धा का प्रयोग अधिक हो रहा है। वास्तव में इसका उद्देश्य सुख-समृद्धि लाना और धन की वृद्धि है, परन्तु इसको खुले स्थान पर रखना चाहिए। साथ ही इसको प्रयोग कर रहे व्यक्ति को स्वयं नहीं खरीदना चाहिए।



इसके अतिरिक्त कुछ अन्य बातें भी हैं जो ऊर्जा (सकारात्मक ऊर्जा) को आकर्षित करती हैं। खिले हुए रंगीन पुष्प

आपके बगीचे में ऊर्जा बिखेरते हैं तो सफेद पुष्प उन्हें घटाते हैं लेकिन अगर आपको सफेद पुष्पों का बगीचा बनाना ही हो तो भड़कीले रंगों जैसे पीला, बैंगनी, कॉफी या लाल रंगों के फर्नीचर, पानी का टब आदि का प्रयोग करें। इससे आपकी खुशियों में वृद्धि होती है।

इसी प्रकार सदाबहार पेड़ उन पेड़ों से अच्छे होते हैं जिनकी पत्तियां पतझर में झरती हैं। सदाबहार पेड़ आपके लिए शुभ वातावरण बनाते हैं, वहीं झड़ती पत्तियां जीवन छोड़ने को प्रेरित करती हैं। फल वाले पौधे भी शुभता लाते हैं।

कैक्टस या नोकीले, कांटेदार पेड़-पौधे सीमा के चारों ओर लगायें, जो एक वफादार पहरेदार की भूमिका निभाता है तथा मुख्य प्रवेश द्वार से आते-जाते समय आगन्तुक की निगाह अगर सर्वप्रथम इस पर पड़ती है तो उसकी अशुभ दृष्टि का दोष दूर करता है। अगर बगीचे में पेड़ों पर बेल चढ़ी हो तो वह दूसरों पर निर्भरता, झगड़ों की आशंका दिखलाती है।

अगर मुख्य द्वार से बगीचे में पगडंडी बनानी हो तो वह सीधी न हो, उसमें हल्का घुमाव होना चाहिए, जो देखने में भी सुन्दर लगे—इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, वही मार्ग सीधा होने पर जीवन ऊर्जा अधिक तेज भागती है। अगर रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है तो यह प्रतिकूल ऊर्जा रोकता है।

फेंगशुई चीन की प्राचीन वास्तुकला है। इसके अनुसार ये तीन प्रकार से भाग्य में होने वाले बदलाव में सहायता करती है। हेवन लक; अर्थात् पारलौकिक भाग्य। फेंगशुई वास्तुकला के अनुसार पारलौकिक भाग्य हमारे अपने भाग्य के रूप में दर्शाया जाता है; अर्थात् फेंगशुई के अनुसार हम अपने परिवार और जन्मस्थान का अपनी इच्छा के अनुसार चयन नहीं कर सकते हैं। मेन लक; अर्थात् सौभाग्य लक। ये आदमी के कठोर परिश्रम, शिक्षा और उसके कर्मों से जुड़ा है। अर्थ लक; अर्थात् भू-भाग्य इसके अनुसार हमारे निवास के स्थान हमारी अच्छाइयों के अवसरों को प्रभावित करता है।

भवन में चिड़ियों का चहचहाना बेकार नहीं होता है। हमारे बुजुर्गों ने पक्षियों को दाना डालने की प्रथा व्यर्थ ही नहीं बनायी थी। लॉन में चिड़ियों के दाना-पानी के लिए मिट्टी का पात्र अवश्य रखना चाहिए, जिसमें चिड़िया दाना चुगें तथा पानी पियें। इनके चहचहाने से आत्मोत्थान होता है।

बगीचे में जल धन को आकर्षित करता है। गोलाई वाले पूल अधिक भाग्यवर्धन करते हैं, चौकोर या आयताकार डिजाइन में नोकीले कोने शुभ नहीं होते। वे नकारात्मक ऊर्जा देते हैं। लम्बा, बड़ा पेड़ मुख्य द्वार के सामने अशुभ-खराब होता है। इससे घर में लड़ाई-झगड़ा, धन का अभाव हो सकता

है। अगर ऐसा है तो गोल शीशा, पीछे लाल रंग पुता हो, मुख्य दरवाजे के भीतर लगा दें। इससे अशुभ नकारात्मक ऊर्जा वापस हो जाती है।

फेंगशुई के सिद्धान्तों को घर में अपनाकर हम अपने जीवन में भाग्य की अतिरिक्त शक्ति पाने में सफल होते हैं। हम अपने रहने के स्थान को फेंगशुई के अनुकूल अपने सौभाग्य के सकारात्मक पक्षों को उभार सकते हैं और नकारात्मक पक्षों को समाप्त कर सकते हैं।

पवन घंटी की मधुर ध्वनि बगीचे में शान्ति प्रदान करती है जो किसी शुभ कार्य के लिए आप में जोश भरता है। अगर उद्यान 'एल' शेष में है तो विण्ड चाइम को 'एल' शेष के आधे से कोण बनाती रेखा के सामने लगायें, जो इस दोष को समाप्त कर देता है। उद्यान में बने भवन कमो ऊंचाई में बनाना चाहिए। अगर भवन नीचे हैं, बगीचा ऊपर तो लाइट लगानी चाहिए। अगर भवन के सामने लम्बे-लम्बे पेड़ लगे हों तो घर की ऊर्जा बिगड़ती है। अगर भवन के बायीं ओर पेड़ हो तो सौभाग्य को निमंत्रण देता है।

सभी धर्मों के अनुयायी एक ऐसी शक्ति में विश्वास करते हैं जो कम-से-कम मनुष्य से अधिक शक्तिशाली है। इस ऊर्जा को विज्ञान तीन ऊर्जाओं के रूप में स्वीकारता है—न्यूक्लियर फोर्स, मैग्नेटिक फोर्स तथा कॉस्मिक फोर्स। इनके परे कुछ भी नहीं है, सब कुछ इसी सत्ता में छिपा है। इनमें असंतुलन बना नहीं कि समझिए आपदाओं-विपदाओं ने घेरना प्रारम्भ कर दिया। चिरन्तर से प्रत्येक का प्रयास रहा है कि विरोधी बन गयी इन ऊर्जाओं को पुनः कैसे अनुकूल करके लाभ उठाया जाए? सृजनात्मक शक्तियों को अनुकूल करके अधिकाधिक उपलब्धि प्राप्त की जाए। इसमें फेंगशुई के प्रयोग अत्यधिक प्रभावशाली सिद्ध हुए हैं।

फेंगशुई में सब कुछ 'ची' अर्थात् सकारात्मक ऊर्जा पर आधारित है। 'ची' को अनुकूल करने के लिए भवन में नौ घंटियों वाला विंड चाइम बहुत ही उपयोगी सिद्ध होता है। भवन की बलाएं दूर करने के लिए ड्रेगन का चित्र अनुकूल 'ची' देता है। उत्तर दिशा में फिश एक्वेरियम तथा दक्षिण दिशा में श्री विष्णु का वाहन गरुड़ का चित्र रखना स्वास्थ्यवर्धक सिद्ध होता है। सुख-समृद्धि के लिए हँसता हुआ चीनी तोंदियल बुड्ढा, हाथ उठाए चीनी साधु बहुत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

फेंगशुई दीपक का उपयोग वास्तुदोषों को दूर करने में सफल सिद्ध हुआ है। अपनी जन्म नाम राशि की दिशा अथवा उससे सम्बंधित ग्रह की दिशा में यह दीपक अपने सोने के स्थान पर सायंकाल में जलाएं। स्वास्थ्य लाभ के लिए यह बहुत अच्छा उपाय है। एक खुले मुंह वाले कांच के पारदर्शी

वर्तन में कुछ रंगीन गोलियां डाल दें। इसमें जल भरें तथा सतह पर एक सफेद मोमबत्ती जला दें। नित्य इस दीपक का पानी बदल दिया करें। प्रयास करें अगर बाजार से फेंगशुई दीपक मिल जाए तो उचित होगा।

फेंगशुई पंचभूतात्मक तत्व का समावेश माना गया है। इन तत्वों के परे वह कुछ नहीं मानते। इन आकार आकृतियों का प्रयोग भी सकारात्मक 'ची' के लिए प्रचलन में है।

फेंगशुई के अनुसार भवन में दर्पण भी अनुकूल प्रभाव देते हैं। दर्पण ऊर्जा विकिरण का कार्य करते हैं। निम्न पांच परिस्थितियों में दर्पण का प्रयोग अब हमें करना चाहिए—

● पश्चिम की दीवार पूर्व से बड़ी हो। ● उत्तरी-पूर्वी कोण से दक्षिण-पश्चिम कोण छोटा हो। ● ईशान में शौचालय हो। ● अगर कमरे की दक्षिण दीवार उत्तर से बड़ी हो। ● ईशान में जल अथवा पूजा की व्यवस्था बिल्कुल न हो।

वास्तुशास्त्र के अनुसार भवन का सबसे बड़ा दोष तब माना जाता है जब उसके उत्तर, पूर्व अथवा उत्तर-पूर्व; अर्थात् ईशान कोण में शौचालय स्थित हो। ऐसी स्थिति में शौचालय के दक्षिण-पश्चिम कोण में एक ऐसा कार्बन आर्क लेप जिसका प्रकाश उसके उत्तर-पूर्वी कोण पर पड़े लगा दें इससे यह दोष दूर हो जाएगा।

वास्तुशास्त्र के सिद्धान्त पूर्णतया वैज्ञानिकता के आधार पर हैं। पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र, जिसमें कि चुम्बकीय आकर्षण सदैव उत्तर से दक्षिण दिशा में बहता है, हमारे जीवन को प्रभावित करता रहता है। हमारा सारा जीवन इस चुम्बकीय आकर्षण के प्रति आकर्षित है। प्राकृतिक रूप से इस अदृश्य शक्ति द्वारा हमारा जीवन संचार हो रहा है। उचित तो यह होगा कि किसी भी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व अगर उसकी योजना बना ली जाए तो उस कार्य को करने में बचत होती है, साथ ही शांति भी मिलती है। भवन-निर्माण करते समय घर की साज-सज्जा करते समय फेंगशुई के सिद्धान्तों के अनुसार तत्व का चयन किया जाए तो भवन में सुख-समृद्धि और शांति स्थापित की जा सकती है। एक बार अगर आपने अपने घर का चित्र बनाकर उसे फेंगशुई के कम्पास के अनुसार व्यवस्थित कर लिया तो ऊर्जा शक्ति का संचार आपके घर में अवश्य होगा।

उत्तर में झरने का चित्र लगाएं, काले और नीले रंग की तस्वीरें लगाएं तो सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उत्तर-पश्चिम में इस दिशा में फेंगशुई लेम्प लगाने से यात्राएं सफल रहती हैं एवं सहयोग मिलता है।

पूर्व में बुजुर्ग जिनका निधन हो गया है, उनकी तस्वीरें लगाने से परिवार में सुख-शांति रहती है।

दक्षिण-पूर्व में विशेष रूप से साफ-सुथरा रखें व आलमारी या धन रखने की व्यवस्था करें। इसके अलावा यहां पर फिश एक्वेरियम व बैंगनी फूल रखें।

दक्षिण—दक्षिणी शक्ति सफलता बढ़ाने और सामाजिक यश पाने में सहायक होती है। अगर खाने का कमरा इस क्षेत्र में बनाया जाए तो मेहमानों की आवभगत में लाभदायक सिद्ध होगा। इसलिए इस क्षेत्र में शयनकक्ष होना श्रेष्ठ होगा। इस स्थान पर कभी भी तस्वीर न लगाएं।

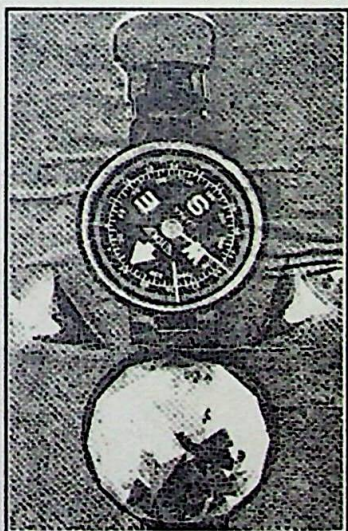
पश्चिम—पश्चिमी शक्ति परस्पर प्यार और परिवार की उन्नति से जुड़ी हुई है। इस क्षेत्र में तस्वीरों में मेटल का फ्रेम करवाएं व मेटल के आर्टिकल लगाएं।

केन्द्र—भूखण्ड की सबसे ताकतवर शक्ति हमें केन्द्र से प्राप्त हो सकती है। भवन बनाते समय इस बात को ध्यान रख जाना चाहिए कि मकान के किसी भी कमरे में सदैव मध्य का स्थान सामानों से घिरा न हो।

चीनी वास्तु विज्ञान फेंगशुई में क्रिस्टल हीलिंग वैज्ञानिक सच्चाई पर आधारित है कि जीव तो जीव, हर बेजान चीज भी लगातार अपने आस-पास की दूसरी वस्तु से ऊर्जा लेती या देती रहती है। ऊर्जा के आदान-प्रदान के इस क्रम में हर वस्तु में सूक्ष्म कम्पन होते रहते हैं। इन कम्पनों की आवृत्ति हर वस्तु में अलग-अलग होती है। इन कम्पनों में रुकावट आ जाने से ही सारी गड़बड़ी उत्पन्न होती है, क्योंकि संतुलन ही क्रिस्टल की संरचना का आधार है, इसलिए यह अपनी ओर बहने वाली ऊर्जा को अपनी आवृत्ति के अनुरूप ढाल लेते हैं। क्रिस्टल केवल पत्थर के टुकड़े के स्तर से ऊपर उठकर इच्छाशक्ति के एम्प्लीफायर की तरह काम करने लगते हैं।

क्रिस्टल की सहायता से हीलिंग का अर्थ केवल शारीरिक व्याधियों की चिकित्सा ही नहीं है। इसमें मानसिक परेशानियों से मुक्ति भी सम्मिलित है।

भवन में सफेद क्रिस्टल बॉल अथवा क्रिस्टल श्री यंत्र रखने से पर्याप्त सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है। रोगों के निराकरण में सहायता करने के लिये



रोगी को दो क्रिस्टल बॉल एक-एक दोनों हाथों में लेकर आराम से लेट जाना चाहिए। ऐसा अभ्यास निरंतर करना चाहिये। क्रिस्टल बॉल का प्रभाव शीघ्र होता है। इस विधि का उपयोग बेचैनी, तनाव, कमजोरी में लाभ पहुंचाता है। क्रिस्टल बॉल का उपयोग आपसी मनमुटाव को समाप्त करने के लिये भी हो सकता है। भूत-प्रेत बाधा ग्रस्त या अशुभ भवनों में क्रिस्टल बॉल द्वारा अशुभ प्रभावों को समाप्त किया जा सकता है। ऐसा करने के लिए कम-से-कम बारह बॉलों को घर में अलग-अलग स्थानों पर रख दिया जाता है।

क्रिस्टल बॉल को ऊर्जावान करने के लिए उसे कुछ समय सेंधा नमक के पानी में पड़े रहने देना चाहिए। क्रिस्टल बॉल को अपने एक हाथ की हथेली पर रखकर दूसरे से ढक दें। इसके पश्चात् ईश्वरीय शक्ति का आह्वान करें। इससे क्रिस्टल बॉल की शक्ति में वृद्धि होती है।

जिन व्यक्तियों के दाम्पत्य जीवन में तनाव रहता हो वे स्फटिक बॉल का प्रयोग करके अपने जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं। घर का दक्षिण-पश्चिम दिशा का कोना पृथ्वी तत्व का प्रतिनिधि होता है, जो कि प्रेम और स्नेह एवं दाम्पत्य जीवन में मधुरता से सम्बंधित होता है। घर के शयनकक्ष में दक्षिण-पश्चिम कोण में स्फटिक के गोले को रखने अथवा लटकाने से यह कोण जागृत हो जाता है। इससे सम्बंधों में मधुरता आती है। स्फटिक के कारण आपके शयनकक्ष के दक्षिण-पश्चिम दिशा का कोना सक्रिय हो जाता है और वह घर में सुख-शांति लाता है। अगर स्फटिक बॉल को ड्राइंगरूम में रखा जाए, तो प्रेम-भाव एवं सामंजस्य में वृद्धि होती है।

प्रिय पाठकों! इसके साथ ही मैं लेखकीय सम्पूर्ण करता हूं। आप प्रस्तुत पुस्तक पढ़ें और भरपूर लाभ उठाएं। मेरी यह पुस्तक मारुति प्रकाशन ने प्रकाशित की है जहां परम्परा और विश्वास ही धरोहर है। मैं श्री अरुण जैन जी का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने बड़े परिश्रम से पुस्तक को संजोया है। आपके पत्रों की प्रतीक्षा में।

—पं० शशि मोहन बहल

"तंत्र सबके लिए मिशन"

डी-4, राधापुरी, कृष्णनगर

(जमुनापार) देहली-110051

E-mail : tantrik_bahl@yahoo.co.in

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पृ०सं०
1.	फेंगशुई का परिचय	15-17
2.	फेंगशुई से वातावरण का सम्बन्ध	18-23
3.	फेंगशुई के सर्वव्यापी नियम एवं सिद्धान्त	24-33
4.	फेंगशुई के स्वर्णिम सूत्र— 1-पानी का सूत्र, 2-बैठने का कमरा, 3-दरवाजा, 4-एलकोव-मेहराबदार दीवार, 5-कमरे की योजना, 6-सूट-छत, 7-टेलीविजन, 8-कॉफी की मेज, 9-अग्निक्ष, 10-किताबों की आलमारी, 11-साज सज्जा, 12-बैठने का आधुनिक कमरा, 13-परिवार के बैठने का कमरा, 14-एडवार्डियन तरीके से बैठने का कमरा, 15-हल्के और शिष्ट ढंग से सजा बैठने का कमरा, 16-शौचालय के सामने मकान का मुख्य द्वार न बनाएं, 17-अपनी आय को दोगुना करने के लिए दर्पण का प्रयोग करें, 18-घर के सामने गुम्बद का होना, 19-मदर ऑफ पर्ल फर्नीचर, 20-लहराती रेखाएं, 21-टेढ़ी या तिरछी रेखाएं, 22-अरोवाना फिश का प्रयोग, 23-चेक्स व स्क्वायर का प्रयोग, 24-मकान के मुख्य द्वार के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए, 25-मकान के मुख्य द्वार के सामने आईना नहीं लगाना चाहिए, 26-बिन्दियों का प्रयोग, 27-सड़कों से घिरा हुआ मकान, 28-फैक्स व टेलीफोन का उपयोग, 29-अपने किचन में आग और पानी को एक-दूसरे से दूर रखिए, 30-शुभ-अशुभ पेन्टिंग की जानकारी, 31-वेलथ बकिट का उपयोग, 32-हार्ड-टेंशन वाला इलैक्ट्रिक टावर, 33-डबल 'T' प्वाइंट पर बना मकान, 34-मकान खम्भों के ऊपर नहीं बनाना चाहिए, 35-मकान में तीन दरवाजे एक सीध में न बनाएं, 36-अपने मकान में मांगलिक प्रतीकों को प्रदर्शित करें, 37-फेंगशुई में शुभ संख्याएं, 38-कपड़े रात में बाहर न सुखाएं, 39-घर में फैनिक कलर्स पट्टियों का प्रयोग करें, 40-अपने मकान के दरवाजे के हैंडिल में सिक्के या घन्टियां लटकानी चाहिए, 41-संगीत उपकरण टी०वी० इत्यादि। 42-चमत्कारी कैलून, 43-सप्लीमेन्टरी कैलून, 44-डायनिंग टेबल को प्रतिबिम्बित करता हुआ आईना नहीं होना चाहिए, 45-ड्रेसिंग टेबल के द्वारा भाग्य जगाएं, 46-आपका फ्रिज और माइक्रोवेव ऑवन, 47-मकान की ऊपरी मंजिल का फ्लैट नहीं लेना चाहिए, 48-अपने कमरों में युद्ध अथवा हिंसा वाली तस्वीरें न लगाएं, 49-सिंक व वाशिंग मशीन का उपयोग, 50-बेकार क्रॉकरी को फेंक देना चाहिए, 51-अपने मकान में गोल्ड फिश मछलियों का छोटा-सा मछलीघर भी लगाएं, 52-आपके टॉयलेट का उचित स्थान,	34-214

क्र.सं.	विषय	पृ०सं०
	53-कैलकुलैटिंग मशीन तथा कम्प्यूटर का उपयोग, 54-डबलबैड पर एक गद्दे का प्रयोग, 55-अपने मकान में जेड़ पौधा ही लगाएं; नागफनी और बोन्साई वाले पौधे न लगाएं, 56-सीढ़ियों को चढ़ने के पश्चात दरवाजा, 57-भाग्य की प्रतीक देवदार-वृक्ष की शाखाएं, 58-तीन लोगों का फोटो घर में कदापि न लगाएं, 59-सास-बहू की तस्वीर घर में लगाएं, 60-दरवाजे अथवा खिड़की के निकट डिश एंटीना, 61-घर के अन्दर सूखे फूल कभी न रखें, 62-अपने मकान में पियोनिया के फूलों का ही प्रयोग करें, 63-कौन-सा उपकरण किस जगह लगाना चाहिए, 64-अपने बैडरूम में मछलीघर कभी नहीं रखना चाहिए, 65-भोजन का आखिरी टुकड़ा नहीं खाना चाहिए, 66-घर के सामने शमशान न हों, 67-होटल, 68-अपनी आलमारियां खुली हुई कभी न छोड़ें, 69-आपके सामने वाले मकान की सीध में, 70-दूसरे ड्रिंक्स पीते समय, 71-बैडरूम में दो अलग-अलग गद्दों वाले बैड पर नहीं सोना चाहिए, 72-चाकू और कैंची को उपहार में मत दीजिए, 73-कुर्सी-मेज किस दिशा में रखें, 74-आपके घर के सामने तिराहा, 75-रो-हाउसिस, 76-अपने घर की खुली खिड़की की तरफ पीठ करके न बैठें, 77-शिक्षा सम्बन्धी कार्यों में स्फटिक लटकाइए, 78-पश्चिम दिशा वाले स्थान में बच्चों के चित्र लगाएं, 79-अपने घर के उत्तर-पश्चिम कोने का संवर्द्धन करें, 80-क्लॉथ एम्पोरियम, 81-काली टोपी का प्रयोग, 82-दिशा बोधक कुआं फार्मूला, 83-आपके शयनकक्ष में रंगों का उपयोग, 84-घर में अपने आदर्श पुरुष का चित्र लगाएं, 85-अपने घर की दक्षिण दिशा में मालिक का चित्र लगाना न भूलें, 86-टपकने वाला नल तुरन्त ठीक करवा लें, 87-किस स्थान पर कैसा रंग होना चाहिए, 88-अपने शौचालय में नमक का कटोरा रखिए, 89-पवन घंटियों का उपयोग करें, 90-अपने कार्यालय में सोने के सिक्कों वाला पोत रखिए, 91-शिक्षा की वृद्धि ग्लोब के द्वारा कीजिये, 92-आपके खाना खाने का कमरा, 93-मकान के सामने पेड़, 94-फैक्टरी का मेन गेट, 95-अपने घर में संगीत घड़ी का प्रयोग कीजिए, 96-घर में उत्तरी दिशा में मिट्टी की वस्तुएं न रखें, 97-अपने घर की उत्तर दिशा में सफेद फूलों का गुलदस्ता रखिए, 98-अवलोकितेश्वर और फेंगशुई, 99-टूल्स व उंगलियां, 100-'U' शेप का निर्माण, 101-ड्रेगन शार ची, 102-धन को पाने के लिए चीनी सिक्कों का प्रयोग करें, 103-अस्पताल, 104-त्रिकोण आकार की आकृति का दोष निवारण, 105-घर में प्रवेश करते समय, 106-अपने फर्नीचर के कोनों को गोल करा देना चाहिए, 107-हरे पौधे दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं रखने चाहिए, 108-आपके मकान के सामने बड़ा दरवाजा, 109-चार पिलर्स का उपयोग, 110-अपने घर की दक्षिण दिशा में नीले रंग के चित्र व पानी वाले चित्र न लगाएं,	

111-अपने घर की पश्चिमी दिशा में सात छड़ों वाली पवनघन्टी लगाएं, 112-मंडल का प्रयोग, 113-बैंक व फाइनेंस, 114-बिना सिरे वाली गांठ, 115-क्रीम कलर के फूल पीले फूलदान में लगाकर रखें, 116-दक्षिण दिशा में लाल रंग की वस्तु या लाल रंग का चित्र लगाएं, 117-ढालदार छत नहीं बनवानी चाहिए, 118-मोमबत्तियों का प्रयोग, 119-अपनी नकदी-पेटी में तीन भाग्यशाली सिक्के डालिए, 120-भूल-भूलैया, 121-आपके मकान या ऑफिस के सामने लिफ्ट, 122-अगर बत्तियां जलाकर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करें, 123-अपने घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में कैचियां या धातु की चीज न रखें, 124-पवित्र धुन अथवा गायत्री मन्त्र का पाठ कराएं, 125-यिन और यांग का सन्तुलन, 126-फेंगशुई में दरवाजा खुलने के नियम, 127-अपने भाग्य को उत्तम बनाने के लिए पर्दों का चयन, 128-दरवाजे की तरफ पीठ करके बिल्कुल न बैठें, 129-फेंगशुई में बीम की स्थिति, 130-पिलर और घुमावदार सीढ़ियों का दोष निवारण, 131-अपने घर की उत्तर दिशा में धातु का कछुआ रखिए, 132-फेंगशुई में ऊंचाई का अन्तर, 133-मकान के पीछे की हालत, 134-मकान के मुख्य दरवाजे के बाहर भी अवरोध नहीं होना चाहिए, 135-अपने घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में लाल वस्तुएं व तेज प्रकाश न होने दें, 136-अपने घर में बन्द पड़ी घड़ियां व अन्य वस्तुएं बिल्कुल न रखें, 137-अपने घर के दरवाजे के ऊपर कैलेन्डर न लगाएं, 138-शादी व पार्टियों में बैठने का इन्तजाम, 138(ए)-आपके मकान में अधिक खिड़कियां नहीं होनी चाहिए, 139-प्रेम सम्बन्धों के लिए, 140-सीढ़ियां उतरने के बाद दरवाजे का दोष निवारण, 141-अपने पीछे की ओर पर्वत का चित्र लगाएं, 142-अपने घर की खाली दीवार की तरफ मुंह करके न बैठें, 143-सौभाग्य के लिए ड्रेगन का चित्र लगाएं, 144-घोड़े की नाल द्वारा सौभाग्य में वृद्धि, 145-सफलता की सीढ़ी फीनिक्स, 146-घर के पीछे की स्थिति, 147-कोण बनाती हुई सड़क पर मकान, 148-वॉल क्लॉक और रिस्ट वाच, 149-अपनी मेज के ऊपर क्रिस्टल रखें, 150-सूखते हुए कपड़े खिड़की के सामने न हों, 151-अपने ऑफिस में टेलीफोन और फैक्स मशीन सही जगह पर रखें, 152-अपनी खिड़की से आते सूर्य के अतिरिक्त प्रकाश को रोकें, 153-हाइवे के पास मकान का दोष निवारण, 154-भाग्य के लिए बांस का प्रयोग करें, 155-रंगों का प्रयोग, 156-कारपेट्स का प्रयोग, 157-फुक, लुक तथा साउ, 158-आपके मुख्य दरवाजे के सामने हुआ विस्तार, 159-कम्पास की दिशाएं, 160-निःसन्तान लोगों के लिए, 161-अपने मकान के दरवाजे पर पानी रखना चाहिए, 162-रंगों से अपना भाग्य बदलिए, 163-फेंगशुई में 8 के अंक का महत्त्व, 164-धन-पात्र के द्वारा धन-सम्पदा प्राप्त करें,

क्र.सं.	विषय	पृ०सं०
	165-ट्राइग्राम कुन <u>OO</u>, 166-'T' प्वाइंट पर बना मकान, 167-शुभ लिखावट, 168-अपने बैडरूम में आईना नहीं लगाना चाहिए, 169-जगमग रोशनी से अपना भाग्य जगाइए, 170-एंग्युलर 'S' आकार के निक्त मकान, 171-वाटर ड्रेगन के द्वारा वेल्थ लक, 172-मकान के दरवाजे के सामने कभी नहीं सोना चाहिए, 173-अंडरग्राउंड स्थित जलस्रोत, 174-बागुवा या पाकुआ, 175-बड़ी इमारत के सामने छोटा मकान, 176-अपने घर में हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति लगाएं, 177-अगर आप अपना मकान बेचना चाहते हैं, 178-घर के झगड़े का समाधान, 179-चौराहे के पास मकान का निर्माण, 180-अपने घर में तीन टांगों वाला मेंढक भी लगाएं, 181-चीन का धन देवता, 181 (A)-अर्द्धचन्द्राकार के बीच मकान का निर्माण, 182-बागुआ मिरर, 183-अपने घर के अन्दर झाड़ू छिपाकर रखनी चाहिए, 184-बटन, कैप और हैंडबैग का प्रयोग, 185-'फू' डॉग्स और लॉयन, 186-भाग्यशाली मनी-बॉक्स गाड़ें, 187-शक्ति का प्रतीक ड्रेगन, 188-दरांती के आकार जैसी रोड पर बना मकान, 189-अपने परिवार में मधुर सम्बन्ध स्थापित करने के लिए अपने परिवार का प्रसन्नचित्त मुद्रा में फोटो लगाएं, 190-अपने घर में नमक मिलाकर पानी से पौछा लगाएं, 191-पीले रंग के फूल क्रीम रंग के फूलदान में लगाएं, 192-अपने घर से बेकार चीजें निकाल फेंकें, 193-अपने घर में सिक्कों से भरा हुआ स्फटिक कांच का कटोरा रखें, 194-अपने किचन को साफ तथा बर्नर को अवरोधरहित बनाएं, 195-अपने घर में रोजाना साथ-साथ भोजन करें, 196-झाड़-फानूस का महत्त्व, 197-दरवाजे कैसे होने चाहिए, 198-भाग्य में वृद्धि करने वाले विजिटिंग कार्ड, 199-दरवाजे के दोनों तरफ खिड़कियां, 200-अपने घर में रोमांस के लिए प्रेमी-परिन्दे लगाइए, 201-अपने घर में नारंगी का पौधा लगाएं, 202-अपने कैरियर लक को जगाएं, 203-मकान के पास से गुजरती रेलवे लाइन, 204-धार्मिक स्थल के सामने बना मकान, 205-अपने शौचालय का दरवाजा हमेशा बन्द रखें, 206-अपने घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में हरियाली वाला चित्र लगाएं, 207-मधुर सम्बन्धों और प्रेम के लिए स्फटिक के गोले का इस्तेमाल करें, 208-सोने का तरीका, 209-कोल्ड ड्रिंक पीने से इन्कार न करें, 210-लैम्पपोस्ट घर के सामने नहीं होना चाहिए, 211-आकृति का सूत्र, 212-दरवाजे का सूत्र, 213-खिड़कियों का सूत्र, 214-बुनियादी उपचार, 215-प्रकाश का सूत्र, 216-ध्वनि का सूत्र, 217-शीशे का सूत्र, 218-सद्गुण पदार्थ का सूत्र, 219-विद्युत का सूत्र, 220-जीवित वस्तुओं का सूत्र, 221-परिवर्तन का सूत्र, 222-रंग का सूत्र।	
5.	भवन-निर्माण दोष और फेंगशुई विधि द्वारा निवारण अन्त में....	215-228 229-232

फेंगशुई का परिचय

फेंगशुई का नाम आते ही हर व्यक्ति जिज्ञासु हो जाता है कि आखिर ये फेंगशुई है क्या? प्रतिदिन अखबारों के विज्ञापनों के जरिये हमें कहीं-न-कहीं फेंगशुई का नाम दिखाई दे जाता है। बहुत-से लोग फेंगशुई के नाम से तो परिचित हैं मगर वह यह नहीं जानते कि फेंगशुई होती क्या है?

फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ होता है वायु (फेंग) और जल (शुई) है। पुराने समय में फेंगशुई का चीनी स्वरूप हेमयू था। जिसका मतलब स्वर्ग से ऊर्जा को प्राप्त करके स्वर्गिक तत्वों से सम्बन्ध स्थापित करना है। यह एक चीनी कला होती है जो हमें इस बात की जानकारी देती है कि आस-पास के वातावरण को सन्तुलित करके प्रसन्नता कैसे पायें, समृद्धि और स्वास्थ्य को कैसे पाया जाए? हमारे ब्रह्माण्ड में चारों तरफ अज्ञात शक्ति एवं चुम्बकीय शक्ति विद्यमान हैं। फेंगशुई हमें इन शक्तियों से ऊर्जा प्राप्त करने के तरीके बताती है।

चीन के लोगों का मानना है कि हमारे जीवन के मुख्य घटक कर्म, भाग्य, तथा फेंगशुई हैं। भाग्य तो ईश्वर पर निर्भर करता है लेकिन कर्म और फेंगशुई तो हमारे वश में हैं, जिसका उपयोग करके हम पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपने जीवन को उन्नति के शिखर पर पहुंचा सकते हैं।

फेंगशुई की उत्पत्ति

आज से लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व फेंगशुई चीन में विकसित हुई थी। वैसे लोगों में इस बात के मतभेद हैं कि फेंगशुई का विकास कब हुआ? परन्तु फिर भी इसकी उत्पत्ति के सम्बन्ध में एक बहुचर्चित व रोचक बात कही जाती है।



प्रागैतिहासिक काल से चीन के प्राचीन शासकों में से पहला शासक वू था। शासक बनने से पहले वह पीली नदी से सिंचाई का कार्य करवाया करता था।

एक दिन की बात है सिंचाई करते समय उसने और उसके मजदूरों ने नदी के अन्दर से एक बहुत बड़ा कछुआ निकलते हुए देखा। उस समय चीनी लोग इस बात को मानते थे कि कछुए की खोपड़ी में देवता निवास करते हैं। उसका दिखाई देना शुभ शकुन माना जाता है। उस कछुए की पीठ पर एक चमत्कारिक वर्ग अंकित होने की वजह से उसे अत्यन्त मंगलदायक माना गया। फिर उसने अपने साथी विद्वानों को एकत्र किया और उन्होंने उस वर्ग का गहनता से अध्ययन करने के बाद जो निष्कर्ष निकाला उससे यह वर्ग चीनी ज्योतिष, अंकशास्त्र का मूल आधार बन गया।

उस कछुए की पीठ पर जो आकृति उभरी हुई थी वह वर्ग आवृत्ति के रूप में थी और उसके प्रत्येक खाने में 1 से 9 तक के अंकों के चिन्ह थे। इस वर्ग की प्रत्येक पंक्ति चाहे वह तिरछी हो या आड़ी उसका योग पन्द्रह ही आता था।

इस वर्ग के आधार पर विद्वानों ने जो सिद्धान्त बनाए, उन्हीं के बल पर आगे चलकर वू चीन का सम्राट बना।

फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ—फेंग (Feng) का अर्थ है 'वायु तत्व' और शुई (Shui) का अर्थ है 'जल तत्व'। इस प्रकार फेंगशुई शब्द वायु तत्व और जल तत्व के सम्मिश्रण को बताता है।

इस बात से यह समझ लेना गलत होगा कि फेंगशुई सिर्फ दो तत्वों को ही मानता है। चीनी वास्तुशास्त्र के द्वारा फेंगशुई नामक सामूहिक शब्द का अर्थ होता है—“वायु तत्व तथा जल तत्व का सम्मिश्रण। जिसकी सहायता से प्राकृतिक ‘ची’ को ज्यादा अनुकूल बनाया जा सकता है। इसके लिए हमें चीनी भाषा के तकनीकी शब्द ‘ची’ को भी अलग से जानना होगा।

‘ची’ की व्याख्या—प्राचीन काल से ही चीन के लोगों का एक विश्वास रहा है कि हर पर्वत तथा पहाड़ी के नीचे हरे रंग का विशाल अजगर व सफेद रंग का चीता निवास करता है और जिस जगह पर ये दोनों जानवर पाए जाते हैं वह जगह घर के लिए उत्तम होती है। उन लोगों का ऐसा भी मानना



था कि अजगर की सांस 'ची' की सृजना करती है। इसी वजह से उसे अजगर की सांस भी कह देते हैं।

'ची' शब्द को सार्वभौमिक जैवकीय शक्ति भी माना जाता है। वह धीमी गति से बहते हुए जल के पास एकत्रित होती है। सही रूप से जब भी कोई काम किया जाता है तो इसकी रचना होती है। किसी संगीतकार के द्वारा सुन्दर संगीत की रचना, किसी कवि की सुन्दर कविता या फिर स्वादिष्ट केक बनाने वाला भी 'ची' की रचना करता है।

इस वजह से प्रभावशाली ढंग से काम करने के लिए हमें यथासंभव ज्यादा-से-ज्यादा 'ची' को घर में आने देना चाहिए।

'ची' सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार की होती है। प्रवाहित जल मंथर गति से सकारात्मक 'ची' की रचना करता है, तो स्थिर सड़ा हुआ जल नकारात्मक 'ची' की रचना करता है। हर आदमी नकारात्मक 'ची' को समाप्त करके सकारात्मक 'ची' को ही चाहता है।

सकारात्मक 'ची' को पोषण व एकत्रित करने के लिए जरूरत पड़ती है। तीव्र गति से प्रवाहित जल या तेज हवाएं, यह चीजें बड़ी आसानी के साथ 'ची' को निखारकर उसका क्षय करते हैं। यही कारण है कि हम अपने घरों के आस-पास धीमी हवा और टेढ़ा-मेढ़ा जाने वाला झरना ज्यादा पसन्द करते हैं। ये दोनों मिलकर सकारात्मक 'ची' की रचना करते हैं।



फेंगशुई से वातावरण का सम्बन्ध

फेंगशुई की कला का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमें वातावरण के विषय में जानकारी प्राप्त करनी होगी।

फेंगशुई के द्वारा वातावरण की 'ची' और व्यक्तियों में प्रवाहित 'ची' में गहरा सम्बन्ध होता है। इसकी कार्यप्रणाली को फेंगशुई ने दो प्रकार से समझाया है और दोनों के ज्ञान द्वारा ही फेंगशुई से परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं।

वातावरण—प्रतिबिम्ब के रूप में

अगर आप किसी अन्जान व्यक्ति के घर जाएं तो उससे मिलने से पहले ही आप उसके घर को देखकर उसके बारे में अन्दाजा लगा सकते हैं। अगर आपको उसके घर की हालत अस्त-व्यस्त-सी नजर आ रही है तो आप आसानी से अन्दाजा लगा सकते हैं कि वह किसी मानसिक अथवा किसी अन्दरूनी परेशानी से गुजर रहा है।

हम मनुष्य के मकान और उसके आस-पास के वातावरण को देखकर ही उसकी जिन्दगी और अनुभवों का अन्दाजा लगा सकते हैं। इसी प्रकार हम किसी दूसरे व्यक्ति के घर की ठीक-ठाक स्थिति देखते हैं तो हम अन्दाजा लगा लेते हैं कि वह मनुष्य जिन्दगी का आनन्द ले रहा है—और शान्ति से अपनी जिन्दगी के दिन गुजार रहा है।

यह तो एक सरल-सा उदाहरण दिया गया है जिससे हमें ज्ञात हो जाता है कि व्यक्ति के आस-पास का वातावरण उसकी जिन्दगी और अनुभवों का पूरा प्रतिबिम्ब होता है। वातावरण की तुलना हम एक शीशे से भी कर



सकते हैं जिसमें हम साफ देख सकते हैं, अगर हम उसमें कुछ बदलाव भी करना चाहें तो वो भी कर सकते हैं।

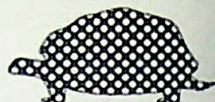
आप भी इसी प्रकार अपने घर के वातावरण को देख सकते हैं। आप यह कल्पना करके देखिए कि यह किसी अजनबी का मकान है और उसकी हालत तथा वातावरण से उसके मालिक की जिन्दगी के बारे में अन्दाजा लगाने की कोशिश करिए कि जिस जिन्दगी के बारे में आप सोच रहे हैं वह एक व्यवस्थित, शान्त, सन्तुलित तथा सन्तोष भरी जिन्दगी है या फिर अव्यवस्थित सलाहों से भरी हुई और असन्तुलित है? क्या आपका निरीक्षण उस सच्चाई से अलग है जिसे आप जानते हैं?

उसके बाद आप अपने घर के लिविंग रूम की बैठने की व्यवस्था को देखिए। क्या इसमें एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे हैं? यह संकेत करता है कि उनके रिश्तों में काफी मतभेद है। क्या इसमें बैठने वाले एक-दूसरे की बगल में बैठे हुए हैं, जिससे उन्हें एक-दूसरे की तरफ देखने में बाधा उत्पन्न हो रही है? यह बात यह संकेत करती है कि परिवार के सदस्यों के बीच थोड़ी-बहुत बातचीत होती है या फिर लोग अलग-अलग कोणों पर बैठे हुए हैं? यह संकेत करता है कि उनके सम्बन्ध काफी अच्छे हैं और उनमें थोड़े-से वाद-विवाद के बावजूद स्वस्थ बातचीत होती है।

अब आप रसोईघर की तरफ आ जाइये, वहां देखिये कि पूरे परिवार का भोजन बनाया जाता है या नहीं? जो कि पूरे परिवार का संचार करता है, ताकि परिवार के सदस्य घर से बाहर जाकर धन और सम्पन्नता उत्पन्न कर सकें।

क्या यह रसोईघर साफ-सुथरा और व्यवस्थित है? अगर है तो वह यह बात जाहिर करता है कि परिवार का आर्थिक स्तर ठीक है। अगर आपका रसोईघर गन्दा और अव्यवस्थित है तो वह इस बात को जाहिर करता है कि परिवार का आर्थिक स्तर ठीक नहीं है—और किसी भी विषय पर जब तक जरूरी न हो उस पर विचार नहीं किया जा सकता।

आपके घर का प्रत्येक कमरा आपके जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को निश्चित करता है। स्नानघर और रसोईघर सम्पत्ति के प्रतीक माने जाते हैं, रहने का कमरा पारिवारिक जीवन का प्रतीक माना जाता है और बैडरूम हमारे



भावात्मक और आपसी रिश्तों का प्रतीक है। बारी-बारी से आप अपने कमरों की तरफ देखें और आप अपने अनुभवों से खुद ही शीशे में सच्चाई को जान जायेंगे।

इसके पश्चात् इन कमरों में हुए बदलावों के बारे में सोचें कि पिछले कुछ सालों से इनमें बदलाव आया है और इस बदलाव से आपके आर्थिक स्तर पर क्या प्रभाव पड़ा है? क्या आपका रसोईघर पहले से ज्यादा संतुलित हुआ या नहीं; जैसे कि वह एक वर्ष पहले था? और क्या इसका प्रभाव आपकी आर्थिक व्यवस्था पर पड़ा है?

अधिकतर लोगों ने इस बात को महसूस किया है कि वह अपने जीवन में किसी विशेष क्षेत्र में जूझ रहे हैं; जैसे कि धन जिसे अन्य कमरों से ज्यादा रसोईघर और स्नानघर निश्चित करते हैं! अगर किसी मनुष्य का रसोईघर शान्त और व्यवस्थित है उसके आर्थिक स्तर की स्थिति भी उसके अपने वश में होगी। इसके अलावा जिसका रसोईघर अव्यवस्थित होगा उस मनुष्य को धन इकट्ठा करने के लिए जीवन में काफी जूझना पड़ता है।

अगर आपको एक बार मालूम हो जाए कि आपका वातावरण आपकी जिन्दगी को प्रेरित करता है तो आप सरलतापूर्वक उस क्षेत्र पर ध्यान दे सकेंगे। जहां ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। यह आपको अपने मकान के उन भागों पर प्रमुखता देने में सहायता करेगी जहां घर के जिस कमरे को फेंगशुई की जल्दी ही जरूरत है, ताकि आपके जीवन में जल्द-से-जल्द सुधार आ सके।

वातावरण—उत्प्रेरक के रूप में

अगर हम अपने जीवन के अनुभवों का अध्ययन करें और उसको एक शीशे की तरह देखने की कोशिश करें तो मालूम हो जाएगा कि वातावरण कई बार ऐसे अनुभव भी उत्पन्न करता है जिसकी हमें आवश्यकता नहीं होती है। यह सब कुछ 'ची' के प्रभाव की वजह से होता है जो हमारे अन्दर प्रवाहित हो रही 'ची' और वातावरण से प्रवाहित हो रही 'ची' में सन्तुलन नहीं बना पाती। यहां पर हम एक निम्न स्थिति देखते हैं।

जिस समय हम अपने आपको तनावग्रस्त महसूस करते हैं तब हमारे

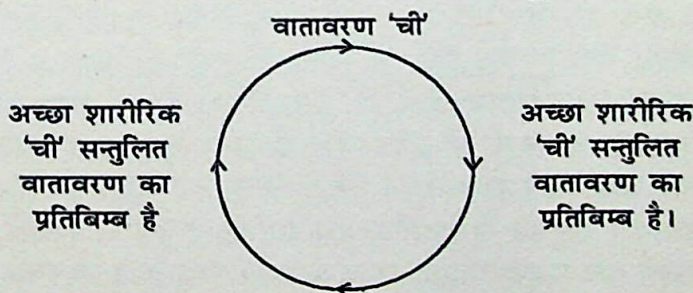


अन्दर प्रवाहित हो रही 'ची' का सन्तुलन बिगड़ जाता है। इसका सबसे उत्तम उपाय प्राकृतिक वातावरण के समीप जाना है। इसमें ज्यादातर लम्बी सैर या फिर छुट्टियां लेकर शहर से कहीं दूर शान्त जगह पर जाना शामिल है। इस प्रकार करके शरीर में प्रवाहित 'ची' प्राकृतिक वातावरण की 'ची' से मिलकर सन्तुलित अवस्था में पहुंचकर मानसिक तनाव से छुटकारा दिलाती है। इस प्रकार वातावरण में प्रवाहित 'ची' व्यक्ति की जिन्दगी में नया अनुभव उत्पन्न करती है।

ठीक इसी तरह अगर कोई आलस्य और शक्तिहीनता महसूस कर रहा हो तो उस व्यक्ति को यांग से भरपूर वातावरण में ले जाना चाहिए। इसके लिए अपने को किसी पार्टी, नृत्य या सिनेमाघर में ले जाना चाहिए। इस प्रकार के वातावरण कार्य को प्रेरित करते हैं। जो व्यक्ति के अन्दर 'ची' को उत्तेजित करता है और उसमें फिर से शक्ति का संचार होता है।

जीवन में बदलाव लाइये

इन सभी उदाहरणों से एक ही हल निकलता है कि अगर हम अपने जीवन में बदलाव लाना चाहते हैं तो हमें अपने वातावरण में भी बदलाव लाना होगा। जैसे ही हमारा जीवन अधिक सन्तुलित होगा हमारा वातावरण इस सन्तुलन को प्रतिबिम्ब करेगा। यह एक दोतरफा रिश्ता है जो वातावरण और व्यक्ति के मध्य रहता है और एक का असर दूसरे पर होता है।



फेंगशुई का सबसे पहला मकसद हमारे आस-पास के वातावरण को बदलना है। जिस स्थान पर हम अपना अधिकांश समय बिताते हैं इसे जानने वाले यह जानते हैं कि सबसे पहले किसी व्यक्ति की जिन्दगी में संतुलन



लाने के लिए उसके घर में सन्तुलन लाना बहुत जरूरी है, जब यह संतुलन आ जाता है तब अपने आप ही वातावरण में भी सन्तुलन बनता जाता है, जो एक शान्ति चक्र के रूप में बनता है।

इस प्रकार की सन्तुलित कला का अन्जाम बहुत ही विलक्षण होता है, विवाहित जिन्दगी में मासूम हुए लोगों के लिए भी फेंगशुई कला कारगर साबित हुई है—और उसे लागू करने के बाद उनकी जिन्दगी में चाहे वह सैक्स हो या अपने जीवन साथी को समझना, दोनों में ही काफी परिवर्तन आए हैं। आर्थिक स्तर पर जूझ रहे लोगों को भी फेंगशुई से काफी सहायता मिली है।

‘ची’ की शक्ति

जब लोग फेंगशुई को अपने प्रयोग में लाते हैं तो वह आश्चर्यचकित रह जाते हैं कि इस धरती पर कोई इतनी सरल कला भी है, जिसको अपने घर या कमरों में परिवर्तन करने के लिए उपयोग में लाने से उनकी जिन्दगी में परिवर्तन आता है। ऐसे लोग ‘ची’ शक्ति को बिना कोई प्रश्न किए नहीं अपनाना चाहते। उन्हें इसका सबूत चाहिए कि ऐसी कोई शक्ति हमारे बीच प्रवाहित हो रही है, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं मिलता।

वर्षों से वैज्ञानिक तत्व और अनदेखी शक्ति में तुलना करते हैं। वे तत्व जिसे हमारी पांच इन्द्रियों द्वारा अनुभव किया जा सकता है। हम उसे स्पर्श कर सकते हैं, सूँघ सकते हैं, स्वाद चख सकते हैं, देख सकते हैं और अगर उसे फेंकें तो उसे सुन सकते हैं! अनदेखी शक्ति जो कि इन पांच इन्द्रियों द्वारा अनुभव नहीं की जा सकती उसे तत्व की अपेक्षा गौण माना जाता है।

तभी इस शक्ति को समझने के लिए आत्मिक और आध्यात्मिक लोगों को जानने वालों द्वारा जानने की कोशिश की जाती है—और अगर मान भी लिया जाता है तो उसे सन्देहपूर्वक अपनाया जाता है।

उसके बाद में हुए विकास के द्वारा पता चलता है कि तत्व एक ठोस नहीं है बल्कि यह छोटे-छोटे अणुओं द्वारा निर्मित होता है जो एक निश्चित दर कम्पन्न पैदा करते हैं। गैसों में यह कम्पन्न काफी धीरे होता है जबकि तरल पदार्थों में यह तेज और ठोस पदार्थों में सबसे तेज होता है। अनदेखी



शक्ति में और तत्वों में भिन्नता का अब खुलासा होना शुरू हो गया है।

वैज्ञानिकों को भौतिक विज्ञान का कुछ भाग यह यकीन दिलाता है कि आध्यात्म विज्ञान के सहायक समय की शुरुआत से ही यह कहते देखे गए हैं कि तत्व कुछ और नहीं शक्ति का ही एक भाग है। यह पुस्तक हमारा शरीर और जो वस्त्र हम पहनते हैं वह सब शक्ति का ही समरूप हैं। अचानक कुछ वैज्ञानिक यह कहने लगे हैं कि इस दुनिया में कुछ भी अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि सब कुछ शक्ति का ही रूप होता है।

वह होती है सर्वव्यापी शक्ति। बिल्कुल उसी प्रकार जैसे पानी की एक बूंद सागर का एक हिस्सा होती है। एक स्तर पर हम, तुम और सारे लोग, हम सब इसी शक्ति का एक भाग हैं और इसे बराबर मात्रा में बांटते हैं।

अगर सब कुछ उसी शक्ति का भाग होता है तो फिर क्यों कुछ भाग का किसी एक भाग पर ज्यादा असर पड़ता है, बाकी पर क्यों नहीं पड़ता? फिर क्यों दुनिया के एक तरफ का सुपर नोवा (Super nova) दूसरी तरफ हमारे सौर मण्डल के भौतिक स्वरूप को बदल देती है?

क्यों एक तितली जो अपने पंखों को फैलाकर एक ग्रह पर ही उड़ती है और वह दूसरे ग्रह पर प्रचंड मचा देती है?

चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई का मूल सिद्धान्त यही है कि छोटे-से-छोटा परिवर्तन भी हमारी जिन्दगी में एक बहुत बड़ा बदलाव पैदा कर सकता है और हमारी पूरी जिन्दगी को बदल सकता है। यह कोई अन्धविश्वास या कोई मनघड़न्त कहानी नहीं है।

लेकिन यथार्थ से हमारे निकट की शक्ति में परिवर्तन हमारी जिन्दगी को बदल देता है। जो शक्ति हमारे अन्दर विद्यमान है ये उस शक्ति को भी बदल देता है।



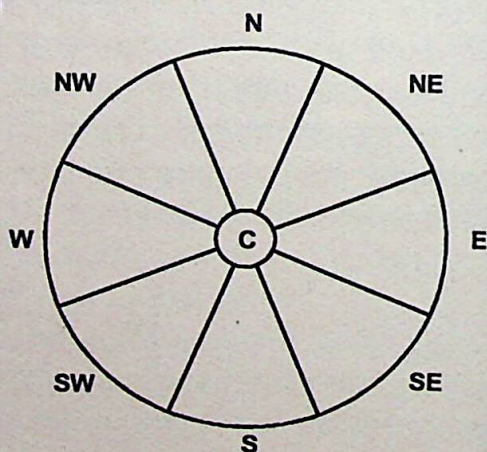
फेंगशुई के सर्वव्यापी नियम एवं सिद्धान्त

सभी लोग फेंगशुई के मुख्य तत्वों से और विश्वासों से परिचित हैं जिस पर उसके सिद्धान्त टिके रहते हैं। अब आपको फेंगशुई के बारे में कुछ जानकारी दी जाएगी जिसके अन्तर्गत फेंगशुई के उपचार भी सम्मिलित किये गये हैं।

इन उपचारों को अपनाकर अच्छे परिणाम हासिल किये जा सकते हैं, इन्हीं सिद्धान्तों को लागू करके हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

कम्पास के बिन्दु—‘ची’ की विभिन्न दिशाओं में अलग-अलग विशेषताएं होती हैं। हम हर प्रकार की सहायता से इन विशेषताओं को अच्छी प्रकार समझ सकते हैं। अब सोचना यह है कि सजावट का कौन-सा सामान किस स्थान पर रखा जाना चाहिए? यहां आठ बिन्दु दिये जा रहे हैं, जिनके बीच एक मध्य बिन्दु भी है।

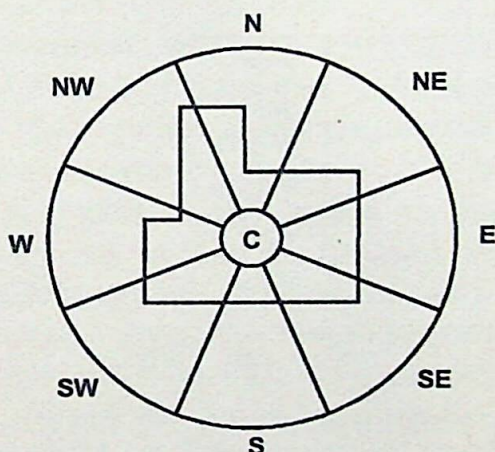
कम्पास के बिन्दु किस प्रकार हमारे घर से जुड़े होते हैं, यह जानने के लिए एक परकार लीजिए। उसे पूरब की तरफ आकर्षित करके एक संकेत बना दीजिए। अब अपने घर का एक कच्चा नक्शा बना दीजिए और परकार के बिन्दुओं को उस पर रखिए जिस प्रकार निम्न चित्र में दिखा गया है।





इस प्रकार का नक्शा होने से आप लोगों को यह पता चल जायेगा कि कौन-सा कमरा किधर और किस व्यक्ति के लिए ज्यादा सही रहेगा? लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि किसी जगह पर किसी कमरे को दूसरे स्थान पर उसकी संरचना के अनुसार बदलना मुमकिन नहीं होता, जिस प्रकार किचन को किसी दूसरी इमारत में बदलना।

लेकिन अन्य लोगों को उनके उद्देश्य, व्यक्तित्व और प्राकृतिक के हिसाब से अलग-अलग कमरे दिये जा सकते हैं।



अब आपको संक्षेप में परकार के बिन्दुओं का शक्ति के साथ हर दिशा में सम्बन्ध का अध्ययन कराया जायेगा तथा उनसे जुड़े रंग और तत्वों की भी जानकारी कराई जाएगी। इन सब से आपको यह विचार करने में मदद मिलेगी कि कौन-सा कमरा किस व्यक्ति के लिए होगा या फिर किस उद्देश्य के लिए होगा?

उत्तर दिशा

इस दिशा का तत्व पानी तथा रंग काला होता है।

उत्तरी शक्ति का ताल्लुक आराम, शक्ति और सेक्स से होता है। इस वजह से मकान के उत्तर दिशा में एक अच्छा बैडरूम बनवाया जा सकता



है, जिस स्थान पर आप अपने जीवनसाथी के साथ शान्ति तथा अच्छे सेक्स सम्बन्ध बना सकते हैं।

यह उत्तरी दिशा ध्यान और आध्यात्मिक साधना के लिए भी अच्छी होती है। अधिकांश लोगों का मत है कि इस स्थान पर अन्तरआत्मा में शक्ति का विकास होता है। इसके अतिरिक्त उत्तर दिशा की शक्ति को जगाने वाली विशेषता उन लोगों की भी सहायता करती है जो अपना उज्ज्वल भविष्य का निर्माण अथवा अपने जीवन या कारोबार में बदलाव करना चाहते हैं।

उत्तर
शान्ति
सेक्स
जीविका
काला
पानी

उत्तर-पूर्व दिशा

इस दिशा का तत्व पृथ्वी और रंग नीला होता है।

उत्तर-पूर्व की दिशा फेंगशुई द्वारा शक्ति प्रोत्साहन तथा उद्देश्य की नजर से बहुत अच्छी मानी जाती है। अगर कोई व्यक्ति इस क्षेत्र में अपना समय व्यतीत करता है तो वह अपने उद्देश्य और लक्ष्य को अच्छी प्रकार से समझ सकता है और उन्हें पाने के लिए भावात्मक मोड़ ले सकता है।

उत्तर-पूर्व दिशा वाला भाग व्यक्ति में अथवा दुनिया में ज्ञान को उत्तेजित करने में काफी महत्वपूर्ण है। यह भाग उन लोगों के लिए काफी अच्छा है जिन्हें अपनी दिशा का सही प्रकार से ज्ञान करना है। विद्यार्थियों और रोजगार ढूँढने वालों के लिए यह भाग प्रवृत्ति के कारण अच्छा साबित हो सकता है।

बड़ों तथा बच्चों के खेलने के लिए तथा व्यायाम आदि के लिए यह उत्तर-पूर्वी भाग अच्छा स्थान समझा जाता है। इस स्थान पर व्यायामशाला तथा बच्चों के खेलने की जगह भी बनाई जा सकती है।



उत्तर-पूर्व
प्रोत्साहन
उद्देश्य
ज्ञान
नीला
धरती

पूर्व दिशा

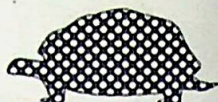
इस दिशा का तत्व लकड़ी और रंग हरा होता है।

फेंगशुई द्वारा पूर्व दिशा वाला भाग सन्तोष और आशा का प्रतीक माना जाता है। यह उन लोगों के बैडरूम के लिए बहुत अच्छा माना जाता है जो हमेशा बेआराम और निराशावादी रहते हैं।

उन लोगों के नजरिए में बदलाव लाने के लिए इस भाग की शक्ति महत्वपूर्ण योगदान देती है, जो कि सकारात्मक रूप में होगा। इस शक्ति का काम व्यक्ति को प्रोत्साहित करके सकारात्मक रुख अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस वजह से फेंगशुई द्वारा यह स्थान उनके लिए अति उत्तम माना गया है, जो लोग अपने भविष्य के बारे में सोचकर हमेशा चिन्ता में डूबे रहते हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा पूर्वी भाग लोगों को अच्छा स्वास्थ्य भी प्रदान करता है, इसलिए अगर कोई अस्वस्थ व्यक्ति इस जगह पर लेट जाए तो वह स्वस्थ हो जाएगा। इस स्थान पर किचन, पढ़ाई का कमरा या घरेलू कार्यालय भी बनाया जा सकता है। इस स्थान को फेंगशुई द्वारा आशावादी प्रवृत्ति के कारण बहुत अच्छा माना गया है।

पूर्व
सन्तोष
आशावाद
स्वास्थ्य
हरा
लकड़ी



दक्षिण-पूर्व दिशा

इस दिशा का तत्व लकड़ी और रंग जामुनी होता है।

फेंगशुई द्वारा दक्षिणी-पूर्वी भाग धन तथा कलात्मक प्रवृत्ति से जुड़ा हुआ होता है। जिन लोगों का पढ़ाई का कमरा या ऑफिस इस भाग में बना हुआ है वह अपने भाग में अच्छे लक्ष्य को प्राप्त कर ज्यादा-से-ज्यादा धन एकत्रित कर सकते हैं।

फेंगशुई द्वारा दक्षिण-पूर्व दिशा में बैडरूम भी बनाया जा सकता है, यह हमारी आर्थिक स्थिति में वृद्धि का प्रतीक है। प्रत्येक मनुष्य की जिन्दगी में कलात्मक प्रवृत्ति की वृद्धि होने से तरह-तरह की मुश्किलों का हल और रास्ते निकलते हैं। कभी-कभी अनसुलझी मुश्किलों का भी प्राकृतिक रूप से हल निकल जाता है। क्योंकि धन और कलात्मक प्रकृति दोनों ही किचन से ताल्लुक रखती हैं, इस वजह से दक्षिण-पूर्व दिशा में किचन का होना भी उत्तम माना जाता है।

दक्षिण-पूर्व

धन

सकृयता

जामुनी

लकड़ी

दक्षिण दिशा

इस दिशा का तत्व अग्नि और रंग लाल होता है।

फेंगशुई द्वारा दक्षिण दिशा वाला स्थान शक्ति, सफलता बढ़ाने और सामाजिक यश प्राप्त करने में सहायक होता है। अगर आप अपना डायनिंग रूम दक्षिण दिशा वाले स्थान में बनायेंगे तो मेहमान की आवभगत और उससे सम्बन्धित लोगों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

जो लोग व्यवसाय करते हैं, उनके लिए भी यह अपने ग्राहकों और सहायकों की आवभगत में लाभदायक सिद्ध होगा। यह शक्ति बहुत



शक्तिशाली होती है, इसलिए फेंगशुई द्वारा इस स्थान में बैडरूम बनाना उन लोगों के लिए सही होगा जो प्रसिद्धि हासिल करना चाहते हैं। क्योंकि इतनी शक्तिशाली अग्निरूपी शक्ति में सोना काफी मुश्किल होता है। चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार दक्षिण दिशा के स्थान की शक्ति उत्तेजना अथवा प्रेम को बढ़ाने वाली भी होती है, इसलिए अगर किसी व्यक्ति की जिन्दगी में प्रेम या सेक्स की कमी है तो वह इस शक्ति के द्वारा दोबारा हासिल की जा सकती है। इस स्थान पर नींद न आना उतना महत्व नहीं रखता है।

दक्षिण
शक्ति
उत्साह, प्रेम
यश
लाल
अग्नि

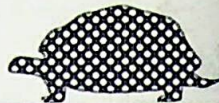
दक्षिण-पश्चिम दिशा

इस दिशा का तत्व धरती और रंग गुलाबी होता है।

फेंगशुई द्वारा दक्षिण-पश्चिम दिशा वाली शक्ति शान्ति की प्रतीक मानी जाती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा सम्बन्धों को भी दृढ़ बनाती है। चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा जिन परिवारों का खाने या बैठने का कमरा इस दिशा में होता है उनमें बहुत कम लड़ाई देखने को मिलती है।

वह लोग अपने आप में बहुत ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैडरूम का होना भावात्मक स्तर पर बहुत आरामदायक होता है। हर समस्या का समाधान भी इस भाग में ही सम्भव है।

फेंगशुई द्वारा दक्षिण-पश्चिम दिशा परिवार के बीच रिश्तों को मजबूत करने की प्रतीक भी मानी जाती है और परिवार के सदस्यों में एक-दूसरे के बीच विश्वास तथा अच्छी समझ पनपती है, जो उनके मध्य बातचीत के स्तर को भी दृढ़ बना देती है।



दक्षिण-पश्चिम
शान्ति
सम्बन्ध
व्यवहारिकता
गुलाबी
धरती

पश्चिम दिशा

इस दिशा का तत्व धातु और रंग सफेद होता है।

फेंगशुई द्वारा पश्चिमी दिशा वाला स्थान परस्पर प्यार तथा परिवार की प्न्नति से जुड़ा हुआ माना जाता है। अगर इस स्थान में ड्राइंगरूम या डायनिंग म को बनाया जाये तो वह पारिवारिक रिश्तों की नींव को मजबूती प्रदान करता है। कुछ ऐसे परिवार होते हैं, जिनमें रिश्तों के अन्तर्गत व्यवहार-कुशलता का अभाव पाया जाता है। उन लोगों को भी बैठने का कमरा इसी दिशा में ही बनाना चाहिए।

ऐसा करके वह लोग 'ची' शक्ति का भरपूर लाभ उठा सकते हैं, अगर बच्चों या बड़ों का बैडरूम इसी दिशा में बनाया जाता है तो वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगे।

बचपन में हुई भावनात्मक असुरक्षा से उबरने में भी यहां सहायता मिलती है तथा एक अच्छी युवावस्था में प्रवेश करने में भी यह दिशा सहायता प्रदान करती है।

पश्चिम
परिवार
सम्पन्नता
पारिवारिक सम्बन्ध
सफेद
धातु



उत्तर-पश्चिम दिशा

इस दिशा का तत्व धातु और रंग सलेटी होता है।

फेंगशुई द्वारा उत्तर-पश्चिम दिशा वाले भाग की प्रतिनिधि शक्ति जिम्मेदारी, योजना बनाने की क्षमता तथा संगठन के विकास में सहायक होती है। यह दिशा फेंगशुई द्वारा सामाजिक चक्र तथा कारोबार दोनों चीजों को ही प्रभावित करती है।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा यह स्थान बच्चों के पढ़ने या घर में कार्यालय बनाने के लिए भी उत्तम माना जाता है। इस दिशा में बैठे हुए काम कर रहे लोगों में सकारात्मक प्रवृत्ति का संचार होता है जो लोगों के काम करने में सहायता प्रदान करते हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा जो लोग अपने जीवन में प्रगति या लाभ कमाना चाहते हैं तो वह लोग इसी दिशा में अपना बैडरूम बनायें। जो लोग इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि उन्हें जिम्मेदारी का काम नहीं सौंपा गया है तो वह भी अपने सोने का प्रबन्ध इसी दिशा में कर सकते हैं, ऐसा करने से उनकी स्थिति में बहुत जल्दी परिवर्तन आ जायेगा।

कुछ लोग चाहते हैं कि उनकी सामाजिक जिन्दगी में परिवर्तन लाना चाहते हैं और उसे अच्छा बनाना चाहते हैं तो उन लोगों को भी उत्तर-पश्चिम दिशा वाले स्थान में अपना बैडरूम बनाना चाहिए।

उत्तर-पश्चिम
जिम्मेदारी
योजना
नेतृत्व
सलेटी
धातु

केन्द्र

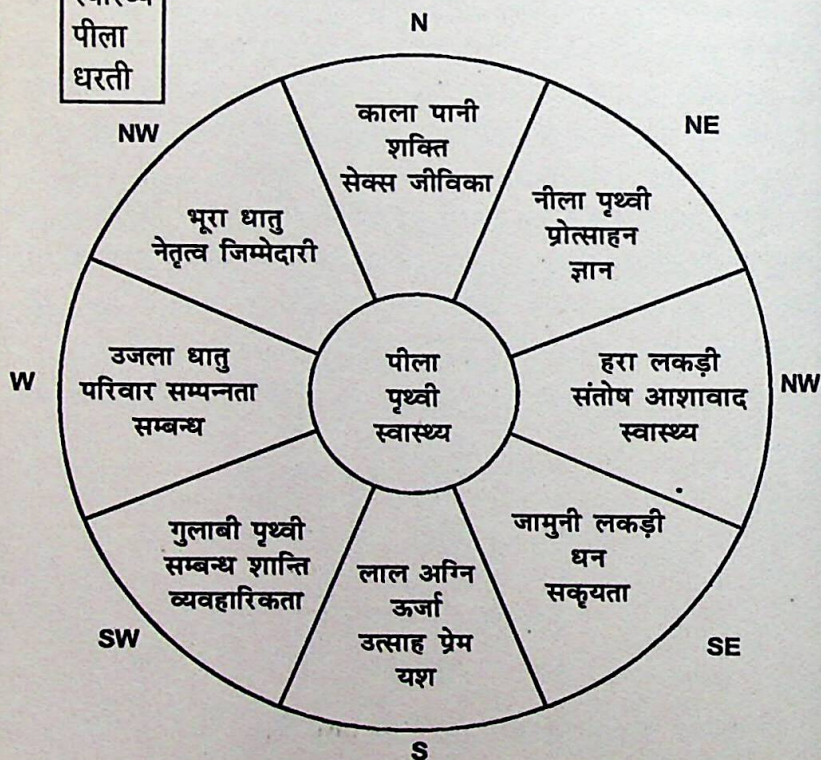
केन्द्र का तत्व पृथ्वी और रंग पीला होता है।



फेंगशुई द्वारा अगर हम शक्ति प्राप्त करना चाहते हैं तो वह सबसे ताकतवर शक्ति हमें सिर्फ केन्द्र में ही प्राप्त हो सकती है। इस स्थान की शक्ति भौतिक, आत्मिक तथा भावात्मक स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है। हालांकि हमें इस स्थान पर दिशाओं की शक्ति मिलती है। अगर घर के केन्द्र की जगह किसी कमरे या सजावट के सामान से घिरी हुई है तो इसका असर उस मकान में रह रहे लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है।

फेंगशुई द्वारा सबसे अच्छा तरीका इस स्थान को कोलाहल से दूर स्वतन्त्र रूप से रखना होता है। यह स्थान जितना अधिक खुला हुआ होता है उतना ही अधिक उत्तम साबित होता है। केन्द्र के स्थान पर हॉल का निर्माण उत्तम माना जाता है।

केन्द्र
स्वास्थ्य
पीला
धरती





फेंगशुई द्वारा इन सभी दिशाओं का परीक्षण करने के पश्चात् उदाहरण के लिए आप यह जान सकते हैं कि कौन-सी दिशा वाला स्थान बैडरूम, कार्यालय अथवा डायनिंग रूम के लिए उत्तम माना जाता है?

अगर किसी कारणवश कमरों में परिवर्तन करना मुमकिन नहीं है तब भी फेंगशुई का उपयोग करके आप बेहतर परिणाम पा सकते हैं। यह बात सच है कि काफी कम संख्या में मकान फेंगशुई द्वारा बनाए जाते हैं। आगे भी आपको पता चलता जायेगा कि किस प्रकार हम अपने कमरों में बदलाव ला सकते हैं। जबकि वह परकार की उस दिशा में नहीं है जहां उन्हें होना चाहिए। लेकिन उस वक्त हम परकार के बिन्दुओं का एक चार्ट बनाकर सब दिशाओं की विशेषताओं का आसानी के साथ निरीक्षण कर सकते हैं।



फेंगशुई के स्वर्णिम सूत्र

1. पानी का सूत्र

पृथ्वी के दो-तिहाई हिस्से में सिर्फ पानी-ही-पानी है और इसी प्रकार हमारे शरीर का भी हिसाब होता है। फेंगशुई द्वारा भी पानी को बहुत महत्त्व दिया जाता है। हमारी जिन्दगी में भी पानी काफी महत्त्वपूर्ण तत्व है। हमारे घर की दक्षिण-पूर्व दिशा वाले स्थान में फव्वारों का होना आर्थिक सम्पन्नता तथा धन अर्जन में सफलता को बढ़ाने का प्रतीक माना जाता है। बड़े-बड़े व्यापारी भूमि से बाहर की ओर फव्वारा लगाकर लाभ उठाते हैं।

फेंगशुई द्वारा धन-सम्पन्नता में वृद्धि के लिए ऐसा करना उत्तम माना जाता है लेकिन हर व्यक्ति के पास इतनी जगह भी नहीं होती कि वह फव्वारा लगाये लेकिन ऐसे व्यक्तियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं, वह इस कर्म को मछली का जलाशय रखकर पूरा कर सकते हैं और उसका अधिक-से-अधिक लाभ उठा सकते हैं।

फेंगशुई द्वारा मछली का जलाशय रखने पर जीवन और पानी का संचार होता है। अगर आप पानी से भरे कटोरे में मोमबत्ती डाल दें तो इससे भी 'ची' के प्रवाह में वृद्धि होती है। इस प्रकार कोई भी इस शक्ति को अपने घर पर लाकर इसका फायदा ले सकता है।

एक बात का हमें खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए कि पानी गन्दा और बदबूदार बिल्कुल न हो। जो पानी ताजा नहीं होता उसका आसपास के वातावरण में फैली 'ची' शक्ति पर उल्टा प्रभाव पड़ता है।

आपके मकान या कार्यालय की दक्षिण-पश्चिम दिशा में ताजा पानी



रिश्तों में शान्ति का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अगर इस भाग में गन्दा या बदबूदार पानी होगा तो वह इस शान्ति को पूरी तरह नष्ट कर देगा। इसलिए पानी को हमेशा स्वच्छ व ताजा रखना चाहिए तभी आप इसके बुरे प्रभाव से अपने आपको बचा सकते हैं।

2. बैठने का कमरा

घर के अन्दर परिवार के सभी सदस्य जहां एक साथ मिलकर बैठना पसन्द करते हैं वह होता है लाऊन्ज। घर में यही एक ऐसा स्थान है जहां परिवार के सदस्य ज्यादा-से-ज्यादा समय बिताते हैं। इस स्थान पर एक साथ बैठने से रिश्तों में दृढ़ता पैदा होती है—और मिलकर बैठने से सभी समस्याओं का समाधान सुविधापूर्वक कर लिया जाता है।

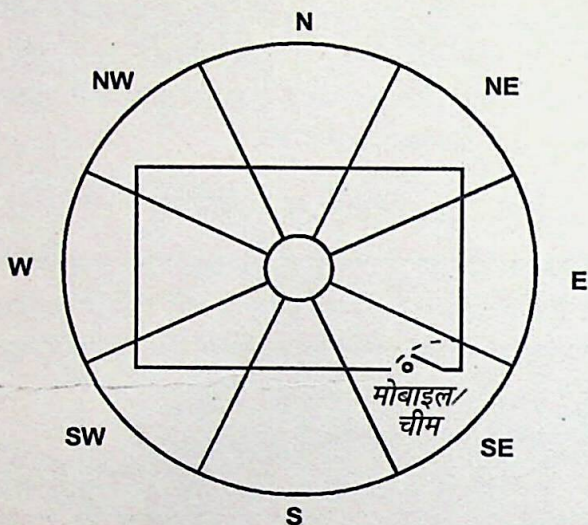
परिवार के सभी लोग इस स्थान पर बैठकर अपनी थकान व तनाव से मुक्त हो जाते हैं। इसलिए लाऊन्ज को हर प्रकार से आरामदेह होना चाहिए ताकि परिवार के रिश्तों का विकास एक अच्छे वातावरण में हो सके।

3. दरवाजा

फेंगशुई द्वारा लाऊन्ज का प्रवेश द्वार चाहे वह कहीं भी हो 'ची' को प्रवाहित होने को असन्तुलित करता है। इस बात पर ही 'ची' की विशेषता निर्भर करती है कि प्रवेश द्वार परकार के बिन्दुओं के किस ओर है?

अगर आपका लाऊन्ज आयत के रूप में बना है और उसका द्वार दक्षिण-पूर्वी दिशा वाले स्थान में हो, तो दक्षिण-पूर्व से प्रवाहित 'ची' का सन्तुलन कम होता जाएगा। क्योंकि 'ची' का कुछ भाग दरवाजे के कारण रुक जाएगा। इसके कारण आपको आर्थिक समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है।

क्योंकि फेंगशुई द्वारा कमरे का दक्षिणी-पूर्वी भाग सम्पन्नता का प्रतीक माना जाता है। 'ची' के प्रभाव को बढ़ाने के लिए यहां पर मोबाइल या घण्टी भी लगाई जा सकती है, जैसा कि अग्रांकित चित्र में दर्शाया गया है।



अगर आपके लाऊन्ज का दरवाजा दूसरी तरफ है तो ऊपर वाला सिद्धान्त यही सिद्ध करेगा, वह भाग थोड़ी-सी असन्तुलित 'ची' प्रवाहित करेगा और फिर उसको घन्टी या मोबाइल टांगकर सन्तुलित किया जा सकता है।

अगर एक बार में ही इसका समाधान कर दिया तो लाऊन्ज से जुड़ी दूसरी समस्याएं अच्छी प्रकार सुलझाई जा सकती हैं।

4. एलकोव-मेहराबदार दीवार

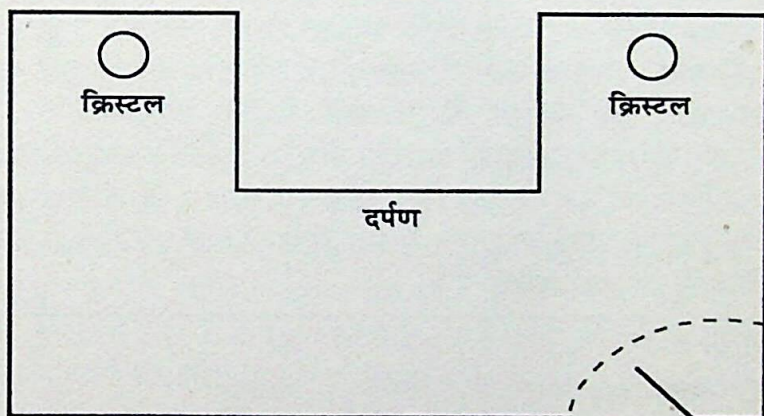
फेंगशुई द्वारा अगर आपके कमरे की एक दीवार अन्य दूसरी दीवारों की अपेक्षा ज्यादा फैली हुई हो तो उनमें कम-से-कम एलकोव का निर्माण कर सकते हैं।

ऐसा करके कमरे में 'ची' के वितरण को कम किया जा सकता है। जैसे कि आपके कमरे की चिमनी पूर्व दिशा की दीवार की अपेक्षा ज्यादा उभरी हुई हो तो फिर इस स्थान पर एक-एक एलकोव उत्तर-पश्चिम तथा उत्तर-पूर्व भागों में बनाया जा सकता है।



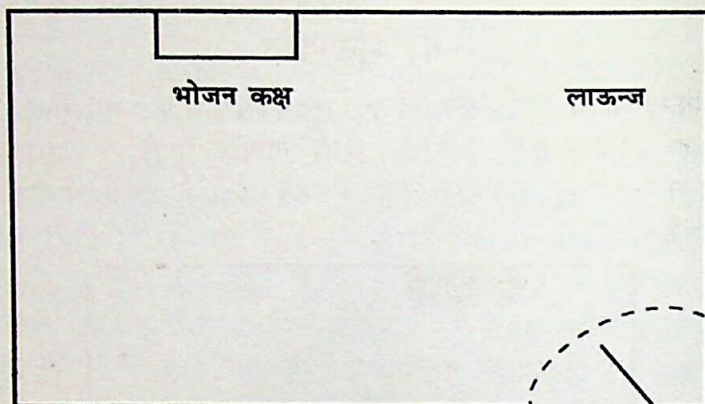
क्योंकि उत्तर-पश्चिमी शक्ति के द्वारा ही यह शक्ति प्रेरित होती है। इस प्रकार यह योजना बनाने तथा नेतृत्व की प्रवृत्ति को भी कम करती है। दूसरी ओर उत्तर-पूर्व को यह उत्साह शक्ति तथा उद्देश्य बढ़ाने की शक्ति को कम कर देती है।

फेंगशुई द्वारा इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए हम खाली जगह पर किस्टल का प्रयोग कर सकते हैं। अगर हम खाली दीवार पर एक शीशी टांग दें तो यह 'ची' को कमरे में स्वतन्त्र रूप से प्रवाहित करने में सहायता प्रदान करता है। एलकोव तथा शीशे में प्रवाहित होकर यह 'ची' बड़ी हुई दीवार की गहराई तक पहुंचेगी। जैसा कि निम्न चित्र में दर्शाया गया है—



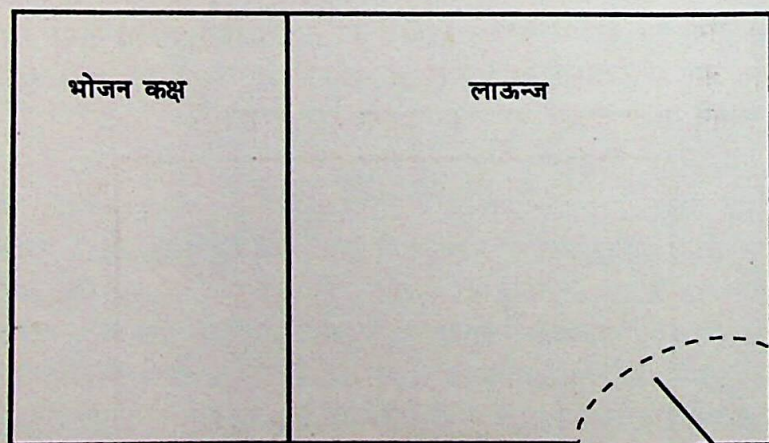
5. कमरे की योजना

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा अगर दो कमरे एक खुली योजना के अनुसार मिल जाते हैं तो उनके अन्दर प्रवाहित हो रही 'ची' अलग-अलग कमरों में प्रवाहित हो रही 'ची' के मुकाबले में कम प्रभावशाली होती है। आगे दिए गए चित्र में आपको डायनिंग रूम और ड्राइंगरूम एक ही कमरे में दो भागों के रूप में दिखाई देंगे। उनके बीच में कोई भी अलग करने वाला तत्व नहीं है।



चित्र में लाऊन्ज का उत्तरी-पश्चिमी, पश्चिमी और दक्षिणी-पश्चिमी क्षेत्र प्रत्यक्ष नहीं हैं और उनके अन्दर प्रवाहित हो रही 'ची' भी मौजूद नहीं है। इसी प्रकार खाने के कमरे में उत्तर-पूर्व, उत्तरी तथा दक्षिणी-पूर्वी भाग प्रत्यक्ष नहीं है तथा यहां पर भी इन भागों की 'ची' मौजूद नहीं है।

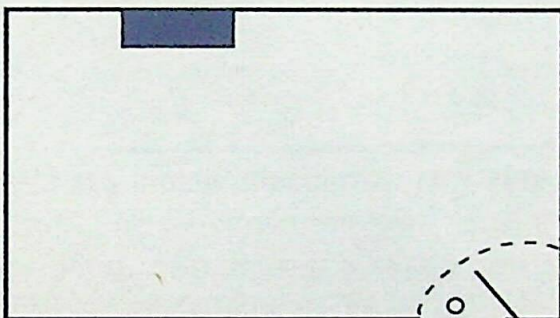
अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो दोनों कमरों को कृत्रिम तौर पर विभाजित कर दीजिए। इन दोनों कमरों के मध्य में स्क्रीन लगाकर उनको विभाजित किया जा सकता है तथा तीनों अप्रत्यक्ष प्रकार के बिन्दुओं को फिर से पाया जा सकता है।





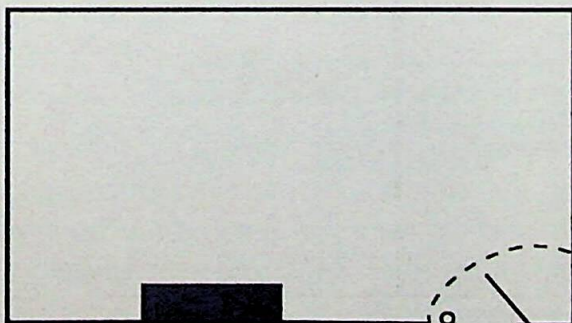
6. सूट-छत

किसी भी लाऊन्ज में फेंगशुई द्वारा सूट कोणाकार की जगह गोल आकार की नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे आपके कमरे में यांग शक्ति ज्यादा-से-ज्यादा प्रवाहित होकर वहां के रहने वालों के आराम में बाधा डाल सकती है।



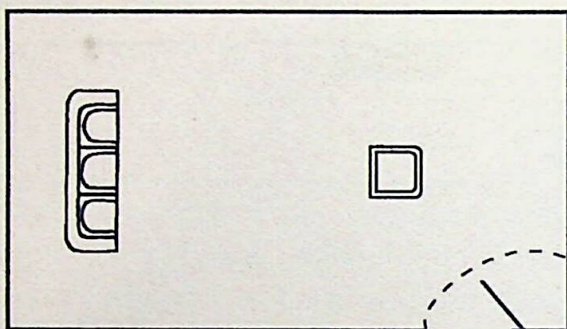
आज के आधुनिक समय में कोणदार सजावट की बढ़ती मांग अच्छी फेंगशुई कला का सूचक नहीं मानी जाती है।

एक बात का ध्यान रखिये कि अगर आपका सूट ठीक-ठाक है तो उस पर एक बार और गौर कर लीजिए और ध्यान दीजिए, देखिये कि वहां रहने वाले लोगों को वहां से बैठकर दरवाजे का नजारा दिखाई देता है या नहीं? अगर आपको दरवाजे का नजारा दिखाई नहीं दे रहा है तो आप दरवाजे के सामने वाली दीवार पर एक आईना टांग सकते हैं।

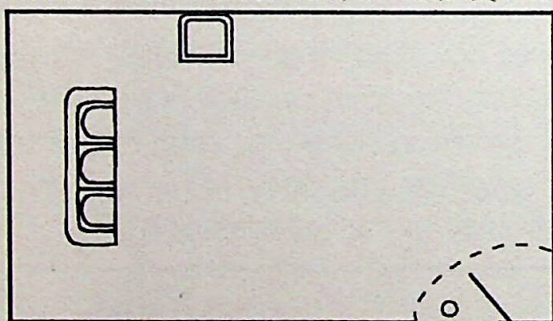




आपको अगर अपने घर के लिए फर्नीचर खरीदना है तो उनका चुनाव करते समय आपको कुछ बातें ध्यान रखनी आवश्यक हैं। अगर आप अपने घर के लिए कुर्सियां खरीद रहे हैं तो एक बात याद रखिये कि कुर्सियों को सीधा एक-दूसरे की विपरीत दिशा में ही रखना चाहिए। इससे आपके बातचीत करने का माहौल अच्छा बना रहेगा।

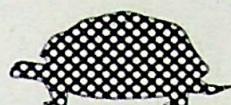


एक साथ बैठकर इस प्रकार का माहौल काफी कम ही बनता है, इस वजह से कोणाकार अथवा गोलाकार व्यवस्था ज्यादा सही मानी जाती है।



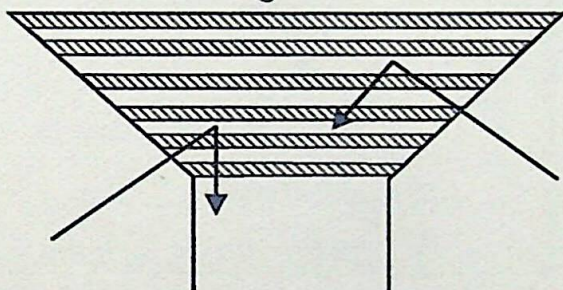
छत

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा छत का भी अपना एक महत्वपूर्ण स्थान होता है, मगर फेंगशुई द्वारा लाऊन्ज में यह कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। क्योंकि 'ची' ऊर्जा लाऊन्ज की छत से टकराकर परिवार के सभी सदस्यों के ऊपर गिरती है। इस प्रकार अगर आपकी छत समरूप नहीं होगी तो 'ची' का असर नकारात्मक होगा।

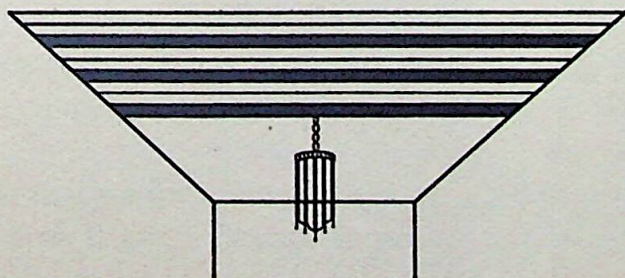


जैसे कि कुछ घरों में बल्लियों वाली छतें होती हैं। इस प्रकार की छतें कमरे को काफी पारम्परिक रूप प्रदान करती हैं। मगर उनमें एक कठिनाई है, ये 'ची' ऊर्जा के प्रवाह में बाधा डालती है तथा यह वहां पर बैठे सभी परिवार के सदस्यों पर एक अस्वस्थ प्रभाव डालती है। इस प्रकार इस स्थान पर लोगों का रहना व बैठना मुश्किल हो जाता है।

फेंगशुई द्वारा इसी प्रकार झुकी हुई छतें भी इसी प्रकार की समस्याएं खड़ी कर देती हैं। इन छतों से वापस आकर 'ची' गलत कोणों द्वारा एक अस्वस्थ अनुभव प्रदान करती है, जो वातावरण को असन्तुलित बना देती है और वहां बैठने वालों के लिए मुश्किल पैदा करती है।



फेंगशुई द्वारा इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस स्थान पर घण्टी या मोबाइल को टांगकर इनका समाधान किया जा सकता है। इससे आपके कमरे में उल्टी प्रवाहित हो रही 'ची' सीधी प्रवाहित होने लगेगी। इस प्रकार आप 'ची' के प्रवाह को सन्तुलित करने में कामयाब रहेंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ जो होगा वह यह है कि यह वहां पर बैठे हुए लोगों पर अपना हल्का प्रभाव डालेगी।

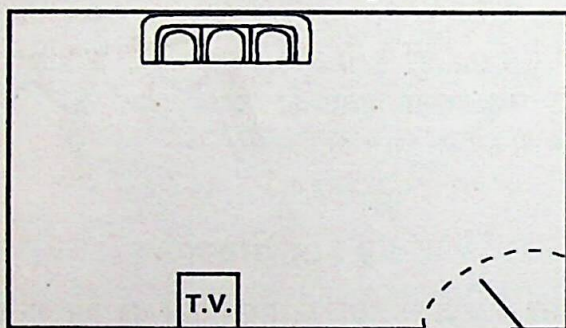




7. टेलीविजन

फेंगशुई द्वारा आप अपने मकान में टी०वी० का भी एक उपयुक्त स्थान चुन लीजिए क्योंकि टेलीविजन एक विद्युत उपकरण होता है, इसलिए फेंगशुई द्वारा इसे ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां से यह अच्छी प्रकार 'ची' के प्रवाह में सहायता करता रहे।

अगर आप अपने टेलीविजन को दक्षिण-पूर्व वाली दिशा में रखेंगे तो यह स्थिति आपकी धन तथा सम्पन्नता में वृद्धि करेगी।

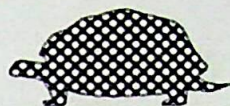


अगर आप अपने टेलीविजन को दक्षिण-पश्चिमे दिशा में रखें तो फेंगशुई द्वारा यह स्थिति आपके अच्छे सम्बन्ध बनाने में आपकी सहायता करेगी। अगर आप अपना टेलीविजन उत्तर-पूर्व की दिशा में रखेंगे तो आपको उत्साह का अनुभव होगा। उपर्युक्त चित्र के अनुसार टेलीविजन को व्यापारिक तथा सामाजिक स्तर बढ़ाने की दृष्टि से कमरे के दक्षिणी भाग में रखा गया है।

8. कॉफी की मेज

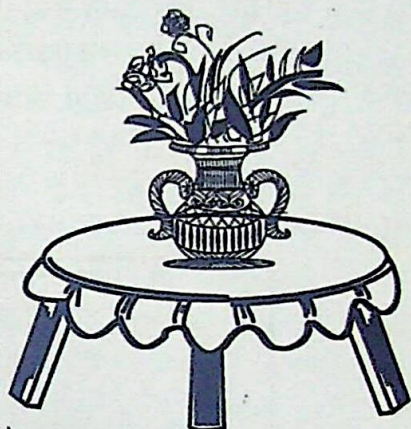
पहले भी फेंगशुई के अनुसार विभिन्न आकृतियों के बारे में जानकारी दी जा चुकी है और देखा गया है कि अधिकतर आकृतियां गोलाकार, आयताकार तथा चतुर्भुज आकार की होती हैं।

बहुत-से लोगों को देखा गया है कि वह अपनी मेज कमरे के बीच में ही रखते हैं। पहले भी इस बात की जानकारी आपको दी जा चुकी है कि



कमरे के बीच का स्थान हमेशा खाली रहना चाहिए और वहां शोरगुल भी नहीं होना चाहिए। इसलिए इस बात का हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि मेज हमेशा कमरे में एक तरफ ही रखनी चाहिए।

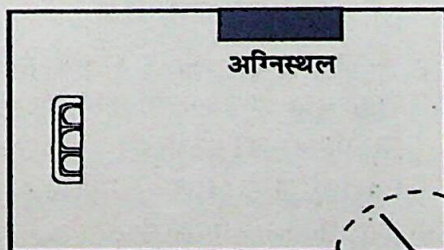
जब आपको मेज को बीच में लगाने की आवश्यकता हो तो आप इसे बीच में लगा सकते हैं। इस्तेमाल करने के पश्चात् मेज को फिर एक तरफ रख देना चाहिए। अगर आपके पास बीच में मेज रखी हुई है तो आप इसके ऊपर एक ताजा फूलों का गुलदस्ता रख सकते हैं, इससे आपके कमरे में 'ची' का प्रवाह होता रहेगा।



9. अग्निकक्ष

कुछ घरों में सर्दी से बचने के लिए कमरे को गर्म करने का प्रबन्ध केन्द्र द्वारा किया जाता है। उस स्थान पर अग्निकक्ष नहीं होते। अगर आप पर भी यह स्थिति लागू होती है तो इस खण्ड को छोड़ दीजिए और इन नियमों का पालन करिये—

1. फेंगशुई द्वारा अपने घर में कुर्सियों अथवा सोफे को कभी भूलकर भी अग्निकक्ष के सामने नहीं रखना चाहिए; क्योंकि ये कुर्सियां वहां प्रवाहित 'ची' में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। इसके स्थान पर स्वीट तथा कुर्सियों को 'आकृति व्यवस्था' के अनुसार ही रखना चाहिए।





2. फेंगशुई द्वारा अग्निस्थल में जब अग्नि का इस्तेमाल न हो रहा हो तब उसमें उपस्थित राख को निकालकर उसे बिल्कुल साफ-सुथरा कर देना चाहिए। इस प्रकार आपके कमरे में प्रवाहित हो रही 'ची' को और भी ज्यादा प्रवाहित होने में सहायता मिलती है, इसलिए इस बात का ध्यान रखें।

3. फेंगशुई द्वारा अग्निक्व के किसी भी स्थान पर पौधा भी रख सकते हैं या फिर अग्निक्व आपके इस्तेमाल में न आ रहा हो तो उसके अन्दर भी एक पौधा रखा जा सकता है। यह स्थिति अग्निक्व के भीतर भी 'ची' को वितरित करती रहेगी, उस वक्त भी जब आप इसका इस्तेमाल न कर रहे हों। इस प्रकार यह पौधा पूरे वातावरण में 'ची' को स्वतन्त्रतापूर्वक प्रवाहित होने में सहायता करता रहेगा तथा आपके कमरे में 'ची' का प्रवाह बना रहेगा।

10. किताबों की आलमारी

फेंगशुई द्वारा किताबों को खुली हुई आलमारी में कभी नहीं रखना चाहिए; क्योंकि किताबें अनेक आकृतियों तथा विभिन्न आकारों में आती हैं, इस वजह से उन्हें खुली हुई आलमारी में रखना 'ची' के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करना है।

जिस कमरे में परिवार के सदस्यों का ज्यादा उठना-बैठना रहता है उस स्थान से जितना भी दूर हो सके इन किताबों को दूर ही रखना चाहिए। किताबों को इस प्रकार की आलमारी में रखना चाहिए जिसमें शीशे या लकड़ी के दरवाजे चढ़े हुए हों। इससे इनका नकारात्मक प्रवाह वहां के रहने वाले सदस्यों पर अपना प्रभाव नहीं डालता।

11. साज-सज्जा

आज के आधुनिक युग में लोग साज-सज्जा के ऊपर ज्यादा ध्यान देने लगे हैं। फेंगशुई द्वारा जब कभी भी आप अपने कमरे की सजावट करना चाहें तो हमेशा इसके सन्तुलन पर ध्यान देना। गोल आकार का कोण के साथ सन्तुलन, रंग का रोशनी के साथ सन्तुलन और सख्त सतह के कपड़े जैसे कि कुशन तथा सोफे के रंग में सन्तुलन, यह आपको यीन का यांग



के साथ सन्तुलन बनाने में सहायता करता है—और परिवार के सभी सदस्यों को पूरी तरह आराम पहुंचाता है।

फेंगशुई द्वारा आप अपने लाऊन्ज की सजावट के लिए हमेशा हल्के तथा नरम रंगों का ही प्रयोग करें। गहरे रंगों की अपेक्षा (जैसा कि नीला व लाल) हल्के रंगों का ही उपयोग करना चाहिए, क्योंकि हल्के रंग शान्ति के प्रतीक माने जाते हैं।

अगर आप फेंगशुई द्वारा अपने घर के किसी विशेष स्थान पर शक्ति का संचार करना चाहते हैं जैसे कि धन की शक्ति का जो लाल रंग से सम्बन्ध रखती है, आप अपने घर की दक्षिणी दीवार पर लाल रंग की तस्वीर टांगकर इस कमी को पूरा कर सकते हैं। ऐसा करने से हमारी यह इच्छा पूरी हो जाएगी और कमरे में 'ची' का सन्तुलन बना रहेगा।

अगर आप चाहें तो अपने कमरे की दीवारों पर प्राकृतिक दृश्यों वाली पेन्टिंग लगाकर उनकी सजावट कर सकते हैं। वह भी आपके कमरे के लिए अच्छी साबित होगी, मछलियों का शोकेस भी कमरे में लाभदायक सिद्ध होता है; क्योंकि यह भी प्राकृतिक तथा लाभदायक 'ची' का संचार करके शान्ति का अनुभव देता है।

जहां तक मुमकिन हो सके आप अपने कमरे में फर्नीशिंग्स का भी प्रयोग कर सकते हैं। हल्के रंग के बिखरे हुए कुशन तथा नरम और रंगीन कालीन लाऊन्ज में अधिक बेहतर होते हैं क्योंकि गहरे रंग आंखों में चुभते हैं। अपने कमरे की लकड़ी की जमीन पर वार्निश का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि वह परिवार के सदस्यों को पूरा आराम नहीं दे पाती।

12. बैठने का आधुनिक कमरा

फेंगशुई द्वारा आधुनिक प्रकार के कमरे जो कि विशेष रूप से बैठने के लिए बनाए जाते हैं उनमें प्रवेश करते ही सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि इस कमरे में अधिक शोरगुल तो नहीं रहता है, इससे स्वतन्त्र 'ची' का प्रवाह सकारात्मक लाभ के साथ होता है।

आपके इस आधुनिक कमरे के बीचो-बीच पड़ी कुर्सी भी इस 'ची' के प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर सकती है। इसलिए उन कुर्सियों का प्रबन्ध ऐसी



जगह पर किया जाना चाहिए जहां 'ची' के प्रवाह में बाधा उत्पन्न न हो सके—और बीच का स्थान खाली रहे। ऐसा करना परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए लाभदायक सिद्ध होता है।

कमरे में रोशनी के लिए रखे गये लैम्प को भी किसी ऐसे अंधेरे कोने में रखना चाहिए जहां से वह पूरे कमरे में कृत्रिम रोशनी फैलाने की जगह सिर्फ इसी कोने तक रोशनी सीमित रखे, ताकि यह वहां पर लम्बे काम के बाद आने वालों के आराम में बाधा न डाले। परदों को खिड़की से हटाकर ज्यादा-से-ज्यादा प्राकृतिक रोशनी लाई जाये।

फेंगशुई द्वारा सोफे को दरवाजे के ठीक सामने होना चाहिए, ताकि उसमें बैठने वाले व्यक्तियों को दरवाजा साफ दिखाई दे, अगर ये मुमकिन नहीं तो दरवाजे की विपरीत दिशा में एक शीशा लगाना चाहिए जिससे दरवाजा साफ दिखाई दे सके।

अगर आप इस कमरे का ज्यादा-से-ज्यादा लाभ उठाना चाहते हैं तो फिर रंगों का समावेश होना आवश्यक है। जिस स्थान को आप उभारना चाहते हैं तो फिर उस स्थान का सजावट का सामान स्थान के रंग के अनुसार रंगीन होना चाहिए; जैसे कि दक्षिण में लाल रंग की मेज घर में अधिक शक्ति का संचार करती है। इसी प्रकार तस्वीरों, परदों तथा दूसरे सजावट के सामानों के द्वारा कमरे में रंग भरे जा सकते हैं।

13. परिवार के बैठने का कमरा

फेंगशुई द्वारा इन कमरों में जो बीच में काफी जगह होती है वो 'ची' को सकारात्मक लाभ के लिए प्रवाहित होने देती है जो पारिवारिक स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी अच्छा होता है।

दीवार के ऊपर लगाया गया शीशा भी 'ची' के प्रवाह के लिए उपयोगी माना जाता है तथा उत्तर-पूर्व से आ रही प्राकृतिक रोशनी को वापस कमरे में डालता है। अगर दरवाजे के सामने सोफा नहीं रखा गया है तो शीशा उसकी कमी को पूरा कर देता है।

मकान की उत्तरी दिशा में टेलीविजन का स्थान उपयुक्त माना गया है जहां से वह सेक्स, शान्ति तथा भविष्य के निर्माण को उत्तेजित करता



है, ताकि घर में रह रहे लोगों की हर आवश्यकता को सही दिशा दिखा सके। फेंगशुई में यह सरल उपाय है।

कमरे में ज्यादातर हल्के रंग के ही परदे होने चाहिए, ताकि ज्यादा-से-ज्यादा प्राकृतिक रोशनी अन्दर आ सके। कमरे में टंगी कुछ तस्वीरें, एक छोटी-सी मेज और लैम्प घर में रह रहे लोगों को रोशनी पर नियन्त्रण रखने में मदद करते हैं, ताकि वह अपने आराम तथा सुविधा के अनुसार उसे कम भी कर सकते हैं और अधिक भी।

अगर हम उत्तरी-पश्चिमी भाग को उत्साहित करने वाली प्रवृत्ति और नीले रंग के प्रतिकूल होने के कारण नीली कुर्सी को कमरे की विपरीत दिशा में कर दें तो हम इसका अधिक लाभ उठा सकते हैं। परिवार के सदस्यों के लिये यह स्थिति बेहतर मानी जाती है।

14. एडवार्डियन तरीके से बैठने का कमरा

फेंगशुई द्वारा अगर इस कमरे में शीशे और पौधों को सही ढंग से सजाया जाये तो 'ची' ऊर्जा आसानी से इस स्थान पर प्रवाहित होती रहेगी। यिन विशेषता वाला नरम सोफा और उससे मेल खाते हुए कुशन और कोणाकार आग जलाने का स्थान काफी अच्छी तरह सज्जित किया जाता है। गहरे रंग के सोफे पर हल्के रंग के कुशन का उपयोग सोफे के रंग को उभारता है। शीशा, सोफे पर बैठने वाले को दरवाजे का दृश्य भी प्रदान करता है।

अगर आपका कमरा उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है तो इस कमरे में गहरे नीले रंग का ही उपयोग किया जाना चाहिए। ये रंग 'ची' को शक्ति प्रदान करेगा।

कमरे की खिड़कियां लम्बी होनी चाहिए, ताकि सूर्य-शक्ति का भी अच्छी प्रकार संचार हो सके।

कमरे को सजाने के लिए तस्वीरों का भी प्रयोग किया जा सकता है। लेकिन उसमें रहने वालों को उस जगह को शोरगुल से बचाना होगा, इसलिए तस्वीरों को करीने के साथ ही सजाना होगा। उसे इस तरीके से सजाना चाहिए, ताकि वह 'ची' के प्रवाह में बाधा न डाल सके।



15. हल्के और शिष्ट ढंग से सजा बैठने का कमरा

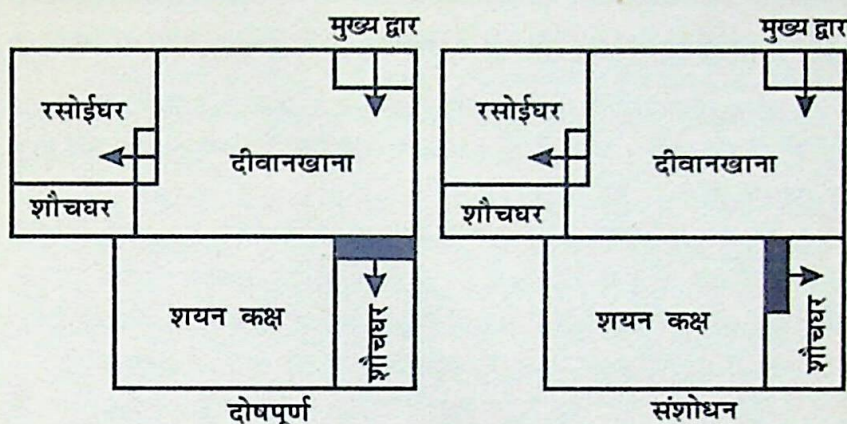
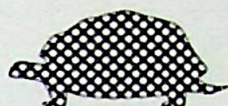
फेंगशुई द्वारा इस कमरे को बड़ी शिष्टता से सजाना चाहिए। लेकिन फेंगशुई द्वारा यहां कुछ समस्याओं पर भी ध्यान देना ज्यादा जरूरी हो जाता है। कमरे के दक्षिणी भाग में हमें ज्यादा ध्यान देना होगा जो अग्नि का स्थान कहलाता है। यह स्थान ज्यादा-से-ज्यादा शक्ति और उत्तेजना को प्रदान करता है।

लेकिन अगर दीवार पर टंगी काली पेन्टिंग को दीवार के विपरीत दिशा में टांगा गया है तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होती है, क्योंकि काला रंग पानी से जुड़ा होता है और विपरीत दिशा उत्तर में होती है। उसकी स्थिति में परिवर्तन लाना शान्ति, सेक्स, भविष्य निर्माण के क्षेत्र में काफी लाभदायक सिद्ध होता है। जो कि उत्तर दिशा की विशेषता मानी जाती है।

फेंगशुई द्वारा पौधों का उपयोग कमरे में जान डाल देता है। नरम सज्जा का सामान कोणदार सज्जा के सामान से मेल खाता होने की वजह से यह यिन और यांग का अच्छा सन्तुलन बनाते हैं। कमरे की बड़ी-बड़ी खिड़कियों और हल्के रंग के पर्दों से काफी रोशनी अन्दर आती है। बीच का स्थान खाली होना चाहिए; क्योंकि ये 'ची' को स्वतन्त्र वातावरण प्रदान करेगा।

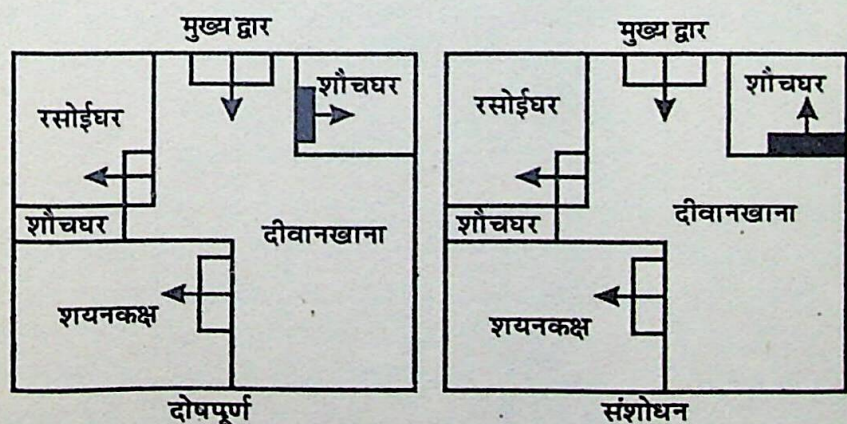
16. शौचालय के सामने मकान का मुख्य द्वार न बनाएं

प्रत्येक मनुष्य अपना मकान बनाते समय शौचालय का भी प्रबन्ध आवश्यक रूप से करता है। शौचालय बनाते समय हमें एक बात का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए कि शौचघर को मकान के मुख्य द्वार के सामने कदापि नहीं होना चाहिए। मकान में शौचघर का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है; क्योंकि शौचघर अशुद्ध स्थान होता है। अगर आपने भूल से अपना शौचघर मुख्य द्वार के सामने बना लिया है तो उसे तुरन्त बदलवा देना चाहिए। आप अपने शौचघर का दरवाजा बन्द करके दूसरी दीवार या दूसरे कमरे में खुलवा सकते हैं, इस तरह आपके शौचघर में संशोधन किया जा सकता है।



अगर किसी कारणवश आप इस तरह का संशोधन नहीं कर पाते हैं तो आप मुख्य दरवाजे और शौचघर के बीच में अपारदर्शी ठोस अवरोध बनवा सकते हैं। ऐसा करके मुख्य द्वार से प्रवेश करने वाली ऊर्जा को शौचघर के रास्ते से नाली में बहने से रोका जा सकता है।

एक बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि अवरोध ठोस होना चाहिए। साधारण परदे का उपयोग अवरोध के रूप में करने से कोई फायदा नहीं होगा, इसलिए इस बात का खास ख्याल रखें।





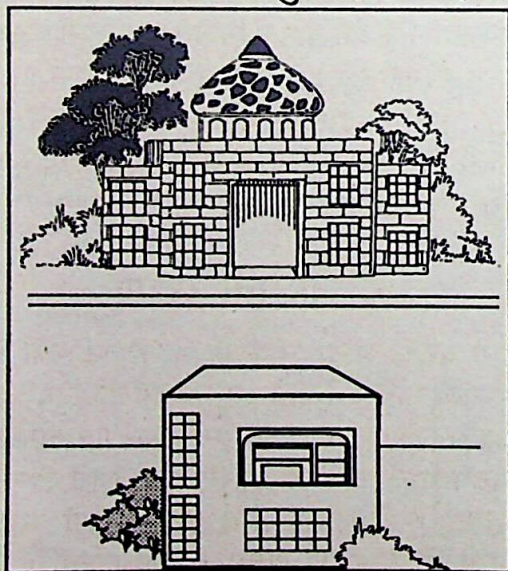
17. अपनी आय को दोगुना करने के लिए दर्पण का प्रयोग करें

आज के जमाने में लोग अपनी दुकानों व शोरूमों को ज्यादा-से-ज्यादा शीशों से सजाते हैं। कोई भी शोरूम या दुकान जिसमें अन्दर शीशे लगे होते हैं सामान से भरी हुई दिखाई देती है।

इस प्रकार दुकान को भरा-भरा देखकर ग्राहक आकर्षित होते हैं और दुकान की आमदनी भी बढ़ जाती है। अगर आपकी दुकान के शीशे में आपके कैश रजिस्टर या कैश बॉक्स का प्रतिबिम्ब दिखाई देता है तो फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी मानी जाती है, इससे दुकान की आय में वृद्धि होती है।

लेकिन एक बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आपके शीशे में दुकान का मुख्य दरवाजा नहीं दिखाई देना चाहिए। अगर आपके खम्भों की नोक निकली हुई है तो आप शीशों के द्वारा उनको छिपा सकते हैं। शो केबिनेट्स डिस्पले विन्डोज में शीशे का प्रयोग अवश्य करना चाहिए, फेंगशुई द्वारा शीशे का प्रयोग सौभाग्य को बढ़ाता है।

18. घर के सामने गुम्बद का होना





फेंगशुई द्वारा आपके घर के मुख्य दरवाजे के सामने कोई गोल गुम्बद नहीं होना चाहिए। अगर आपके सामने गोल गुम्बद होगा तो ऐसे मकान में रहने वालों की सन्तान-मनोवृत्ति अस्थिर होगी और ऐसे बच्चे अपेक्षाकृत ज्यादा चंचल होते हैं।

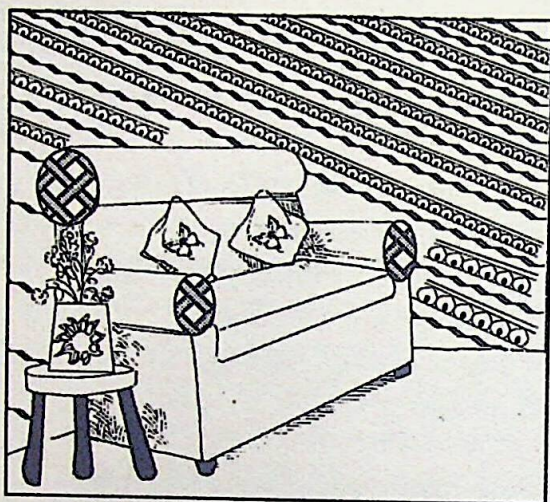
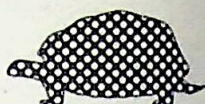
इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आपको एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि बच्चों का शयनकक्ष इस तरह के दोष से बाधित न हो। अगर कोई इस प्रकार का बैडरूम है तो उसका प्रयोग केवल बड़े लोग ही करें। क्योंकि इस दोष का नकारात्मक प्रभाव बड़ों पर नहीं होता है। इस कमरे को अगर चाहें तो बच्चों के खेलने और पढ़ने वाले कमरे के रूम में ही इस्तेमाल करें, इसमें बच्चों को सोने न दें।

19. मदर ऑफ पर्ल फर्नीचर

फेंगशुई द्वारा अपने घर के लिए मदर ऑफ पर्ल फर्नीचर का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यह फर्नीचर आपके घर के काष्ठ कोण की ऊर्जा को सक्रिय करने में सहायता करता है। इस फर्नीचर में कील का प्रयोग बहुत कम किया जाता है। यही वजह होती है कि चीन में निर्मित फर्नीचर में कीलों का न्यूनतम प्रयोग किया जाता है। कील धातु की बनी होती है इसलिए यह काष्ठ के प्रभाव को कम कर देती है, इसलिए यथासम्भव अपने घर की दक्षिण-पूर्व अथवा पूर्व दिशा में बिना कीलों वाला फर्नीचर ही इस्तेमाल करना चाहिए, यह फेंगशुई द्वारा उत्तम रहेगा।

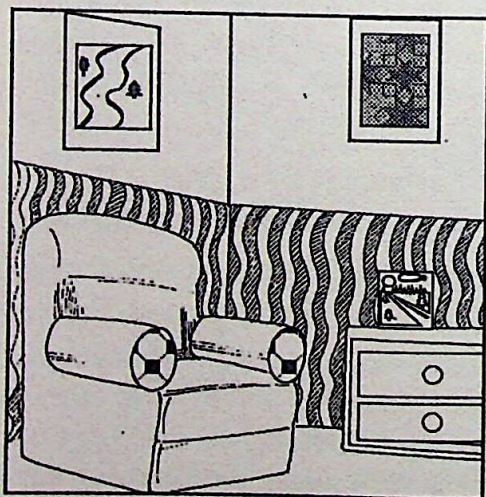
20. लहराती रेखाएं

फेंगशुई द्वारा घर के अन्दर लहराती लाइनों का होना भी शुभ माना जाता है। इन लहराती लाइनों में नीले और हरे रंग का उचित सन्तुलन होना चाहिए। अगर सफेद बैकग्राउण्ड है तो उसके अन्तर्गत तीखे नीले और हरे रंग की लाइनें उत्तम मानी जाती हैं। नारंगी तथा लाल लाइनों का मिश्रण सन्तुलित माना जाता है। बिन्दियों और घेरों से अच्छी तरह मिश्रित हों। अथवा कार शेप में भी ये काफी खूबसूरत दिखाई देती हैं।



21. टेढ़ी या तिरछी रेखाएं

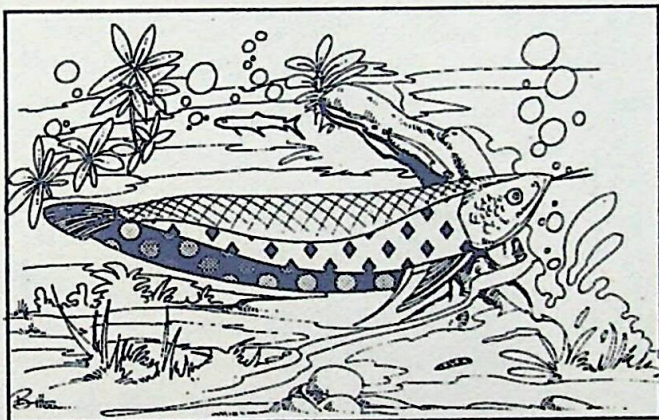
अगर आपके घर में आड़ी व तिरछी रेखाएं हैं तो एक बात का ध्यान रखिए, उन पट्टियों को नारंगी, सलेटी और भूरे रंग से अच्छी तरह मैच कीजिए। अगर बैकग्राउण्ड हरा अथवा भूरा है तो फेंगशुई द्वारा ये लाइनें अशुभ मानी जाती हैं।





22. अरोवाना फिश का प्रयोग

फेंगशुई द्वारा अरोवाना फिश का घर में रखना भी उत्तम माना जाता है। यह सौभाग्य-वृद्धि की प्रतीक मानी जाती हैं। बड़े-बड़े देशों हांगकांग, चीन, इंडोनेशिया, सिंगापुर मलेशिया आदि दक्षिणी-पूर्वी देश अरोवाना के नाम से अच्छी तरह आप लोग परिचित हैं। साफ स्वच्छ पानी में रहने वाली चांदी के रंग सी ये चमकीली मछली ऑफिस व घरों में पाली जाती है।



इस मछली को अकेला ही रखा जाता है। अगर इस मछली को धूप में देखा जाये तो इसका कलर गुलाबी नजर आता है। इस मछली में एक खूबी होती है कि इसे जो कुछ भी खाने को दिया जाए वो आसानी से खा लेती है लेकिन इसका मनपसन्द आहार गोल्ड फिश है।

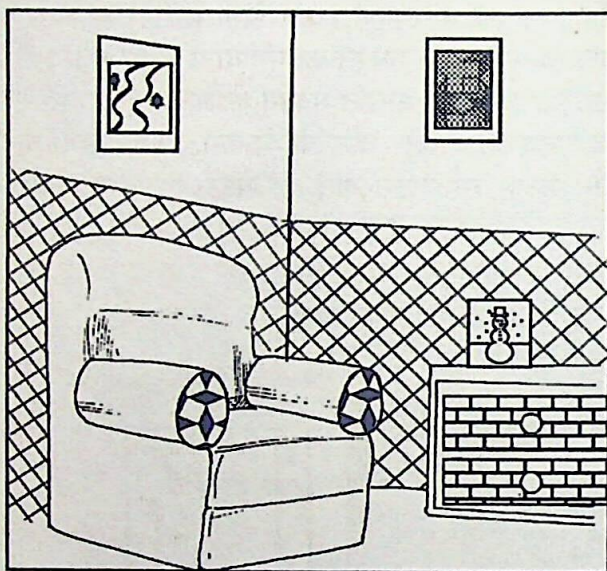
अगर आप भी अपने घर अथवा ऑफिस में सौभाग्य-वृद्धि करना चाहते हैं तो उत्तर-पश्चिम दिशा अथवा दक्षिण-पूर्व दिशा में एक्वेरियम रखकर उसमें अरोवाना फिश पालें और सौभाग्य जगायें।

23. चेक्स व स्क्वायर का प्रयोग

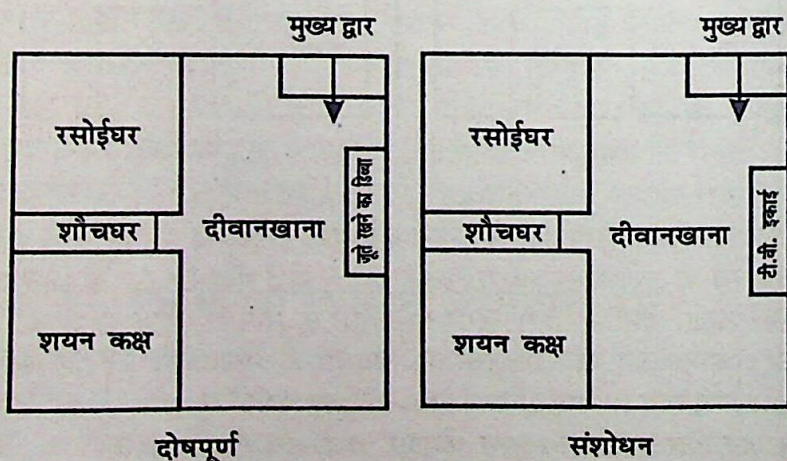
अपने घर में चेक्स व स्क्वायर का प्रयोग करते समय कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। फेंगशुई द्वारा पीले और लाल रंगों में अच्छा मेल मिलता है, सफेद तथा मैटेलिक रंगों का भी अच्छा मिश्रण है। काले तथा नीले



बैकग्राउन्ड पर बहुत शुभ होते हैं। हरे और नीले रंग के चेक्स और स्क्वायर अशुभ माने जाते हैं।



24. मकान के मुख्य द्वार के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए

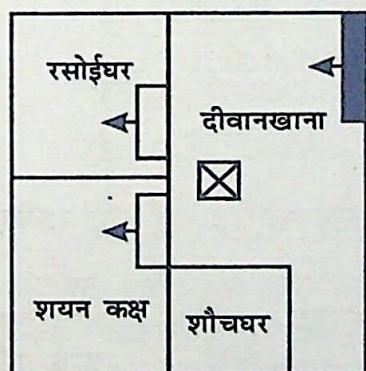




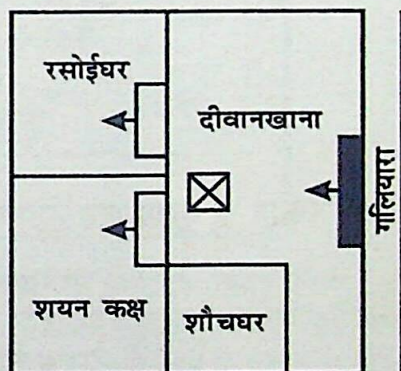
हर व्यक्ति को अपना मकान बनाते समय मुख्य द्वार के विषय में विशेष तौर पर जानकारी होना आवश्यक है, क्योंकि फेंगशुई के अनुसार मकान का मुख्य द्वार सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है।

मकान का मुख्य द्वार मकान का मुंह माना जाता है इसी से होकर सभी अच्छी ऊर्जाएं और भाग्य-उन्नति मकान के अन्दर प्रवेश करते हैं। इसलिए मकान का मुख्य द्वार सही स्थान पर बनाना आवश्यक होता है।

मकान बनाते समय इस बात को अच्छी तरह देख लें कि मुख्य द्वार के अन्दर अथवा बाहर किसी भी तरह का अवरोध नहीं होना चाहिए। मुख्य द्वार के आस-पास के अवरोध सद्भाग्य को दुर्भाग्य में बदल देते हैं। वैसे खास तौर पर मुख्य द्वार मकान के सबसे बड़े और रोशनीदार कमरे या गलियारे में ही बनाना चाहिए।



दोषपूर्ण



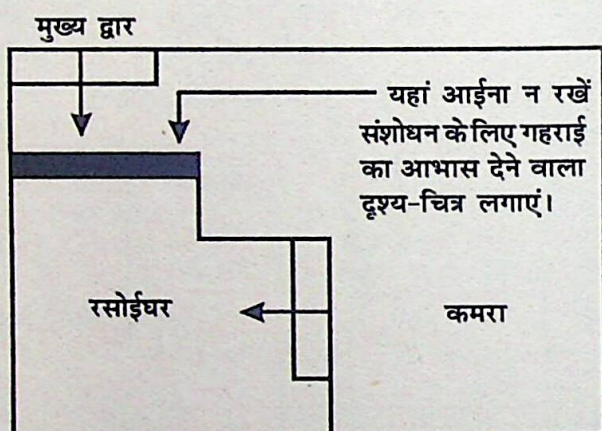
संशोधन

मकान के मुख्य द्वार के सामने जूते रखने का डिब्बा या फिर कोई दूसरा अवरोध भी नहीं होना चाहिए। कोई फालतू चीजें भी मुख्य द्वार के आसपास नहीं दिखाई देनी चाहिए। अगर मुख्य द्वार के सामने इमारत का खम्भा भी आता है तो वह भी एक तरह का अवरोध ही माना जायेगा। यह मकान की सबसे बड़ी कमियां होती हैं तथा इसे एक गंभीर समस्या मानकर चलना चाहिए और इसका निवारण फेंगशुई द्वारा करा लेना चाहिए।



25. मकान के मुख्य द्वार के सामने आईना नहीं लगाना चाहिए

कुछ घरों में खासतौर पर देखा जाता है कि मकान के मुख्य द्वार के ठीक सामने ही लोग आईना लगा देते हैं। फेंगशुई के द्वारा आईना मुख्य द्वार के सामने नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि यह स्थिति खतरनाक होती है। ऐसा करने से मकान के अन्दर प्रवेश करने वाली 'ची' ऊर्जा परावर्तित होती है और वह मुख्य द्वार से वापस ही लौट जाती है।



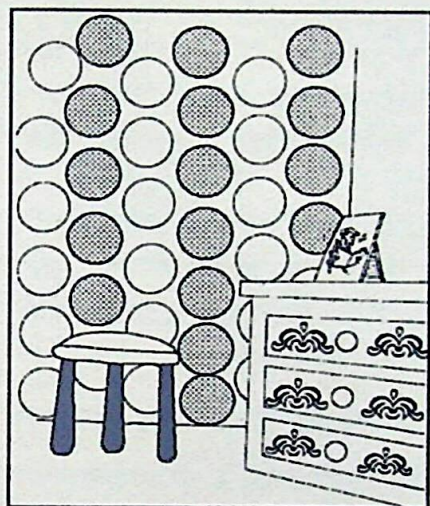
खाली दीवार का होना भी मुख्य द्वार के सामने अशुभ माना जाता है, मगर इस कमी को आईना लगाकर न पूरा करें, सामने की खाली दीवार को शुभ बनाने के लिए किसी पेन्टिंग का इस्तेमाल किया जा सकता है या फिर जंगल में दिखाई देने वाले पगडंडी अथवा सड़क का दृश्य भी लगा सकते हैं, इससे देखने वालों को प्रतीकात्मक रूप से अधिक विस्तार का आभास भी होगा और फेंगशुई द्वारा भी यह स्थिति शुभ मानी जाती है। इस बात का खास ख्याल रखें।

26. बिन्दियों का प्रयोग

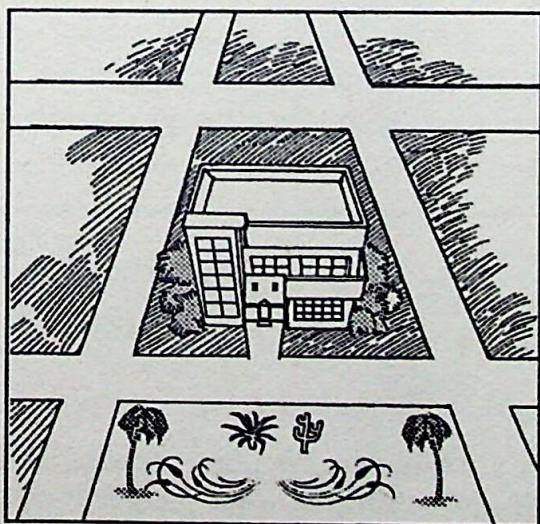
फेंगशुई द्वारा बिन्दियों का प्रयोग भी उत्तम है। मैटेलिक रंग, सिल्वर सफेद व गोल्डन कलर बिन्दियों के उत्तम माने जाते हैं। अगर बैकग्राउण्ड

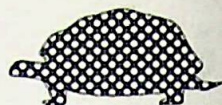


सलेटी या पृथ्वीय है तो उस पर विन्दियां शुभ होती हैं। फेंगशुई द्वारा ये स्थिति शुभ मानी जाती है।



27. सड़कों से घिरा हुआ मकान





फेंगशुई द्वारा कभी-कभी दुकान-मकान अथवा सोसायटी फ्लैट्स या कॉमर्शियल कॉम्प्लैक्स की हालत ऐसी हो जाती है कि सड़कों के जाल-से चारों तरफ से घिरे हुए मालूम होते हैं। इस स्थिति को देखने से ऐसा महसूस होता है कि मानो घर का सारा धन चारों दिशाओं से निकलकर बाहर जा रहा हो और वास्तव में ऐसा ही होता है।

ऐसे स्थानों में किसी भी हालत में धन की बचत करना मुश्किल हो जाता है।

अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो घर की मुख्य दहलीज को दरवाजे के फर्श के तल से एक इंच ऊपर उठवा देना चाहिए ताकि अन्दर प्रवेश करने वाला व्यक्ति कदम उठाकर अन्दर प्रवेश करे। फेंगशुई द्वारा यह उत्तम उपाय है।

28. फैक्स व टेलीफोन का उपयोग

फेंगशुई द्वारा फैक्स और टेलीफोन का भी एक उचित स्थान है। इसलिए इन चीजों को उनके उचित स्थान पर ही रखना बेहतर होता है।

सर्वप्रथम आपको यह देख लेना चाहिए कि टेलीफोन लाइन में किस दिशा की ऊर्जा 'ची' मैसेज ला रही है। इसके पश्चात् ही शुभ दिशा ज्ञात करनी चाहिए और फिर फोन व फैक्स को इस तरह रखना चाहिए कि मैसेज व सारी कॉल्स इसी दिशा में आनी चाहिए। फोन के प्लग का प्रबन्ध भी इसी दिशा में ही करना चाहिए। इस प्रकार करने से फैक्स और फोन के द्वारा शुभ समाचारों के मैसेज ही प्राप्त होंगे।



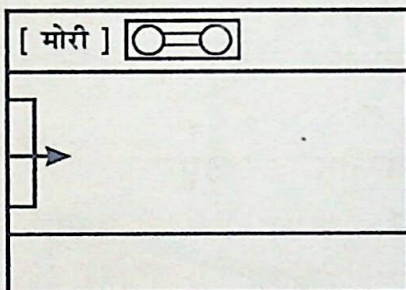
चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा माना गया है कि शुभ ऊर्जाएं शुभ दिशा से



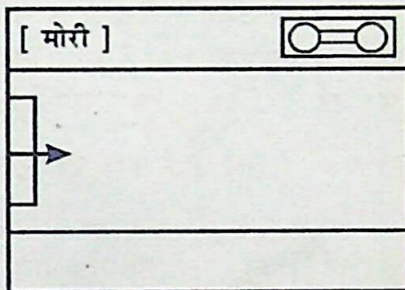
ही आती हैं। इसलिए ऊर्जा का स्रोत ही सौभाग्य-दुर्भाग्य का फैसला करता है।

29. अपने किचन में आग और पानी को एक-दूसरे से दूर रखिए

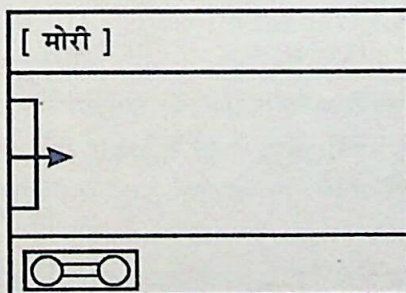
फेंगशुई द्वारा आप अपने किचन में पानी और आग जैसे मोरी और बर्नर एक-दूसरे के पास या फिर आमने-सामने कभी नहीं रखें। इसकी विशेष वजह यह है कि इन तत्वों के विध्वंसक-चक्र के सिद्धान्त के अनुसार जल तथा आग एक-दूसरे के हमेशा से पूरी तरह विरोधी रहे हैं।



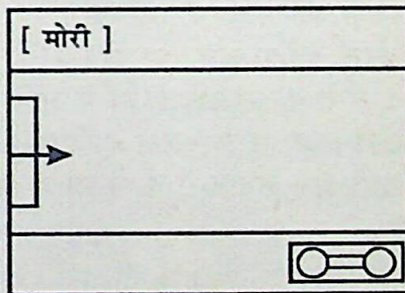
दोषपूर्ण (क)



संशोधन (क)



दोषपूर्ण (ख)

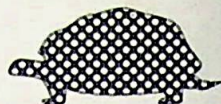


संशोधन (ख)

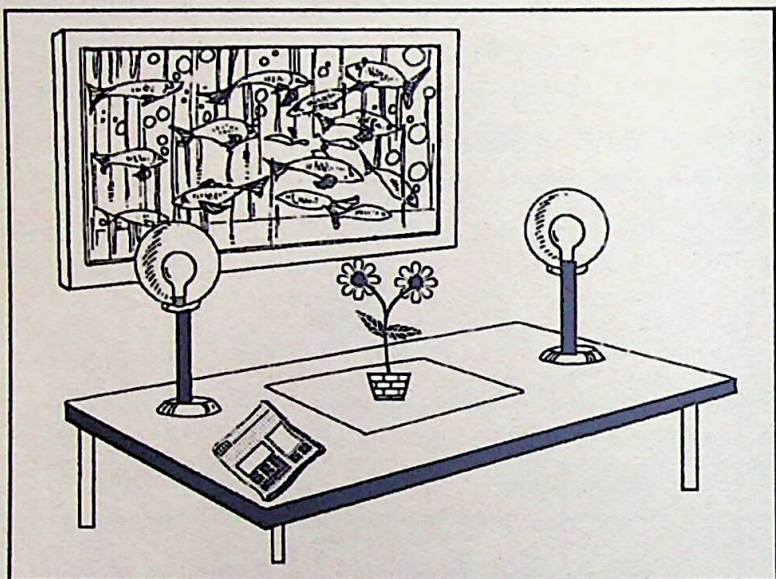
30. शुभ-अशुभ पेन्टिंग की जानकारी

फेंगशुई द्वारा पेन्टिंग्स को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन शुभ-अशुभ पेन्टिंग के बारे में लोग कम परिचित हैं।

एक बात का जान लेना बहुत जरूरी है कि भाग्यवृद्धि के लिए हम



कैसे पेन्टिंग घर में लगायें, पेन्टिंग के अन्दर इस प्रकार के डिजाइन या चित्र न हों जिसमें बहुत ज्यादा कोने या उभार निकले हों। पेन्टिंग में रंग भी दीवार के तत्व से मेल खाते हुए होने चाहिए। उदाहरण के लिए, मैटेलिक कलर की पेन्टिंग दक्षिण-पूर्व की दीवार पर लगाएं।



अपने ऑफिस की उत्तर-पश्चिम की दीवार पर किसी ऐतिहासिक घटना को दर्शाती हुई ही पेन्टिंग टांगनी चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह मैजिकल ड्राइग्राम 'ची-एन' की भाग्य वृद्धि करती है तथा पावर फुल फेंगशुई अस्त्र बन जाती है।

अगर पेन्टिंग्स में मछलियां दर्शायी गयी हों तो इससे वातावरण में शुभ ऊर्जा की वृद्धि होती है।

वैसे तो लैंडस्केप दर्शाती हुई पेन्टिंग्स भी शुभ ऊर्जा का संचरण करती हैं, मगर पेन्टिंग में अगर पहाड़ दर्शाये गये हैं तो इसे कुर्सी के पीछे लटकाएं और अगर पानी दर्शाया गया है तो उसे सामने वाली दीवार पर लगाएं। इसी तरह अगर पेन्टिंग में फलों को दर्शाया गया है तो उसे पूर्वी दिशा की दीवार पर ही टांगें।



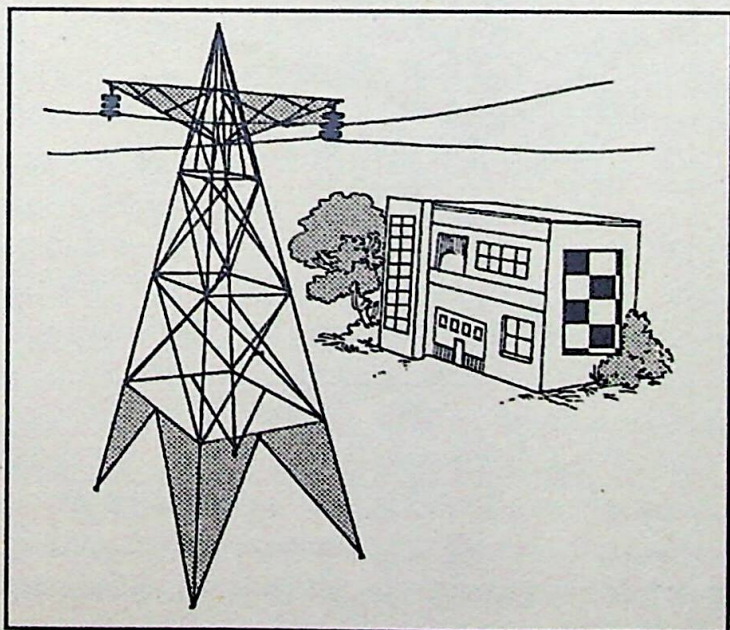
31. वेल्थ बकिट का उपयोग

आप अपने तत्व की धातु से मेल खाता हुआ एक मैटेलिक कंटेनर ले लें फिर उसके अन्दर सिक्के भरकर दक्षिण-पश्चिम दिशा में कैबिनेट के अन्दर रख दें। किसी भी स्थिति में इसको खुले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। फेंगशुई द्वारा सुख, सौभाग्य और समृद्धि को आमन्त्रित करने का उत्तम उपाय है।

इसी तरह सुनहरी रंग और आकार के आर्टिफिशियल इनगोट्स (सिल्लियाँ) भी इसी दिशा में रख सकते हैं। चीनी लोग मून न्यू ईयर में ऐसे इनगोट्स का प्रदर्शन खुलकर करते हैं। चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा ऐसे आर्टिफिशियल इनगोट्स एक दिन असली सोने में बदलकर आपको मालामाल कर सकते हैं।

इसी वजह से इसे वेल्थ बकिट कहा जाता है।

32. हाई-टेंशन वाला इलैक्ट्रिक टावर

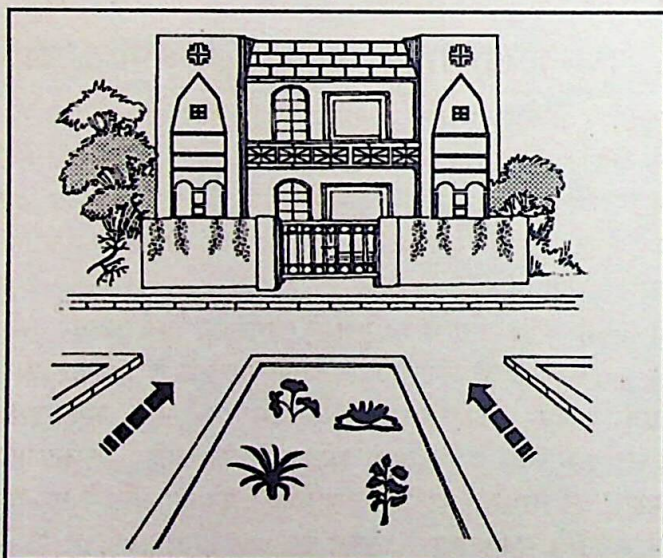




फेंगशुई द्वारा आपके घर के सामने टॉवरनुमा खम्भे का होना अशुभ माना जाता है। कई बार मकानों की स्थिति कुछ इस तरह की बन जाती है कि उसके सामने उच्च शक्ति की विद्युत तारों को ले जाने वाला टॉवरनुमा विशालकाय खम्भा आ जाता है ऐसी स्थिति होने पर घर में रहने वाले परिवार के सभी सदस्यों को वो शीघ्र दबोच लेती है और आपके मकान के अन्तर्गत आगजनी की छोटी-मोटी दुर्घटना होने की भी सम्भावना बनी रहती है।

इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए घर के मुख्य द्वार के ऊपर अष्टकोणीय आईना लगाना चाहिए। ऐसा करने पर टॉवरनुमा खम्भे से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को यह आईना अपने अन्दर ग्रहण कर लेता है और उसका प्रवेश घर में नहीं होने देता।

33. डबल 'T' प्वाइंट पर बना मकान



अगर आपके मकान के सामने दो सड़कें अलग-अलग दिशाओं से आकर मिलती हों तो घर में रहने वालों का स्वास्थ्य खराब रहेगा। परिवार के सदस्यों में जरा-जरा-सी बात को लेकर झगड़े शुरू हो जाएंगे। खासकर रुपये-पैसे की वजह से ही यह झगड़े उत्पन्न होंगे।



इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए दरवाजे की स्थिति में परिवर्तन करके कोण-दोष से अपना बचाव कर सकते हैं। वैसे ज्यादातर कोशिश यही करनी चाहिए कि आपके मकान के मुख्य द्वार तथा सड़कों का आमना-सामना न होने पाये। अगर ऐसा कर पाना मुमकिन न हो तो दीवार पर एक शीशा लगा दें, यह शीशा आपके मकान में प्रवेश करने वाली नकारात्मक ऊर्जा को परावर्तित करने में सहायता करेगा।

या फिर नीचे बाड़ लगाकर आप उसमें गेट भी लगा सकते हैं, यह नकारात्मक ऊर्जा के लिए बैरियर का काम करता है।

नकारात्मक ऊर्जा के अवरोध के लिए वैकल्पिक उपाय के तौर पर बाहर की तरफ खुलने वाले दरवाजे वाला पोर्च भी वहां बना सकते हैं। मगर एक बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि दरवाजा खोलते वक्त दोनों किवाड़ एकसाथ न खुलें।

34. मकान खम्भों के ऊपर नहीं बनाना चाहिए

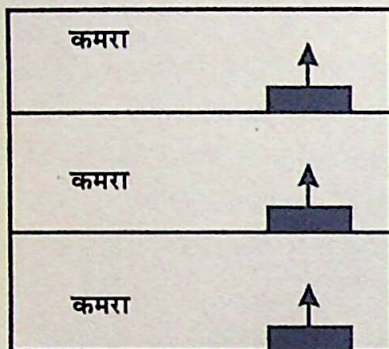
आजकल के दौर में बड़े-बड़े शहरों में यह पाया जाता है कि लोग जगह बचाने के लिए अपने मकानों को खम्भों पर टिकवा देते हैं। दिन-प्रतिदिन ऐसा प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है कि लोग मकान बनाते समय खम्भों को ही आधार बना लेते हैं। इस प्रकार के मकान न तो बनवाने चाहिए और न ही खरीदने चाहिए।

इस प्रकार के मकानों में रहने वाले लोगों का जीवन स्थिर नहीं रहता, ज्यादातर फ्लैटों में ऐसी स्थिति देखने को मिलती है कि वह खम्भों पर बनाये जाते हैं, अगर आप लोग फ्लैट खरीदना चाहें और उसकी इसी प्रकार को देखें तो एक बात का अवश्य ख्याल रखना चाहिए, फ्लैट की सबसे नीची इमारत को कभी न खरीदें। इस प्रकार की इमारतों में पहली मंजिल के फ्लैटों के नीचे मुक्त रूप से ऊर्जा प्रवाहित होती रहती है, लेकिन यह ज्यादा गम्भीर समस्या नहीं मानी जाती है फिर भी जितना सम्भव हो सके तो इस स्थिति से बच जाना चाहिए। ऐसे फ्लैटों में आप दूसरी मंजिल या अन्य कोई मंजिल खरीद सकते हैं। फेंगशुई द्वारा इस स्थिति को अच्छा नहीं माना जाता।



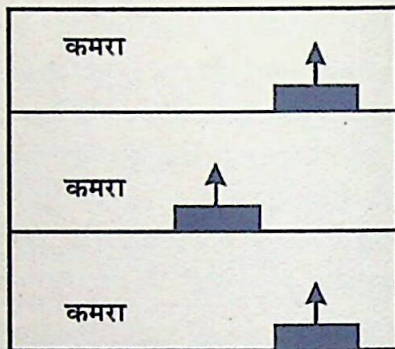
35. मकान में तीन दरवाजे एक सीध में न बनाएं

फेंगशुई के अनुसार मकान बनाते समय इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि एक ही सीध में तीन दरवाजे नहीं होने चाहिए। यह स्थिति एक भौतिक दोष है जो जानलेवा भी हो सकती है।



मुख्य प्रवेश द्वार

दोषपूर्ण



मुख्य प्रवेश द्वार

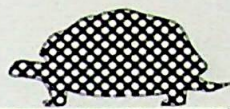
संशोधन

इन दरवाजों से होकर ऊर्जा 'ची' बहुत तेजी के साथ गुजर जाती है और इसका प्रभाव अन्त में मकान के आखिरी कमरे में रहने वाले लोगों पर पड़ता है जो कि बुरी तरह प्रभावित करता है।

अगर आपके मकान के अनजाने में तीन दरवाजे हैं तो उन्हें फौरन बदलवा देना चाहिए, मकान के बीच वाले दरवाजे की स्थिति को बदल देना चाहिए—वरना यह स्थिति घातक भी हो सकती है।

36. अपने मकान में मांगलिक प्रतीकों को प्रदर्शित करें

पुराने समय में चीनी सभ्यता के लोग भाग्यवान बनने के लिए कई मांगलिक लिपियों तथा प्रतीकों का प्रदर्शन किया करते थे। जैसे कि भारतीय सभ्यता के लोग 卐 और ॐ जैसे मांगलिक प्रतीकों का प्रदर्शन कर सकते हैं, इनका प्रयोग इसलिए किया जाता है; क्योंकि ये मांगलिक प्रतीक भाग्यशाली होने के चिन्ह माने जाते हैं। इन चिन्हों को लिपियां तथा विशेष



पेन्टिंग के रूप में भी लगाया जा सकता है या फिर इनको लकड़ी के टुकड़ों में भी उत्कीर्ण किया जा सकता है।



त्रिशूल, ॐ, स्वास्तिक

इन शुभ मांगलिक चिन्हों को आप अपने मुख्य द्वार पर भी लगा सकते हैं, अपनी सुरक्षा आदि की व्यवस्था के लिए इन्हें स्टीकर के रूप में अपनी किताब या डायरी में भी रख सकते हैं या फिर चिपका सकते हैं।

37. फेंगशुई में शुभ संख्याएं

बड़े-बड़े शहरों में लोग पते का निर्धारण करने के लिए उन्हें संख्याओं से इंगित करते हैं। फेंगशुई के द्वारा ही इन संख्याओं का निर्धारण होना चाहिए। फेंगशुई के अनुसार 1, 6, 7, 8 और 9 अंक को शुभ माना गया है। 8 के अंक को फेंगशुई के अनुसार ज्यादा लोकप्रिय माना जाता है क्योंकि इस अंक को सम्पन्नता का प्रतीक कहा जाता है। फेंगशुई के सलाहकार पृथ्वी और स्वर्ग की सम्पूर्णता के लिए 9 के अंक को शुभ मानते हैं।



1 一	2 二	3 三
4 四	5 五	6 六
7 七	8 八	9 九

किसी भी क्रम में 1, 6 और 8 की संख्याओं का युग्म (Combination) बड़ा ही भाग्यशाली माना जाता है—वर्तमान काल की प्रतिनिधि होने के कारण 7 की संख्या शुभ मानी जाती है। और इसी प्रकार इसको 2003 तक शुभ माना जाता रहेगा। इसके पश्चात् 2004 से लेकर 2023 तक 8 की संख्या शुभ मानी जाएगी। इसलिए अगर आपके मकान अथवा कार्यालय की संख्या शुभ है तो आप इसको हाइलाइट करें। यह निश्चित तौर पर आपके लिए सौभाग्यशाली रहेगी। इसलिए भवन को शुभकारी बनाने के लिए शुभकारी अंक को मकान के मुख्य भाग पर बड़े आकार में इस तरह लिखा रखें कि लोगों की निगाह में आ जाएं।

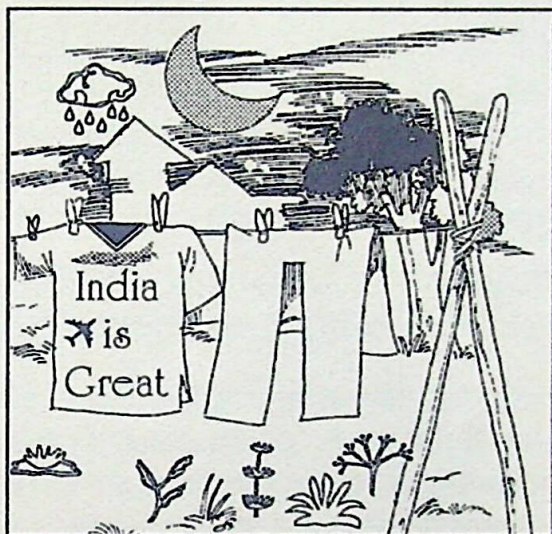
38. कपड़े रात में बाहर न सुखाएं

फेंगशुई द्वारा कपड़े धोकर रात के समय घर के बाहर बरामदे में या लॉन में नहीं सुखाने चाहिए। रात के समय नकारात्मक ऊर्जा ज्यादा सक्रिय रहती है। यह कपड़े जब बाद में आप पहनेंगे तो इनका नकारात्मक बुरा प्रभाव आप पर पड़ सकता है।

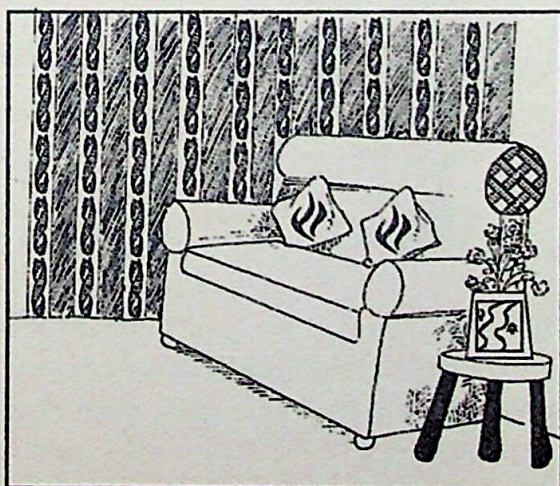
आज के आधुनिक युग में लोग इन बातों पर विश्वास नहीं करते लेकिन



यह बात बिल्कुल सही है कि रात में धुले हुए कपड़े सुखाने से बुरी ऊर्जा आकर्षित होती है। इसलिए धुले हुए कपड़े दिन में ही सुखाना ठीक रहता है, क्योंकि सूर्य का प्रकाश शुभ ऊर्जा का उत्सर्जन करता है।



39. घर में फैंब्रिक कलर्स पट्टियों का प्रयोग करें



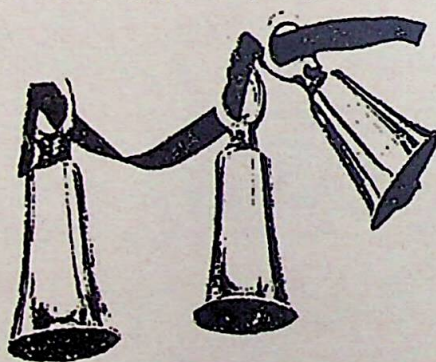


फेंगशुई द्वारा घर में फैब्रिक कलर्स पट्टियों का ही प्रयोग करना चाहिए। ये पट्टियां लाल और मैरून रंग में अधिक भाग्यशाली मानी जाती हैं। सफेद या मैटेलिक रंगों वाली पट्टियां दुर्भाग्य की सूचक हैं।

अगर आपकी पट्टियों का बैकग्राउंड काला या नीला है तो ये बहुत भाग्यशाली मानी जाती हैं। गहरे हरे रंग पर अगर हरे रंग की पट्टियों का मतलब है अतिरिक्त काष्ठ तत्व, इसलिए ये अशुभ माने जाते हैं। काले रंग के ऊपर हरे रंग की या नीले रंग की पट्टियां शुभ मानी जाती हैं। अगर लाल रंग के ऊपर हरे रंग की पट्टियां हैं तो यह सफलता की प्रतीक मानी जाती हैं।

40. अपने मकान के दरवाजे के हैंडिल में सिक्के या घंटियां लटकानी चाहिएं

प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर के दरवाजे के हैंडिल में घंटियां तथा सिक्के लटकाने चाहिएं, ये सम्पत्ति का सौभाग्य लाने का सर्वोत्तम मार्ग है। आप तीन पुराने चीनी सिक्कों को लाल रंग के धागे अथवा रिबन में बांधकर अपने घर के दरवाजे के हैंडिल में लटका सकते हैं।



घंटियां



चीनी सिक्के

ये स्थिति बड़ी ही शुभ मानी जाती है, ऐसा करने से घर के सभी लोगों को लाभ पहुंचता है। इन सिक्कों को सिर्फ घर के अन्दर की तरफ ही होना चाहिए बाहर की तरफ नहीं।



ये सिक्के मकान के मुख्य द्वार पर ही लटकाने चाहिए। घर के हर दरवाजे के हैंडिल में नहीं लटकाने चाहिए। दरवाजे के मुख्य द्वार पर एक छोटी घन्टी भी लटकानी चाहिए। यह घन्टी आपके सौभाग्य के प्रवेश की सूचक होती है, जबकि सिक्के घर में सम्पत्ति लाने के प्रतीक होते हैं। मकान के पीछे वाले दरवाजे पर आपको एक भी सिक्का नहीं लटकाना चाहिए क्योंकि आपका पीछे वाला दरवाजा इस बात का सूचक है कि इस रास्ते से होकर आपका कुछ-न-कुछ बाहर ही चला जाता है।

41. संगीत उपकरण टी०वी० इत्यादि

फेंगशुई द्वारा संगीत उपकरण ऊर्जा का विस्तारण करते हैं। इसलिए इन्हें इनके निश्चित स्थान पर ही रखना चाहिए—वरना इनका प्रभाव गलत भी पड़ सकता है।

इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरणों को रखने में लोग फेंगशुई के सिद्धान्त और नियम नहीं देखते बल्कि अपनी सुविधा के अनुसार ही इन्हें सेट करते हैं।

जबकि चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा ध्वनि विस्तारण क्षमता के कारण ये उपकरण शुभ ऊर्जा का विस्तारण करते हैं, अगर आप इन्हें अपने मकान की दक्षिण-पूर्व दिशा में रखेंगे तो धन-सम्पन्नता को स्थायित्व मिलता रहेगा। इसके साथ ही ध्वनि के कारण शुभ 'ची' ऊर्जा का भी प्रवाह होता रहेगा और परिवार के सभी सदस्य मानसिक पीड़ा से बचे रहते हैं।

42. चमत्कारी 'कैलून'

फेंगशुई द्वारा इसका घर में लगाना भी उत्तम माना जाता है। इसका सिर शेर जैसा होता है, सिर के ऊपर दो सींग होते हैं। इसका धड़ हिरन जैसा और पूंछ सांप जैसी मानी गयी है और इसके पैर बकरे जैसे। इसकी पीठ पर तीन सुनहरी सिक्के बने होते हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा मुख्य दरवाजे के बायीं तरफ इस कैलून को लगाने से अशुभ 'ची' का प्रवाह नहीं होता। बुरी नजर से व्यक्ति बचा रहता है और उसके मकान में चोर-डाकुओं जैसे असामाजिक तत्व भी घर से दूर रहते हैं।



चीनी सभ्यता का यह पौराणिक प्राणी शक्ति का प्रतीक माना गया है, जिसने दुष्टों का संहार किया था। अपनी इसी शक्ति की वजह से यह घर की हर तरह के संकटों से रक्षा करता है।



अगर आप भी इसके प्रभाव को देखना चाहते हैं तो इसको मुख्य दरवाजे के बायीं तरफ लगा दीजिये।

43. सप्लीमेन्टरी 'कैलून'





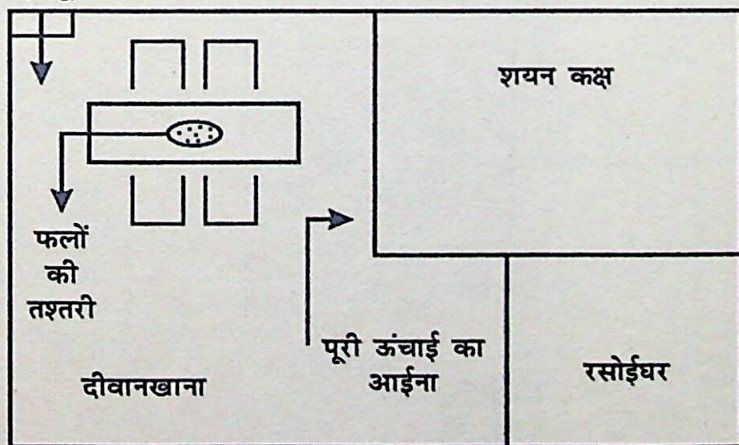
फेंगशुई द्वारा इसको भी लगाना शुभ माना जाता है। इसकी बनावट भी पहले बताए गए कैलून जैसी ही मानी गयी है। चीनी सभ्यता का यह पौराणिक नायक माना गया है। किसी उत्सव के मौके पर इसका दर्शन करना शुभ माना जाता है।

फेंगशुई द्वारा इन दोनों कैलूनों को साथ-साथ ही लगाना चाहिए। जैसा कि पहले भी बताया जा चुका है कि पहला कैलून मुख्य दरवाजे के बायीं तरफ ही लगाना चाहिए। जबकि यह सप्लीमेन्टरी कैलून दायीं तरफ लगाया जाता है। इन दोनों कैलून्स को घर का वॉचमैन भी कहा जा सकता है। सही मायनों में यह दूसरा कैलून बुरे प्रभावों से आपके मकान की रक्षा करता है।

44. डायनिंग टेबल को प्रतिबिम्बित करता हुआ आईना नहीं होना चाहिए

डायनिंग रूम में रखे हुए बड़े आईने या दीवार के ऊपर लगे हुए आईने 'ची' ऊर्जा के अद्भुत स्रोत साबित होते हैं। डायनिंग रूम में फेंगशुई भाग्य अर्जित करने का यह बहुत ही अच्छा तरीका होता है।

प्रवेश द्वार



डायनिंग टेबल को प्रतिबिम्बित करने वाला आईना डायनिंग टेबल के खाद्य पदार्थों के द्विगुणित होने का आभास देता है। आपकी सम्पत्ति और

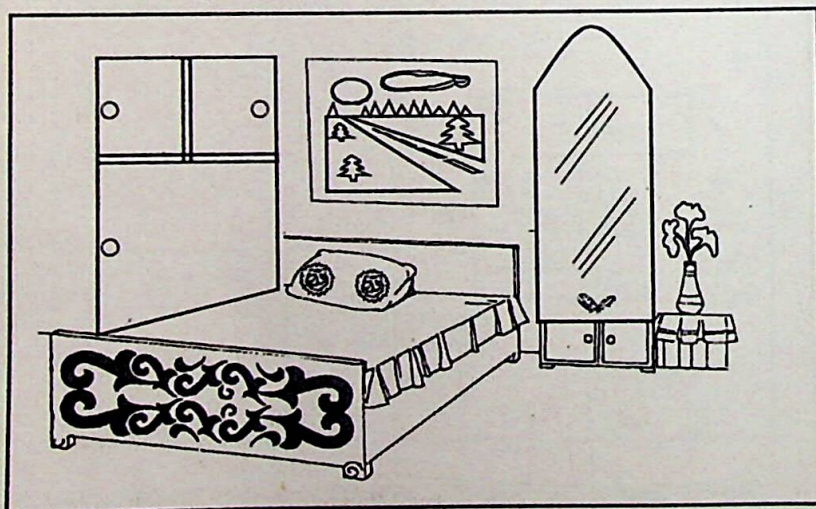


सम्पन्नता में इस तरह की व्यवस्था भले ही सीधे-सीधे वृद्धि न करती हो, लेकिन वह इतना जरूर सुनिश्चित कर देती है कि ऐसे परिवार को अनाज की कमी कभी नहीं होगी। डायनिंग रूम में आप स्वादिष्ट व्यंजनों का चित्र भी लगा सकते हैं या ताजा फलों से भरा हुआ कटोरा अथवा तश्तरी टेबल पर रख सकते हैं। आपके घर का फ्रिज हमेशा भरा हुआ रहना चाहिए, ऐसा करने से घर में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता झलकती है।

डायनिंग टेबल के पास आईना होना फेंगशुई द्वारा शुभ स्थिति का सूचक है। मगर आईने को स्टोव या कुकिंग गैस के पास नहीं होना चाहिए। यह स्थिति बहुत खराब है। इस स्थिति में आप घायल भी हो सकते हैं या आपका जीवन भी खतरे में पड़ सकता है।

जिस तरह डायनिंग टेबल को प्रतिबिम्बित करता हुआ आईना आपकी सम्पन्नता व सद्भाग्य की बढ़ोत्तरी करता है तो उसी तरह गैस सिलिंडर, स्टोव को प्रतिबिम्बित करता हुआ आईना जानलेवा साबित हो सकता है। इसलिए इन अशुभ स्थितियों से बचने की कोशिश करें। शुभ स्थिति को अपनायें।

45. ड्रेसिंग टेबल के द्वारा भाग्य जगाएं



फेंगशुई द्वारा चमकदार तेज लाइटों में रखी गई ड्रेसिंग टेबल शुभ ऊर्जा

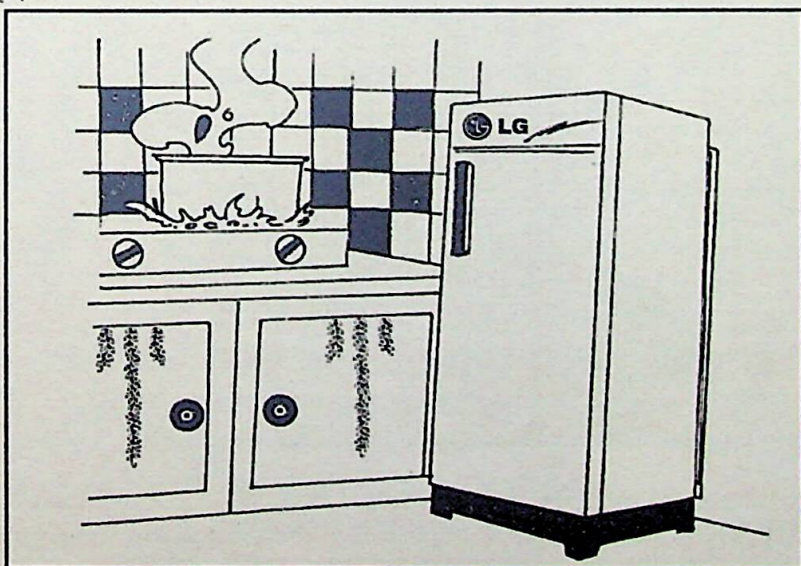


का स्रोत होती है। जो कि यांग 'ची' ऊर्जा का संचरण करती है। आप अपने बैडरूम के दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम तथा उत्तर-पूर्व में इसे रखेंगे तो यह स्थिति उत्तम मानी जाती है मगर इसमें बैड का प्रतिबिम्ब नहीं आना चाहिए। नहीं तो रात में नकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होकर आपके ऊपर बुरा प्रभाव छोड़ सकती है।

अगर आप ऐसा न कर सकें तो रात के समय इस ड्रेसिंग टेबल को चादर से ढक दें। आपके ड्रेसिंग के शीशे नुकीले न होकर गोल आकार की शेष में होने चाहिए, फेंगशुई द्वारा यह उत्तम माना जाता है। इससे आपके कमरे में प्रवाहित हो रही 'ची' का सन्तुलन बना रहेगा।

46. आपका फ्रिज और माइक्रोवेव ऑवन

आज के आधुनिक युग में हर घर में फ्रिज प्रयोग में आता है। अनेकों घरों में फ्रिज का कोई स्थान नहीं होता है। फ्रिज को अगर रसोईघर में जगह हो तो वहीं पर रखना चाहिए, वहीं इसका ठीक स्थान होता है। फ्रिज को अलग-अलग दिशाओं व कोणों में रखने से उसका प्रभाव भी बदलता रहता है।

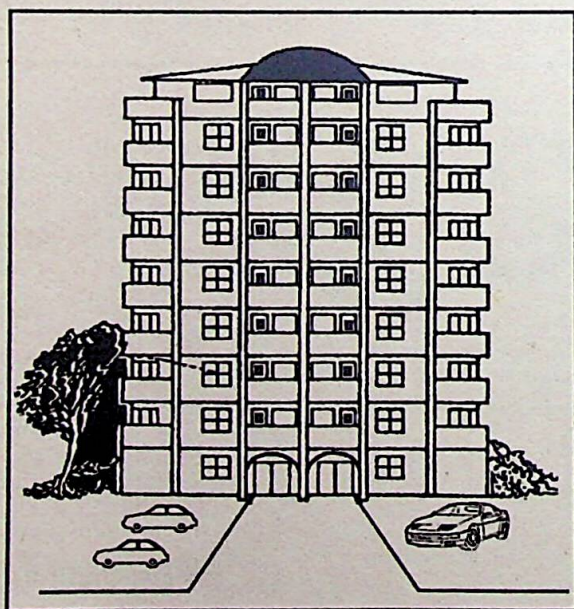




अगर आप फ्रिज को अपने घर की पश्चिम दिशा में रखते हैं तो यह पारिवारिक सम्पन्नता में वृद्धि करता है—और अगर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखेंगे तो इससे पारिवारिक शान्ति में वृद्धि होगी, लेकिन अगर आपने इसे दक्षिण दिशा में रखा तो यह स्थिति हानिकारक भी हो सकती है क्योंकि दक्षिण दिशा अग्नि का प्रतिनिधित्व करती है, जो कि फ्रिज के तापमान को कम करने का विरोधाभासी है। इसलिए इस दिशा में फ्रिज नहीं रखना चाहिए।

इसी प्रकार माइक्रोवेव ऑवन को किचन की दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए इससे आस-पास प्रवाहित हो रही ऊर्जा को उत्तेजना मिलती है जो कि आपसी सम्बन्धों को बेहतर बनाने की प्रतीक मानी जाती है। इसको धातु तत्व की प्रतिनिधि पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में भी रख सकते हैं। जब आप माइक्रोवेव को प्रयोग कर रहे हों तो इसके पास न खड़े हों, बस टाइमर सेट करके अलग हट जाएं, क्योंकि इसका लो-फ्रीक्वेंसी रेडिएशन घातक भी हो सकता है, इसलिए ऐसी स्थिति से बचें।

47. मकान की ऊपरी मंजिल का प्लैट नहीं लेना चाहिए

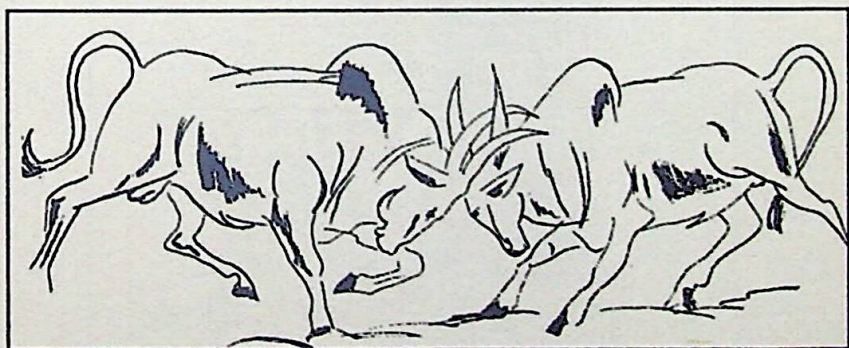




अगर आप फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो सबसे ऊपरी मंजिल का फ्लैट खरीदने से बच जाएं, अगर आपने ऊपरी मंजिल का फ्लैट खरीद भी लिया है तो फ्लैट की अच्छी तरह जांच कर लें कि मकान की पानी संग्रह करने की ओवर हेड टंकी आपके पसन्द किए हुए फ्लैट के ऊपर तो स्थित नहीं है।

अगर आपके खरीदे हुए फ्लैट के एकदम ऊपर है, तो फिर तुरन्त उसका इरादा अपने मन से निकाल दें। अगर ओवर हेड टंकी किसी दूसरी जगह पर रखी हुई है तो आप यह फ्लैट आसानी से खरीद सकते हैं। जिस फ्लैट के ऊपर यह टंकी स्थित होती है तो यह स्थिति दोषपूर्ण होती है इसलिए ऐसे फ्लैट को नहीं खरीदना चाहिए। क्योंकि उस फ्लैट के एकदम ऊपर खासतौर पर फ्लैट के बैडरूम के ठीक ऊपरी हिस्से में पानी की टंकी का होना हानिकारक है। फेंगशुई द्वारा इस स्थिति को एक खतरनाक स्थिति माना जाता है—और इस प्रकार टंकी के नीचे सोना खतरे से खाली नहीं होता। इसलिए जितना हो सके ऊपरी मंजिल का फ्लैट खरीदने से बचें।

48. अपने कमरों में युद्ध अथवा हिंसा वाली तस्वीरें न लगाएं



आमतौर पर लोगों को अपने कमरों ड्राइंगरूम, बैडरूम, डायनिंग हॉल को सजाने के लिए चित्रों की आवश्यकता होती है, और बहुत-से लोग सजावट में पेन्टिंग, तस्वीरों का ही ज्यादा प्रयोग करते हैं।

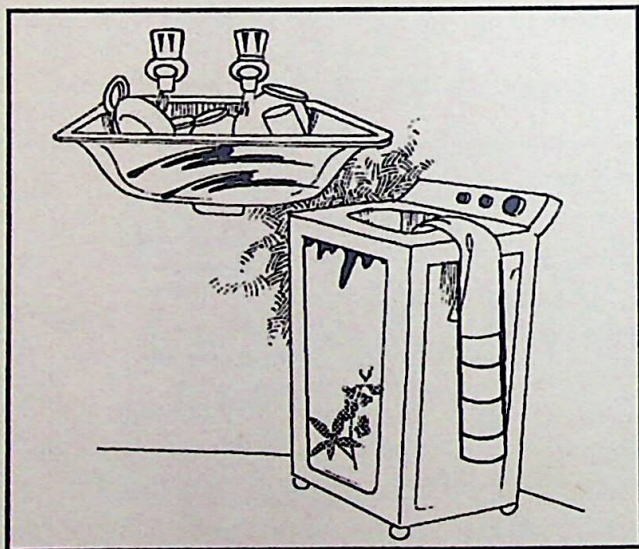
घर के अन्दर युद्ध अथवा हिंसा वाली तस्वीरें कभी नहीं लगानी चाहिए।



इस बात का खासतौर पर अधिक ध्यान रखना चाहिए कि आपके घर में कहीं भी विशेष तौर पर दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में, हिंसा से सम्बन्धित कोई भी तस्वीर या पेन्टिंग नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह स्थान रिश्तों से सम्बन्धित होता है। अगर दक्षिण-पश्चिम दिशा में युद्ध या जंगली जानवरों की तस्वीरें लगी होंगी, तो इससे आपके परिवारजनों और सगे-सम्बन्धियों पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

मकान के अन्दर अक्सर लोग महाभारत के दृश्य या फिर हथियार आदि के चित्र लगाए रहते हैं, ऐसे चित्रों को घर में बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए क्योंकि ऐसे चित्र घर के अन्दर वाद-विवाद को जन्म देते हैं और हिंसा के प्रतीक होते हैं, इससे आपसी रिश्तों में कटुता पैदा हो सकती है, इसलिए ऐसे चित्र लगाने से हमेशा बचें।

49. सिंक व वाशिंग मशीन का उपयोग



फेंगशुई द्वारा उत्तर दिशा को पानी का प्रतिनिधि माना जाता है, इस प्रकार यह स्थान सिंक के लिए सबसे ज्यादा उत्तम माना जाता है। अगर यहां सिंक नहीं है तो आप यहां वाशिंग मशीन भी रख सकते हैं, क्योंकि



इसमें भी पानी का इस्तेमाल किया जाता है और फिर यह एक विद्युत उपकरण है इसलिए आस-पास प्रवाहित हो रही ऊर्जा को भी उत्तेजित करती है।

फेंगशुई द्वारा वाशिंग मशीन की आवाज कम होनी चाहिए। इसकी आवाज जितनी कम होगी उतना ही अच्छा रहेगा। इसकी आवाज ज्यादा होने पर यह नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसा आसपास की ऊर्जा के असन्तुलित हो जाने की वजह से होता है।

अगर इस आवाज करने वाली मशीन को पूर्व दिशा में रख दिया जाए तो यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, इससे आपका तनाव और चिन्ताएं और भी ज्यादा बढ़ जाएंगी।

अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो मशीन के ऊपर छत से लटकने वाला क्रिस्टल या घण्टी टांग दें।

50. बेकार क्रॉकरी को फेंक देना चाहिए



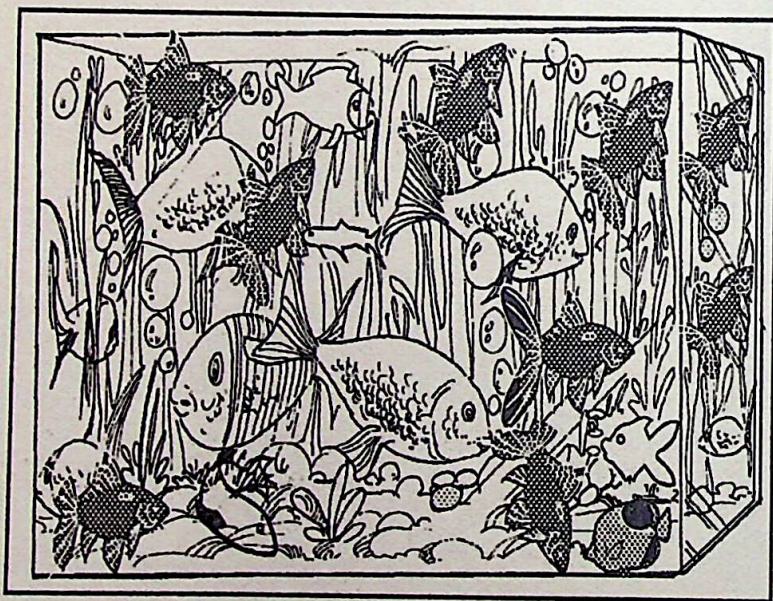


चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा टूटी-फूटी बेकार क्रॉकरी को खाने-पीने के इस्तेमाल में नहीं लाना चाहिए। यह स्थिति दुर्भाग्य की सूचक मानी जाती है।

फेंगशुई द्वारा टूटी-फूटी क्रॉकरी को फटे होठों का प्रतीक माना जाता है। इसको प्रयोग में लाने का अर्थ होता है कि बोलने की शक्ति का प्रभावित होना; अर्थात् हम बोलना कुछ और चाहते हैं और बोलते कुछ और हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र के द्वारा टूटी-फूटी क्रॉकरी को इस्तेमाल करने वालों का भाग्य संवर्धन कभी हो ही नहीं सकता। अगर ऐसी टूटी-फूटी बेकार क्रॉकरी को आप ऑफिस या किसी फैक्ट्री में इस्तेमाल करेंगे तो वहां का सारा कारोबार चौपट हो जाएगा, इसलिए इसे प्रयोग न करें।

51. अपने मकान में गोल्ड फिश मछलियों का छोटा-सा मछलीघर भी लगाएं



आजकल के दौर में लघु मछलीघर का प्रचलन काफी बढ़ता जा रहा है। काफी लोग इसे घर की शोभा बढ़ाने के लिए घर में लाते हैं। वास्तव



में घर में मछलीघर के अन्दर कुल 9 गोल्ड फिश ही रखनी चाहिए। इनमें आठ मछलियां लाल या सुनहरे रंग की होनी चाहिए और एक मछली काले रंग की होनी चाहिए।

अगर किसी कारणवश आपकी सुनहरी मछली मर जाती है तो फिक्क करने की कोई आवश्यकता नहीं, आप उसमें नई मछली लाकर दोबारा डाल सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब वह सुनहरी मछली मर जाती है तो वह अपने साथ कई मुसीबतों को ले जाती है। अगर सुनहरी मछली पर यह मुसीबत न आती तो वह आपके पूरे परिवार में से किसी भी सदस्य के ऊपर पड़ सकती थी।

अपने बैडरूम, रसोईघर या शौचालयों में गोल्ड फिश मछलियों को कभी नहीं रखना चाहिए। यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती, इससे आपकी सम्पत्ति को नुकसान पहुंच सकता है। अगर आपको मछलीघर रखना है तो फेंगशुई द्वारा इसके रखने का सबसे अच्छा स्थान दीवानखाना होता है और पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व एवं उत्तर दिशा इसके रखने की सही दिशा है।

पानी वाली सभी वस्तुएं इन्हीं दिशाओं में रखी जाएं तो ये भाग्य की उन्नति में वृद्धि करती है, अगर इनको गलती से किसी गलत स्थान पर रख दिया जाए तो वह हानिकारक भी सिद्ध हो सकती है। मकान के मुख्य द्वार के दाहिनी तरफ भूल से भी अपना मछलीघर न रखें, फेंगशुई द्वारा यह स्थिति घर के पुरुषों की नजर पराई स्त्रियों की ओर करती है।

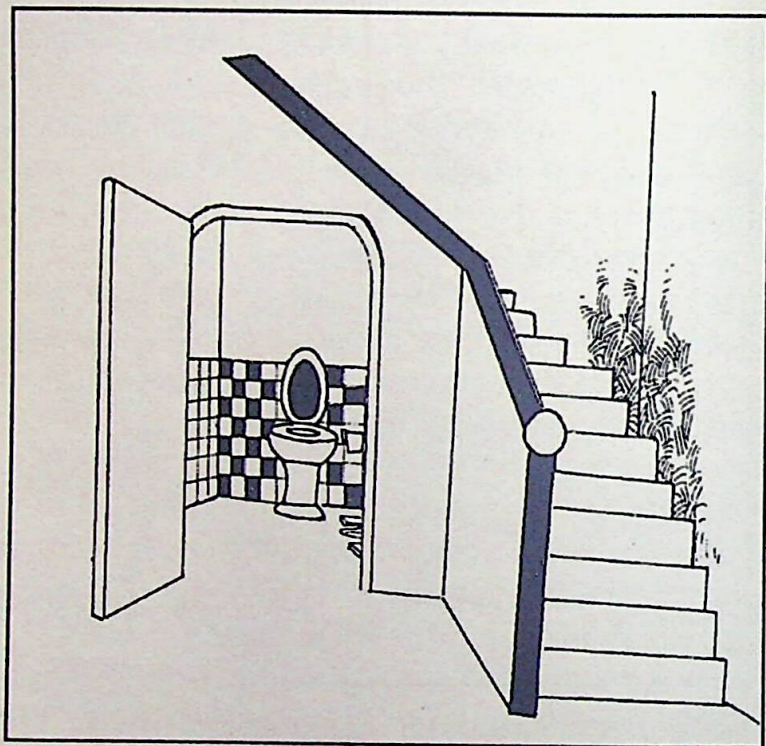
अगर आप किसी वजह से जिन्दा मछलियां अपने घर में नहीं रख सकते हैं तो इसके बदले आप नीले पानी में कूदती हुई डॉल्फिन के चित्र का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन असली गोल्ड फिश मछलियों की तो बात ही कुछ और होती है। यह अति उत्तम मानी जाती है।

52. आपके टॉयलेट का उचित स्थान

फेंगशुई द्वारा टॉयलेट में अधिक सजावट नहीं करनी चाहिए। टॉयलेट आप घर के किसी भी स्थान में बनायेंगे मगर इससे नकारात्मक 'ची' का ही प्रवाह होगा। इसलिए इसका निर्माण न्यूनतम 'ची' वाले स्थान में ही करना चाहिए।



टॉयलेट कभी भी मुख्य दरवाजे या रसोईघर के पास नहीं बनाना चाहिए। यह कॉरीडोर डोरी के आखिर में या फिर सीढ़ियों के नीचे ही बनाना चाहिए। आजकल इसी प्रकार के टॉयलेट का निर्माण हो रहा है।



अगर आप टॉयलेट का निर्माण उत्तर दिशा में करायेंगे तो आपको आध्यात्मिक की ओर ले जाएगा। दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में इसे कभी भूलकर भी न बनवाएं। अगर आपने इस दिशा में इसका निर्माण करवा लिया है और वहां से इसका हटाना मुमकिन नहीं तो इसकी दीवार पर बैंगनी रंग का एक छल्ला लटका दें। यह बैंगनी रंग संपत्तिदायी ऊर्जा को सक्रिय करेगा। यह छल्ला सम्पत्ति चक्र के संतुलन का प्रतीक है।



53. कैलकुलैटिंग मशीन तथा कम्प्यूटर का उपयोग

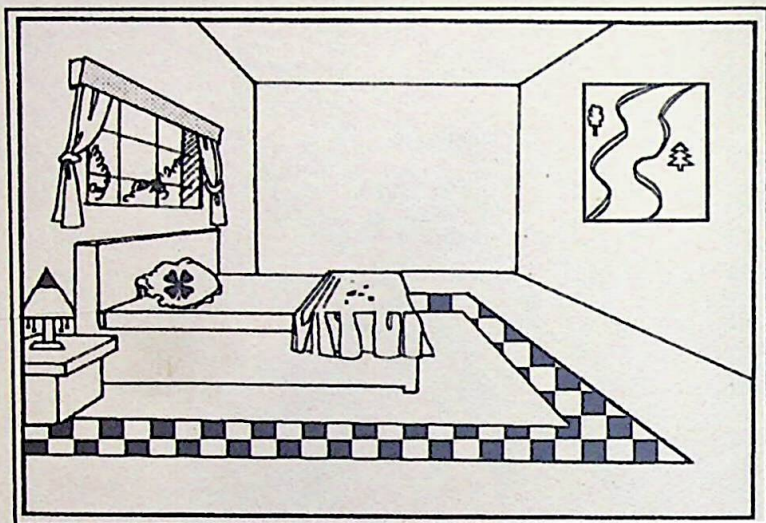


आज के इस आधुनिक युग में घरों, ऑफिसों में P.C. का चलन आमतौर पर बढ़ता ही जा रहा है। हर कर्मचारी के कार्यस्थल पर P.C. लगा होता है।

फेंगशुई द्वारा इसे एक अलग मेज पर ही रखना चाहिए। मेज पर इसकी स्थिति उत्तर-पश्चिम अथवा पश्चिम दिशा में ही होनी चाहिए। अगर कम्प्यूटर के कैलकुलेटिंग मशीन है तो उसे भी आप इसी प्रकार इसी दिशा में ही रखें, टेबल के सामने का स्थान एकदम खाली होना चाहिए। इस प्रकार शुभ ड्रेगन ऊर्जा को अशुभ शेर ऊर्जा पर हावी होने का मौका मिल जाता है, इसलिए इस स्थिति को ही अपनाएं।



54. डबलबैड पर एक गद्दे का प्रयोग



फेंगशुई द्वारा डबलबैड पर एक ही गद्दा होना चाहिए; यानि एक ही सिंगल पीस। दो अलग-अलग गद्दे नहीं बिछे होने चाहिए।

अगर आप अपने डबलबैड पर दो गद्दे बिछाते हैं तो उस पर सोने वाले पति-पत्नी के बीच कड़ुवाहट पैदा होती है। यह स्थिति अलग कर देने की सूचक मानी जाती है।

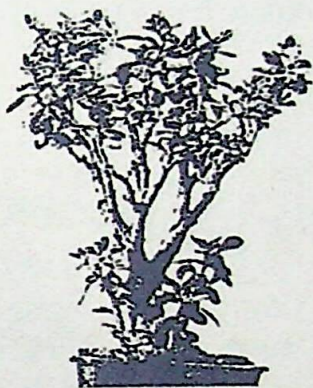
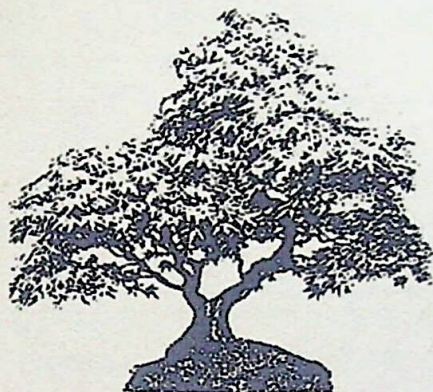
डबलबैड पर अलग-अलग गद्दों पर सोने से अच्छा यह होगा कि अलग-अलग पलंग पर या फिर अलग बैडरूम में ही सोया जाए, इसलिए इस स्थिति से बचना चाहिए।

55. अपने मकान में जेड पौधा ही लगाएं, नागफनी और बोन्साई वाले पौधे न लगाएं

अपने घर अथवा कार्यालय में नागफनी का पौधा भूलकर भी नहीं लगाना चाहिए। इस पौधे में नन्हें-नन्हें कांटे होते हैं जो कि नकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं और जहरीले तीर जैसा कार्य करते हैं। यह स्थिति फेंगशुई द्वारा बड़ी हानिकारक सिद्ध होती है।



इसी प्रकार बोन्साई का पौधा भी अपने घर अथवा कार्यालय में कभी नहीं लगाना चाहिए। जबकि ये पौधे देखने में बहुत सुन्दर दिखाई देते हैं लेकिन ये पौधे रुद्ध-विकास के प्रतीक हैं और आपके कारोबार, अध्ययन तथा कैरियर आदि पर प्रतिकूल असर छोड़ते हैं।

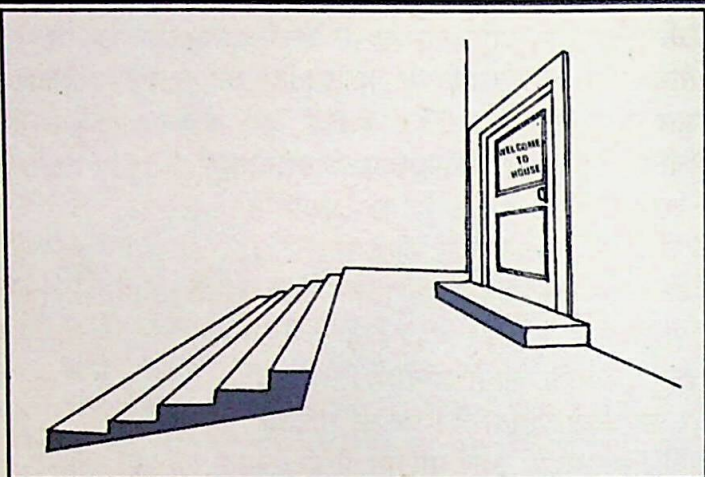


अगर आपको अपने घर में पौधे लगाने ही हैं तो घर में खासतौर पर दक्षिण-पूर्व दिशा के कोने में, जेड़ का पौधा लगाना बड़ा शुभ माना जाता है। दक्षिण-पूर्व दिशा का कोना फेंगशुई द्वारा समृद्धि का कोना माना जाता है, इसलिए इस स्थान पर यह पौधा आपके समृद्धि का सौभाग्य जागृत करके उसमें वृद्धि करता है।

56. सीढ़ियों को चढ़ने के पश्चात् दरवाजा

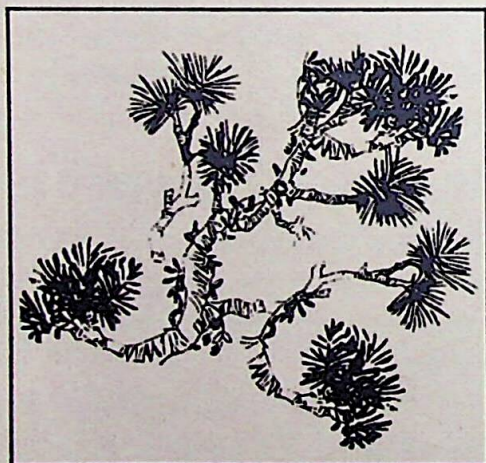
आजकल लोग सुन्दर दिखने के कारण अपने मकान का मुख्य द्वार इस तरह बनवाते हैं कि अन्दर से कुछ सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही दरवाजा आता है या फिर बाहर जाते वक्त सीढ़ियों को चढ़ना पड़ता है और अन्दर आते समय उतरनी पड़ती हैं।

फेंगशुई द्वारा यह स्थिति एकदम गलत मानी जाती है इससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ती है और आपके घर में धन भी नहीं ठहरेगा। मकान में रहने वाले जितनी मेहनत करते हैं उसके बराबर उन्हें फल की प्राप्ति नहीं हो पाती।



अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो दरवाजे के बाहर एक अवतल दर्पण को लगा दीजिए। इससे धन का खिंचाव बढ़ता है और घर धन-सम्पदा से परिपूर्ण रहेगा।

57. भाग्य की प्रतीक देवदार-वृक्ष की शाखाएं



फेंगशुई द्वारा प्राकृतिक वस्तुओं से अशुभ ऊर्जा को दूर किया जा सकता है। देवदार-वृक्ष की शाखाएं भी इन्हीं में से एक हैं।



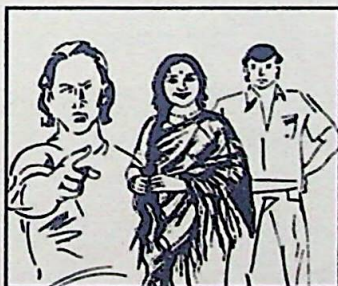
चीन, तिब्बत, नेपाल और उत्तरी अमेरिका के लोग घर पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को दूर करने के लिए देवदार की सूखी पत्तियां और शाखाएं इस्तेमाल करते हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा देवदार का वृक्ष दीर्घायु और मित्रता का प्रतीक माना जाता है। मकान के प्रवेश द्वार पर पानी में डालकर देवदार की शाखा रखने से इन गुणों की वृद्धि होती है।

देवदार की शाखा इस तरह की होनी चाहिए जिसके अन्तर्गत तीन टहनियां निकली हुई हों। फेंगशुई द्वारा ये तीन टहनियां पृथ्वी, स्वर्ग और मानवता की प्रतीक मानी जाती हैं। ये शाखाएं घर में रहने वालों के बीच परस्पर स्नेह को बढ़ाती हैं। घर के मुखिया की लम्बी आयु के लिए इन शाखाओं को घर के उत्तर-पश्चिम में ही रखना चाहिए।

फेंगशुई द्वारा देवदार की शाखाएं आपके मकान में सकारात्मक 'ची' का प्रवाह बढ़ाती हैं, इसलिए इनका उपयोग करें।

58. तीन लोगों का फोटो घर में कदापि न लगाएं





फेंगशुई द्वारा तीन लोगों का फोटो घर में लगाना अच्छा नहीं माना जाता है, खासकर वह भी दोस्तों के फोटो। इससे मित्रता में दरार पड़ सकती है।

लेकिन अगर आपके परिवार में तीन ही सदस्य हैं तो फिर फोटो लगा सकते हैं, लेकिन अगल-बगल में बैठकर फोटो कभी नहीं खिंचवाने चाहिए। अगर आपको फोटो खिंचवाना है तो इस प्रकार खिंचवाएं कि त्रिकोणात्मक स्थिति का आभास हो। आपके परिवार का मुखिया इसमें ऊपर की तरफ होना चाहिए।

चीन में पुराने समय में कोई भी व्यक्ति तीन लोगों का फोटो नहीं लगाता था, इस बात पर वहां प्रतिबन्ध लगा हुआ था। उसका मानना था कि फोटो में जो बीच में बैठा है वो बाकी दो सदस्यों से अलग हो जायेगा।

इसके अलावा भी आपको मकान की सामने वाली दीवार पर पारिवारिक फोटो नहीं लगाने चाहिए और न ही टॉयलेट की सामने की दीवार पर लगाना चाहिए। सीढ़ियों के सामने की जो दीवार होती है उस पर भी सदस्यों के फोटो भूलकर भी नहीं लगाने चाहिए।

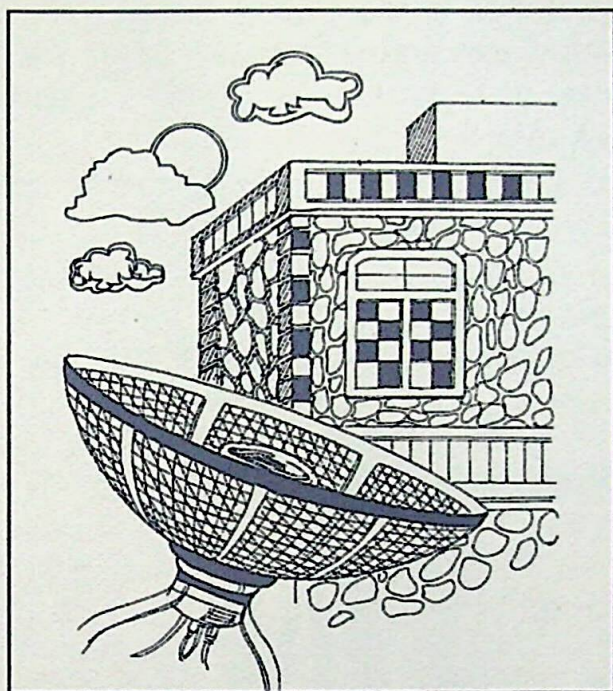
59. सास-बहू की तस्वीर घर में लगाएं

प्रत्येक घर में सास भी होती है और सास-बहू में खटपट लड़ाई झगड़ा होना एक आम-सी बात है लेकिन फेंगशुई द्वारा इसका भी समाधान है। सास-बहू का प्रेम प्रदर्शित करता हुआ एक फोटो खिंचवाकर अपने मकान की दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगा दें। चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा यह एक बेहद प्रभावशाली उपाय है।

इसी दिशा में आप अपने पूरे परिवार का फोटो भी लगा सकते हैं जोकि हँसती-मुस्कुराती मुद्रा में हो, इससे परिवार में आपसी प्रेम बढ़ता है और लड़ाई नहीं होती।

60. दरवाजे अथवा खिड़की के निकट डिश एंटीना

फेंगशुई द्वारा ऊर्जा आपके मकान के मुख्य दरवाजे या खिड़की के सामने डिश एंटीना लगा है तो इससे घर में ऊर्जा की मात्रा कम होने लगेगी।



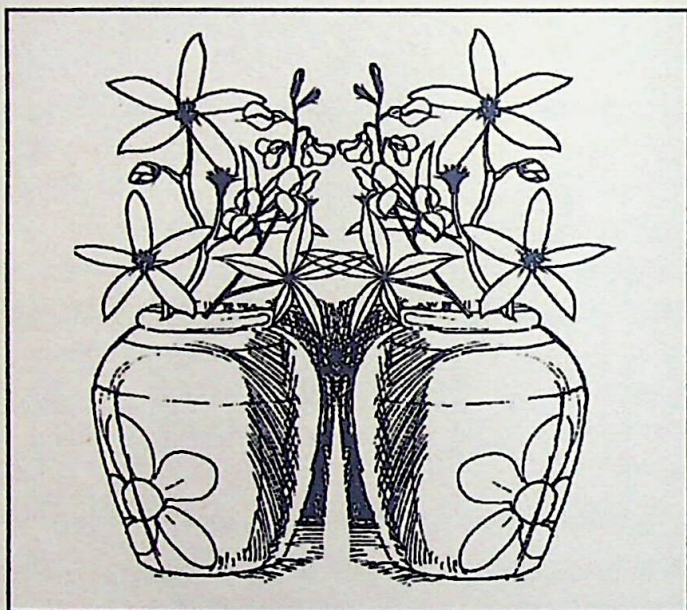
इस समस्या के समाधान के लिए आपको अपनी खिड़की में जाली लगवा देनी चाहिए। ऊर्जा का जो बहाव मकान के बाहर की तरफ जा रहा है वो डिश एंटीना की वजह से जा रहा है, उसे रोकने के लिए आपको खिड़की की चौखट पर कुछ गमले रख देने चाहिए। फिर उसके बाद आपको पर्दे डालने की भी कोई आवश्यकता नहीं पड़ेगी। फेंगशुई द्वारा यह सरल उपाय है।

61. घर के अन्दर सूखे फूल कभी न रखें

फेंगशुई द्वारा पौधों को उपयोगी स्रोत माना जाता है। फेंगशुई में ऐसी मान्यता है कि अगर पौधे ऑफिस या घर में लगाए जाते हैं तो ये अद्भुत यांग ऊर्जा का सृजन करते हैं और घर में भी भाग्य की उन्नति करते हैं। घर में सजाने के लिए सिर्फ ताजा फूलों को ही उपयोग करना चाहिए



लेकिन अगर ये सूखने या मुरझाने लगें तो इन्हें वहां से फौरन हटा देना चाहिए और इनकी जगह ताजा फूलों को रख देना चाहिए। ताजा फूल जीवन के प्रतीक माने जाते हैं और मुरझाए हुए फूल मृत्यु के सूचक होते हैं तथा ये यिन ऊर्जा छोड़ते हैं।



जिस तरह किसी मरे हुए व्यक्ति को घर पर नहीं रखा जा सकता चाहे वह कितना भी प्रिय क्यों न हो, उसी तरह जो चीज यिन ऊर्जा की प्रतीक होती है उसे भी घर में रखा नहीं जा सकता।

फूलों के पौधों को अपने ड्राइंगरूम या डायनिंग रूम में ही रखना ज्यादा अच्छा होता है, इन्हें बैडरूम में नहीं रखना चाहिए। अगर आपके घर पर कोई व्यक्ति बीमार है तो उसके बैडरूम में फूलों के पौधे रख सकते हैं। अगर आप ताजा फूल नहीं रख सकते तो इनकी जगह पर प्लास्टिक या रेशम के फूलों को भी रखा जा सकता है लेकिन उनके स्थान पर खास प्रक्रिया द्वारा सुखाए गए नैसर्गिक फूलों आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ज्यादातर ताजे फूलों का उपयोग ही अच्छा रहता है।

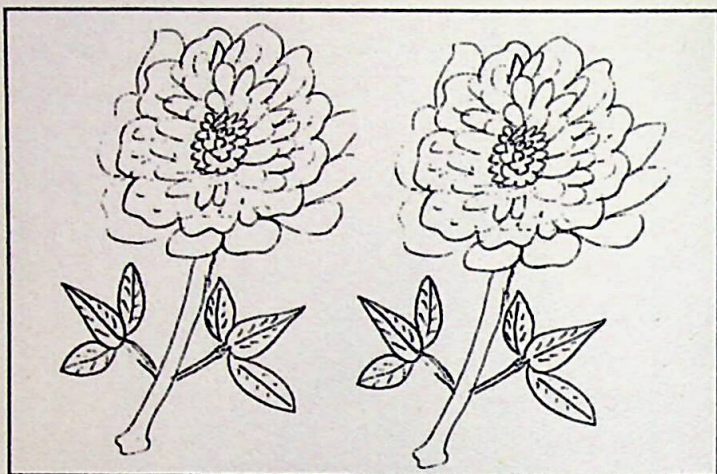
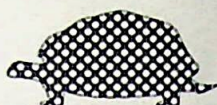


62. अपने मकान में पियोनिया के फूलों का ही प्रयोग करें



अगर आप अपने घर में फूल लगाना पसन्द करते हैं तो फेंगशुई द्वारा फूल आप घर के किसी भी हिस्से में लगा सकते हैं तथा बड़ी-बड़ी मात्रा में फूलों का प्रयोग कर सकते हैं। फूलों के लगाने से घर के किसी भी हिस्से की वृद्धि की जा सकती है। सामान्य रूप से पियोनिया का फूल स्त्रियों से सम्बन्धित माना जाता है। अगर किसी परिवार में लड़कियाँ-ही-लड़कियाँ हैं और यह सारी लड़कियाँ विवाह के लायक हो चुकी हैं तो ऐसे घरों में पियोनिया के फूलों वाला चित्र लगाना बहुत ही प्रभावशाली सिद्ध होता है। इस चित्र को लटकाने की सबसे अच्छी जगह बैठक होती है, ऐसा करने से विवाह के लिए मनचाहा सौभाग्य प्राप्त होता है।

कोई आवश्यक नहीं कि पियोनिया के फूलों का चित्र ही लगाया जाए, इस स्थान पर पियोनिया के फूल भी प्रयोग में लाए जा सकते हैं। इन फूलों को विशेष तौर पर बैठक के दक्षिण-पश्चिम दिशा वाले स्थान पर रखना चाहिए।



अगर आपके परिवार में सिर्फ एक ही लड़की हो और वह शादी के लायक है, उसके लिए किसी अच्छे वर की तलाश की जा रही हो, तो ऐसी स्थिति में लड़की को अपने बैडरूम के बाहर दरवाजे के ठीक सामने पियोनिया के फूलों का चित्र लगाना चाहिए। अगर कोई शादीशुदा औरत अपने बैडरूम में पियोनिया के फूलों की तस्वीर लगाती है तो इससे उसके पति के किसी दूसरी स्त्री के साथ सम्बन्ध हो सकते हैं।

इसलिए पियोनिया के फूलों को सिर्फ बैठक में ही लगाना चाहिए। उन्हें अपने बैडरूम में भूल से भी नहीं लगाना चाहिए। बैठक में लगाने से यह किसी एक के जीवन में प्रणय का भाग्य सक्रिय कर सकता है।

63. कौन-सा उपकरण किस जगह लगाना चाहिए

आज के दौर में विज्ञान ने काफी प्रगति की है, आजकल मार्केट में देखने पर बहुत-से हाई-फाई उपकरण दिखाई देते हैं। इन उपकरणों को खरीदने से पहले इनके रखने का सही स्थान मालूम होना चाहिए। सही स्थान पर रखने से यह उपकरण लाभदायक सिद्ध होते हैं।

अपने ड्राइंगरूम की पश्चिमी दीवार या पश्चिमी कोना इन हाई-फाई उपकरणों को रखने के लिए सबसे अच्छे स्थान होते हैं। ऐसा करने पर यह



उपकरण परिवार के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होते हैं।

ये उपकरण धातु से बने होते हैं, इसलिए इन उपकरणों को पश्चिम दिशा में ही रखना ज्यादा सही रहता है, क्योंकि आपके ड्राइंगरूम का पश्चिमी कोना धातु तत्व से संचालित होता है।

अगर आपने अपने बैडरूम में टी०वी० लगाया हुआ है तो इसको पलंग के सामने नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि यह आईने की तरह परावर्ती सतह के रूप में काम करता है। इस स्थिति में मियां-बीबी के बीच गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। फेंगशुई द्वारा इस स्थिति को अच्छा नहीं माना जाता क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा बाहर फेंकती रहती है।

अगर आप अपने ड्राइंगरूम में टेलीविजन रखना चाहते हैं तो फिर एक बात का खास ख्याल रखें कि जब आप उसका उपयोग न करें तो उस समय उसे ढक कर ही रखें।

64. अपने बैडरूम में मछलीघर कभी नहीं रखना चाहिए

फेंगशुई द्वारा अपने बैडरूम में पानी वाली कोई वस्तु जैसे मछलीघर, छोटा फिश बाउल या झरने अथवा समुद्र आदि जैसी तस्वीरें नहीं होनी चाहिए। यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती। ऐसी स्थिति में मियां-बीबी के आपसी सम्बन्धों पर बुरा असर भी पड़ सकता है। अगर आपने अपने बैडरूम में कोई पानी का बर्तन या कोई पानी से सम्बन्धित तस्वीर लगा रखी है तो उसे तुरन्त वहां से हटा देना चाहिए।

आपके कैरियर से सम्बन्धित क्षेत्र कभी-कभी बैडरूम में भी पड़ जाता है, ऐसी हालत में उसे पानी की वस्तुओं से नहीं बल्कि धातु की वस्तुओं से समृद्ध करना चाहिए। उत्तर दिशा के जल तत्व में धातु की वस्तुएं ही वृद्धि करती हैं, इसलिए इस बात पर ध्यान देना चाहिए।

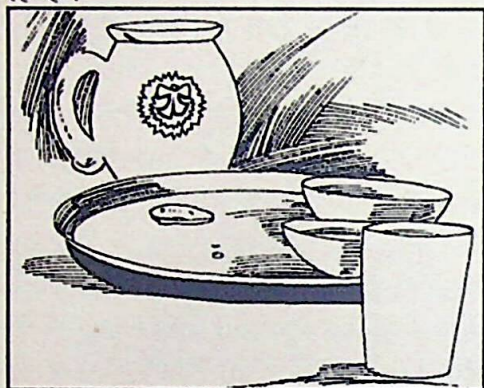
65. भोजन का आखिरी टुकड़ा नहीं खाना चाहिए

चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार चीनी लोग इस धारणा में यकीन रखते हैं कि किसी फूड आइटम का प्लेट में रखा आखिरी टुकड़ा नहीं लेना चाहिए।

अगर खाना खिलाने वाला भी आपसे इसके खाने की जिद्द करे तो

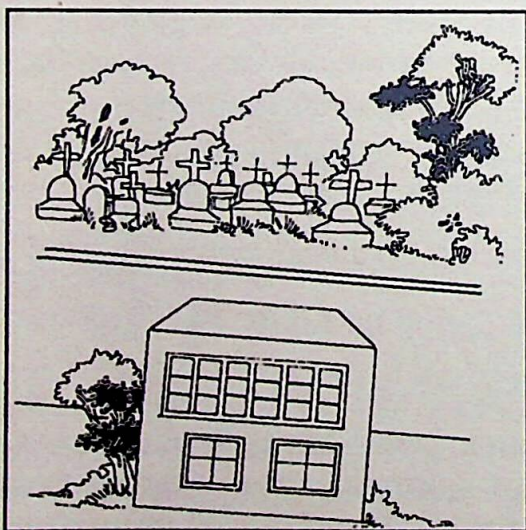


भी नहीं खाना चाहिए। चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई द्वारा ऐसे करने वाले को उम्र भर कुंआरा ही रहना पड़ता है। चीनी लोग प्राचीन काल से ही इस धारण को मानते आ रहे हैं।



फेंगशुई द्वारा ऐसा करने वाला व्यक्ति अपने दुर्भाग्य और निर्धनता को आमन्त्रित करता है, इसलिए ऐसा करने से बचें।

66. घर के सामने श्मशान न हो





फेंगशुई द्वारा आपके मकान के सामने कब्रिस्तान या श्मशान का होना अशुभ माना जाता है। अगर बद्किस्मती से आपके मकान के सामने कब्रिस्तान, अस्पताल या फिर श्मशान है तो उस मकान में रहने वाले सदस्य अज्ञात बीमारियों से ग्रसित ही रहते हैं और रात को नींद में जागकर उठ बैठते हैं।

अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो अपने घर में कम वॉट का बल्ब हर समय जलाकर रखें, फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है। इसका उपयोग करें।

67. होटल

फेंगशुई के अनुसार होटल के लिए उपयुक्त, आकर्षक और शुभ जगह का ही चुनाव करना चाहिए। होटल की बनावट भी आकर्षक लगनी चाहिए। दरवाजे के सामने कोई अवरोध न हो। प्रवेश द्वार के अन्दर पर्याप्त स्थान में लाऊन्ज का प्रबन्ध भी करना चाहिए तथा लाऊन्ज में बैठने की उचित व्यवस्था भी करनी चाहिए।

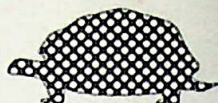
होटल के मुख्य दरवाजे के सामने ही एक फव्वारा लगवाना चाहिए। फेंगशुई द्वारा बहता हुआ पानी होटल व्यवसाय के लिए समृद्धि का सूचक है। होटल में आने वाले लोगों की नजर किचन पर नहीं पड़नी चाहिए।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा होटल की सजावट के अन्तर्गत लाल रंग का प्रयोग अधिक-से-अधिक करना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह उत्तम सुझाव दिए गये हैं। इनका प्रयोग करके लाभ उठाइए।

68. अपनी आलमारियां खुली हुई कभी न छोड़ें

आमतौर पर कामी लोगों को किताबें पढ़ने का बहुत शौक होता है और उन्हें अपने पास किताबें इकट्ठा करने का भी बहुत शौक होता है। वैसे यह आदत एक अच्छी आदत है लेकिन अगर इन्हीं किताबों को कमरे में खुली आलमारी के अन्दर रखा जाए तो ये अशुभ ऊर्जा उत्पन्न करती हैं, जो इस कमरे में रहने वाले व्यक्ति पर अपना बुरा प्रभाव छोड़ती है।

घर हो या आपका ऑफिस, किताबों की खुली हुई आलमारियां चाकुओं



के समान होती हैं, जो नकारात्मक ऊर्जा बाहर फेंकती हैं।



कमरे में रहने वाला व्यक्ति इन खुली हुई आलमारियों की वजह से बीमार भी पड़ सकता है, कभी-कभी तो यह बीमारी जान भी ले लेती है, इसका असर चाहे फौरन न पता चले लेकिन समय आने पर यह अपना प्रभाव दिखा ही देता है। अगर आप इस स्थिति से बचना चाहते हैं तो अपनी आलमारियों में फौरन दरवाजे लगवा दें। आलमारियों को हमेशा बन्द करके ही रखें इन्हें कभी भी खुली नहीं छोड़ना चाहिए। ऐसा करने से इन आलमारियों का बुरा प्रभाव कम होता चला जाएगा, इसलिए उसका ध्यान अवश्य रखें।

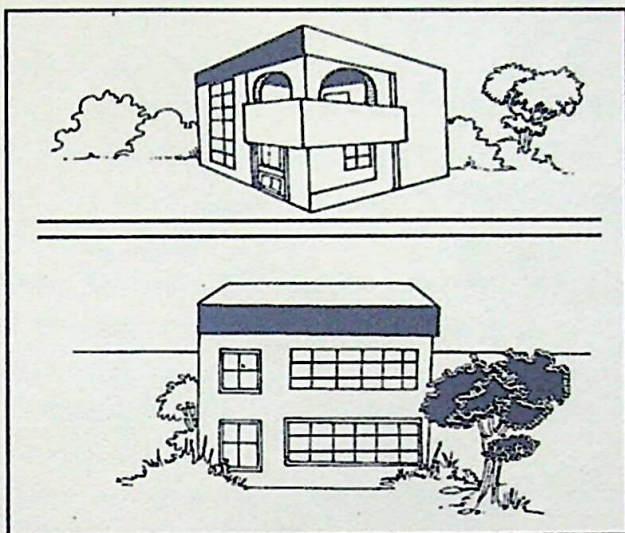
69. आपके सामने वाले मकान की सीध में

फेंगशुई द्वारा आपके मकान के बिल्कुल सामने स्थित घर का किनारा अगर आपके बैडरूम की खिड़की की सीध में है, तो भी कोण वेध होता है।

फेंगशुई के अनुसार इस प्रकार के वेधयुक्त मकान में रहने वालों का स्वास्थ्य आमतौर पर बिगड़ा रहता है और आपका काफी धन डॉक्टरों तथा



दवाओं में ही चला जाता है।



इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप जब अपने बैडरूम में हों तो अपने खिड़की-दरवाजों के पर्दे खींच दें या फिर खिड़कियों पर जालीदार पर्दे डालें। अगर मुमकिन हो तो इस कमरे को शयनकक्ष के रूप में उपयोग ही करना छोड़ दें।

क्योंकि हमारा शयनकक्ष एक ऐसी जगह है जहां हम दिन भर की थकान को वहां सोकर मिटाते हैं और सोने के पश्चात् अपनी शारीरिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त करते हैं। जीवन चक्र को नियम से चलाने के लिए ऐसा करना बहुत जरूरी होता है इसलिए आपका शयनकक्ष किसी भी तरह से वेधयुक्त होना चाहिए। फेंगशुई द्वारा ऐसा करना उत्तम उपाय है।

70. दूसरे ड्रिंक्स पीते समय

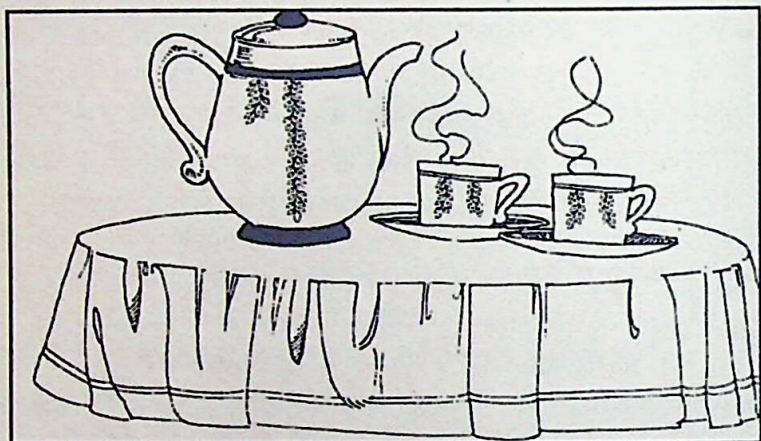
आज के इस आधुनिक युग में मेहमानों की मेहमाननवाजी करते समय केतली में चाय या फिर जग के अन्दर शर्बत मेज पर रखकर सर्व करने का रिवाज है।

फेंगशुई द्वारा सर्व करते वक्त चाय के बर्तन का सिरा या जग का नुकीला



भाग किसी तरफ इशारा-सा करते हुए महसूस नहीं होना चाहिए, यह अच्छा नहीं माना जाता।

फेंगशुई के अनुसार इस प्रकार के नुकीले सिरे जहरीले तीर की तरह होते हैं जो कि अपने अन्दर से एक घातक 'ची' ऊर्जा का प्रवाह करते हैं। ऐसी स्थिति दोस्तों के बीच दुश्मनी पैदा कर देती है और आपके सगे-सम्बन्धी आपके खिलाफ हो जाएंगे।



पुराने समय में लोग अपने सम्बन्धों में दरार पैदा करने और पक्की दोस्ती को तोड़ने के लिए ऐसा किया करते थे। इसलिए फेंगशुई द्वारा इस स्थिति से बचना चाहिए।

71. बैडरूम में दो अलग-अलग गद्दों वाले बैड पर नहीं सोना चाहिए

बैड पर दो अलग-अलग गद्दों पर कभी नहीं सोना चाहिए। यह स्थिति फेंगशुई द्वारा अशुभ मानी जाती है क्योंकि डबल बैड के ऊपर मियां-बीवी का अलग-अलग गद्दों पर सोना उनके अलग होने का कारण बन जाता है।

हमेशा एक ही गद्दे वाला डबल बैड होना चाहिये। मियां-बीवी का दो अलग-अलग इकहरे पलंग पर सोना कोई बुरी बात नहीं है। जब कभी ज्योतिष के अनुसार उन दोनों की सौभाग्यशाली दिशाएं बिल्कुल अलग-अलग हों



और दोनों ही कमाने वाले हों तो कभी-कभी यह बात जरूरी भी हो जाती है। वैसे फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती।

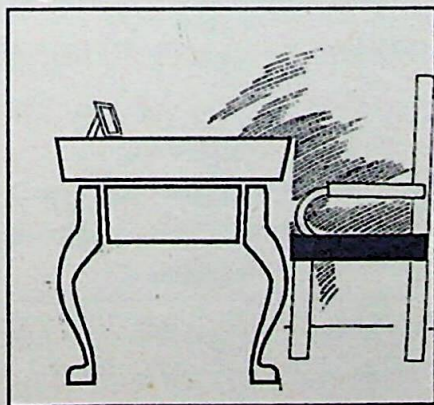
72. चाकू और कैची को उपहार में मत दीजिए

फेंगशुई द्वारा चाकू, कांटा, कैची आदि को उपहार में नहीं देना चाहिए। क्योंकि ये चीजें जहरीले बाण का काम करती हैं तथा इनके नुकीले भाग से सीधे किसी व्यक्ति की तरफ इशारा करने पर ये बहुत खराब ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। नुकीली और तेज धारवाली वस्तुएं कभी भी अपनी तरफ या किसी दूसरे व्यक्ति की तरफ लक्ष्य करके नहीं रखनी चाहिए।

अगर आप किसी व्यक्ति को उपहार देना चाहते हैं, एक बात का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है कि तेज धार वाली वस्तुएं कभी भी किसी को उपहार में नहीं देनी चाहिए।

फेंगशुई द्वारा ये तेजधार वाले उपहार शत्रुता के प्रतीक माने जाते हैं जो दो मित्रों के बीच मित्रता को खत्म करके दुश्मनी पैदा कर सकते हैं तथा उनकी दोस्ती हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो सकती है। इसलिए अपने प्रेमपूर्ण व मित्रता वाले सम्बन्धों में कभी कड़ुवाहट पैदा न होने के लिए तेज धार वाली तथा नुकीली चीजों को अपने आस-पास भी न रखें। फेंगशुई द्वारा इन चीजों को अपने पास रखना या उपहार में देना हानिकारक सिद्ध होता है।

73. कुर्सी-मेज किस दिशा में रखें



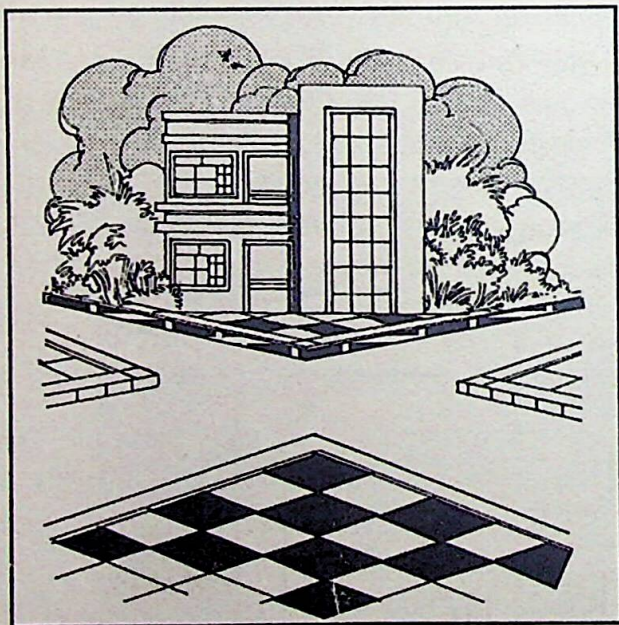


फेंगशुई द्वारा अपनी मेज-कुर्सी पर बैठकर अपनी मनचाही सफलता और समृद्धि में वृद्धि कर सकते हैं।

फेंगशुई द्वारा कुर्सी की बैक ऊंची 109 सेमी० के लगभग होनी चाहिए, ताकि बैठने वाले को ठोस आधार का अहसास हो। कुर्सी के अन्तर्गत हैन्डिल होना आवश्यक है और मेज के पायों के बीच में 152 सेमी० का अन्तर होना चाहिए तथा यह जमीन से 84 सेमी० ऊंची हो। इसकी ऊपरी सतह की लम्बाई 89 सेमी० ठीक मानी जाती है।

एक बात का खास ख्याल रखें, कुर्सी और मेज दोनों के कोने गोल आकार के होने चाहिए। नुकीले सिरों को फेंगशुई के अनुसार जहरीले तीरों की तरह माना जाता है।

74. आपके घर के सामने तिराहा



फेंगशुई द्वारा इस स्थिति को शुभ नहीं माना जाता। कितनी बार ऐसा होता है कि मकानों की स्थिति कुछ इस प्रकार होती है कि वह चौराहे या



तिराहे के सामने स्थित होते हैं। इस स्थिति से ऐसा महसूस होता है कि मकान कैंची के बीच में फंसा हुआ है। इसमें रहने वाले लोगों का सुख-चैन छिन जाता है और रातों में भी नींद नहीं आती है। उनके मकान के आस-पास आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं जिनसे आपके घर का कलेश बढ़ता है।

अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो अपने मकानों की स्थिति में कुछ इस प्रकार परिवर्तन करें कि वह सड़कों के ठीक सामने न खुले। अगर आप चाहें तो नीची बाड़ में गेट लगवाकर नकारात्मक ऊर्जा अवरोधक बैरियर भी लगाया जा सकता है। फेंगशुई द्वारा यह सरल उपाय है।

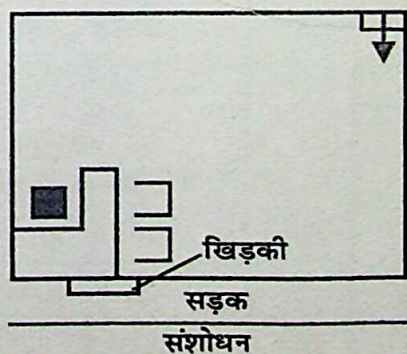
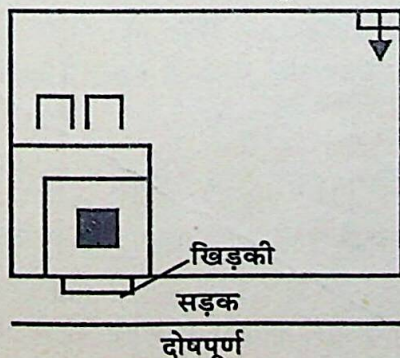
75. रो-हाउसिस

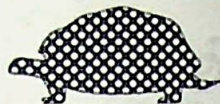
फेंगशुई के अनुसार मकानों की पंक्ति बीच में जगह छोड़े बिना अगल-बगल और आगे-पीछे से लगे हुए मकानों को रो-हाउसिस कहते हैं।

फेंगशुई द्वारा ऐसे मकानों में रहने वालों को सिर्फ दो दिशाओं का ही लाभ मिलता है चारों का नहीं। आर्थिक दृष्टि से बेशक ये सुविधाजनक हों लेकिन फेंगशुई द्वारा नहीं।

फेंगशुई द्वारा अगर आप ऐसे मकान में रहेंगे तो एक बात का ध्यान रखें कि पंक्ति में मकानों की संख्या सम होनी चाहिए। सीढ़ियां भी सम संख्या में होनी चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह उत्तम सुझाव है।

76. अपने घर की खुली खिड़की की तरफ पीठ करके न बैठें





फेंगशुई द्वारा खिड़की की ओर पीठ करके नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से आपकी ऊर्जा बह जाती है। इसलिए आप अपने ऑफिस या घर में खुली खिड़की की तरफ पीठ करके न बैठें। इससे आपके आत्मविश्वास में कमी आती जाती है और आप हमेशा अपने आपको तनावग्रस्त महसूस करेंगे।

अगर आपका ऑफिस तल मंजिल पर है और खिड़की के बाहर सड़क है तब तो ऐसा होना और भी स्वाभाविक है, क्योंकि ऐसा करने पर बाहर से आपकी पीठ साफ दिखाई देगी। फेंगशुई द्वारा इस प्रकार बैठना अच्छा नहीं माना जाता।

77. शिक्षा सम्बन्धी कार्यों में स्फटिक लटकाइए

अगर आप शिक्षा से सम्बन्धित अपने भाग्य को उजागर करना चाहते हैं तो फेंगशुई का सहारा लीजिये। आपके घर का उत्तर-पूर्व दिशा वाला स्थान आपका सम्बन्ध शिक्षा तथा ज्ञान से जोड़ता है। इस स्थान का तत्व धातु है।

आप भी अगर अपने बच्चों को परीक्षा में सफलता दिलाना चाहते हैं तो फेंगशुई द्वारा अपने बच्चों की शानदार सफलता के लिए इस कोने में स्फटिक के गोले लटका दीजिए, यह एक आसान उपाय है।

78. पश्चिम दिशा वाले स्थान में बच्चों के चित्र लगाएं

फेंगशुई द्वारा आपके मकान का पश्चिमी स्थान सन्तान और सृजनशीलता से सम्बन्धित है, अगर आप इस स्थान में दीवार के ऊपर बच्चों की तस्वीर लगाते हैं तो इससे उनकी ऊर्जा और भाग्य में बढ़ोत्तरी होती है।

79. अपने घर के उत्तर-पश्चिम कोने का संवर्द्धन करें

फेंगशुई के अनुसार पूर्णतया पांच तत्वों के ताने-बाने का बेहतर उपयोग किया जाता है। फेंगशुई द्वारा उत्तर-पश्चिम का स्थान विशाल धातु का प्रतीक माना जाता है। इसका संवर्द्धन करने से निस्सन्देह शुभता की प्राप्ति होती

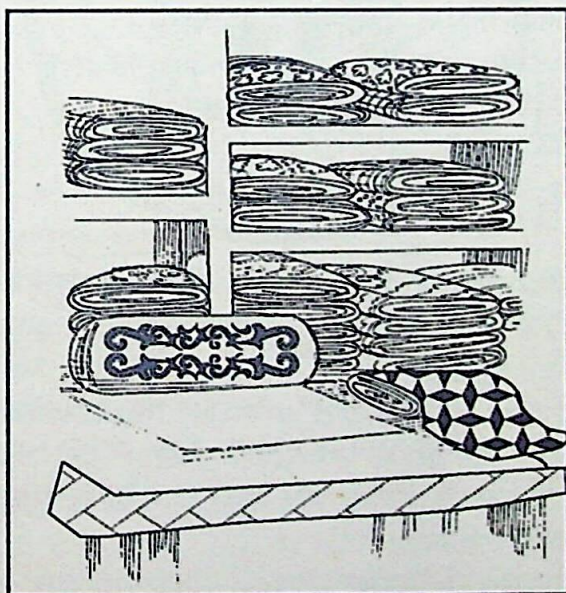


है। अगर आप अपने ऑफिस में इस स्थान को समृद्ध करेंगे तो और भी बेहतर है।

फेंगशुई द्वारा अपने ऑफिस का कीमती सामान जैसे कि सेफ, इसी स्थान पर रखनी चाहिए। इसी स्थान में ऑफिस में बैठने वाले मालिक को अपना धातु से निर्मित फर्नीचर भी रखना चाहिए। इस तरह करने पर आपका कारोबार बहुत तरक्की करेगा।

फेंगशुई कम्पास की सहायता से आप सरलतापूर्वक इस स्थान की तलाश कर सकते हैं और पता चलते ही Loshu अथवा Pakua को इस पर सुपर इंपोज कर लें।

80. क्लॉथ एम्पोरियम

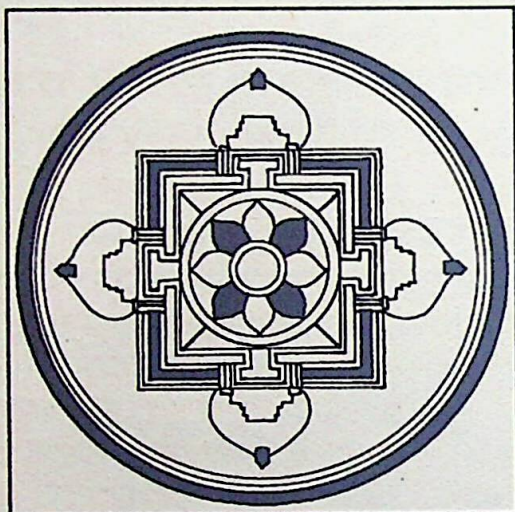


फेंगशुई द्वारा कपड़े के थान दक्षिण दिशा में रैक में लगाकर रखने चाहिए। उत्तर दिशा में कैश बॉक्स का प्रबन्ध होना चाहिए। अपने बैठने का प्रबन्ध ऐसी जगह करें कि आपका मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ रहना चाहिए।



फेंगशुई द्वारा दुकानों का पेन्ट सफेद या गुलाबी ही होना चाहिए। फर्नीचर गोल किनारों वाला व आकर्षक लगने वाला हो, मगर तड़क-भड़क से रहित होना चाहिए।

81. काली टोपी का प्रयोग



फेंगशुई द्वारा काली टोपी का पहनना शुभ माना जाता है। मूलरूप से यह तिब्बत में पायी जाती है। तिब्बत पर जब चीन का प्रभाव बढ़ा तो यह स्वरूप चीन जा पहुंचा।

फेंगशुई द्वारा अनेकों रूढ़ियां, परम्पराओं तथा विचारों पर आधारित होती हैं। चीन के लोग वैसे भी परम्परावादियों की पूर्वाग्रहों पर प्रबल आस्था रहती है। आज जो फेंगशुई का रूप देखने को मिलता है वह इस काली टोपी का संवर्द्धित संस्करण है।

फेंगशुई द्वारा काली टोपी अन्तर्मन की प्रेरणा-शक्ति, आत्म-संवेदन शक्ति तथा तन्त्र-मन्त्र पर आधारित है।

82. दिशा बोधक कुआं फार्मूला

फेंगशुई द्वारा सही परिणाम पाने के लिए एक बात आवश्यक है कि



कुआ फार्मूले का सही प्रकार से उपयोग किया जाए। कुआ फार्मूला पाकुआ तथा इसके 8 द्राइग्राम्स पर आधारित होता है।

सबसे पहले तो कुआ-संख्या के आधार पर अपनी शुभ दिशा की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। इसके पश्चात् शुभ दिशा की ओर मुंह करके ही बैठना चाहिए—और फिर आपका ऑफिस भी शुभ दिशा के अन्तर्गत ही बना होना चाहिए।

83. आपके शयनकक्ष में रंगों का उपयोग

चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार आपके अपने बैडरूम में ऐसे रंगों का उपयोग करना चाहिए जो केवल यिन ऊर्जा के ही प्रतीक हों। आपको रंगों की असन्तुलन स्थिति से भी बचना चाहिए।

फेंगशुई द्वारा शादी के आरम्भिक पांच सालों में बैडरूम के अन्दर लाल रंग का उपयोग होना चाहिए। अगर यह रंग किसी वजह से आपको अच्छा नहीं लगता है तो गुलाबी या पिच रंग का भी प्रयोग कर सकते हैं। बैड की चादर का रंग सफेद होना चाहिए। यह रंग उत्तम माना जाता है भूलकर भी नीले रंग की चादर न लें। इसके अलावा पर्दे और कारपेट्स भी नीले रंग के नहीं होने चाहिए।

फेंगशुई के अनुसार आपको अपने शयनकक्ष में ताजा फूल या ताजा फूलों के पौधे कभी नहीं रखने चाहिए। रसदार फलों को वहां रखना काफी अच्छा माना जाता है। अपने शयनकक्ष में कम पॉवर का लाल बल्ब का ही प्रयोग करना चाहिए। ऐसा करने से प्रजनन क्षमता बढ़ जाती है।

एक बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि अपने शयनकक्ष में भूलकर भी एक्वेरियम या समुद्र अथवा पानी का चित्र न लगायें। ऐसा करने पर आपकी नींद में बाधा उत्पन्न होगी—और पति-पत्नी के बीच में गलतफहमियां भी जन्म ले सकती हैं।

अगर आप चाहें तो अपने बैडरूम में पानी का गिलास या फिर पानी की बोतल रख सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक उत्तम उपाय है।



84. घर में अपने आदर्श पुरुष का चित्र लगाएं

फेंगशुई द्वारा आपके घर का उत्तरी-पश्चिमी भाग आपके सहायक लोगों या आप पर अहसान करने वालों से सम्बंधित होता है। इस स्थान में अगर आप अपने बॉस या मालिक का चित्र लगाएं तो उसकी तरफ से आपको मिलने वाली सहानुभूति में वृद्धि हो सकती है।

अगर आपके कार्यालय में आपके बॉस का बर्ताव आपके प्रति अच्छा नहीं है या रूखा है तो आप अपने मकान के इस भाग में उसका चित्र लगा दें। ऐसा करने से वह आपके प्रति पहले की अपेक्षा थोड़ी ज्यादा सहानुभूति बरतने लगेगा।

85. अपने घर की दक्षिण दिशा में मालिक का चित्र लगाना न भूलें

अगर आप अपनी प्रतिष्ठा को बढ़ाना चाहते हैं तो इसके लिए भी आप फेंगशुई का सहारा ले सकते हैं। अगर आपका अपना कोई कार्यालय है तो आप तुरन्त लाल रंग के बॉर्डर में अपनी कोई अच्छी-सी तस्वीर फ्रेम कराकर उसे अपने कार्यालय की दक्षिणी दीवार पर लगा दीजिए। आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने का फेंगशुई द्वारा यह एक आसान तरीका है।

आप गुलाबी रंग या हल्के रंग की पृष्ठभूमि में लाल रंग के अक्षरों में अपनी कम्पनी का नाम या उत्पादन का नाम छपवाकर भी अपने ऑफिस के दक्षिणी भाग में लगा सकते हैं, ऐसा करने से आपकी कम्पनी के नाम तथा साख दोनों चीजों की प्रतिष्ठा बढ़ती चली जाएगी।

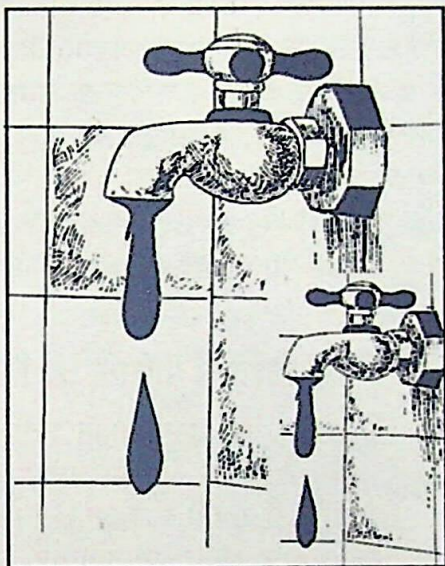
फेंगशुई द्वारा दक्षिण दिशा का तत्व अधिक होता है और सभी लोगों को जो उससे अभिलाषा जुड़ी होती है वह है प्रसिद्धि। अतः यह स्थान प्रसिद्धि का प्रतीक माना जाता है और लाल रंग अग्नि का प्रतीक।

86. टपकने वाला नल तुरन्त ठीक करवा लें

फेंगशुई द्वारा नल का टपकना अच्छा नहीं माना जाता, क्योंकि चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा पानी को सम्पत्ति माना जाता है। इसलिए अगर आपके घर का कोई भी नल टपकता हुआ हो तो, उसे फौरन ठीक करवाना चाहिए।



नहीं तो इसका अन्जाम खतरनाक सिद्ध हो सकता है। आपके घर का सारा धन पानी की तरह बह जाएगा।



इसी तरह अवरुद्ध जल-निकास की भी तुरन्त मरम्मत करवा लेनी चाहिए। जल्दी-से-जल्दी उसकी रुकावट को दूर करवा लेना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति हानिकारक होती है।

87. किस स्थान पर कैसा रंग होना चाहिए

फेंगशुई द्वारा रंगों को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। फेंगशुई द्वारा इस बात की जानकारी होना बहुत जरूरी है कि किस स्थान में कौन-सा रंग प्रयोग करना चाहिये? रंगों का आशय केवल दीवार पर होने वाले रंगों से नहीं है।

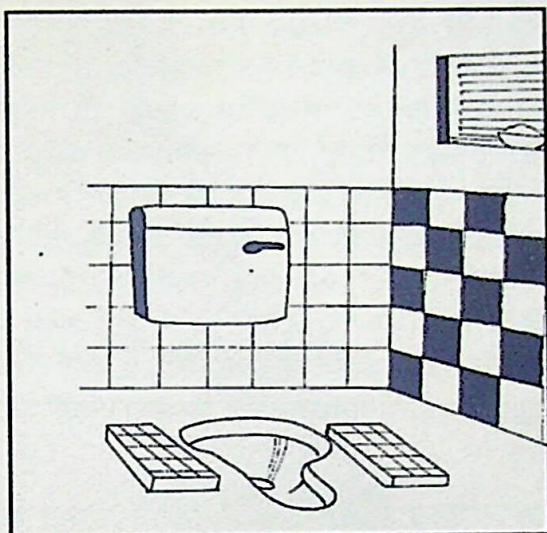
1. फेंगशुई द्वारा आप अपने मकान में काले रंग का प्रयोग कदापि न करें यह रंग अच्छा नहीं माना जाता है।
2. ताजगी व स्वच्छता का प्रतीक सफेद रंग को माना गया है, इसलिए अपने मकान के बाथरूम और किचन में सफेद रंग का प्रयोग करना चाहिए, इसके करने से ताजगी का अनुभव होता है।



3. फेंगशुई द्वारा भूरे रंग को, सुरक्षा, सुरुचि और स्थायित्व का प्रतीक समझा जाता है, इसलिए आपके स्टूडियो के लिए यह रंग उत्तम है।
4. फेंगशुई द्वारा बैंगनी रंग को उत्तेजना, लक्ष्य और मोह का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसका प्रयोग योग व आध्यात्मिक कमरों के लिये सही माना जाता है। इस रंग को आप अपने शयनकक्ष में भी कर सकते हैं।
5. फेंगशुई द्वारा हरे रंग को सद्भाव का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसका प्रयोग म्यूजिक सेंटर और बाथरूम में होना चाहिए।
6. फेंगशुई द्वारा नीला रंग विश्वास और निष्ठा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस रंग का प्रयोग पूजाघर, रोगी के कमरे के लिए ठीक रहता है। यह एक अच्छा रंग माना गया है।
7. फेंगशुई द्वारा गुलाबी रंग मोहबबत का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस रंग का प्रयोग अपने बैडरूम में करना चाहिए, इस रंग का प्रयोग बैडरूम में करना बड़ा सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।
8. फेंगशुई द्वारा ओरेंज कलर को प्रसन्नता, बौद्धिकता तथा एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस रंग का उपयोग आप अपने मकान के ड्राइंगरूम हॉल, कॉरीडोर और डायनिंग रूम में ही करें।
9. फेंगशुई द्वारा लाल रंग को सहयोगिता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसका प्रयोग भी कर सकते हैं।
10. फेंगशुई द्वारा पीला रंग ज्ञान का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसका प्रयोग कॉरीडोर और किचन के लिए उपयोगी होता है।

88. अपने शौचालय में नमक का कटोरा रखिए

हमारे घर का वह स्थान जहां शौचालय बनाया जाता है, फेंगशुई द्वारा गन्दा माना जाता है क्योंकि शौचालय से नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। यह वह स्थान है जहां हम अपना मल-मूत्र त्यागते हैं। इस गन्दगी में अनेक प्रकार के कीटानु और जीवाणु रहते हैं। इसलिए शौचघर को



चाहे जिस स्थान पर भी बना लिया जाए वह हमेशा गन्दी ऊर्जा का स्रोत होता है। अगर आप इस नकारात्मक ऊर्जा से बचना चाहते हैं तो अपने घर के प्रत्येक शौचघर में खिड़की की चौखट पर कांच के एक कटोरे में सादा समुद्री नमक भरकर रख दीजिए। ऐसा इसलिए करना चाहिए क्योंकि नमक सारी नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा।

आप जब कटोरे में देखें कि नमक गीला हो गया है तो उस कटोरे का नमक फौरन बदल देना चाहिए।

89. पवनघंटियों का उपयोग करें

फेंगशुई द्वारा पवनघंटियों का उपयोग भी लाभकारी सिद्ध होता है। पवनघंटियां घर में सौभाग्य में वृद्धि करने की प्रतीक मानी जाती हैं। पवनघंटी में लगी हुई छड़ों की संख्या और जिस पदार्थ से पवनघंटी को बनाया जाता है—इन दोनों का बहुत महत्त्व होता है।

अपने मकान के किसी भी भाग में पवनघंटी को नहीं लटकाना चाहिए। इनके लगाने का एक महत्त्वपूर्ण स्थान होता





है। इन छः छड़ों वाली पवनघंटी के लटकाने के लिए फेंगशुई द्वारा सबसे अच्छा स्थान आपके ड्राइंगरूम का उत्तर-पश्चिम दिशा वाला स्थान है। चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा इस स्थान का रक्षक तत्त्व धातु है और ये पवनघंटी धातु की प्रतीक होती है। पवनघंटी का उपयोग सौभाग्य में वृद्धि करने के लिए किया जाता है और ये दुर्भाग्य के प्रभाव को भी कम कर देती है।

अगर आप अपने मकान के जहरीले बाणों की दिशा को मोड़ना चाहते हैं तो पांच छड़ों वाली पवनघंटी को अपने घर में लाकर लगाइए, यह तेजी के साथ दुर्भाग्य के असर को दबा देती है। सात छड़ों वाली पवनघंटी को अपने घर के पश्चिमी भाग में ही लटकाना चाहिए। फेंगशुई द्वारा ये पवनघंटी सौभाग्य की वृद्धि की प्रतीक मानी जाती है, इसलिए इसका उपयोग अवश्य करें।

90. अपने कार्यालय में सोने के सिक्कों वाला पोत रखिए

हर व्यक्ति सफलता का भूखा है, वह चाहता है कि रात-दिन सफलता की सीढ़ियां चढ़कर शौहरत व इज्जत हासिल करे। लेकिन यह कोई मुश्किल काम नहीं है अगर आप इन सब को पाना चाहते हैं तो फेंगशुई का सहारा लीजिए।

समुद्री जहाज (पोत) किसी भी आदमी के काम में उपलब्धि तथा कारोबार में सफलता का प्रतीक माना जाता है। आप अपने घर या ऑफिस में जहाज का मॉडल रख सकते हैं। मगर जहाज का मॉडल रखते समय एक बात का ख्याल अवश्य रखें कि जहाज घर के अन्दर की तरफ आता हुआ हो, बाहर की तरफ जाता हुआ कभी नहीं रखना चाहिए।

अगर आपको जहाज दरवाजे की तरफ या बाहर की तरफ जाता हुआ महसूस हो तो यह स्थिति फेंगशुई द्वारा अच्छी नहीं मानी जाती, क्योंकि जहाज की दिशा अगर बाहर की ओर होगी तो इसका अर्थ हुआ आपके सभी सुअवसर बाहर चले जाएंगे और आपको व्यवसाय में बहुत घाटा भी उठाना पड़ सकता है।

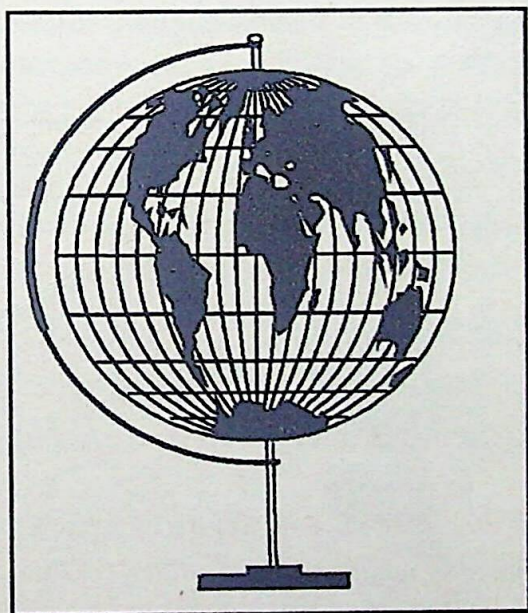
एक और जरूरी बात यह है कि आपने किस प्रकार के जहाज का प्रतिरूप अपने मकान अथवा कार्यालय में रखा है? अगर टाइटेनिक जहाज का मॉडल



है तो इसका परिणाम यह होगा कि आपका व्यवसाय डूब जायेगा। आप इसमें घाटा उठाएंगे, क्योंकि टाइटेनिक जहाज पानी में डूब चुका है।

इस कारण आप अपने कार्यालय या घर में भाग्यशाली और सफल जहाजों का ही मॉडल लगाएं। जहाज के मॉडल में नकली सोने के कुछ सिक्के डाल देने चाहिए। ये सिक्के फेंगशुई द्वारा आपके सौभाग्य के प्रतीक माने जाते हैं। अगर आपके पास नकली सोने के सिक्के नहीं हैं तो आप जहाज में अन्य सिक्के भी डाल सकते हैं।

91. शिक्षा की वृद्धि ग्लोब के द्वारा कीजिए



अगर आप शिक्षा में सफलता पाना चाहते हैं तो अपने मकान के उत्तर-पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीक स्वरूप एक ग्लोब वहां रख दीजिए। ऐसा करने से आपके शिक्षा और ज्ञान में दिन-रात वृद्धि होगी। फेंगशुई द्वारा इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है, इसलिए शिक्षा में सफलता पाने के लिए यह उपाय अपना सकते हैं।



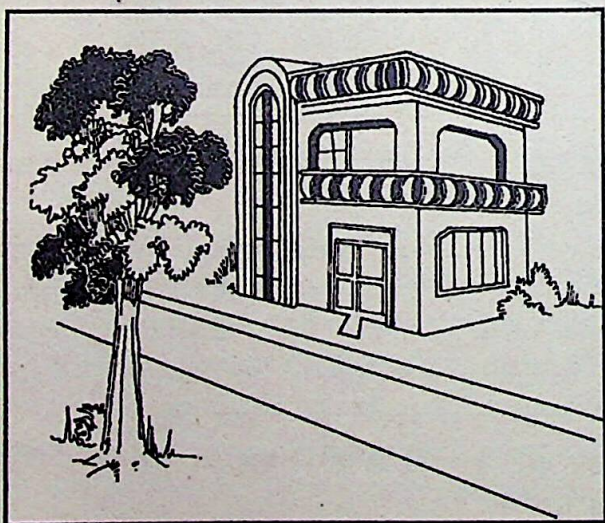
92. आपके खाना खाने का कमरा

अगर आपके भोजन करने के कमरे में दीवार पर एक दर्पण लगा हो तो फेंगशुई द्वारा यह स्थिति बहुत अच्छी मानी जाती है। जब आपकी मेज पर रखी खाद्य सामग्री शीशे में प्रतिबिम्बित होती है तो वह दोगुनी हो जाती है। डायनिंग रूम की उत्तरी दीवार पर दर्पण लगाने के लिए यह स्थान उत्तम माना जाता है, मगर भूलकर भी इस दर्पण को दक्षिणी दिशा की दीवार पर नहीं लगाना चाहिए।

फेंगशुई द्वारा अपने किचन में दर्पण कदापि न लगाएं, यह स्थिति आपके शरीर को हानि पहुंचा सकती है। चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा किचन में लगा हुआ दर्पण आपके जीवन को खतरे में डालने का सूचक होता है।

अगर आप अपनी डायनिंग टेबल पर रखा फ्रूट बाउल अथवा ट्रे को रखते हैं तो यह भी शुभ ऊर्जा को सक्रिय करने में सहायक होते हैं, अगर आपका फ्रिज भरा हुआ नहीं रहता है तो उसे खाली भी नहीं रखना चाहिए यह स्थिति फेंगशुई में अच्छी नहीं मानी जाती है।

93. मकान के सामने पेड़

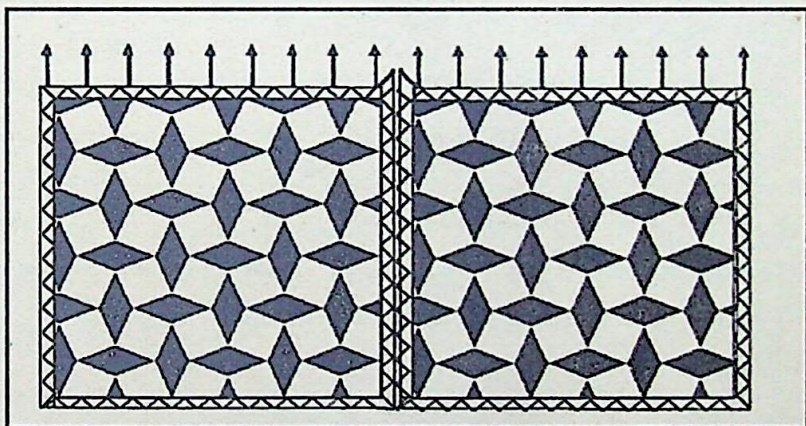




फेंगशुई द्वारा मकान के ठीक सामने अक्सर पेड़ दिखाई देते हैं ये स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती है। अगर ऐसी स्थिति आपके मकान के सामने आती है तो मकान में रहने वालों का स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन कमजोर होता जायेगा और कानून-व्यवस्था का भी डर बना रहता है।

अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो अपने घर के मुख्य दरवाजे पर एक उत्तल दर्पण लगाकर मकान में प्रवेश करने वाली नकारात्मक ऊर्जा को रोक सकते हैं। यह एक आसान तरीका है।

94. फैक्टरी का मेन गेट



फेंगशुई द्वारा फैक्टरी का गेट दो दरवाजों वाला होना चाहिए और इतना लम्बा-चौड़ा हो कि ट्रक आसानी से प्रवेश कर सके।

फेंगशुई द्वारा इसका गेट बाउंड्री वॉल में उस तरफ बनाना चाहिए जहां से सड़क गुजरती है। उत्पादित माल गोदाम में गेट का प्रयोग न करके उसमें शटर लगवाना चाहिए या फिर रेलिंग मिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक दरवाजा सुन्दर और लकड़ी का बना होना चाहिए। इन पर काला शीशा लगाना चाहिए। इस दरवाजे के हैंडिल मजबूत व सुन्दर होने चाहिए।

इन मुख्य दरवाजों के सामने कुछ भी ऐसा सामान नहीं होना चाहिए जो कि भद्दा लगे।



95. अपने घर में संगीत घड़ी का प्रयोग कीजिए

फेंगशुई द्वारा संगीत वाली घड़ी को भी अच्छा माना जाता है। आप भी अपने घर के अन्दर बाजार से खरीदकर ऐसी ही घड़ी ला सकते हैं जिसमें संगीत सुनाई दे। उसे लाकर अपने घर में लगा दीजिए। घड़ी का संगीत मधुर, सुरीला तथा कर्णप्रिय ही होना चाहिए। एक बात का खास तौर पर ध्यान रखिए कि सन्तुलन ही फेंगशुई का आधार माना जाता है। इस वजह से तेज आवाज फेंगशुई के अनुसार शोर बन जाती है।

एक बात और ध्यान रखने योग्य है कि इस संगीत वाली घड़ी को दरवाजे के ऊपर या दरवाजे के मार्ग में भूलकर भी नहीं लगाना चाहिए। फेंगशुई में इस स्थिति को अच्छा नहीं माना जाता।

96. घर में उत्तरी दिशा में मिट्टी की वस्तुएं न रखें

आपके मकान का उत्तर दिशा वाला भाग जल तत्व से सम्बन्धित होता है। तत्वों के विध्वंसक चक्र के अनुसार पृथ्वी तत्व जल तत्व को पूरी तरह नष्ट कर देता है, इसलिए आप अपने मकान के इस भाग में चीनी मिट्टी तथा मिट्टी से बनी वस्तुएं न रखें। क्योंकि ये इस भाग की जल ऊर्जा के लिए हानिकारक होता है। इसका बुरा प्रभाव आपके कैरियर पर भी पड़ सकता है।

शीशे व स्फटिक से बनाया हुआ झाड़ू-फानूस और स्फटिक से बनी हुई वस्तुएं भी उत्तर दिशा में नहीं रखनी चाहिए।

असली स्फटिक के गोले भी इस भाग में नहीं लटकाने चाहिए।

97. अपने घर की उत्तर दिशा में सफेद फूलों का गुलदस्ता रखिए

अगर आप अपने कैरियर को प्रगति की तरफ ले जाना चाहते हैं, तो फौरन फेंगशुई को अपनाइए और प्रगति की ओर बढ़ते जाइए।

आपके मकान का उत्तर दिशा वाला भाग आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से सम्बन्धित होता है। आप इस भाग में सफेद रंग के फूलों को गुलदस्ते में लगाकर लोहे या स्टील का गुलदस्ता वहां लगा दें। ऐसा करने से वह भाग और भी ज्यादा समृद्ध बन जाएगा।



98. अवलोकीतेश्वर और फेंगशुई

बौद्धों के सूर्यदेव को ही अवलोकीतेश्वर कहते हैं। जिनके विषय में लोगों की धारणा है कि यह हर गरीब की पुकार को सुनते हैं। इनका निवास स्थान सत्य के घर सूर्य में होता है तथा इनकी हजार भुजाएं होती हैं और हजार आंखें हैं।

चीनी लोग इनको देवता न मानकर देवी मानते हैं। उन लोगों का कहना है कि देवी जानती हैं कि किसे सहायता की आवश्यकता है, और वह बिना बुलाए ही उनके पास पहुंच जाती हैं।

फेंगशुई के द्वारा इनकी पोर्सेलीन की बनी प्रतिमा को पानी में रखना चाहिए जिसके पैरों के नीचे ड्रेगन होना चाहिए। आध्यात्मिक अथवा योग सत्र के बाद यह पानी वहां मौजूद लोगों पर छिड़कने से ऊर्जा की प्राप्ति होती है।



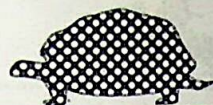
फेंगशुई के अनुसार लकड़ी की प्रतिमा दया और शान्ति की ऊर्जा प्राप्त करने के लिए बनाई जाती है। इनकी मदद से अच्छे मित्रों और ज्ञान की बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

99. टूल्स व उंगलियां

चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई द्वारा हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि काम करते समय हमारे टूल्स, स्कू झाइवर, कैंची इत्यादि का नुकीला सिरा किसी दूसरे व्यक्ति की तरफ इशारा करता हुआ-सा महसूस न हो।

फेंगशुई द्वारा इन नुकीले सिरों से निकलने वाली बुरी व नकारात्मक ऊर्जाएं नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसके कारण परस्पर प्रेम और सौहार्द की भावना खत्म हो जाती है। आपके कारोबार पर भी इस स्थिति का बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

फेंगशुई द्वारा इसी तरह किसी और की तरफ उंगली से इशारा करना भी अच्छा नहीं माना जाता है। कितने लोगों को इसी प्रकार बात करने की



आदत पड़ जाती है कि वे ऐसा किये बिना बात ही नहीं कर सकते, इन उंगलियों से भी बुरी ऊर्जा बाहर निकलती है। अगर आपको भी किसी उठी हुई उंगली का सामना करना पड़े तो समझ लेना चाहिए कि दुर्भाग्य आपका पीछा कर रहा है। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती है।

100. 'U' शेष का निर्माण

फेंगशुई द्वारा U शेष को शुभ नहीं माना जाता है। इस U शेष के निर्माण में अगर मकान के भीतरी भाग में प्रवेश द्वार है तो मकान का मालिक घर से बाहर ही रहता है। फेंगशुई द्वारा इस भाग में प्रवेश द्वार होने से घर में दिल नहीं लगता, नौकरी व कारोबार भी बदलते रहते हैं। इसलिए फेंगशुई द्वारा इसे ठीक नहीं माना जाता।

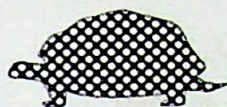
ज्यादातर आपको यही कोशिश करनी चाहिए कि इस तरह का निर्माण कराया ही न जाए। अगर किसी कारणवश ऐसा निर्माण हो गया है तो U शेष को आयताकार बनाने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसी स्थिति में प्रवेश द्वार के दोनों तरफ दीवारें खड़ी करवा देनी चाहिए। या फिर वहां पर्दों का प्रबन्ध करना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह सरल उपाय है।

101. ड्रेगन शार ची

फेंगशुई द्वारा ड्रेगन शार ची को हम सड़ी हुई और बदबूदार सांस कह सकते हैं, जो कि किसी भी हालत में बुरी व नकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करती है।

इसी तरह फर्नीचर के तीखे कोने, फाइलों के किनारे, इमारतों के पिलर्स के नुकीले उभार फेंगशुई द्वारा जहरीले तीर के प्रतीक माने जाते हैं। ये अपना बुरा प्रभाव डालते हैं।

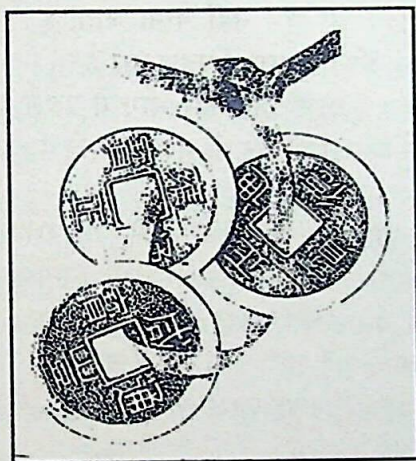
फेंगशुई द्वारा अगर आप इस समस्या का समाधान करना चाहते हैं तो इन जहरीले तीरों के असर को कम करने के लिए उनके पास फूलों का एक गमला रख दीजिए। आपके वर्गाकार हॉल में अनेक चौरस खम्भे होते हैं जो कि अपनी अशुभ व नकारात्मक ऊर्जा को छोड़ते हैं। फेंगशुई द्वारा इनके नुकीले किनारों के पास सिल्क के आर्टिफिशियल पौधे रखने चाहिए।



ये पौधे फेंगशुई में विकास के प्रतीक माने जाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा 'ची' के परिवार में रहने वाले सदस्यों की सुरक्षा भी करते हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा इन जहरीले तीरों की पड़ताल सावधानीपूर्वक करनी चाहिए, क्योंकि ये हमेशा छिपे हुए रहते हैं और छिपकर ही अपना वार करते हैं, इसलिए इस स्थिति से बचना चाहिए।

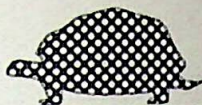
102. धन को पाने के लिए चीनी सिक्कों का प्रयोग करें



अगर आपमें धनवान बनने की इच्छा है तो आप इसके लिए भी चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई का सहारा लीजिए और धनवान बन जाइए।

आप धन सम्बन्धी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का प्रयोग कर सकते हैं। यह बहुत प्रभावशाली होते हैं। तीन चीनी सिक्कों को लेकर आप इन्हें लाल रंग के धागे में बांध लीजिये—और फिर इसे आप अपने पर्स में रख लीजिए। फेंगशुई द्वारा इसे आय का प्रतीक माना जाता है। आप चार या पांच सिक्कों के बदले सिर्फ तीन सिक्कों का ही प्रयोग कर सकते हैं, क्योंकि तीन का अंक शुभता की निशानी है।

इन चीनी सिक्कों को सिर्फ लाल रंग के ही धागे में बांधना चाहिए, क्योंकि इन सिक्कों को लाल रंग का धागा ही सक्रिय कर सकता है, और इसके अन्दर से यांग ऊर्जा प्रकट होती है।



अगर आप चाहें तो इन सिक्कों को किसी को भी उपहार में दे सकते हैं और इन्हें उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है, अगर आप उपहार में कोई वस्तु दे रहे हैं तो उस वस्तु के साथ भी इन सिक्कों को दिया जा सकता है, क्योंकि इनका देना शुभता की निशानी है।

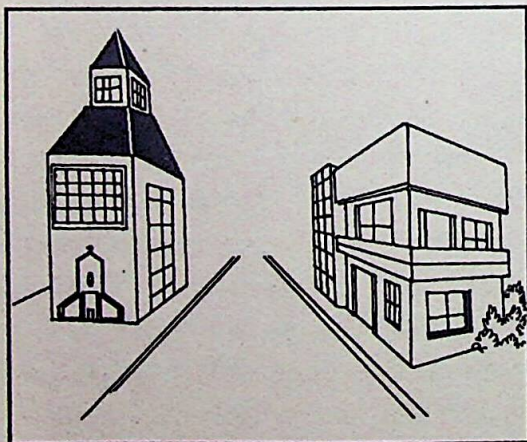
ये प्राचीन चीनी सिक्के गोल आकार के होते हैं और इन सिक्कों के बीच में वर्गाकार छेद होता है।

103. अस्पताल

फेंगशुई द्वारा दवाओं के रैक अथवा शेल्फ उत्तर और दक्षिण दिशा में बनाने चाहिए। फ्रिज भी इसी दिशा के अन्तर्गत ही रखें। बेकार दवाओं के लिए अलग से एक बॉक्स बनवाएं ताकि वह सही दवा में न मिल सकें। अंग्रेजी दवाओं को अलग रखना चाहिए और कॉस्मेटिक का शेल्फ भी अलग होना चाहिए।

फेंगशुई द्वारा हड्डी के डॉक्टर का ऑपरेशन थिएटर पश्चिम की तरफ मुंह किए होना चाहिए। स्त्री रोग के विभाग का प्रबन्ध दक्षिण दिशा में करना चाहिए। डायग्नॉस्टिक मेज के आगे परदा लगा हो और चेक करवाने वाले का सिर दक्षिण की तरफ होना चाहिए। E.N.T. के डॉक्टर अपने बैठने का प्रबन्ध कुछ इस प्रकार करें कि उनका मुंह उत्तर दिशा की तरफ रहना चाहिए।

104. त्रिकोण आकार की आकृति का दोष निवारण

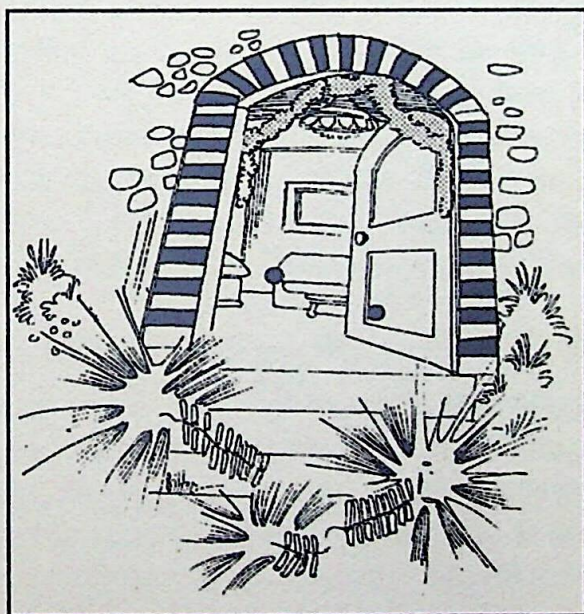




फेंगशुई द्वारा आपके मकान के सामने बने किसी मकान की त्रिकोणाकार आकृति अशुभ मानी जाती है। ये स्थिति अगर सीधे आपके मकान के सामने हो तो मकान में रहने वाले परिवार के सदस्यों को दुर्घटनाग्रस्त होने का डर हमेशा बना रहता है।

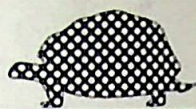
अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अपने मकान के दरवाजे और खिड़की पर जालीदार पर्दा टांगकर इस नकारात्मक ऊर्जा को बाधित कर सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।

105. घर में प्रवेश करते समय



चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई के द्वारा चीन के लोग नए घर में प्रवेश करने के मौके पर बौद्ध धर्म गुरु मंत्र पाठ आदि ये सब करवाते हैं और यह निर्देश देते हैं कि क्या चीज कहाँ पर रखनी चाहिए? यह सब पूरी तरह फेंगशुई पर ही आधारित होता है।

फेंगशुई सलाहकार द्वारा सन्तरे या मौसमी या नींबुओं की छाल एक



कांच के कटोरे में भरकर उसके अन्दर पानी डाल देते हैं और फिर सभी कमरों में घूमकर आते हैं।

इस मौके पर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए अपने मकान के प्रवेश द्वार पर पटाखे छोड़े जाते हैं। फेंगशुई द्वारा अपने नए मकान में पुराने बिस्तर को भी नहीं ले जाना चाहिए। अगर जो लोग नया बिस्तर नहीं बनवा सकते हैं वे नई बैडशीट खरीदकर इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय होता है, इसका प्रयोग करके देखें।

106. अपने फर्नीचर के कोनों को गोल करा देना चाहिए

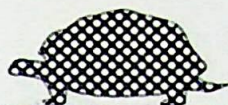
फेंगशुई द्वारा फर्नीचर के तीक्ष्ण कोने हानिकारक माने जाते हैं, इसलिए इन तीक्ष्ण कोनों को गोल कराके चिकना करा देना चाहिए, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा (शार ची) के स्रोत माने जाते हैं।

आप जब भी अपने घर या ऑफिस का फर्नीचर बनवाएं तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि सभी फर्नीचर आयताकार हों और उनके कोनों तथा किनारों को गोल करके चिकना बना दिया गया हो। जब भी मुमकिन हो, घर के सभी खुले हुए खम्भों, शहतीरों आदि को भी गोल करा लेना चाहिए। फेंगशुई द्वारा ऐसा करना अच्छा माना जाता है।

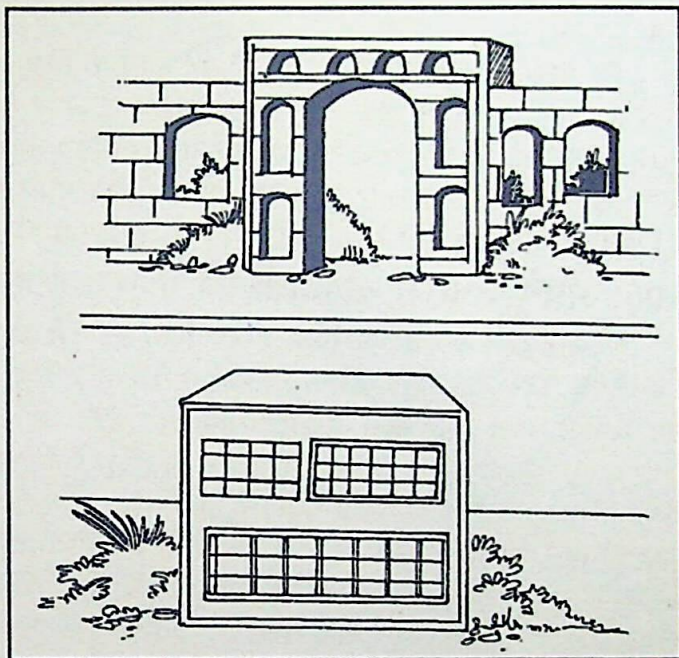
107. हरे पौधे दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं रखने चाहिए

चीनी वास्तुशास्त्र के द्वारा हरे पौधे दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं रखने चाहिए। क्योंकि आपके मकान का दक्षिण-पश्चिम दिशा का कोना पृथ्वी तत्व का भाग माना जाता है और यह भाग रिश्तों और विवाह सम्बन्धी अभिलाषाओं से जुड़ा हुआ रहता है। फेंगशुई द्वारा हरे पौधे काष्ठ तत्व से सम्बन्धित होते हैं। तत्वों के विध्वंसक चक्र के अनुसार काष्ठ पृथ्वी को नष्ट कर देता है। इसलिए इस दिशा में हरा पौधा होना, इस भाग की पृथ्वी ऊर्जा के लिए बड़ा खतरनाक होता है।

ऐसा करने पर रिश्तों के ऊपर बुरा असर पड़ सकता है, इससे वैवाहिक सम्भावनाएं भी क्षीण हो सकती हैं। अगर आपने अपने घर के इस भाग में हरे पौधे रखे हुए हों तो उन पौधों को शीघ्र वहां से हटा दें। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति हानिकारक मानी जाती है।



108. आपके मकान के सामने बड़ा दरवाजा

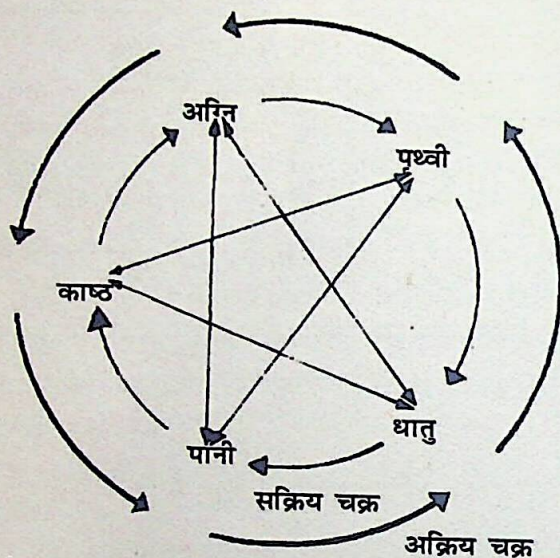


फेंगशुई द्वारा आपके मकान के मुख्य दरवाजे के ठीक सामने किसी बड़ी इमारत का तोरण द्वार हो खासकर किसी घुड़साल का तो फिर ऐसे मकान में निवास करने वालों का स्वास्थ्य सामान्य तौर पर बिगड़ा हुआ रहता है तथा यह उन्हें तब भी महसूस होता है जब वे ये देखते हैं कि वह अपना काम पूरे मनोयोग से नहीं कर पा रहे हैं।

अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो घर के मुख्य दरवाजे की स्थिति में इस तरह परिवर्तन करें कि वह इस तोरण द्वार के ठीक सामने नहीं खुलना चाहिए। अगर आपके लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं तो घर के सामने वाली दीवार पर उत्तल दर्पण लगाकर नकारात्मक ऊर्जा 'ची' का प्रवेश बाधित कर दें। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।



109. चार पिलर्स का उपयोग



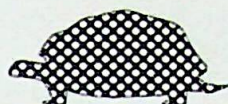
फेंगशुई द्वारा जन्म-वर्ष, माह, दिन और समय चार खम्भे समझे जाते हैं। इनके अनुसार जो भी गणना की जाती है, चीनी लोग उसको आठ चरित्र कहते हैं। ये आठ चरित्र इस प्रकार हैं—

1. पानी (Water)।
2. काष्ठ (Wood)।
3. आग (Fire)।
4. धातु (Metal)।

ये फेंगशुई के तत्व माने जाते हैं और इनमें यिन और यांग ऊर्जा 'ची' की मात्रा समाहित होती है। प्रत्येक चरित्र के दो तत्व होते हैं—

1. Heavenly stem.
2. Earthly branch.

हमारे मकान के अन्तर्गत जितनी जगह होती है उसमें इन तत्वों की सन्तुलित मात्रा का होना आवश्यक है, तभी वहां शुभ फेंगशुई का निर्माण हो सकता है। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।



110. अपने घर की दक्षिण दिशा में नीले रंग के चित्र व पानी वाले चित्र न लगाएं

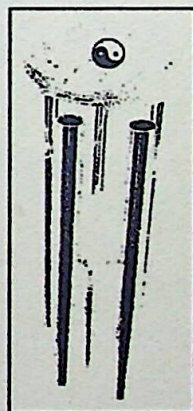
अगर आप प्रसिद्धि के इच्छुक हैं तो चीनी वास्तुशास्त्र के द्वारा आपके घर का दक्षिण दिशा वाला भाग अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है और पाकुआ के अनुसार यह जीवन की प्रसिद्धि नामक अभिलाषा से सम्बन्धित होता है। फेंगशुई द्वारा तत्वों के विध्वंसक चक्र के अनुसार 'जल' अग्नि को समाप्त कर देता है।

इसलिए आप अपने मकान के इस भाग में पानी वाले चित्र नहीं लगाएं क्योंकि ये आपकी साख और आपके नाम को नष्ट कर सकता है। अगर आपके इस भाग में नीले रंग की कोई वस्तु रखी हुई हो तो उसे भी वहां से फौरन हटा देना चाहिए, क्योंकि नीला रंग जल तत्व का प्रतीक माना जाता है।

111. अपने घर की पश्चिम दिशा में सात छड़ों वाली पवनघंटी लगाएं

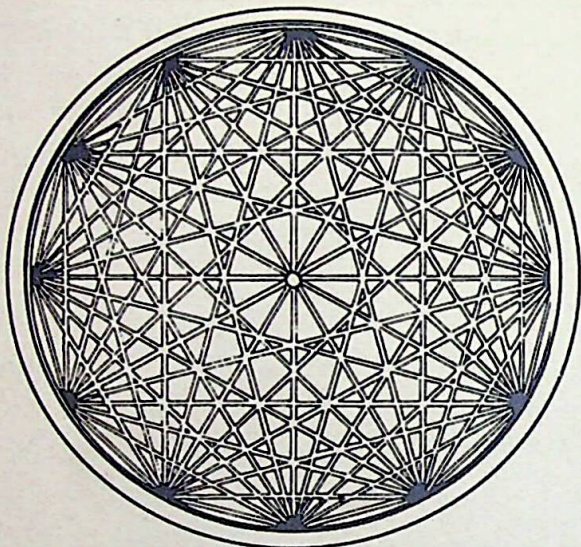
फेंगशुई द्वारा आपके घर के पश्चिमी भाग का सम्बन्ध सन्तान तथा सर्जनात्मक से जुड़ा हुआ होता है। लोशु वर्ग के अनुसार इस भाग से सम्बन्ध रखने वाली संख्या सात होती है। इस वजह से इस भाग में सात छड़ों वाली पवन-घंटी रखने से इसकी ऊर्जा में काफी वृद्धि होती है।

एक बात का अवश्य ध्यान रखें कि पश्चिम दिशा के भाग का तत्व धातु होता है। फेंगशुई द्वारा इस घंटी की बड़ी मान्यता है।



112. मंडल का प्रयोग

इसकी आकृति गोल होती है जिसके अन्तर्गत अनेकों वृत्त, वर्ग, त्रिकोण आदि बने होते हैं। आज भी तिब्बत में धर्मगुरु इनका प्रयोग करते हैं। वास्तव में मंडल ब्रह्माण्ड का प्रतीक माना जाता है इसको Cosmogram के नाम से पुकारा जाता है। वृत्त स्वर्ग का प्रतीक समझा जाता है तथा वर्ग कंपास के चार कोणों का।



तिब्बत के अन्दर जो मंडल बनाए जाते हैं उनके मध्य में कमल का फूल देवता के चित्र के साथ होता है। इसको रेशमी कपड़े पर या दीवार के ऊपर ही बनाया जाता है। आप इसको लकड़ी के ऊपर भी उकेर सकते हैं।

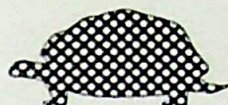
भारत में मंडल का स्वरूप अल्पना के रूप में दक्षिण भारत में प्रचलित है। इसे जमीन के ऊपर सूखे रंगों से बनाया जाता है।

फेंगशुई द्वारा मकान के आंगन में इसे बनाने से ब्रह्माण्डीय ऊर्जा को घर में बुलाने का आशय है।

113. बैंक व फाइनेंस

आज के दौर में फाइनेंस कम्पनियों और बैंकों में नकद लेन-देन की काफी लिखा-पढ़ी होती है, इस वजह से फेंगशुई के नियमों का पालन कर सुरक्षित महसूस किया जा सकता है।

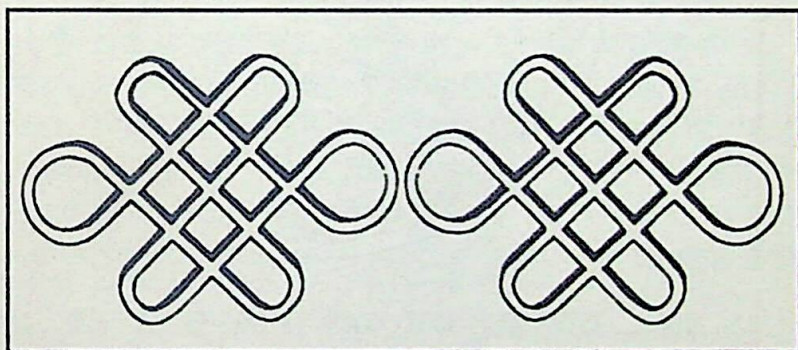
फेंगशुई द्वारा लेन-देन करने वाले कार्यालयों में दीवारें पीली या हरे रंग की ही होनी चाहिए। उत्तरी दिशा की दीवार पर आप एक लैंडस्कोप भी लगा सकते हैं। ऑफिस स्टेशनरी रखने की जगह उत्तर दिशा में ही होनी



चाहिए। उत्तरी-पूर्वी कोण में बैंक के लॉकर्स बनाने चाहिए। कैश काउंटर उत्तर दिशा में उत्तर की तरफ रुख लिए अच्छा माना जाता है।

बैंक के मुख्य दरवाजे से मैनेजर के कैबिन का रास्ता दायीं तरफ से ही घूमकर जाए। बैंक का टॉयलेट उत्तर दिशा में नहीं होना चाहिए। अगर जनरेटर हो तो उसे दक्षिण दिशा में रखें। फेंगशुई द्वारा यह सरल उपाय है।

114. बिना सिरे वाली गांठ



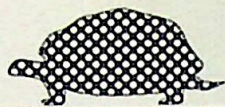
फेंगशुई द्वारा चीनी लोग इसे बहुत महत्वपूर्ण प्रतीक मानते हैं। बौद्ध धर्म के लोग इसे कभी न खत्म होने वाले जीवन के रूप में मानते हैं, क्योंकि इसके अन्दर कहीं भी कोई अवरोध नहीं होता।

फेंगशुई द्वारा इसे सौभाग्य की कभी न टूटने वाली गांठ भी कहा जाता है। चीन में इसके अनेक स्वरूप प्रचलन में हैं।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा इसे दीर्घायु और स्वास्थ्य के लिए बिस्तर के ऊपर बनाएं। अगर आप चाहें तो इन आकृतियों से छत को आकर्षक व सुन्दर रूप भी दे सकते हैं।

115. क्रीम कलर के फूल पीले फूलदान में लगाकर रखें

फेंगशुई द्वारा आप अपने मकान के पश्चिम दिशा वाले भाग में पीले फूलदान में लगाकर क्रीम कलर के फूल लगा सकते हैं, क्योंकि आपके घर का पश्चिमी भाग धातु तत्व से सम्बन्धित होता है। इन्हीं तत्वों के उत्पादकता चक्र में धातु पृथ्वी में उत्पन्न होती है। इसलिए पश्चिम दिशा में पीले कलर



के मिट्टी के गुलदस्ते में क्रीम कलर के कृत्रिम फूल रखने से इस हिस्से की धातु ऊर्जा में बढ़ोत्तरी होती है—और इससे सर्जनात्मकता तथा सन्तान का लाभ मिलता है, चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार पश्चिमी क्षेत्र का सम्बन्ध सर्जनात्मकता तथा सन्तान से होता है तथा यह इस भाग के जीवन की अभिलाषा है। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।

116. दक्षिण दिशा में लाल रंग की वस्तु या लाल रंग का चित्र लगाएं

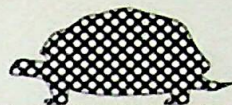
फेंगशुई द्वारा आपके मकान का दक्षिण दिशा वाला भाग जीवन की प्रसिद्धि नामक अभिलाषा से सम्बन्धित होता है। इस हिस्से का तत्व अग्नि को समझा जाता है। फेंगशुई द्वारा इस भाग में लाल रंग की तस्वीर लटकाकर या लाल रंग की कोई वस्तु रखकर आप अपनी प्रसिद्धि, नाम तथा साख में दिन-रात बढ़ोत्तरी कर सकते हैं, क्योंकि लाल रंग अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है। फेंगशुई द्वारा इस उपाय को अपनाकर प्रसिद्धि हासिल करो।

117. ढालदार छत नहीं बनवानी चाहिए

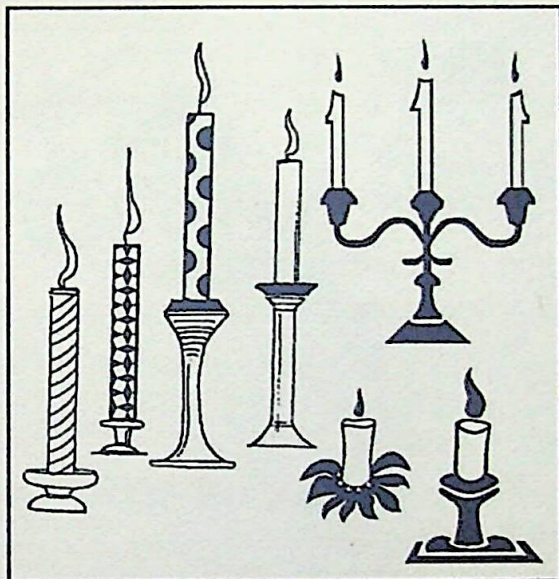
आज के इस आधुनिक युग में तिरछी दीवारों वाले और पिरामिडनुमा छतों का आकार लिए मकानों का चलन आजकल काफी हद तक बढ़ता ही जा रहा है।

फेंगशुई द्वारा अगर इसी प्रकार की किसी ढलवां छत का किनारा बैडरूम की तरफ निकला हो तो यह समझा जाता है कि आपका बैडरूम जहरीले तीरों के निशाने पर है। वैसे भी ऐसी छतों वाले कमरे में जो रहता है उसकी 'ची' दुष्प्रभावित हो जाती है और उसका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है।

इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए ऐसे कमरों में दर्पण का उपयोग करके या फिर प्रकाश की व्यवस्था करके इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है अगर आप पौधे लगा दें तो भी यह समस्या हल हो सकती है। वैसे कोशिश यही करनी चाहिए कि इस तरह के पिरामिडनुमा कमरे अस्थायी कार्यों के लिए ही प्रयोग में लाए जाएं। आप अपने कमरों की दीवारों में कपबोर्ड या शेल्फ लगवाकर ही इससे निजात पा सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय माना जाता है।



118. मोमबत्तियों का प्रयोग



फेंगशुई द्वारा मोमबत्तियां प्रकाश और अग्नि की प्रतीक मानी जाती हैं। मोमबत्तियों का प्रयोग धार्मिक कार्यों में भी शुभ माना जाता है। पूजा-स्थल पर जलती हुई मोमबत्ती आध्यात्मिक प्रकाश तथा ईश्वर से सूत्र जोड़ने का प्रतीक मानी जाती है। चर्च में भी इन्हें जलता हुआ देखा जाता है।

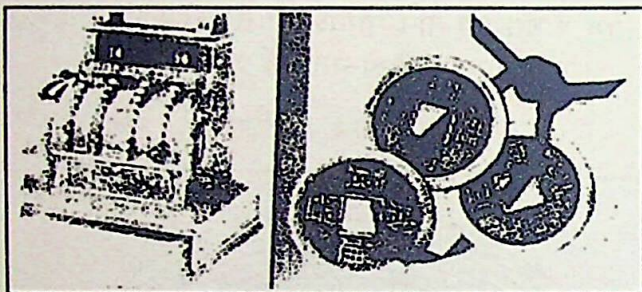
फेंगशुई द्वारा अगर आप बुरी ऊर्जा को हटाकर वहां शुभ ऊर्जा का संचार करना चाहते हैं तो कमरे के कोने में जलती हुई मोमबत्ती को रख दें।

फेंगशुई के अनुसार यह भी कहा जाता है कि मोमबत्ती जलाने से बिछड़े हुए फिर से मिल जाते हैं और वातावरण में गर्मजोशी भी बनी रहती है। ध्यान करने के लिए भी मोमबत्ती की लौ पर एकटक निगाह रखी जाती है।

फेंगशुई द्वारा इसे ज्ञान में वृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है और ये यश का भी प्रतीक है।



119. अपनी नकदी-पेटी में तीन भाग्यशाली सिक्के डालिए



प्रत्येक मनुष्य सम्पत्ति, सौभाग्य तथा सम्पन्नता में वृद्धि करना चाहता है। फेंगशुई द्वारा इन तीनों में वृद्धि करने के लिए पुराने चीनी सिक्के सबसे ज्यादा प्रभावशाली होते हैं। अगर आप अपनी सम्पत्ति को बढ़ाना चाहते हैं तो लाल रंग के धागे में इन प्राचीन तीन चीनी सिक्कों को बांधकर अपनी धन की पेटी में रख दीजिए।

अगर आप अपनी दुकान में बिक्री को बढ़ाना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा उपाय यह है कि आप अपनी दुकान में एक ऐसा आईना लगवा दीजिए जिसके अन्दर आपकी धन की पेटी का प्रतिबिम्ब नजर आये। फेंगशुई द्वारा आईना आपके भाग्य में सुधार करने का एक प्रभावशाली तरीका है। अपनी दुकान में आप इस आईने को कहीं भी लगा सकते हैं।

लेकिन आपको इस बात का ख्याल अवश्य रखना चाहिए कि उसमें मुख्य दरवाजे का प्रतिबिम्ब न दिखाई दे, क्योंकि यह स्थिति फेंगशुई द्वारा अच्छी नहीं मानी जाती इससे आपको बहुत बड़ी हानि भी पहुंच सकती है। अगर आईने में दरवाजे का प्रतिबिम्ब पड़ेगा तो दुकान में प्रवेश करने वाली सारी ऊर्जाएं इसमें प्रतिबिम्बित होकर सीधे बाहर की तरफ चली जाएंगी और इनके साथ-साथ सारे सौभाग्य भी बाहर चले जाएंगे।

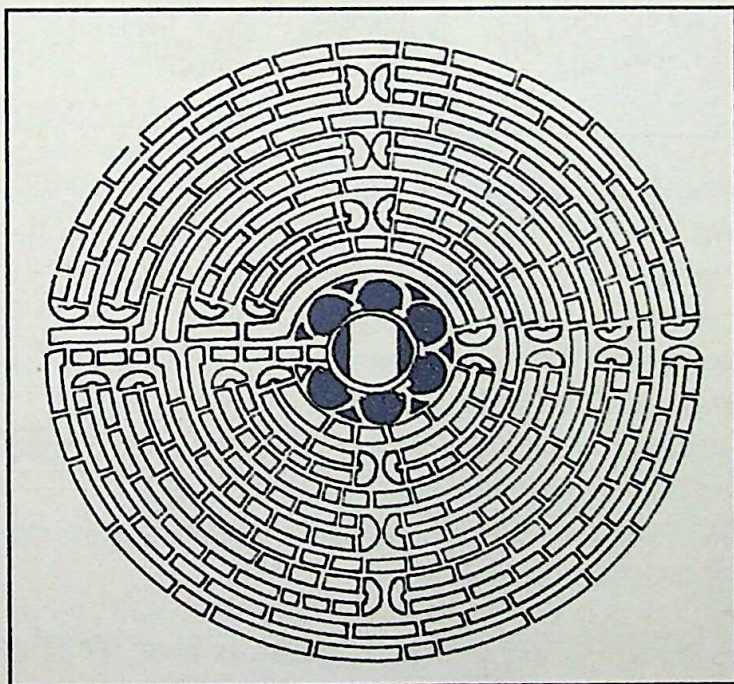
अगर आपकी दुकान में रखे सामान का प्रतिबिम्ब आईने में पड़ता है तो सामान के दोगुना होने, दोगुना व्यवसाय होने का सूचक है। इससे दुकान हमेशा सामान से भरी हुई प्रतीत होगी। आपके आईने में धन की पेटी का



प्रतिबिम्बित होना सौभाग्य और सम्पत्ति के दोगुना होने का प्रतीक है।

अगर आप चाहें तो अपने कैश-रजिस्टर और अन्य सभी बहीखातों में भी लाल धागे से बंधे हुए तीन भाग्यशाली चीनी सिक्के बांध सकते हैं। यह फेंगशुई द्वारा सौभाग्य व सम्पन्नता के प्रतीक हैं।

120. भूल-भूलैया



यह ज्यामिती के सिद्धान्तों पर आधारित होती है, इसको भूल-भूलैया के नाम से पुकारा जाता है। ज्यामितीय स्वरूप पर ही इसका निर्माण किया गया है।

यूं तो भूल-भूलैया में अनेक रास्ते होते हैं लेकिन एक रास्ता ही ऐसा है जो इसके केन्द्र तक पहुंचता है। भूल-भूलैया के चक्रव्यूह को फेंगशुई द्वारा जीवन से मृत्यु तक की यात्रा तक का चक्र माना जाता है और इस भूल-भूलैया को ही फेंगशुई में पुनर्जन्म का भी चक्र मानते हैं।



बड़े-बड़े देशों में फेंगशुई परामर्शदाता भूमि का केन्द्र खोजने के लिए ऐसी ही अद्वितीयों की सहायता लेते हैं। भारत में भूल-भूलैया का ऐसा ही जटिल स्वरूप लखनऊ के बड़े इमामबाड़े में देखा जा सकता है।

फेंगशुई द्वारा इसका डिजाइन लॉन में झाड़ियों या बॉक्स ट्री से बनाया जा सकता है। रंगीन मौजेक पत्थरों से इसको आप हॉल के बीच में भी निर्मित कर सकते हैं।

121. आपके मकान या ऑफिस के सामने लिफ्ट

फेंगशुई द्वारा आपके मकान या कार्यालय के सामने लिफ्ट का होना अशुभ माना जाता है। अगर लिफ्ट आपके मकान के सामने है तो इसके होने से लोगों का आवागमन बना रहेगा—और बार-बार लिफ्ट का दरवाजा खुलने-बन्द होने से ऊर्जा 'ची' पर बुरा प्रभाव पड़ता है और इसका सन्तुलन बिगड़ जाता है। इसका आपके भाग्य के ऊपर बुरा प्रभाव पड़ता है, आपकी एकाग्रता तथा ध्यान भंग हो सकते हैं।

इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आप अपने मकान का दरवाजा फौरन बदलवा दें, क्योंकि लिफ्ट का बदलवाना तो मुमकिन नहीं। अगर दरवाजा बदलना भी असम्भव हो तो आप दरवाजे के ऊपर एक अष्टकोणीय पा-कुआ दर्पण लगा दें। यह दर्पण अशुभ ऊर्जा को प्रवेश होने से रोकता है। इस तरह आप अपनी दहलीज को दो-तीन इंच ऊंचा उठवाकर भी इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

122. अगरबत्तियां जलाकर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करें

फेंगशुई द्वारा मकान में अगरबत्ती जलाकर नकारात्मक ऊर्जा को दूर किया जा सकता है। हर घर में भगवान की पूजा करने के लिए सभी लोग धूप तथा अगरबत्तियों का इस्तेमाल करते हैं।

अगरबत्तियों की मोहक खुशबू से आस-पास का सारा माहौल महक उठता है। अगरबत्ती बड़ी उपयोगी होती हैं, क्योंकि इनसे नकारात्मक ऊर्जाओं वाली दूषित वायु शुद्ध हो जाती है।

घर के अन्दर धूप जलाने से ऊर्जा का सृजन होता है इससे पूरा घर



पवित्र तथा शुद्ध हो जाता है। इसके साथ-साथ लोगों के मन को शान्ति मिलती है, इसलिए अपने घर में रोजाना अगरबत्ती तथा धूपबत्ती को जलाना चाहिए। फेंगशुई में इसका जलाना शुभता का प्रतीक है।

123. अपने घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में कैंचियां या धातु की चीज न रखें

फेंगशुई द्वारा दक्षिण-पूर्व दिशा का तत्व काष्ठ माना जाता है। पांच तत्वों के विध्वंसक चक्र के अनुसार धातु काष्ठ को काट डालती है इसलिए इस भाग में कैंची या चाकू जैसी धारदार चीजें रखना इस भाग की ऊर्जा के लिए बहुत ही हानिकारक होता है। इन वस्तुओं का नकारात्मक प्रभाव आपकी सम्पन्नता के रास्ते में बाधा डालता है क्योंकि फेंगशुई द्वारा इस स्थान से जुड़ी हुई जीवन की अभिलाषा सम्पत्ति होती है इसलिए इस स्थिति से बचें। चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार अपने घर की दक्षिण-पूर्व दिशा वाले भाग में धारदार चीजें कभी नहीं रखनी चाहिए।

124. पवित्र धुन अथवा गायत्री मन्त्र का पाठ कराएं

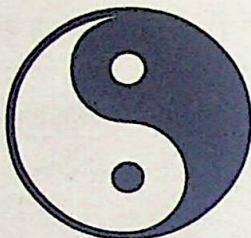
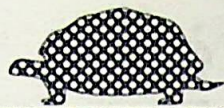
फेंगशुई द्वारा अपने घर में रोजाना सुबह-सवेरे पूजा करने के बाद गायत्री मन्त्र का जाप कीजिए। या फिर कुछ देर के लिए गायत्री मन्त्र की ऑडियो कैसेट बजा दीजिए। ऐसा करने से आपका पूरा घर इसकी पवित्र तरंगों से भर जाएगा।

अगर आप हिन्दू धर्म नहीं अपनाते हैं किसी और धर्म से ताल्लुक रखते हैं तो आप गायत्री मन्त्र की जगह अपने धर्म की कोई पवित्र धुन अथवा प्रार्थना को गा सकते हैं। इससे आपके मन को शान्ति मिलेगी।

125. यिन और यांग का सन्तुलन

फेंगशुई द्वारा यिन और यांग में सन्तुलन होना बहुत जरूरी होता है। शहरों के रीति-रिवाज गांव के रीति-रिवाजों से बिल्कुल अलग होते हैं।

फेंगशुई द्वारा यांग ऊर्जा शहरों में अधिक पायी जाती है और गांव में यिन ऊर्जा पायी जाती है। ऊर्जा के इसी अन्तर को दोनों की जीवन पद्धति में अन्तर से स्पष्ट समझा जा सकता है।



जैसेकि सड़क पर दौड़ते वाहन, रेस्तरां, होटल, क्लब और सिनेमाहॉल आदि यांग ऊर्जा के प्रतीक माने जाते हैं। इन स्थानों में यिन ऊर्जा का प्रबन्ध करने के लिए हल्के रंग, प्राकृतिक फ्लोरिंग और बड़े-बड़े पौधों की सहायता भी ली जा सकती है। इससे आसानी से यिन ऊर्जा का प्रवाह होता है।

इसी तरह अगर गांव में जहां यिन ऊर्जा का अधिक प्रवाह होता है वहां आप तेज रोशनी के द्वारा तथा दीवारों और छतों पर चटख रंग लगवाकर यांग ऊर्जा को उत्पन्न कर सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है, इसलिए आप इसका सरलतापूर्वक प्रयोग कर सकते हैं।

126. फेंगशुई में दरवाजा खुलने के नियम

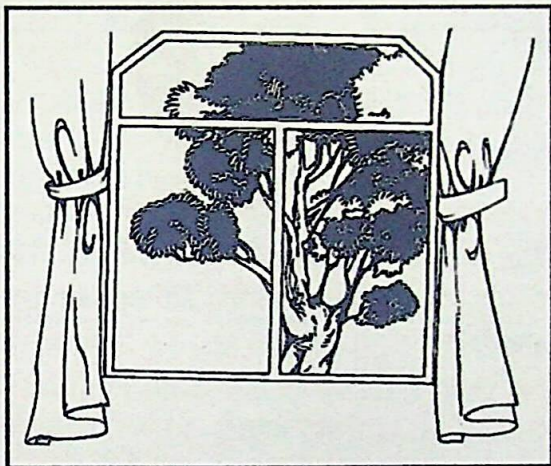
चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई द्वारा अपने मकान के कमरे की सामने वाली दीवार पर कोई पेन्टिंग या लैंड स्कैप आदि लगवाएं। क्योंकि कमरे के अन्दर प्रवेश करने पर खाली दीवार सूनेपन का अहसास कराती है। अगर आपके पीछे की तरफ दरवाजा अथवा खिड़कियां हैं तो उन पर पर्दों का प्रबन्ध होना चाहिए या फिर आप उनके दरवाजों को बन्द करके रखिये।

फेंगशुई द्वारा 'ची' सामने वाले द्वार से प्रवेश करके पीछे की तरफ से बाहर निकल जाती है उसे कमरे में प्रवाहित होने का मौका ही नहीं मिलता। खिड़कियों की चौखट पर पौधे रखकर या रंगीन शीशी लगाकर भी इस समस्या को दूर कर सकते हैं।

अगर आपके कमरे में प्रवेश करते ही सामने किचन है तो फिर उसी पर ही धावा बोल दिया जाता है। दिमाग में खाने-पीने की ही बात रहती है और अगर सामने ऑफिस पड़ता है तो दिमाग में काम-काज की ही फिक्र लगी रहती है, इसलिए इन बातों को ध्यान में रखें।



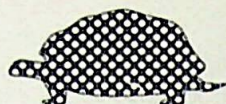
127. अपने भाग्य को उत्तम बनाने के लिए पर्दों का चयन



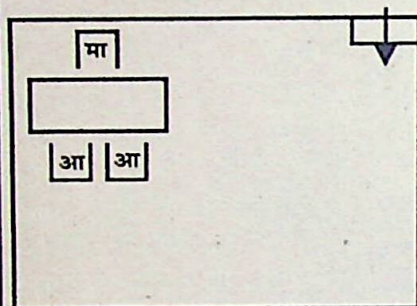
अगर आप अपने भाग्य को उत्तम बनाना चाहते हैं तो इसके लिए भी फेंगशुई का सहारा ले सकते हैं। आपके ऑफिस या घर के पंखे व साज-सामान जैसे कालीन, सोफे, गद्दे व कुर्सियां आदि आपके व्यक्तिगत गुण के अनुकूल बनाए जा सकते हैं और इनके द्वारा आप अपने सौभाग्य में वृद्धि कर सकते हैं।

आपके घर के परदों के रंग और उनकी डिजाइन स्थिति के अनुसार अलग-अलग होनी चाहिए। वास्तव में आपका परदा दो परत वाला ही होना चाहिए। आपके पश्चिम दिशा वाले भाग में सफेद रंग के परदे डले हुए होने चाहिए। क्योंकि इस हिस्से का तत्व धातु है और सफेद रंग धातु का सूचक माना जाता है।

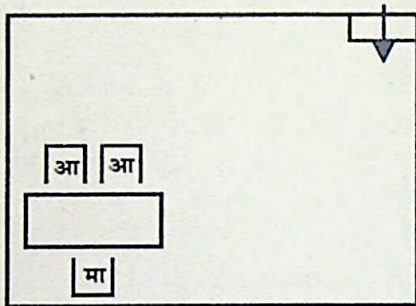
इसी तरह उत्तर दिशा वाले भाग के कमरे के लिए नीले रंग के परदे बहुत अच्छे रहते हैं, क्योंकि इस स्थान का तत्व जल होता है। अपने मकान के दक्षिण कोने वाले भाग के परदे लाल रंग के तथा त्रिभुजाकार डिजाइन वाले ही होने चाहिए, क्योंकि फेंगशुई द्वारा लाल रंग अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है। पूर्व दिशा का तत्व काष्ठ होता है। इसलिए इस दिशा वाले कमरों में हरे रंग के आयताकार डिजाइन वाले परदे अच्छे माने जाते हैं। इसलिए फेंगशुई द्वारा अपने परदों का चयन करके भाग्य को उत्तम बनाइये।



128. दरवाजे की तरफ पीठ करके बिल्कुल न बैठें



दोषपूर्ण



संशोधन

मा-मालिक, आ-आगन्तुक

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा अपने घर या ऑफिस के दरवाजे की तरफ पीठ करके बिल्कुल नहीं बैठना चाहिए। चाहे वह आपके लिए कितनी भाग्यशाली दिशा ही क्यों न हो, उसका त्याग करना ही ज्यादा उपयुक्त रहता है।

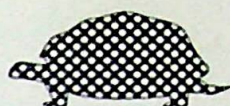
अगर आप दरवाजे की तरफ पीठ करके बैठेंगे तो इसका अन्जाम खतरनाक हो सकता है। इसका नतीजा यह होगा कि आपको छल-कपट और धोखेबाजी का शिकार होना पड़ेगा और आपके अन्दर नियन्त्रण की कमी हो जाएगी। क्योंकि मुख्य दरवाजे के ऊपर आपकी नजर नहीं होती है इसलिए फेंगशुई द्वारा यह स्थिति खतरनाक होती है।

129. फेंगशुई में बीम की स्थिति

फेंगशुई द्वारा आपके मकान में पड़ा हुआ बीम जितना नीचा होगा, उतना ही वहां प्रवाहित हो रही 'ची' पर अपना बुरा प्रभाव डालेगा।

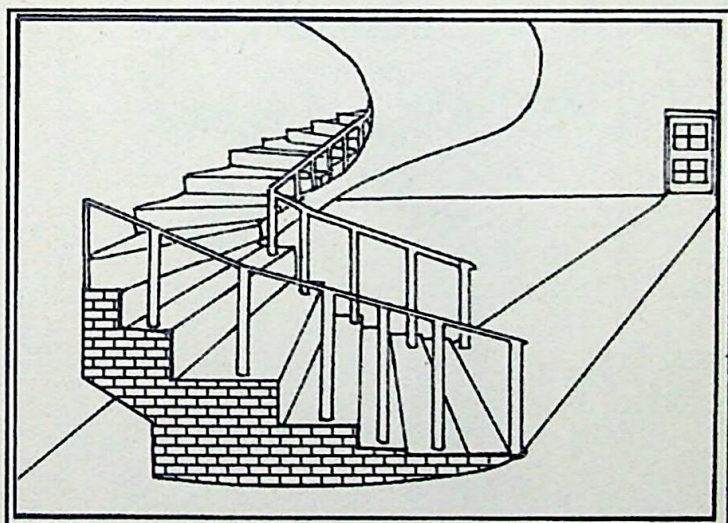
फेंगशुई द्वारा ऊंची छतों के बीम नीचे वालों पर ज्यादा प्रभाव नहीं डालते। वैसे फेंगशुई के अनुसार तो बीम डालने ही नहीं चाहिए, लेकिन इनके बिना मकान का निर्माण भी नहीं हो सकता।

एक बात का ध्यान अवश्य रखें कि बीम के नीचे कुर्सी मेज, सोफा आदि न रखें, नहीं तो बैठने वाले उदास हो जाते हैं।



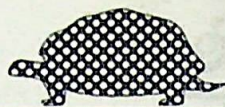
अगर आप इसका निदान चाहते हैं और बीम के दुष्प्रभाव से बचना चाहते हैं तो प्रकाश को नीचे से ऊपर बीम की तरफ फेंकने से समस्या का हल हो जाता है। अगर आप बीम को फॉल्स सीलिंग से ढंक दें तो भी इसकी समस्या हल हो सकती है। बांस के द्वारा बनाई गयी दो बांसुरी को लाल रिबन से बांधकर बीम पर लटकाने से भी इस दोष का निवारण हो जाता है। फेंगशुई के अनुसार यह सरल उपाय माने जाते हैं।

130. पिलर और घुमावदार सीढ़ियों का दोष निवारण



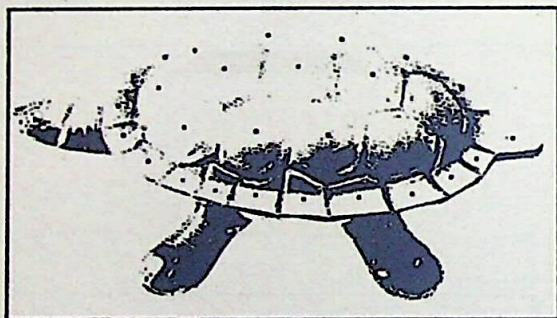
फेंगशुई द्वारा इस प्रकार की स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती। जैसे कि घर का कोई ऐसा चौकोर पिलर जो दरवाजे के आड़े आ रहा हो, ऐसा पिलर परिवार के सदस्यों पर बुरा प्रभाव डालता है।

इस प्रकार के पिलर पर दर्पण लगाकर फेंगशुई द्वारा उसके तीखे कोनों को छिपाया जा सकता है। अगर आप पिलर के निकट फूलों का एक गमला रख दें तो इस समस्या का समाधान हो सकता है। पिलर और दरवाजे के बीच में परदा भी लगाया जा सकता है। गोल पिलर ठीक माने जाते हैं। लेकिन ये दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए।



फेंगशुई द्वारा इसी तरह घर के अन्दर घुमावदार सीढ़ियां भी अच्छी नहीं मानी जाती हैं। इस स्थिति से 'ची' को उन्मुक्त विचरण का रास्ता नहीं मिल पाता तथा वह सीढ़ियों पर सर्पिलाकार चक्कर काटती रह जाती है। ऐसी सीढ़ियां धन की हानि और दुर्घटना की सूचक मानी जाती हैं। इसलिए फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती, इससे बचना चाहिए।

131. अपने घर की उत्तर दिशा में धातु का कछुआ रखिए



अगर आप अपने जीवन में वृद्धि करना चाहते हैं, प्रगति करना चाहते हैं तो फेंगशुई का सहारा लेकर अपनी इस इच्छा को पूर्ण कर लीजिए।

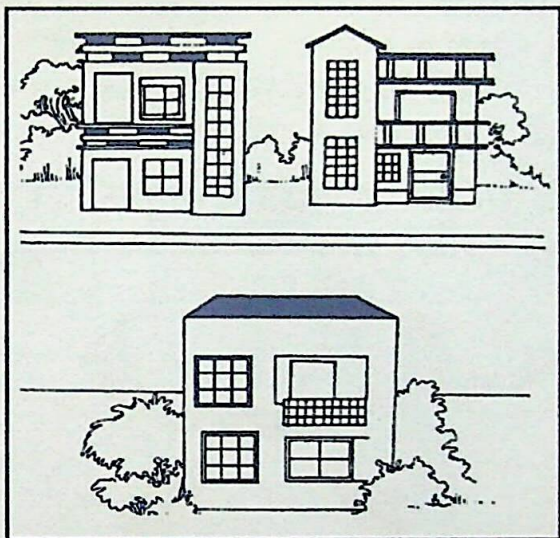
अपने घर में पानी से भरे हुए एक छोटे-से कटोरे में धातु का बना कछुआ का प्रतिरूप डाल दीजिए और उसे अपने घर के उत्तरी भाग में रख दीजिए। ये कछुआ आपकी आयु में वृद्धि करता है और आपके जीवन में प्रगति के सुअवसरों में वृद्धि करने वाला होता है।

अगर आपके घर के उत्तरी भाग में आपका बैडरूम हो तो आप सिर्फ कछुआ धातु का ही प्रतिरूप रखें। उसके साथ कटोरे में पानी बिल्कुल न रखें, क्योंकि फेंगशुई द्वारा बैडरूम में पानी रखना सही नहीं रहता है।

इस भाग में पानी से भरे हुए कटोरे में समुद्र, तालाब या नदी में पाया जाने वाला असली कछुआ रखने से तो और भी ज्यादा लाभ होता है, लेकिन अगर धातु का कछुआ भी रखा जाए तो वह भी प्रभावशाली सिद्ध होता है, अतः इस उपाय को अपनाना चाहिए।



132. फेंगशुई में ऊंचाई का अन्तर



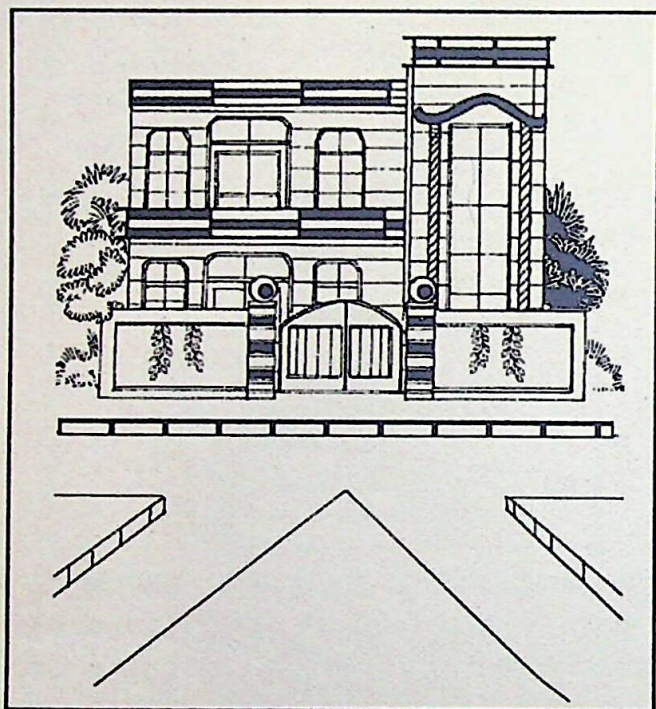
चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई द्वारा सड़क के दोनों तरफ बने मकानों में कितनी बार इस प्रकार की स्थिति बन जाती है कि किसी स्थान के ठीक सामने दो मकानों की ऊंचाई में अन्तर होता है, इस प्रकार के दोषपूर्ण मकानों में रहने वाले परिवार के सदस्य आये दिन किसी-न-किसी दुर्घटना का शिकार होते रहते हैं। उनके शरीर में दिन-प्रतिदिन ऊर्जा की कमी होती जाती है और उनका स्वास्थ्य भी बिगड़ा हुआ रहता है, रोजाना किसी-न-किसी बीमारी से ग्रसित रहते हैं।

अगर आप इस समस्या को हल करना चाहते हैं तो अपने मकान की सामने वाली दीवार पर एक उत्तल दर्पण लगाकर मकान में पड़ने वाली नकारात्मक ऊर्जा को परावर्तित कर सकते हैं।

इसके अलावा भी फेंगशुई द्वारा अपने मकान की मुख्य दहलीज को दो इंच सतह से ऊंचा उठवा दें ताकि प्रवेश करते समय आपको कदम उठाकर अन्दर जाना पड़े। उठी हुई दहलीज द्वारा यह एक सरल उपाय माना जाता है; इसलिए इसका प्रयोग करना चाहिए।



133. मकान के पीछे की हालत

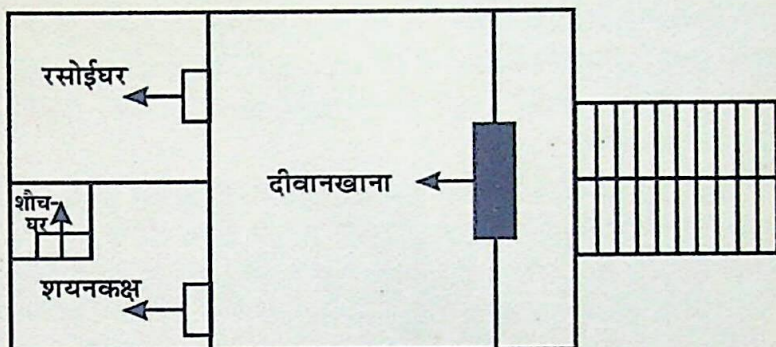


फेंगशुई द्वारा आपके मकान के पीछे कुछ-न-कुछ होना आवश्यक है। अगर आपके मकान की स्थिति ऐसी है कि उसके पीछे खाली जगह या फिर लॉन है, कोई अन्य इमारत नहीं बनी हुई है तो इसका मतलब होता है कि घर को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। जो कि पीछे की तरफ ऊंचाई होने अथवा अन्य प्रकार की रोकथाम होने से मिलना चाहिए।

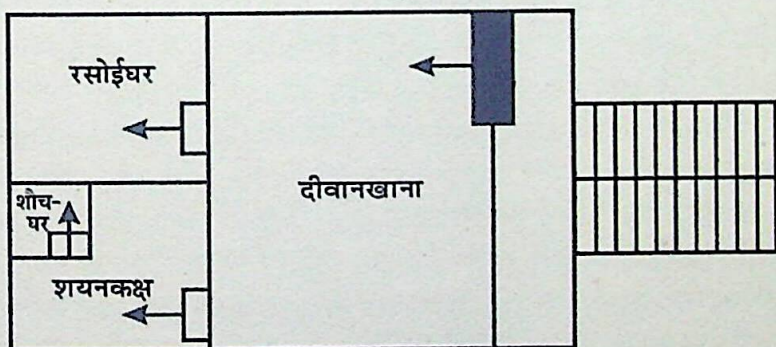
इस समस्या के समाधान के लिए आप लॉन या खाली पड़ी जमीन पर कुछ झाड़ियां लगा दें तथा लॉन में थोड़ी-सी बाड़ लगाकर घेर दें। वह उस तरह के संरक्षण का कार्य करेगा, जो कि ऊंचाई होने से मिलना चाहिए। लगायी गयी बाड़ सकारात्मक ऊर्जा में ही रोके रखने के लिए बैरियर का काम करेगी। फेंगशुई द्वारा यह उत्तम उपाय है।



134. मकान के मुख्य दरवाजे के बाहर भी अवरोध नहीं होना चाहिए



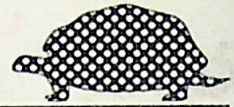
दोषपूर्ण



संशोधन

मकानों को बनाते समय ज्यादातर लोग इस बात का बिल्कुल भी ख्याल नहीं करते कि उनके मकान के मुख्य द्वार के सामने कोई अवरोध है भी या नहीं। ज्यादातर लोगों के मुख्य द्वार के सामने अवरोध पाये जाते हैं। कुछ मकानों के मुख्य द्वार के बाहर सामने की तरफ अवरोधक दीवार भी देखने को मिलती है।

यह स्थिति एक गम्भीर स्थिति मानी जाती है। ऐसी स्थिति का दोष परिवार के सदस्यों पर गम्भीर रूप से पड़ता है। इसलिए इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि मकान के बाहर कोई अवरोध नहीं होना चाहिए।



135. अपने घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में लाल वस्तुएं व तेज प्रकाश न होने दें

इस लम्बे जीवनकाल में हर मनुष्य के जीवन में कोई-न-कोई समय ऐसा आता है जब उसे किसी-न-किसी मनुष्य के द्वारा अनपेक्षित मदद मिल जाती है या फिर उसके अपने ही सगे-सम्बन्धी अपने मित्र उसके साथ विश्वासघात करते हैं।

अगर आप ऐसे झंझटों से बचना चाहते हैं तो इसके लिए फेंगशुई का सहारा ले सकते हैं। फेंगशुई द्वारा इसके अनेकों सरल उपाय हैं जो आपके भाग्य में वृद्धि कर सकता है; अर्थात् वह अपने सहायक सिद्ध होने वाले दोस्त से सम्बन्धित भाग्य में वृद्धि कर सकता है।

आपके घर का उत्तर-पश्चिम वाला भाग आपके जीवन में सहायक सिद्ध होने वाले लोगों से सम्बन्धित भाग्य का हिस्सा होता है। इस क्षेत्र में धातु से बनी छः छड़ों वाली खोखली पवनघंटी लटकाकर इस कोने को शक्तिशाली बनाया जा सकता है, क्योंकि इस कोने का तत्व धातु है।

एक बात और ध्यान रखने योग्य है कि आप अपने घर के उत्तर-पश्चिम दिशा वाले भाग में तेज रोशनी वाली बत्ती अथवा झाड़फानूस नहीं लगाएं, क्योंकि यह स्थिति बड़ी खतरनाक होती है। फेंगशुई द्वारा लाल रंग की वस्तुएं अग्नि का प्रतीक मानी जाती हैं। उत्तर-पश्चिम दिशा में इनका रखा रहना बुरा माना जाता है। इससे विश्वासघात होने का खतरा बना रहता है। इसका असर यह भी हो सकता है कि जिस वक्त आपको किसी की मदद की जरूरत होती है उस समय कोई भी आपकी मदद के लिए नहीं आएगा, इसलिए इस स्थिति से बचें।

136. अपने घर में बन्द पड़ी घड़ियां व अन्य वस्तुएं बिल्कुल न रखें

फेंगशुई द्वारा अपने घर की सभी बन्द पड़ी घड़ियों को अपने घर से हटा दीजिए। जितनी जल्दी हो सके शीघ्रतापूर्वक आप इन बन्द घड़ियों से छुटकारा पा लीजिए, क्योंकि इनका घर में रहना काफी हानि पहुंचा सकता है।

काफी लोगों का पुरानी घड़ियों से बहुत लगाव रहता है, इसलिए वह



हमेशा पुरानी व बन्द घड़ियों को अपने साथ रखते हैं, अगर किसी कारणवश वह घड़ियां अपने पास रखना चाहते हैं तो फिर उन्हें सही कराकर अच्छी हालत में अपने पास रखें। वह लोग मरम्मत कराने के बाद ही इन घड़ियों को अपने पास रखें, क्योंकि खराब व बन्द घड़ियां रखना फेंगशुई द्वारा अच्छा नहीं है।

137. अपने घर के दरवाजे के ऊपर कैलेन्डर न लगाएं

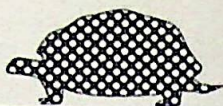
फेंगशुई द्वारा अपने मकान के किसी भी दरवाजे के ऊपर आगे या पीछे की तरफ या फिर दरवाजे के रास्ते में कैलेन्डर कभी भी न लगायें, क्योंकि दरवाजे के ऊपर खासकर अपने मकान के मुख्य दरवाजे के ऊपर कैलेन्डर या घड़ी लटकाना घर के सदस्यों की लम्बी आयु पर बुरा प्रभाव डालती है। प्रतीकात्मक रूप से इसका यह अर्थ निकलता है कि आपके जीवन के कितने दिन बाकी बचे हैं। इसलिए यह स्थिति खतरनाक होती है, जहां तक हो सके इस स्थिति से बचना चाहिए।

138. शादी व पार्टियों में बैठने का इन्तजाम

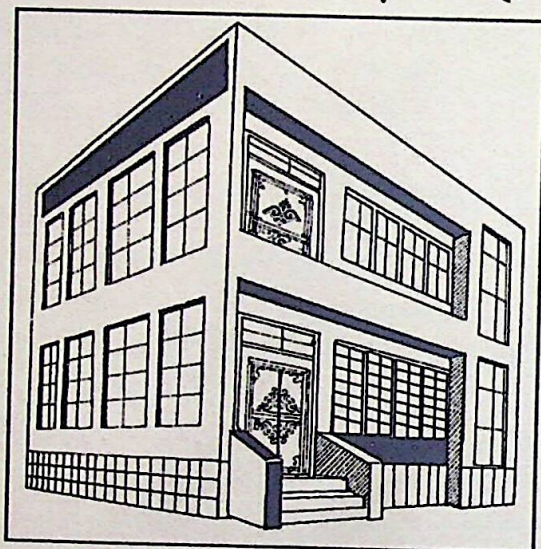
फेंगशुई द्वारा अगर आपको मेहमानों के बैठने की शुभ दिशा की जानकारी है तो उन्हें उसी दिशा में ही बैठाना चाहिए। इस प्रकार करने से पार्टियों में रंग जम जाता है और मेहमानों में मेल-मिलाप की भावना बढ़ जाती है। वे अपने मन में किसी भी तरह की शिकायत किये बिना वहां से चले जाते हैं।

फेंगशुई द्वारा मेहमानों के बैठने का इन्तजाम इस तरह से किया जाना चाहिए कि पुरुष के साथ वाली सीट पर एक महिला को बैठना पड़े, इससे वहां यिन और यांग ऊर्जा का सन्तुलन बना रहता है।

फेंगशुई द्वारा आपकी पार्टी में मेज वर्गाकार न होकर गोल होनी चाहिए। बैठते समय एक बात का ध्यान अवश्य रखें कि सामने टॉयलेट अथवा डायनिंग रूम का दरवाजा नहीं होना चाहिए और न ही सिर के ऊपर बीम होना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति गलत मानी जाती है।



138 (ए). आपके मकान में अधिक खिड़कियां नहीं होनी चाहिए

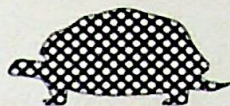


फेंगशुई द्वारा मकान में बहुत ज्यादा खिड़कियों का होना अच्छा नहीं माना जाता। कितनी बार ऐसा भी होता है कि आपके मकान में खिड़कियां काफी अधिक मात्रा में हो जाती हैं। इसके कारण आपके घर में सूर्य के प्रकाश की अधिकता हो जाती है और इसकी वजह से परिवार के सदस्यों में चिड़चिड़ाहट आनी शुरू हो जाती है। बात-बात पर उन्हें गुस्सा आने लगता है। हर किसी बात पर वह जल्दी से क्रोधित हो जाते हैं। इससे ऊर्जा का सन्तुलन बिगड़ने लगता है।

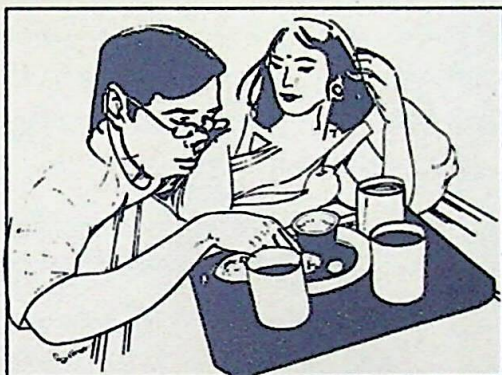
अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो अपने मकान की कुछ खिड़कियां ज्यादातर बन्द ही रखें। या फिर खिड़कियों में पर्दे डालकर उनमें से प्रकाश को अन्दर न आने दें। यह एक सरल उपाय है।

139. प्रेम सम्बन्धों के लिए

फेंगशुई द्वारा प्रेम सम्बन्धों को भी बढ़ाने के उपाय हैं। पति-पत्नी के बीच में प्रेम बना रहेगा और उसमें अभिवृद्धि होती रहेगी, इसके लिए आपको

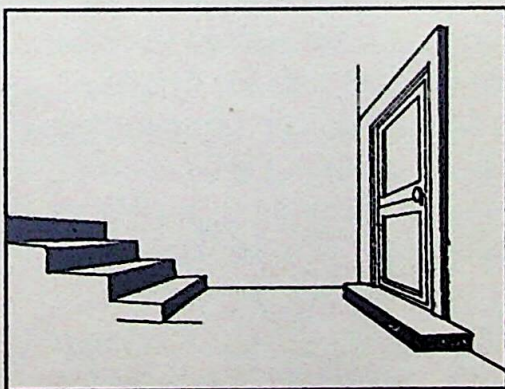


फेंगशुई के नियम अनुसार चलना होगा। कोई भी व्यक्ति अपने व्यक्तित्व को नजर में रखकर इस दिशा की जानकारी आसानी से हासिल कर सकता है।

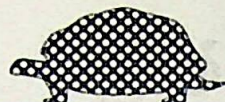


फेंगशुई द्वारा सोने के समय पति-पत्नी का सिर Nineyen दिशा की तरफ होना चाहिए। पति-पत्नी एक साथ ही शुभ दिशा में बैठकर खाना खाएं मगर इस दिशा में शौचालय नहीं होना चाहिए। अगर आपका बैडरूम का द्वार इसी दिशा में है तो यह उत्तम माना जाएगा।

140. सीढ़ियां उतरने के बाद दरवाजे का दोष निवारण



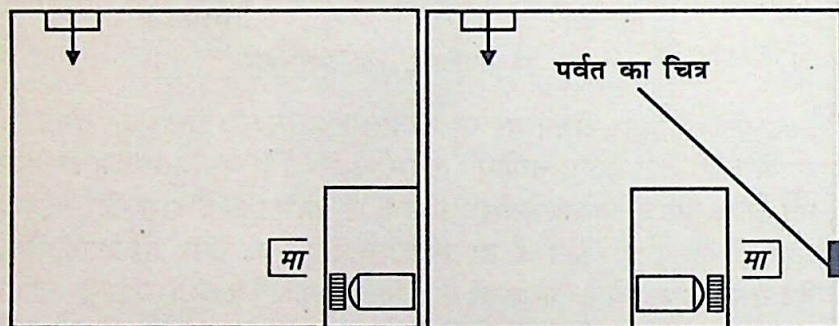
फेंगशुई द्वारा सीढ़ियां उतरने के बाद दरवाजे का होना अच्छा नहीं माना जाता। कितनी बार ऐसा होता है कि मकान बनाते समय नीचे उतरती सीढ़ियां



सीधे आपके प्रवेश द्वार के सामने आ जाती हैं। ऐसे मकान में रहने वालों का स्वास्थ्य प्रायः ठीक नहीं रहता और परिवार के सदस्यों में शारीरिक ऊर्जा की कमी होती चली जाती है अक्सर कोई-न-कोई बीमार रहता है।

इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए फेंगशुई द्वारा अपने मकान के द्वार पर बनी दहलीज को एक इंच ऊंचा करा देना चाहिए—इसके द्वारा घर में प्रवेश करते समय कदम उठाकर अन्दर जाना पड़े। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है, इसका प्रयोग करना चाहिए।

141. अपने पीछे की ओर पर्वत का चित्र लगाएं



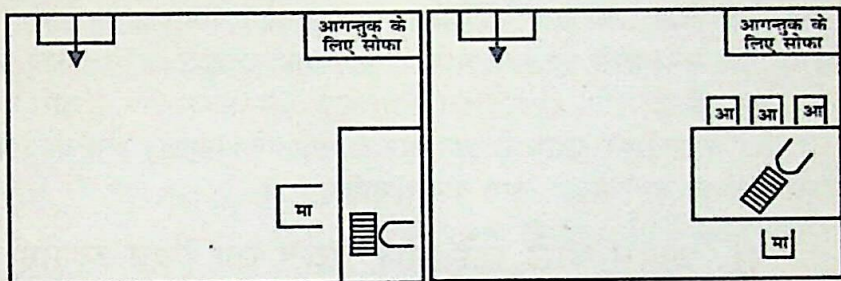
फेंगशुई द्वारा किसी भी ऑफिस में बैठते समय अपने पीछे पर्वत का चित्र लगाएं। अगर कोई इंसान महत्वपूर्ण निर्णय लेता है, ऐसे व्यक्ति को दरवाजे की ओर पीठ करके कभी नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से उसके साथ लोग धोखाधड़ी और विश्वासघात करना शुरू कर देंगे।

इसके बाद आप एक बात का ख्याल और रखिए, अपनी पीठ के पीछे एक पर्वत का चित्र जरूर लगाएं। ऐसा करने से आपके पीछे वाले भाग को बहुत सहारा मिलेगा, इसके लिए आपको कछुए के आकार से मिलता-जुलता पर्वत का चित्र ज्यादा सही रहता है।

आपके पीछे पर्वत होना पृष्ठ भाग से आपको मजबूत समर्थन मिलने का प्रतीक होता है। इससे आपके अन्दर आत्मविश्वास पैदा होता है। जो लोग कमजोर इच्छाशक्ति वाले तथा आत्मविश्वास से रहित होते हैं उनको अपने फायदे के लिए इस उपाय का प्रयोग जरूर करना चाहिए।



142. अपने घर की खाली दीवार की तरफ मुंह करके न बैठें



दोषपूर्ण

संशोधन

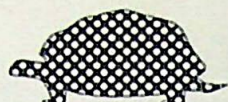
मा-मालिक, आ-आगन्तुक

फेंगशुई द्वारा अपने घर या कार्यालय की खाली दीवार की तरफ मुंह करके कभी नहीं बैठना चाहिए। अक्सर ऑफिस में कम्प्यूटर तथा इन्टरनेट की अधिकता की वजह से देखा गया है कि वरिष्ठ अधिकारी और बड़े-बड़े व्यापारी कम्प्यूटर स्क्रीन के सामने खाली दीवार की तरफ मुंह करके बैठते हैं। उनके बगल में आने वालों के लिए सोफे की व्यवस्था रहती है लेकिन यह परम्परा बहुत ही गलत है।

क्योंकि नीति निर्धारित करने वाले व्यक्ति का मुंह खाली दीवार की तरफ होता है। अगर इसी तरह वह बैठता रहा तो इसके कारण वह धीरे-धीरे अदूरदर्शी हो जाएगा, जबकि ऐसे व्यक्ति को तो दूरदर्शी होना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं है, इसलिए खाली दीवार की तरफ मुंह करके न बैठें।

143. सौभाग्य के लिए ड्रैगन का चित्र लगाएं





चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार चीनी लोग ड्रेगन को काफी महत्त्व देते हैं, क्योंकि ड्रेगन उत्तम यांग ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। अगर आप अपने सौभाग्य व कारोबार में उन्नति करना चाहते हैं तो अपने कार्यालय में पूर्व दिशा की तरफ ड्रेगन का प्रतिरूप रखकर अपने कार्यालय को क्रियाशील कर सकते हैं।

इस असाधारण प्राणी के साथ पूर्व दिशा का सम्बन्ध जुड़ा रहता है। इस दिशा का तत्व काष्ठ होता है, इसलिए लकड़ी पर नक्काशी के द्वारा बनाया हुआ ड्रेगन बहुत ही अच्छा माना जाता है।

अगर आप चाहें तो मिट्टी या स्फटिक के बने हुए ड्रेगन का भी प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन धातु से बना हुआ ड्रेगन कभी नहीं रखना चाहिए, क्योंकि पूर्व दिशा में धातु काष्ठ को समाप्त कर देती है।

फेंगशुई द्वारा ड्रेगन विपुल यांग ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसलिए रेस्टोरेन्ट, दुकानों, डिपार्टमेन्टल स्टोर्स आदि में, जहां बहुत ज्यादा ऊर्जा की जरूरत पड़ती है और लोगों का वहां बहुत आना-जाना लगा रहता है उस स्थान पर पूर्व दिशा में ड्रेगन का रखना या उसका चित्र रखना बहुत अच्छा माना जाता है।

भूलकर भी ड्रेगन का चित्र अपने बैडरूम में नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि बैडरूम वह स्थान होता है, जहां हम अपने थके-माड़े शरीर को आराम देना पसन्द करते हैं। यहां यांग ऊर्जा के प्रतीक के रूप में ड्रेगन वांछनीय नहीं रहता। फेंगशुई द्वारा ड्रेगन अच्छा माना जाता है।

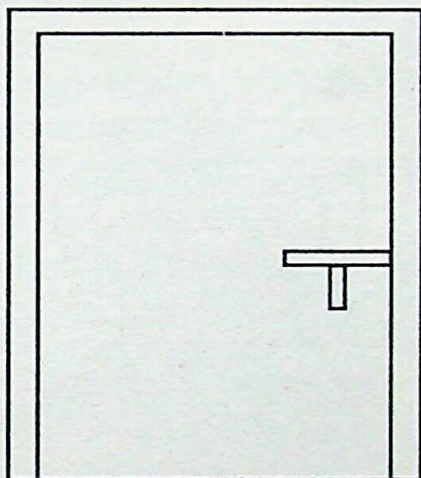
144. घोड़े की नाल द्वारा सौभाग्य में वृद्धि

फेंगशुई द्वारा घोड़े की नाल को बहुत ही शुभ माना जाता है। इस घोड़े की नाल को पश्चिमी देशों के साथ-साथ भारत के लोग भी इसे बहुत शुभ मानते हैं। घोड़े की नाल के आकार की भूमि फेंगशुई के द्वारा आदर्श आकार वाली भूमि मानी जाती है, क्योंकि फेंगशुई के द्वारा भी भाग्य के लिए यह एक उत्तम आकार माना गया है।

घोड़े की नाल को भारत के लोग भी पारम्परिक रूप से शुभ और सौभाग्यशाली मानते हैं। वे अपनी सुरक्षा तथा सौभाग्य के लिए इसे अपने



घर के मुख्य दरवाजे के ऊपर दरवाजे के फ्रेम के बाहर लगाते हैं।

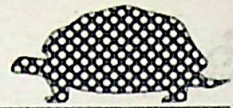


ऐसा माना जाता है कि घोड़े के टाप में लगी हुई और उसके सरपट दौड़ते रहने के कारण घिसकर ऊर्जा अर्जित कर चुकी असली नाल वास्तव में काफी भाग्यशाली मानी जाती है। अगर आपको भी घोड़े की ऐसी नाल मिल जाती है तो इसे तुरन्त अपने दरवाजे के ऊपर लगा दें। जब आप नाल दरवाजे के ऊपर लगाएं तो ध्यान रहे कि उसके दोनों सिरे नीचे की ओर रहने चाहिए, यही नाल लगाने का असली व उत्तम तरीका होता है।

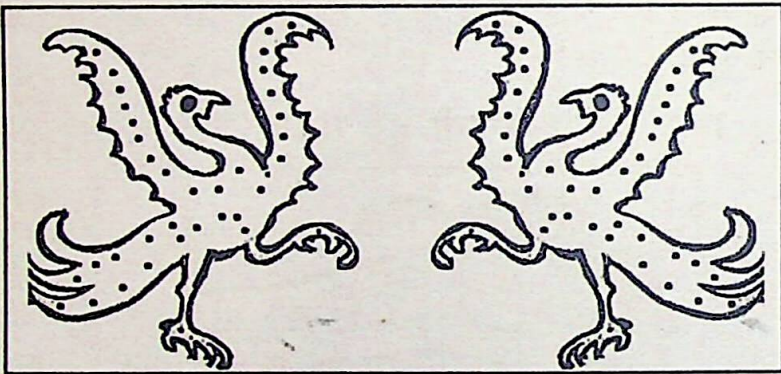
फेंगशुई द्वारा घोड़े की नाल धातु तत्व होती है, इस वजह से पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा की तरफ वाले दरवाजों पर इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए। खास तौर पर ये पश्चिम, उत्तम-पश्चिम और उत्तर दिशा की तरफ वाले दरवाजों के लिए ज्यादा प्रभावशाली मानी जाती है।

145. सफलता की सीढ़ी फीनिक्स

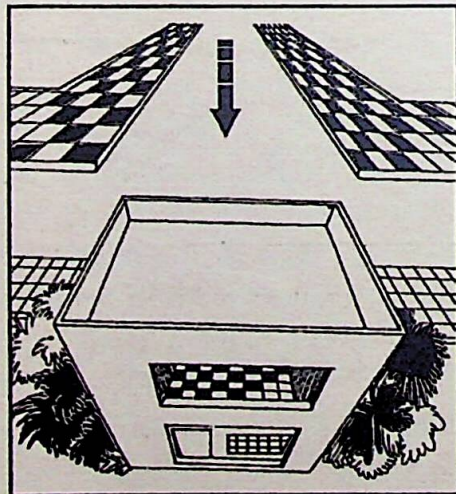
फेंगशुई द्वारा फीनिक्स की भी बड़ी मान्यता है। फेंगशुई द्वारा तथा पौराणिक कथाओं में वर्णित फीनिक्स एक असाधारण पक्षी होता है। यह

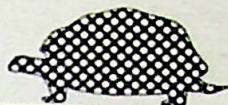


पक्षी इच्छा पूरी होने का प्रतीक माना जाता है। दक्षिण दिशा के कोने को गतिशील करने के लिए फीनिक्स बहुत ही प्रभावशाली माना जाता है। आप भी फीनिक्स के प्रतीक के रूप में उसका चित्र अथवा पेन्टिंग अपने ऑफिस के दक्षिणी भाग में लगाकर अपने भाग्य को क्रियाशील बना सकते हैं। आपके घर की दक्षिण दिशा में फीनिक्स का चित्र होना दूरदर्शिता का भी प्रतीक माना जाता है जो कि किसी बुद्धिमान व्यवसायी व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी होता है। आप भी इसका प्रयोग करके फायदा उठाइए।



146. घर के पीछे की स्थिति



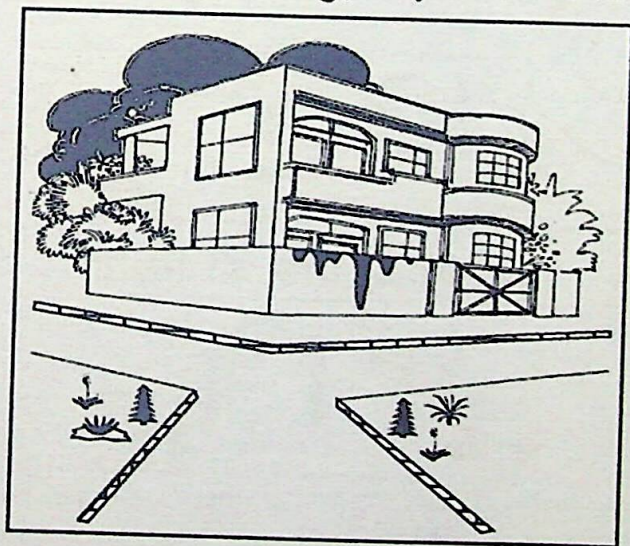


फेंगशुई द्वारा आपके मकान के पीछे से सड़क सीधी आती हो तो यह स्थिति ऐसी प्रतीत होती है जैसे किसी ने पीठ में छुरा भोंक दिया है।

फेंगशुई द्वारा ऐसा होने पर लोग मकान में रहने वालों की पीठ पीछे निन्दा करते हैं। मेहनत करने के बावजूद भी उन्नति करने का मौका हाथ नहीं आता। जीवन निराशा से भर जाता है।

फेंगशुई द्वारा ही इस समस्या से आप छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए आप अपने मकान के पीछे दीवार, दरवाजा, बाड़ अथवा शीशा लगा दें। जो सड़क से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा का परावर्तन कर देगी। यह उपाय बहुत ही सरल है।

147. कोण बनाती हुई सड़क पर मकान



फेंगशुई द्वारा कोण बनाती हुई सड़क पर बना मकान अशुभता की निशानी है। अगर आपके मकान की स्थिति ऐसी है कि कोई सड़क घर के पास तक आती हुई कोण बनाती है, तो आपके मकान में धन का टिक पाना मुश्किल हो जाएगा।

अगर सड़क दायीं तरफ से कोण बनाती हुई आपके मकान तक आ

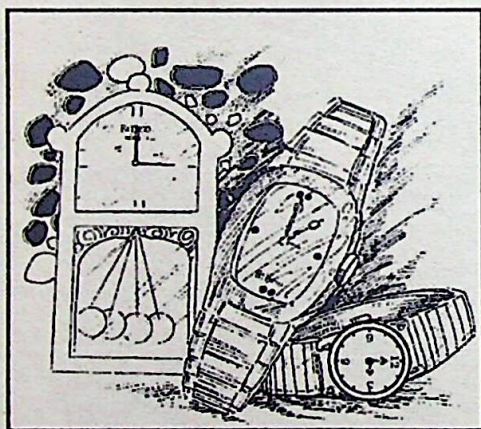


रही है तो घर की महिलाएं दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं और अगर बायीं ओर से सड़क कोण बनाती है तो घर के पुरुष दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं।

जहां तक सम्भव हो सके आपको अपने दरवाजे की स्थिति को बदल देना चाहिए—और दरवाजे को इस प्रकार लगाएं कि खुलने पर सड़क से कोण वेध न हो, वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर चाहें तो नीची बाड़ लगाकर उसमें गेट लगवा सकते हैं।

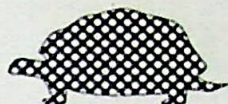
यह स्थिति नकारात्मक ऊर्जा के लिए बैरियर का काम करती है। अपने घर की बाहरी दीवार के ऊपर एक शीशा भी लगा देना चाहिए। यह शीशा नकारात्मक ऊर्जा को परावर्तन करके उसे आपके मकान में प्रवेश करने से रोकेगा। फेंगशुई द्वारा यह सरल उपाय है।

148. वाल क्लॉक और रिस्ट वाच



चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा चीनी लोग आज भी जन्मदिन के अवसर पर घड़ियां उपहार में देना बिल्कुल भी अच्छा नहीं समझते। परम्परा के अनुसार चीनी लोग इसे लम्बी आयु के खिलाफ मानते हैं, क्योंकि ये समय गुजरने का संकेत देते हैं। चीनी लोग इनको समय पर प्रतिकूल असर डालने वाला समझते हैं।

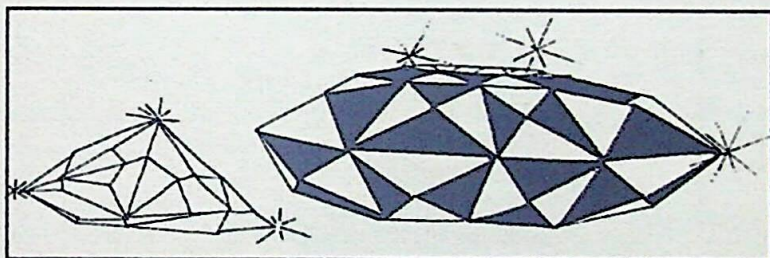
चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा इन घड़ियों की वजह से ही Greet Xing Empire का पतन हुआ था, जो समय-समय पर विदेशी लोग उन्हें उपहार में दिया करते थे।



यही वजह है कि वहां के बच्चे अपने सम्बन्धियों जैसे नाना-नानी, दादा-दादी या अपने से बड़ों को वहां उपहार में घड़ी नहीं देते। अगर बड़े लोग बच्चों को दें तो कोई नुकसान नहीं होता।

फेंगशुई द्वारा इसका भी उपाय है अगर आपको उपहार में कोई घड़ी दे तो आप देने वालों को Return gift के तौर पर एक सिक्का दे दें। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।

149. अपनी मेज के ऊपर क्रिस्टल रखें



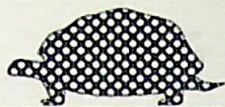
फेंगशुई द्वारा नकारात्मक ऊर्जा के असर को दूर करने के लिए क्रिस्टल के अनेकों प्रयोग बताये गये हैं, अगर आप अपने सौभाग्य में वृद्धि करना चाहते हैं तो अपनी मेज पर आयताकार क्रिस्टल का एक टुकड़ा रखें।

फेंगशुई द्वारा आयत का आकार काष्ठ तत्व का प्रतीक माना जाता है, इस वजह से ये पश्चिम दिशा के ड्रैगन के लिए भी शुभ है, क्योंकि उसका भी तत्व काष्ठ ही है।

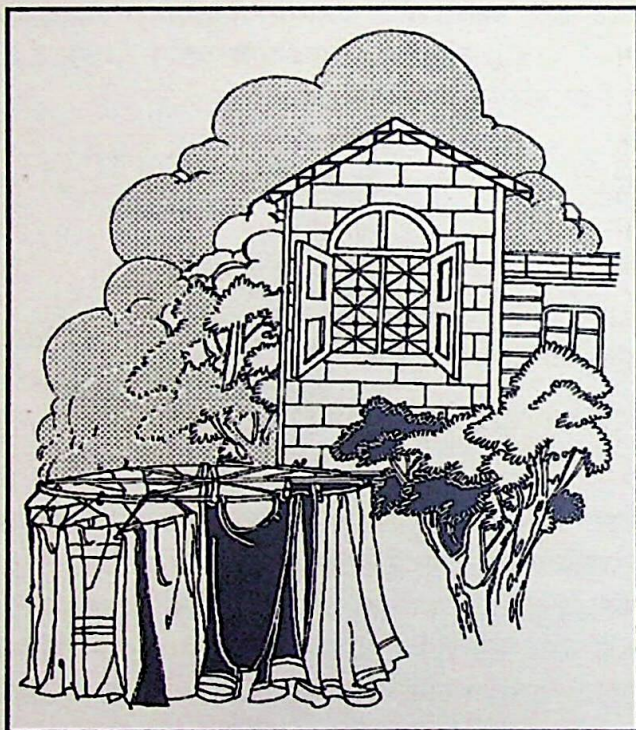
आप इस क्रिस्टल के टुकड़े को अपनी मेज के बायीं तरफ ही रखें। अगर आपको जरूरत हो तो इस क्रिस्टल का प्रयोग आप पेपर वेट के रूप में भी कर सकते हैं। यह स्थिति आपके कैरियर में वृद्धि की सूचक है और आपकी समाज में एक अलग पहचान भी बनाने की प्रतीक होगी।

150. सूखते हुए कपड़े खिड़की के सामने न हों

फेंगशुई द्वारा खिड़की के सामने कपड़े सुखाने की अच्छी स्थिति नहीं मानी जाती है। अगर आपके घर की खिड़की किसी दूसरे मकान के लॉन की तरफ



खुलती है और वहां कपड़े भी सूखते दिखाई दे रहे हों तो इससे सार्थक ऊर्जाएं मन्द हो जाती हैं। खासकर ऐसा तब होता है जब सूखने वाले कपड़े किसी स्त्री के अंतर्वस्त्र हों। ऐसा होने पर रुपया-पैसा आपके पास नहीं ठहरेगा।



इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए खिड़की के दोनों तरफ पर्दे लगा देने चाहिए—और अपने फालतू खर्च पर भी प्रतिबन्ध लगाना चाहिए। फेंगशुई द्वारा ऐसा करना सही होगा।

151. अपने ऑफिस में टेलीफोन और फैक्स मशीन सही जगह पर रखें

फेंगशुई द्वारा टेलीफोन तथा फैक्स मशीनें उचित स्थानों पर रखनी चाहिए। टेलीफोन व फैक्स मशीन सम्पर्क स्थापित करने के साधन हैं और आपके पास आने वाले कारोबार की सूचना देने के साधन हैं।



आपके फोन की घन्टी जितनी बार भी बजती है उतनी ही बार आपके दिल की धड़कनें तेज हो जाती हैं कि कोई ग्राहक आपका सामान खरीदना चाहता है, आपके सामान के बारे में आपसे पूछताछ करना चाहता है या फिर आपको आपकी सेवा की जरूरत है। इस प्रकार के ग्राहक जो आपसे सहानुभूति रखते हैं और इसके साथ-साथ आपके पथ-प्रदर्शक भी होते हैं आपके लिए स्वागत करने योग्य होते हैं।

फैक्स मशीनें और टेलीफोन दोनों ही वस्तु धातु की बनी हुई होती हैं इसलिए इन दोनों कारणों से टेलीफोन और फैक्स मशीन को अपने ऑफिस के उत्तर-पश्चिम भाग में रखना चाहिए।

एक बात और ध्यान देने योग्य है कि उत्तर-पश्चिम दिशा आपके सहायता करने वाले व्यक्तियों का स्थान माना जाता है और फेंगशुई द्वारा इस स्थान का तत्व धातु माना जाता है।

152. अपनी खिड़की से आते सूर्य के अतिरिक्त प्रकाश को रोकें

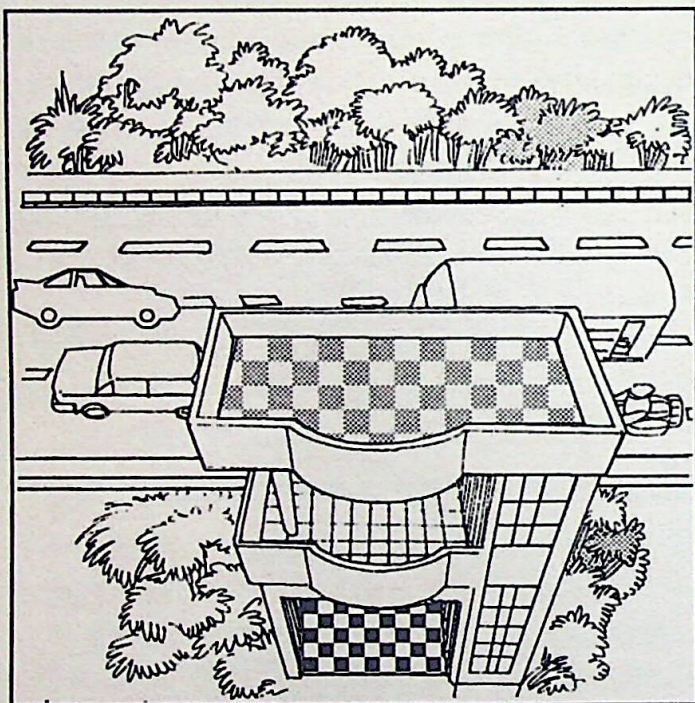
फेंगशुई द्वारा आपकी खिड़की के रास्ते सूर्य का अधिक प्रकाश आना भी अच्छा नहीं है। यिन व यांग बलों के बीच सन्तुलन रखकर अपने मकान अथवा ऑफिस को शुभ ऊर्जा से युक्त किया जा सकता है।

फेंगशुई द्वारा यांग ऊर्जा आपके ऑफिस के कामकाज का अच्छा वातावरण बना देती है। मगर इसका आवश्यकता से अधिक होना भी नुकसानदेह होता है। अगर यांग ऊर्जा की अधिकता हो जाती है तो इसे रोकना बहुत जरूरी हो जाता है। जो निर्माण पश्चिम दिशा में हो तो वहां इसकी समस्या ज्यादातर दिखायी देती है।

आप इसको रोकने के लिए अपने खिड़की-दरवाजों पर भारी कपड़े के परदे डालें। परदों का रंग नीला या सफेद ही होना चाहिए। क्योंकि फेंगशुई द्वारा ये रंग पानी के प्रतीक माने जाते हैं। इसके अलावा आप एक क्रिस्टल बॉल लटकाकर भी सूर्य की तेज रोशनी का असर कम कर सकते हैं। क्रिस्टल बॉल से टकराकर सूरज की रोशनी विभक्त हो जाती है। Vanishian Blinds को अपनी खिड़कियों पर लगाकर भी आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।



153. हाइवे के पास मकान का दोष निवारण



फेंगशुई द्वारा कितनी बार ऐसी स्थिति बन जाती है कि आपका मकान व्यस्त सड़क के किनारों पर निर्मित हो जहां पर हर समय आना-जाना लगा रहे। कुल मिलाकर आपका मकान रनिंग हाइवे पर स्थित हो।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती, ऐसी हालत में आपके धन का बहाव बराबर बाहर की तरफ ही होता है तथा इसमें रहने वाले लोग किसी भी तरह अपने धन की बचत नहीं कर पाते।

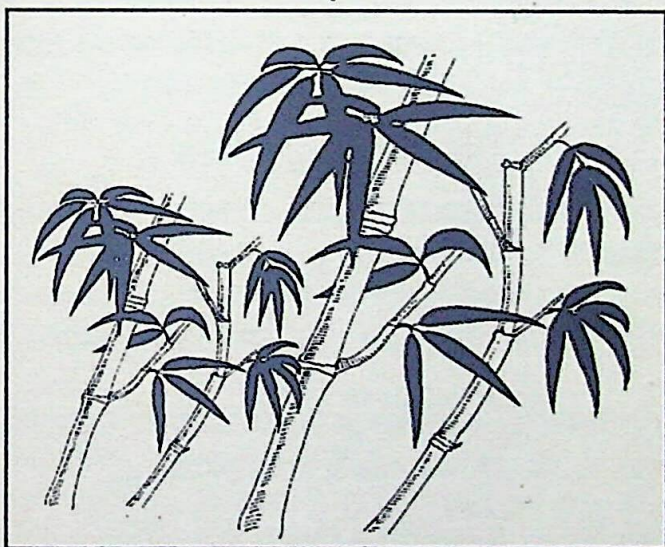
अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अपने मकान का दरवाजा अगर वो सड़क की ओर खुलता है तो उसे तुरन्त हटवाकर साइड में लगवा देना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते तो झाड़ीदार पौधे, बाड़ आदि लगाकर इस नकारात्मक 'ची' ऊर्जा का प्रवेश रोक सकते हैं।



इस जगह पर आप अपनी गाड़ी खड़ी करने का पोर्च भी बनवा सकते हैं। यह भी एक अच्छा तरीका है।

फेंगशुई द्वारा अपने घर की बुरी ऊर्जा के असर को दूर करने के लिए दहलीज को दो इंच ऊंचा उठाकर दरवाजे के ऊपर दर्पण भी लगाया जा सकता है। यह एक सरल उपाय है।

154. भाग्य के लिए बांस का प्रयोग करें



फेंगशुई द्वारा बांस के पौधे आपकी लम्बी आयु के लिए बहुत शक्तिशाली प्रतीक समझे जाते हैं। प्रतिकूल परिस्थिति में भी बांस के पौधे भरपूर वृद्धि करते हैं—और किसी भी तरह के तूफानी मौसम का सामना करने की सामर्थ्य रखने के प्रतीक हैं।

फेंगशुई के अनुसार बांस के पौधे लम्बी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के प्रतीक माने जाते हैं। साथ-ही-साथ ये अच्छे भाग्य का भी संकेत देते हैं। इसलिए आपको अपने मकान में या कार्यालय में बांस के पौधों का चित्र लगाकर उसे शक्तिशाली बनाना चाहिए।

अगर आप चाहें तो अपनी दुकान में बांस का टुकड़ा लटकाकर दुकान



की सुदृढ़ सुरक्षा 'ची' का सृजन कर सकते हैं। इससे आपका कारोबार प्रतीकात्मक रूप से बांस के पौधे की भांति संकटकाल में भी स्थिर रहेगा और अनुकूल समय आने पर बड़ा समृद्ध होगा।

आप अपने भाग्य की वृद्धि के लिए एक जोड़ी बांस के टुकड़े लाल रंग के धागे से बांधकर अपनी दुकान के मुख्य द्वार के सामने वाली दीवार पर लटका सकते हैं। एक बात का ध्यान रखना चाहिए, बांस के टुकड़ों के दोनों सिरे खुले हुए होने चाहिए और इनकी लम्बाई छः से आठ इंच के बीच ही होनी चाहिए। फेंगशुई द्वारा भाग्यवृद्धि का यह उत्तम उपाय है।

155. रंगों का प्रयोग

फेंगशुई द्वारा काले रंग को इसका प्रतीक समझा जाता है। आपके मकान की छत पर काला रंग नहीं होना चाहिए, फॉल्स सीलिंग पर भी नहीं। दूसरी दीवारों पर भी यह रंग नहीं होना चाहिए और न ही आपके मकान में पड़ा हुआ कारपेट भी काला होना चाहिए। इस प्रकार आपके कारोबार में घाटा हो सकता है।

फेंगशुई में सफेद रंग को शक्तिशाली यांग ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक समझा जाता है, इसे छत और दीवारों पर ही लगवाएं। ये रंग सफेद और चमकीला ही होना चाहिए।

फेंगशुई में लाल रंग अग्नि का प्रतीक माना जाता है, इसकी स्थिति दक्षिण दिशा में शुभ मानी जाती है। अगर आपके ऑफिस की दक्षिणी दीवार पर लाल रंग हो तो कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। दक्षिण या पश्चिम दिशा वाले स्थान में लाल शेड के कारपेट, पर्दे और वॉल पेपर लगा सकते हैं।

दक्षिण-पूर्व दिशा में हरा रंग धनागम का प्रतीक माना जाता है। पूर्व दिशा में ही हरा रंग होना शुभता की निशानी है। तेज चटख हरा रंग उत्कर्ष, विकास और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इन दिशाओं में चमकीले हरी पत्तियों वाले सिल्क के आर्टिफिशियल प्लांट लगाने से आय में बढ़ोत्तरी होती है।



156. कारपेट्स का प्रयोग

फेंगशुई व्यक्ति के जीवन की आधारशिला की कमजोरी अथवा मजबूती का निर्धारण करती है। फेंगशुई द्वारा घर के कालीन उसी रंग के होने चाहिए जिस प्रकार का रंग कमरों की दीवारों पर है।

आपके कारपेट गोल या अण्डकार नहीं होने चाहिए हमेशा आप इन्हें चौकोर साइज में ही खरीदें, लेकिन इन्हें लगाते वक्त एक बात का ख्याल रखें कि कमरे का आकार व प्रकार प्रभावित नहीं होना चाहिए।

कमरे में झाड़दार कारपेट कभी न बिछायें क्योंकि ऐसे कारपेट ऊर्जा अवरोधक का कार्य करते हैं। कारपेट खरीदने से पहले यह तय कर लेना चाहिए कि उस पर ज्यादा लोगों के पांव नहीं पड़ने चाहिए। एंटिक पीस लेते समय उससे जुड़ी जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा कभी भी लम्बे-चौड़े व भट्टे डिजाइनों के कारपेट नहीं लेने चाहिए उसके बदले बारीक डिजाइन के कश्मीने कालीन खरीद सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह अच्छा माना जाता है।

157. फुक, लुक तथा साउ



चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार इन तीन फुक, लुक और साउ की बड़ी महत्ता है। चीन में सभी लोग इन्हें देवता मानते हैं और प्रत्येक व्यक्ति के



घर में इनकी मूर्ति देखने को मिल सकती है।

चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार इन तीनों देवताओं फुक, लुक और साउ को समृद्धि, उच्च श्रेणी तथा दीर्घायु का देवता मानते हैं। इन तीनों देवताओं की पूजा कम की जाती है। उनकी उपस्थिति सिर्फ प्रतीकात्मक ही होती है। फेंगशुई द्वारा घर में उनकी उपस्थिति ज्यादातर भाग्यशाली मानी जाती है।

फुक को समृद्धि का देवता माना जाता है और वे दूसरे देवताओं से कद में ऊंचे हैं, आमतौर पर उन्हें बीच में ही रखा जाता है।

लुक उच्च श्रेणी और प्रभुत्व के देवता माने जाते हैं।

साउ दीर्घायु के देवता माने जाते हैं। इनका सिर आकार में गोल और गंजा होता है।

ये तीनों देवता मिलकर फेंगशुई द्वारा अत्यन्त महत्वपूर्ण सौभाग्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इन तीनों देवताओं को एक साथ ही रखा जाता है और माना जाता है कि इनकी उपस्थिति समृद्धि, प्रभुत्व, सम्मान, दीर्घायु और अच्छे कारोबार को सुनिश्चित करती है, इसलिए फेंगशुई द्वारा इन देवताओं को घर में रखना अच्छा माना जाता है।

158. आपके मुख्य दरवाजे के सामने हुआ विस्तार

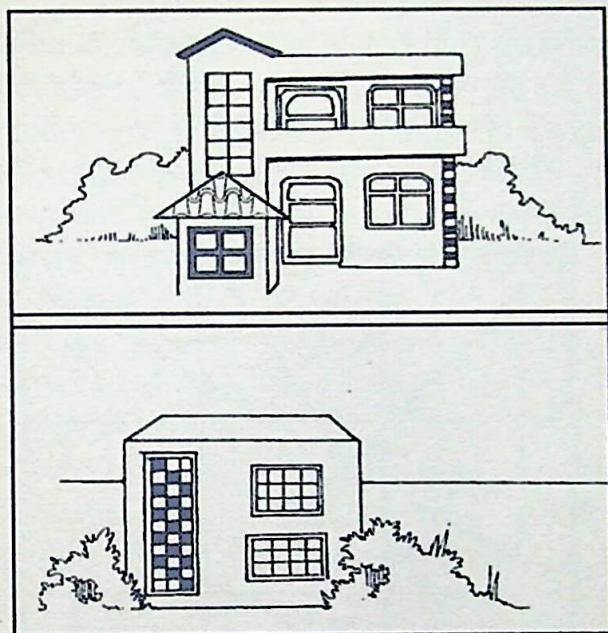
फेंगशुई द्वारा आपके मकान का कोई भाग अथवा विस्तार मकान के मुख्य दरवाजे के ठीक सामने हो तो वहां रहने वाले लोगों को दिल की बीमारियां होने लगती हैं फिर प्रतिदिन उनकी देखरेख में समय व्यतीत करना पड़ता है।

इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप अपने मकान की मुख्य दहलीज के नीचे 6 सुनहरी रंग के सिक्के डालिये। आप इन सिक्कों को इस तरह रखिये कि फर्श के समानान्तर एक सीधी रेखा बन सके तथा सिक्कों का सिरा ऊपर की तरफ रहे।

इसके अतिरिक्त आप अपने मकान की बाहरी दीवार पर एक उत्तल दर्पण लगाएं, इसके लगाने से नकारात्मक ऊर्जा परावर्तित होकर वापस लौट



जाएगी; अन्दर प्रवेश नहीं कर सकेगी।



यही वजह है कि बड़ी-बड़ी शानदार इमारतों के ड्राइंगरूम में क्रिस्टल से बने हुए फानूस देखने को मिलते हैं।

यह क्रिस्टल अनेकों आकार के होते हैं—पंचकोणीय, त्रिकोने, गोल चन्द्रकार, सितारे जैसे और हृदयाकार।

अगर आपके मकान की शुभ ऊर्जा 'ची' कम होती जा रही है तो आप खिड़की पर धागे से बांधकर एक क्रिस्टल वहां लटका दें। यह क्रिस्टल आपकी कम होती ऊर्जा को बढ़ाने में सहायता करेगा।

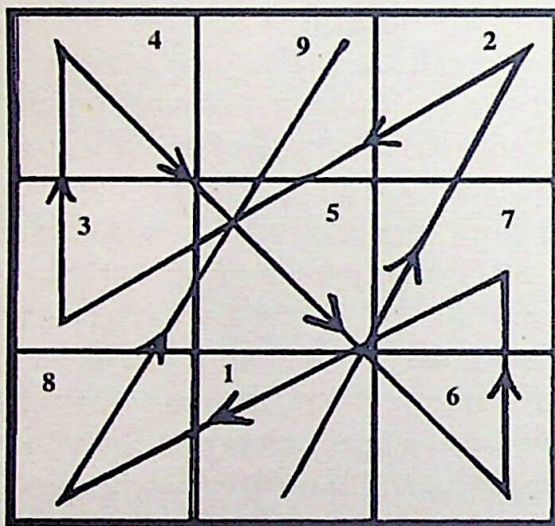
अगर आपके मकान की खिड़की और दरवाजा आमने-सामने हैं तो दोनों के बीच में एक क्रिस्टल लटका दीजिए। यह क्रिस्टल आपके कमरे की ऊर्जा को सुचारू रूप से प्रवाहित होने में सहायता करता है।

अगर आप अपने मकान के लम्बे कॉरीडोर में इस क्रिस्टल को लटका दें तो यह वहां की ऊर्जा 'ची' को नियन्त्रित करता रहेगा।



159. कम्पास की दिशाएं

ल्यूपान फेंगशुई का वह यन्त्र माना जाता है जो कि हमें दिशाओं की सूचना देता है। इसका पूरा सारांश जादुई वर्ग के अन्तर्गत दिया गया है। फेंगशुई द्वारा इसे तिलस्म के रूप में प्रयोग किया जाता है। जमीन का पता भी इसी वर्ग की मदद से लगाया जाता है कि वह मकान के लिए शुभ है या अशुभ।



इस जादुई वर्ग में 9 खाने दिये होते हैं तथा वर्गों की पंक्तियों का किसी भी प्रकार योग करने पर 15 की संख्या आती है। हर वर्ग एक खास तरह की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है। वर्गों के अन्तर्गत बने तीरों का संकेत यह बताता है कि ये ऊर्जाएं एक विशेष पैटर्न में घूमती हैं।

इस मैजिकल स्क्वायर को Loshu के नाम से पुकारा जाता है।

160. निःसन्तान लोगों के लिए

अगर जिन लोगों के सन्तान नहीं हुई हैं वो सन्तान के सुख से अभी तक वंचित हैं तो उन लोगों को भी तुरन्त फेंगशुई का सहारा लेना चाहिए।



हर मां-बाप के जीवन में सन्तान जगमगाते हुए प्रकाश की तरह होती है। अगर किसी मां-बाप के सन्तान न हो, डॉक्टरी जांच कराने पर भी उनमें कोई कमी न निकले उसके बावजूद भी उनके साथ ऐसा होता है तो उनके लिए तो इससे बड़े दुःख की बात हो ही नहीं सकती।

लेकिन इसमें घबराने की कोई बात नहीं, फेंगशुई द्वारा आप इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। फेंगशुई गर्भ धारण करने की सम्भावनाओं को बलवती बनाने के उपायों एवं साधनों के बारे में अपने सुझाव देता है। हर मनुष्य के इस तरह के भाग्य की दिशा अलग-अलग होती है, जो उनकी नियन येन दिशा कहलाती है।

गर्भ धारण करने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए पति का कमरा नियन येन स्थान पर सुनिश्चित करना और नियन येन दिशा की तरफ सिर करके सोना भी शामिल रहता है।

ऐसे लोगों के गर्भ धारण न कर सकने के कारण उनके बैडरूम और मुख्य द्वार पर एक तरह के विषैले बाणों का प्रहार होना है, इसलिए जल्द-से-जल्द अपने मुख्य द्वार की जांच करा लेनी चाहिए और इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि कहीं दरवाजे के बाहर कोई अवरोध अथवा इस तरह का प्रहार करने वाला कोई विषैला बाण तो नहीं है।

कभी-कभी किसी अपार्टमेंट के मुख्य दरवाजे पर तीक्ष्ण खम्भे या मुख्य द्वार के सामने वाली दीवार की तेज धार के विषैले बाणों का प्रहार हो सकता है। आपके मकान में बीम के नीचे स्लेना या-बैडरूम में खम्भे की कोर का आपकी तरफ होना भी विषैला बाण हो सकता है।

गर्भधारण करने की सम्भावनाओं को शक्तिशाली बनाने के लिए आपको इन बाणों से बचना होगा। जिस समय आप सोने जा रहे हों खासतौर पर जब आप सन्तान के लिए प्रयास कर रहे हों और आराम के बारे में सोच रहे हों, उस समय आप हल्का रोमांटिक संगीत सुनिये।

161. अपने मकान के दरवाजे पर पानी रखना चाहिए

चीनी वास्तुशास्त्र के द्वारा दरवाजे के पास पानी का होना बड़ा ही मंगलकारी समझा जाता है, खासतौर से यह उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा



की तरफ के दरवाजे के लिए बहुत ही उपयोगी उपाय है।

पानी के बर्तन को बड़ी सावधानी के साथ ही रखना चाहिए। इस बर्तन को दरवाजे के निकट सिर्फ बायीं तरफ ही रखना सही होता है; अर्थात् जब आप अपने मकान में अन्दर खड़े हुए हों और बाहर की तरफ देख रहे हों तो आपके बाएं हाथ की तरफ।

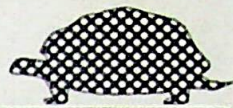
इस प्रकार पानी का रखना फेंगशुई के अनुसार बहुत उपयोगी माना जाता है और यह उपाय काफी लाभदायक भी सिद्ध होता है। पानी का यह बर्तन मछलीघर या नीले रंग के पानी में उछलती-खेलती डॉल्फिन के चित्र के रूप में हो सकता है।

एक बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि दरवाजे के बायीं तरफ भूलकर भी पानी का बर्तन मत रखना, क्योंकि इसका प्रभाव आप पर उल्टा ही पड़ सकता है, इसका नतीजा यह भी हो सकता है कि घर का पुरुष किसी अन्य स्त्री के प्रति आकर्षित हो जाता है। या फिर ऐसा हो सकता है कि आपके वैवाहिक जीवन में किसी तीसरे व्यक्ति की दखलअन्दाजी हो सकती है।

भूलकर भी पानी का बर्तन दरवाजे के दोनों तरफ कभी नहीं रखना चाहिए। क्योंकि दरवाजे के दोनों तरफ पानी रखना दोनों आंखों में आंसू आने के प्रतीक होते हैं, इसलिए इस भयंकर स्थिति से बचना चाहिए।

162. रंगों से अपना भाग्य बदलिए

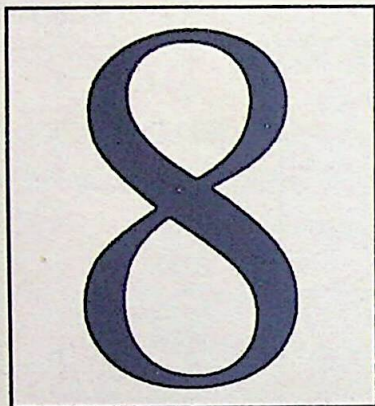
अगर आप अपने घर को नया बनाना चाहते हैं या आप अपने घर की मरम्मत करा रहे हैं, तो आप नीचे दी गयी सूची के अनुसार ही रंगों का प्रयोग करके अपने मकान को कार्यशील बना सकते हैं। आप अपने मकान के सभी कमरों को सम्बंधित भाग के तत्व या इसे उत्पन्न करने वाले तत्वों के अनुसार आकर्षक रंगों से पेन्ट करा सकते हैं। लेकिन आपको एक बात का खास ख्याल रखना होगा कि रंगों का चुनाव स्थान के तत्वों के विपरीत नष्ट करने वाला बिल्कुल नहीं होना चाहिए जैसे कि दक्षिण दिशा वाले कमरे में नीला या काला रंग और उत्तर-पूर्व दिशा वाले कमरे में हरा रंग ही कराना चाहिए।



कोना	तत्व	सबसे उत्तम रंग	अच्छा रंग	बुरा रंग
उत्तर-पूर्व	पृथ्वी	पीला मटमैला	लाल नारंगी	हरा
उत्तर	जल	नीला काला	सफेद रूपहला	पीला मटमैला
उत्तर-पश्चिम	धातु	सफेद रूपहला	पीला मटमैला	लाल नारंगी
पश्चिम	धातु	सफेद सलेटी	पीला मटमैला	लाल नारंगी
दक्षिण-पश्चिम	पृथ्वी	पीला मटमैला	लाल	हरा नारंगी
दक्षिण	अग्नि	लाल नारंगी	हरा	नीला काला
दक्षिण-पूर्व	काष्ठ	हल्का हरा	नीला काला	सफेद रूपहला
पूर्व	काष्ठ	हरा	नीला काला	सफेद रूपहला
मध्य	पृथ्वी	पीला मटमैला	लाल नारंगी	हरा



163. फेंगशुई में 8 के अंक का महत्त्व



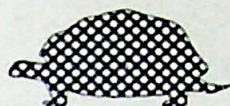
फेंगशुई द्वारा 8 के अंक को शुभ माना जाता है। अंकों को लेकर फेंगशुई द्वारा दक्षिण-पूर्व के देशों में खासकर तिब्बत और चीन में काफी प्रबल पूर्वाग्रह व्याप्त है।

ज्यादातर चीन के लोग अपने क्रेडिट कार्ड, बैंक अकाउंट तथा गाड़ी की नम्बर प्लेट पर ऐसी संख्या डलवाते हैं जिसके अन्त में 8 का अंक आता हो। उनका ऐसा मानना है कि यह संख्या आर्थिक समृद्धि में वृद्धि करती है।

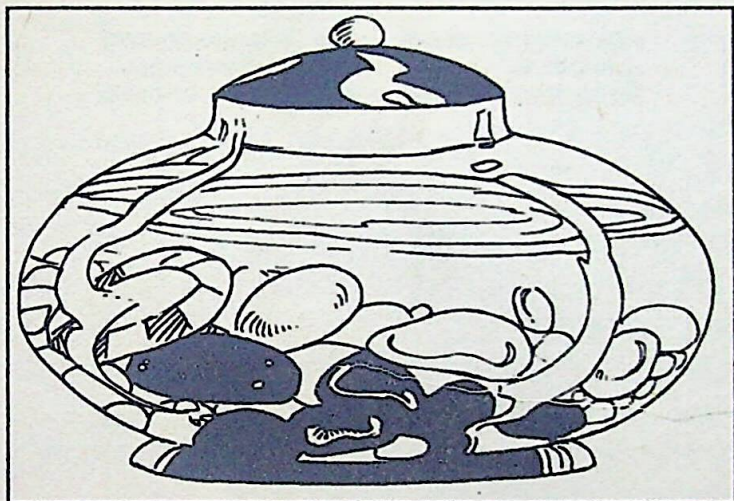
चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा 8 की संख्या विकास तथा सम्पन्नता की प्रतीक मानी जाती है वैसे इसे वैश्विक शुभ माना जाता है। यह संख्या अनंतता, सम्पन्नता तथा सौहार्द की वाहक मानी जाती है।

हांगकांग जैसे बड़े शहर में टेलीफोन नं० या हाउस नं० में 8 की संख्या का होना शुभ माना जाता है। फेंगशुई द्वारा यह संख्या किसी भी दूसरी संख्या के साथ जुड़कर शुभ हो जाती है।

जैसे कि 28 का अंक हमें इस बात का संकेत देता है कि तुरन्त किसी बाधा के धनवान होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं अथवा 78 का अंक हमें संकेत देता है कि धन का आना सुनिश्चित है। इसलिए फेंगशुई द्वारा 8 के अंक को बड़ा महत्त्वपूर्ण माना जाता है।



164. धन-पात्र के द्वारा धन-सम्पदा प्राप्त करें

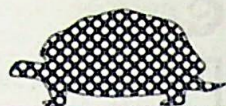


फेंगशुई द्वारा पृथ्वी तत्व का प्रतीक माना जाने वाला यह धन-पात्र चीनी मिट्टी अथवा तांबे, कांसे, रजत और सोने का बना होता है। वैसे तो कांच और क्रिस्टल के भी पात्र मिल जाते हैं लेकिन यह पात्र बहुत महंगा होता है और उतना ही यह प्रभावशाली भी होता है।

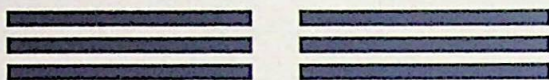
आप इस धातु के पात्र में खुद से मेल खाते हुए रत्न और क्रिस्टल भी डाल सकते हैं। अगर आप इस पात्र में जेवर डालेंगे तो यह ज्यादा लाभदायक सिद्ध होंगे। आप इस पृथ्वी तत्व का धन-पात्र अपने मकान की दक्षिण-पश्चिम दिशा में मेज के ऊपर रख सकते हैं।

फेंगशुई द्वारा धातु का यह पात्र पश्चिम दिशा में ही रखना उत्तम माना जाता है लेकिन इस पर किसी की नजर न पड़े। यह धन-पात्र आलमारी में या कपबोर्ड में भी रखा जा सकता है। एक बात का ख्याल रखें कि इसका मुंह आपके मकान के मुख्य दरवाजे की तरफ नहीं होना चाहिए वरना जो कुछ आपने धन जमा किया है वह भी चला जाएगा।

फेंगशुई द्वारा यह धन-पात्र आपके सौभाग्य और सम्पन्नता में वृद्धि करता है। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।



165. ट्राइग्राम कुन ☷



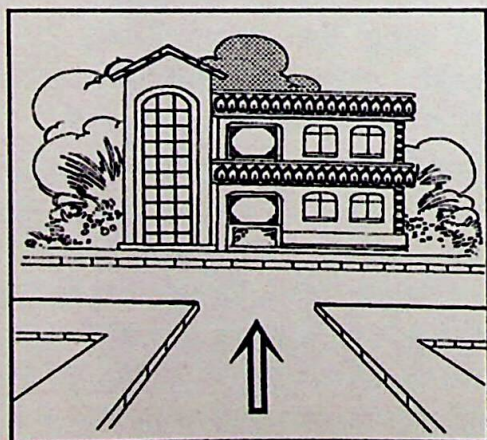
फेंगशुई द्वारा पूरी धरती को मां धरती माना जाता है और इसके सारे तत्व सौभाग्य के प्रतीक समझे जाते हैं। फेंगशुई द्वारा दक्षिण-पश्चिम दिशा में तीन समानान्तर टूटी पंक्तियां पृथ्वी का प्रतीक माना जाता है।

दीर्घ पृथ्वी के रूप में ही इन्हें देखा जाता है तथा ये शुभ यिन ऊर्जा को निष्कासित करती हैं।

फेंगशुई द्वारा आप भी अपने मकान के दक्षिण-पश्चिम कोने में Trigram Kun ☷ बनाएं या तीन टूटी रेखाएं  खींच दें, यह स्थिति आपके प्रेम के सम्बन्धों में प्रगाढ़ता उत्पन्न करती है, परिवार में सौहार्द तथा सामंजस्य को बढ़ाती है।

फेंगशुई में इनके अलावा भी Double Trigram Kun भी बताया गया है। जो आपकी खुशियों को दोगुना कर देता है। इसको बनाने के लिए Trigram Kun को दो बार खींचना पड़ता है।

166. 'T' प्वाइंट पर बना मकान



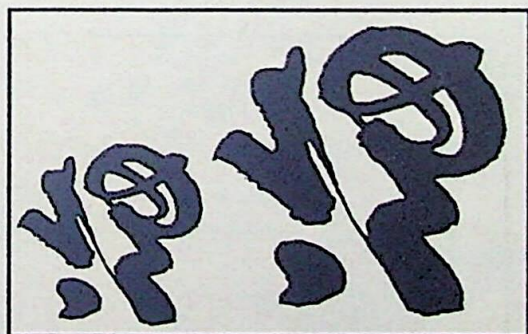


अगर आपके घर की स्थिति बीच तिराहे के सामने यानि 'T' प्वाइंट पर स्थित है तो ऐसा महसूस होता है कि जैसे कोई बन्दूक आपके घर की ओर तनी हुई है। इस बात से आपको साफ जाहिर हो जाना चाहिए कि यह स्थिति आपके ऊपर नकारात्मक प्रभाव डालेगी। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति घर में रहने वालों के स्वास्थ्य को कमजोर बना देती है और आपको हर समय दुर्घटना का डर रहेगा।

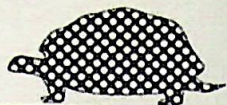
अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अपने मकान के मुख्य दरवाजे की स्थिति में फौरन परिवर्तन कर दें। इसे कुछ इस तरह से लगाएं कि यह सड़क T Point के ठीक सामने न रहे अथवा दरवाजे को वहां से हटाकर किसी दूसरी दीवार में लगवा दें। इसके नीचे बाड़ लगवाकर उसमें नकारात्मक ऊर्जा के निषेध के लिए दरवाजा लगा दें।

इससे छुटकारा पाने का एक दूसरा उपाय यह है कि दरवाजे के ऊपर एक शीशा लगा दें। यह शीशा आपके मकान में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा के लिए अवरोध का कार्य करेगा।

167. शुभ लिखावट

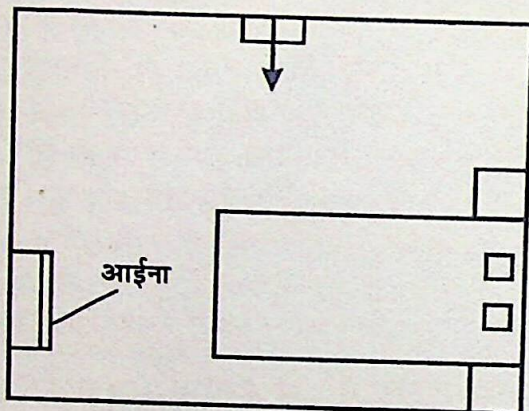


जिस प्रकार भारतीय लोग अपने मकान के दरवाजों पर कुछ-न-कुछ शुभ लिखवाते हैं, उसी तरह चीनी सभ्यता के अनुसार चीनी लोग भी इसी तरह कुछ-न-कुछ लिखवाते हैं। चीनी लोगों की अपनी परम्परा के अनुसार मकान के मुख्य दरवाजे पर कोई न कोई शुभ लिखावट जरूर मिलती है, खास तौर पर 'फुक'; अर्थात् सौभाग्य।

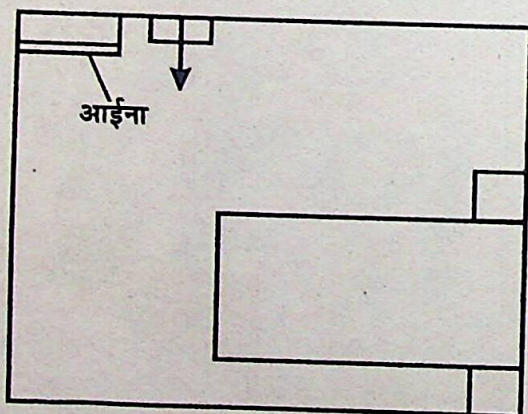


फेंगशुई इस लिखावट को निश्चित सौभाग्य का वाहक मानती है। फेंगशुई सलाहकारों का कहना है कि फुक को ऊपर से नीचे की तरफ लिखने से बिजनेस टर्नओवर बढ़ता है। इसी तरह फेंगशुई में और भी शुभ आकृतियों तथा रेखाओं का भी वर्णन किया गया है।

168. अपने बैडरूम में आईना नहीं लगाना चाहिए



दोषपूर्ण



संशोधन

बहुत-से लोगों को बैडरूम में आईना लगाने का बड़ा शौक होता है लेकिन फेंगशुई द्वारा बैडरूम में आईना बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि

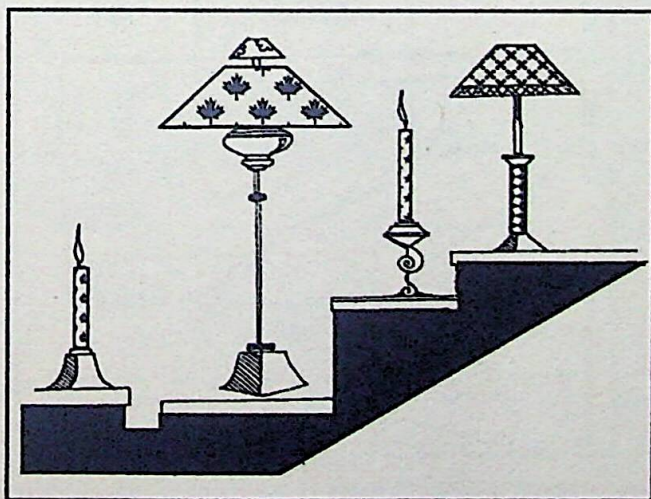


आईने से एक तरह की ऊर्जा बाहर निकलती रहती है, यह ऊर्जा कितनी हानिकारक होती है या कितनी लाभदायक है, यह तो इस बात पर निर्भर करता है कि आईना किस स्थान पर लगा है।

इसलिए बैडरूम में आईना नहीं लगाना चाहिए—और बैड के सामने तो आईना भूलकर भी नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि यह स्थिति मियां-बीवी के सम्बन्धों पर बुरा असर डालकर तनाव पैदा करती है। ऐसे हालातों में मियां-बीवी के सम्बन्धों के बीच किसी तीसरे का भी प्रवेश हो सकता है। अगर आपके बैडरूम में आईना लगा हुआ है तो इसे ढककर रखना चाहिए या फिर इस आईने को आलमारी के दरवाजे के अन्दर की ओर होना चाहिए।

बैडरूम में सो रहे मियां-बीवी को प्रतिबिम्बित करता हुआ आईना तलाक तक का कारण बन सकता है, इसलिए रात में आईने को ढककर रखना चाहिए। छत में भी आईना नहीं होना चाहिए। फेंगशुई में यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती, अतः इसका ध्यान रखना चाहिए।

169. जगमग रोशनी से अपना सौभाग्य जगाइए



फेंगशुई द्वारा पृथ्वी का विकास करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है इसके लिए आपको अपने लॉन का दक्षिण-पश्चिम कोना रोशनी से जगमग रखना

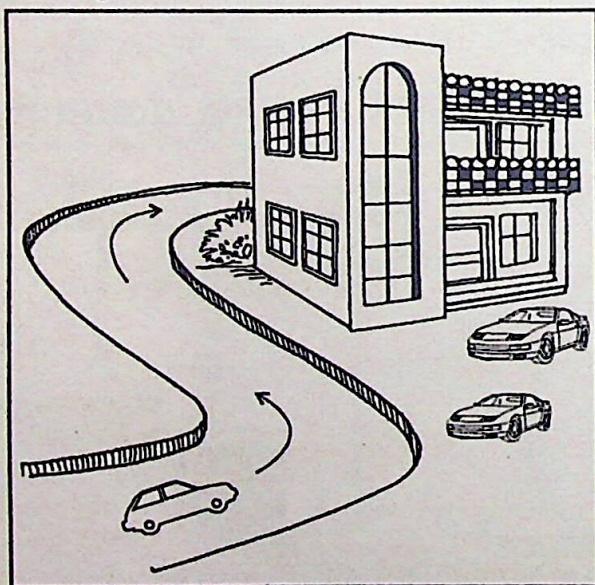


होगा। लॉन के इस कोने में जमीन से पांच फीट ऊपर बांस में बल्ब लगाकर ऐसा कर सकते हैं। जो लोग अपार्टमेंट में रहते हैं वह बालकॉनी या टैरेस में यह व्यवस्था कर सकते हैं। टैरेस गार्डन में भी ऐसा किया जा सकता है।

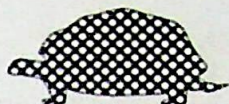
फेंगशुई द्वारा आप अपने कमरे के अन्दर दक्षिण-पश्चिम कोने में लैम्प जलाकर उसे ऊर्जा से सम्पन्न कर सकते हैं। आपके लैम्प की लाइट लाल या तेज पीले रंग की ही होनी चाहिए। इससे शक्तिशाली यांग ऊर्जा सक्रिय होती है। आपका लैम्प भी फर्श से पांच फीट ऊंचा ही होना चाहिए।

एक बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि भूल से भी इस प्रयोग को बाथरूम में नहीं करना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं है।

170. एंग्युलर 'S' आकार के निकट मकान



अगर आपका मकान 'S' आकार के घुमाव के निकट बना है तो यह स्थिति फेंगशुई द्वारा शुभ मानी जाती है, इस स्थिति को किसी प्रकार का दोष अथवा वेध नहीं समझना चाहिए।



ऐसे मकान में रहने वाले परिवार के सदस्य धन-धान्य से परिपूर्ण रहते हैं और आर्थिक मामलों के अन्तर्गत सफलता प्राप्त करते हैं।

फेंगशुई द्वारा आपका मकान या फ्लैट अगर किसी वृत्ताकार मोड़ पर अर्द्धवृत्त बनाता हो तो भी यह स्थिति शुभ समझी जाती है। यह स्थिति उस समय और भी ज्यादा शुभ हो जाती है, जब आपका मकान वृत्त के घुमाव के शीर्ष पर बना हो। ऐसे मकानों में रहने वाले परिवार के सदस्य के पास बहुत धन होता है और उनके ऊपर धन-दौलत की चारों तरफ से बरसात होती रहती है। फेंगशुई के द्वारा यह स्थिति बहुत ही उत्तम मानी जाती है।

171. वाटर ड्रेगन के द्वारा वेल्थ लक

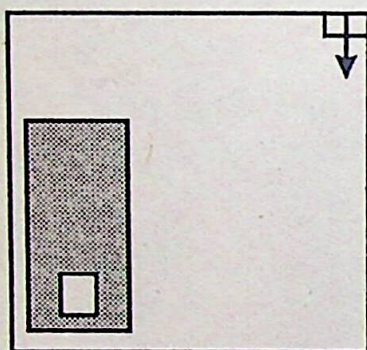


फेंगशुई द्वारा ड्रेगन को बहुत ज्यादा शुभ माना जाता है। फेंगशुई द्वारा वाटर ड्रेगन की मौजूदगी वेल्थ लक को जगाने का सर्वोत्तम उपाय है। आप अपने रहने के कमरे में वाटर ड्रेगन का एक प्रतीक रखकर वेल्थ लक को और भी ज्यादा बढ़ा सकते हैं—और ऐसा करने से आपके कमरे की सुन्दरता भी बढ़ जाएगी।

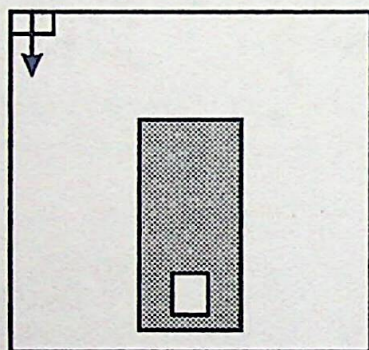


आपको वाटर ड्रेगन के लिए एक छोटे-से फव्वारे तथा कुछ हरी वनस्पति की आवश्यकता पड़ेगी। बाजार में फव्वारे बहुत मिल जाते हैं। इसके अन्दर छोटा-सा ड्रेगन लाकर रख सकते हैं जिसके ऊपर पानी की छोटी-सी धार गिरती रहे। इसको रखने का निर्धारण ग्रहचाल के ऊपर ही निर्भर करता है। इसका उपयोग उत्तम है।

172. मकान के दरवाजे के सामने कभी नहीं सोना चाहिए



दोषपूर्ण



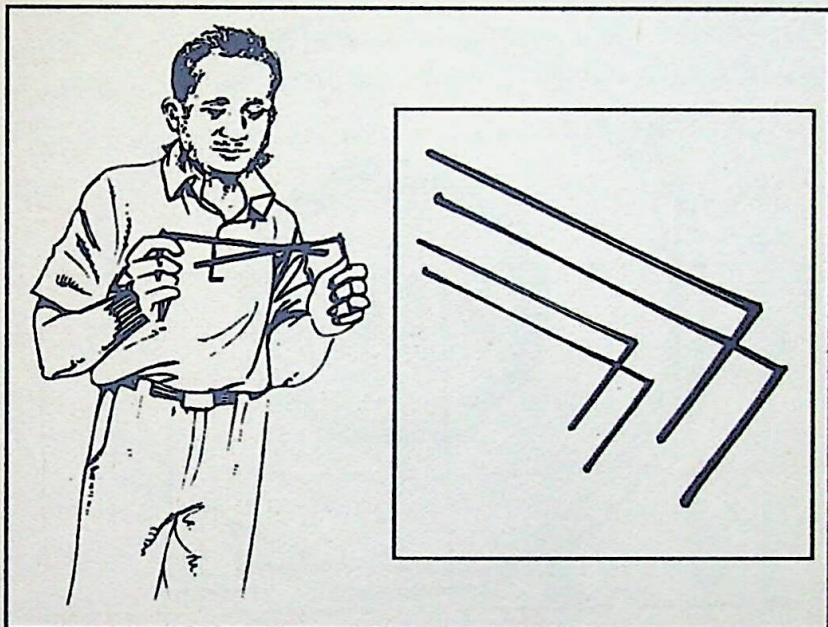
संशोधन

चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार चीन के लोग दरवाजे की तरफ पांव करके सोना मृत्यु का सूचक मानते हैं। क्योंकि मरे हुए आदमी के पैर दरवाजे की ओर करके इसी अवस्था में रखे जाते हैं, जो उसके लिए बहुत अच्छे माने जाते हैं लेकिन किसी जीवित आदमी के लिए यह स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं मानी जाती, यह एक हानिकारक स्थिति होती है।

आपको सोते समय एक बात का विशेष तौर पर ख्याल रखना चाहिए कि आपका सिर या पैर सीधे दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए, यह स्थिति यिन की सूचक मानी जाती है—और इस स्थिति का मनुष्य के ऊपर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि अपना पलंग दरवाजे के दाईं या बाईं तरफ खिसका देना चाहिए, यही इस हानिकारक स्थिति से बचने का सर्वोत्तम उपाय है।



173. अंडरग्राउण्ड स्थित जलस्रोत



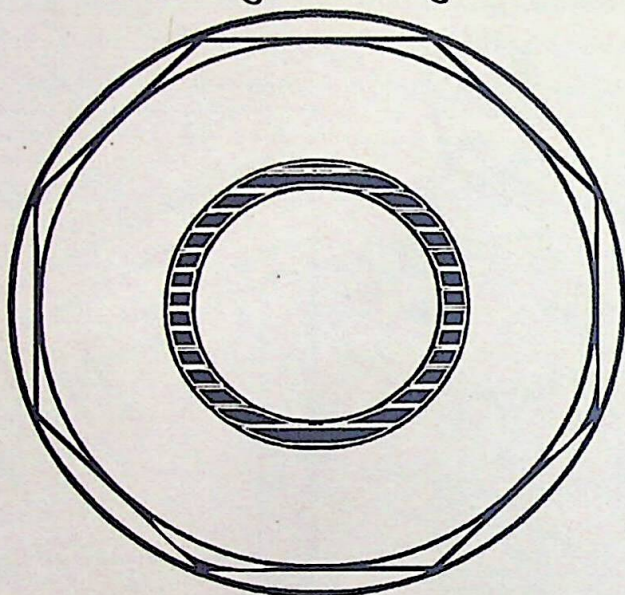
जमीन के नीचे हर जगह पानी-ही-पानी होता है। लेकिन फेंगशुई द्वारा निर्माण स्थल के नीचे जलस्रोत नहीं होना चाहिए।

फेंगशुई द्वारा इस प्रकार का छिपा हुआ जलस्रोत मकान और उसमें रहने वाले परिवार के सदस्यों पर अपना बुरा प्रभाव डालता है। इस प्रकार के जल की मौजूदगी पृथ्वी की विद्युत तरंगों को बाधित करती है तथा ऊर्जाओं पर भी अपना नकारात्मक असर छोड़ती है।

चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा अन्डरग्राउण्ड जलस्रोत घुमावदार सर्पिल ऊर्जा को उत्पन्न करता है जहां कलॉकवाइज ऊर्जा विपरीत दिशा की घुमावदार ऊर्जा से टकराती है। इस प्रकार वहां रहने वाले लोगों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे निर्माण की पहचान यह होती है कि उसमें रहने वाले लोग अक्सर बीमार ही रहते हैं। फेंगशुई सलाहकार Dowsing rods के द्वारा इस तरह के अन्डरग्राउण्ड जलस्रोत को तलाश कर लेते हैं।



174. बागुवा या पाकुआ



फेंगशुई द्वारा पाकुआ को भी इसका यन्त्र माना जाता है और मैजिकल स्क्वायर के संकेत ही इसका आधार होते हैं। इसके द्वारा ही ऑफिस या मकान बनाने के लिए शुभ-अशुभ स्थान की खोज होती है।

इस पाकुआ रेखाचित्र में 8 दिशाओं व केन्द्र की सबसे ज्यादा ऊर्जाजनक स्थिति दर्शाई गयी है। यह बागुवा जीवन यात्रा का प्रतीक समझा जाता है। इसकी सहायता से काम करने, रहने और आराम करने की सुविधाजनक जगह पायी जा सकती है।

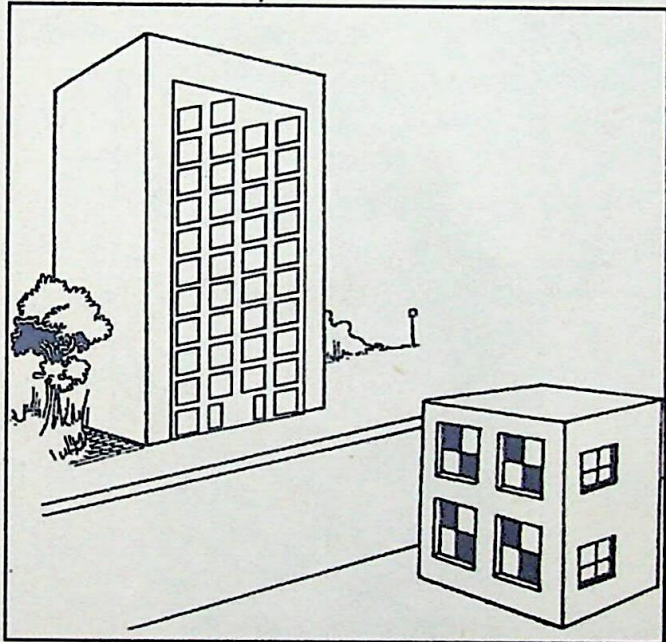
अगर आप मकान बनाने के लिए फेंगशुई का सहारा लेते हैं तो बागुवा की अवहेलना कदापि न करें।

175. बड़ी इमारत के सामने छोटा मकान

फेंगशुई द्वारा कभी भी बड़ी इमारत के सामने छोटी इमारत नहीं होनी चाहिए, ये स्थिति अशुभ होती है। कई बार ऐसा भी होता है कि निरन्तर



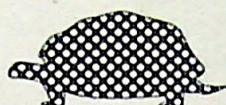
निर्माण के चलते हुए आपके मकान के सामने एक बहुत बड़ी इमारत बन जाती है और इसकी वजह से आपका मकान दबा-दबा सा महसूस होने लगता है, ऐसे घरों में रहने वाले लोग हमेशा धोखाधड़ी और विश्वासघात के शिकार बनते हैं।



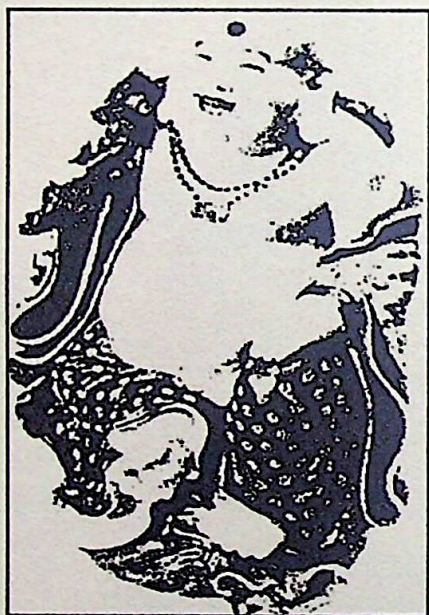
अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अपने मकान के मुख्य द्वार पर एक उत्तल दर्पण लगाएं या फिर अपने दरवाजे पर जालीदार पर्दे टांग दें—और किसी भी आदमी को रुपया-पैसा भूलकर भी उधार न दें। इस बात में खास सावधानी बरतें।

176. अपने घर में हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति लगाएं

फेंगशुई द्वारा हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति घर में लगाना शुभ स्थिति की सूचक होती है। हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति धन-दौलत के देवताओं में से एक मानी जाती है। इस मूर्ति को घर में लगाने से सम्पन्नता, सफलता तथा आर्थिक समृद्धि होती है।



हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति घर में जिस जगह लगाई जाती है वह जगह बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, इस मूर्ति को 30" की ऊंचाई पर मुख्य द्वार के सामने प्रस्थापित करना चाहिए। यह हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति मुख्य द्वार से प्रवेश करने वाली ऊर्जा का अभिनन्दन करती है। यही ऊर्जा क्रियाशील होकर अधिक-से-अधिक घर के अन्दर समृद्धि प्रदान करती है।



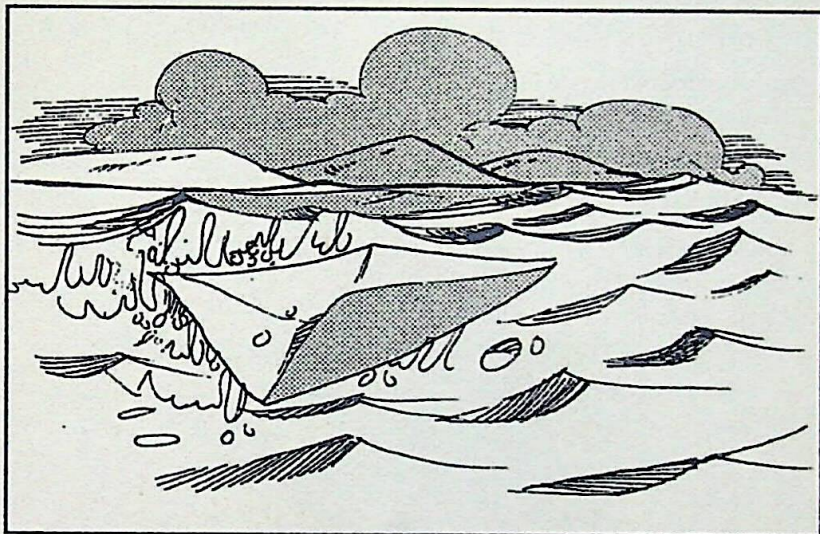
हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति

अगर किसी वजह से इस स्थान पर मूर्ति रखना मुमकिन न हो पाए तो आप इसको मेज या कोने वाले स्टूल पर भी रख सकते हैं, ताकि तिरछी ही सही लेकिन वह मुख्य द्वार के सामने होगी, और उसका चेहरा मुख्य दरवाजे की तरफ होना चाहिए।

भूलकर भी हँसते हुए बुद्ध की मूर्ति बैडरूम या डायनिंग रूम में नहीं रखनी चाहिए। सम्पत्ति के इस देवता की पूजा अथवा आराधना नहीं की जाती, बल्कि इसे सजाकर रखा जाता है, क्योंकि इस मूर्ति का घर में रहना विशुद्ध रूप से प्रतीकात्मक और शुभ माना जाता है।



177. अगर आप अपना मकान बेचना चाहते हैं



फेंगशुई आपके मकान बनाने में ही सहायता नहीं करती बल्कि इसमें अनेकों समस्याओं के भी समाधान हैं, जैसे कि मकान बेचना।

कभी-कभी ऐसा होता है कि सब कुछ स्थिति अनुकूल होने के पश्चात् भी हम अपना मकान बेचना चाहते हैं और उसका खरीदने वाला हमें नहीं मिलता। अगर आपके सामने भी यही समस्या आ खड़ी हुई है तो किचन में किसी धातुई उपकरण का एक टुकड़ा, लॉन या अपने आंगन की थोड़ी-सी मिट्टी तथा लकड़ी का एक टुकड़ा लाल रंग के लिफाफे में रखें। फिर इसके बाद इस लिफाफे को तेज बहती हुई नदी की धार में बहा दें। आपकी समस्या का समाधान हो जायेगा। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है, इसलिए इसका उपयोग करें।

178. घर के झगड़े का समाधान

परिवार में जहां चार सदस्य होते हैं तो वहां खटपट तो चलती ही रहती है। इसी तरह सास-बहू का भी एक ऐसा रिश्ता है जहां रोजाना कुछ-न-कुछ



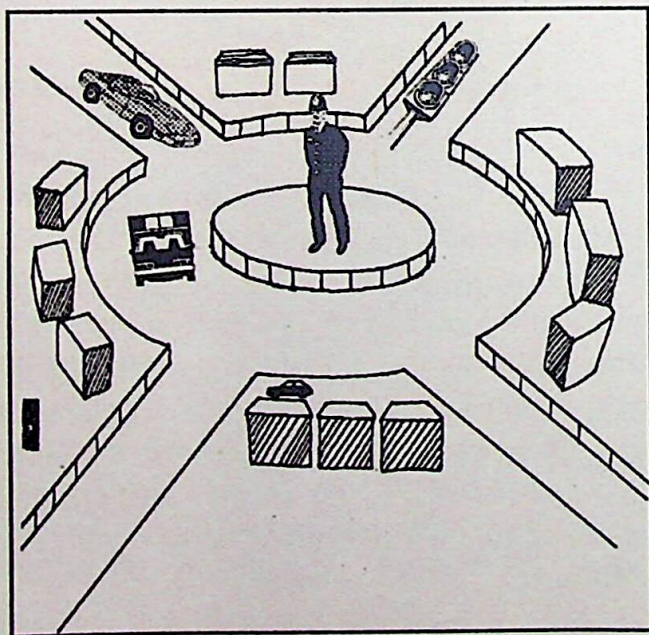
खटपट चलती ही रहती है। यह भी एक समस्या है।

फेंगशुई द्वारा इन सभी झगड़ों का कारण आपका रसोईघर है। जिस घर में आग और पानी ऊपर-नीचे रखे होंगे वहां इनका झगड़ा अवश्य होगा।

इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए फेंगशुई का सहारा लें। आप अपने किचन की उत्तर दिशा में पानी को रखें और दक्षिण दिशा में चूल्हे को। फेंगशुई द्वारा इन दोनों के लिए यही उपयुक्त स्थान माने जाते हैं। ऐसा करने पर आपके घर में रोज होने वाला झगड़ा शान्त हो जायेगा।

इसके अलावा भी फेंगशुई द्वारा अन्य उपायों को अपनाकर अपने घर के अन्य झगड़ों को समाप्त कर सकते हैं।

179. चौराहे के पास मकान का निर्माण

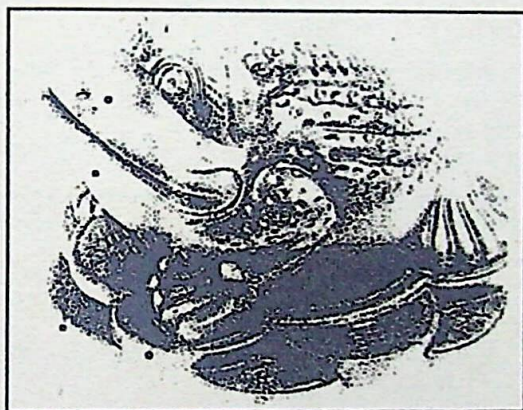


फेंगशुई द्वारा मकान चौराहे के इर्द-गिर्द है तो यह बराबर जलप्रवाह का सूचक माना जाता है, जिसका मतलब होता है कि ऐसे मकान में रहने वाले परिवार के सदस्यों को धन की कभी कमी नहीं हो सकती।



फेंगशुई द्वारा इस स्थिति को मकानों के लिए उत्तम स्थिति माना जाता है। ऐसा इस वजह से होता है कि भवन के चारों तरफ से सकारात्मक व्यावसायिक ऊर्जा 'ची' का प्रवाह होता है।

180. अपने घर में तीन टांगों वाला मेंढक भी लगाएं



तीन टांगों वाला मेंढक

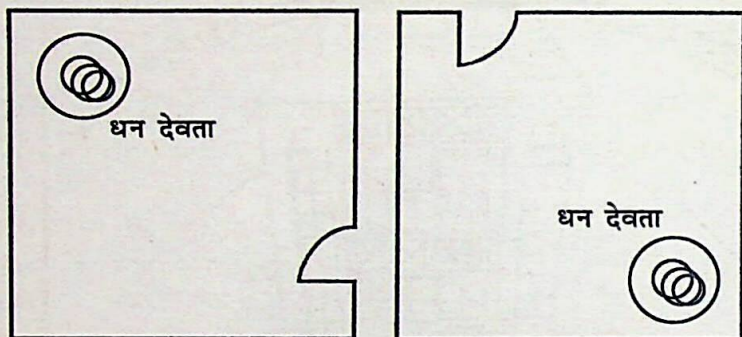
फेंगशुई द्वारा तीन टांगों वाला मेंढक घर में सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। यह मेंढक घर में रखा हुआ सौभाग्यशाली होता है। उसके मुंह में आमतौर पर एक या तीन सिक्के होते हैं। अपने मुंह में सिक्के लिये हुए तीन टांगों वाले मेंढक की स्थिति बहुत ज्यादा महत्त्वपूर्ण होती है।

इस मेंढक को आपको अपने घर के अन्दर मुख्य दरवाजे के आस-पास इस तरह रखना चाहिए कि वह घर के अन्दर की तरफ देख रहा हो। उस समय वह ऐसा लगता है कि जैसे उसने धन लेकर अभी-अभी आपके घर में प्रवेश किया हो। इस मेंढक को अपने घर के मुख्य दरवाजे की तरफ देखते हुए कभी नहीं रखना चाहिए। यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती, क्योंकि मेंढक के मुंह में सिक्का होता है, इसलिए यह स्थिति आपका धन घर से बाहर जाने का प्रतीक मानी जाती है, जहां तक हो इस बात से बचें।

शौचालय या रसोईघर के अन्दर भी यह मेंढक कभी नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना दुर्भाग्य को आमन्त्रित करना है।



181. चीन का धन देवता

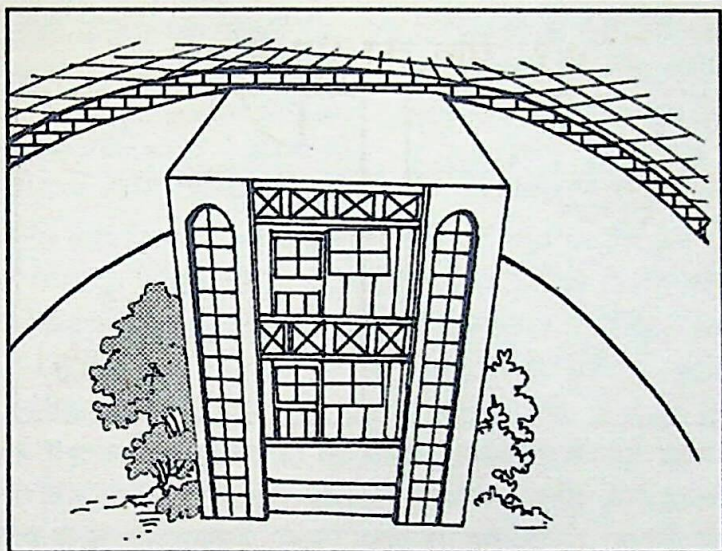


भारतीय परम्परा के अनुसार कुबेर को ही धन का देवता माना जाता है। उसी तरह चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा Tsaishenyeh को धन का देवता माना जाता है। यह शेर के आसन पर विद्यमान है जिसका अर्थ होता है कि शक्तिशाली जीव उसके अधिकार में रहते हैं। इस देवता को पूजा नहीं जाता, इसका घर में रखना ही शुभ माना जाता है।

फेंगशुई द्वारा लगभग 3 फीट लम्बी मेज के ऊपर इस देवता को इस तरह रखना चाहिए कि चेहरा आपके मकान के मुख्य दरवाजे की तरफ होना चाहिए और जब आप घर में प्रवेश करें तो आपकी नजर पहले उस पर ही पड़े। यह देवता नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक ऊर्जा में बदल देता है। अगर आपके मकान का दरवाजा दायीं तरफ है तो इस देवता को अन्दर बायीं तरफ रखना चाहिए। इसके अलावा Kuan King की भी चीन में धन देवता के रूप में ही मान्यता है।

181 (A). अर्द्धचन्द्राकार के बीच मकान का निर्माण

फेंगशुई द्वारा अगर आपका मकान अर्द्धचन्द्राकार आकृति के ठीक बीच में बना हुआ है तो उस मकान में रहने वालों की आर्थिक स्थिति डांवाडोल रहती है, आपके भाग्य में निरन्तर उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। आपकी बिल्कुल वैसी ही स्थिति बन जाएगी जैसे स्वयं आपने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली हो।



अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो फेंगशुई का सहारा लीजिए। कटाव के शीर्ष और दरवाजे के बीच झाड़ियां अथवा गेट लगाया जा सकता है। ऐसा करने पर नकारात्मक ऊर्जा 'ची' को आपके मकान में प्रवेश करने का रास्ता नहीं मिलता। इसलिए फेंगशुई द्वारा इस स्थिति में इस सरल उपाय का प्रयोग करना चाहिए।

182. बागुवा मिरर

फेंगशुई द्वारा कुछ ऐसी नकारात्मक ऊर्जाएं होती हैं जो घर को हानि पहुंचा सकती हैं। इन नकारात्मक ऊर्जाओं से सुरक्षा के लिए बागुवा मिरर का प्रयोग किया जाता है।

चीनी लोग ऐसे दर्पणों को अपनी दुकानों में लगाए रहते हैं। इस दर्पण को कुछ इस प्रकार टांगा जा सकता है कि घातक और नकारात्मक ऊर्जा अपने स्रोत को वापस लौटा देती है। आपके मकान अथवा दुकान के खम्भों के नुकीले सिरे ऊंचे टावर तथा दूसरी नुकीली चीजें जहरीले तीर की तरह नकारात्मक 'ची' उत्पन्न करती हैं तथा इससे परिवार के सदस्यों पर बुरा असर पड़ता है।



फेंगशुई द्वारा आपके बागुवा दर्पण की बनावट भिन्न ऊर्जा को उत्पन्न करती है, इसलिए इसे मकान के अन्दर भूलकर भी नहीं लटकाना चाहिए वरना ये आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

183. अपने घर के अन्दर झाड़ू छिपाकर रखनी चाहिए

प्रत्येक घर को साफ-सुथरा तथा सुव्यवस्थित रखने के लिए झाड़ू-पौछे का प्रयोग किया जाता है। फेंगशुई द्वारा ये दोनों चीजें घर के अन्दर प्रवेश करने वाली बुरी या नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने की प्रतीक मानी जाती हैं।

अपने घर के अन्दर झाड़ू खुले स्थान पर कभी नहीं छोड़नी चाहिए—इस प्रकार झाड़ू खुली छोड़ना अपशकुन समझा जाता है, इसलिए जहां तक हो इसे छिपाकर ही रखें।

अपने डायनिंग हॉल में तो कभी भी भूल से भी झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। फेंगशुई द्वारा डायनिंग हॉल में झाड़ू रखना अनाज और आय के साफ हो जाने का प्रतीक मानी जाती है।

अगर आप अपने मकान के बाहर मुख्य दरवाजे के सामने झाड़ू को उल्टी करके रखती हैं तो यह फेंगशुई द्वारा घुसपैठियों से आपके घर की रक्षा करने की प्रतीक है लेकिन सिर्फ यह कार्य रात में ही कर सकती हैं, ताकि उस झाड़ू पर किसी की नजर न पड़ सके।

184. बटन, कैप और हैंडबैग का प्रयोग





फेंगशुई द्वारा आपका प्रयोग में आ रहा हैंडबैग ऊर्जायुक्त है या नहीं, यह जानने के लिए आपको उसका तत्व जानना होगा। चीनी वास्तु द्वारा भूरे, नीले, काले रंग के आयताकार बैग शुभ माने जाते हैं। अगर आपको अपना बैग वर्गाकार ही खरीदना है तो मैरून, लाल या मटमैला रंग का ही लें। अगर आपको गोल आकार का बैग चाहिए तो फिर उसका रंग सफेद ही चुनें।

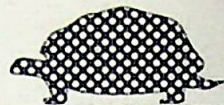
फेंगशुई द्वारा मेटल के बने हुए गोल बटन मजबूत धातु तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। भूरे और हरे रंग के कपड़ों पर इसी प्रकार के बने हुए बटन लगवाने चाहिए।

आपका खरीदा हुआ हैट या कैप हरा या काले रंग का ही होना चाहिए, क्योंकि ये जल तत्व के प्रतीक माने जाते हैं और फेंगशुई द्वारा सिर के लिए अशुभ होते हैं। शीर्ष पर पानी का होना फेंगशुई द्वारा चार भयावह में से एक माना जाता है।

185. 'फू' डॉग्स और लॉयन



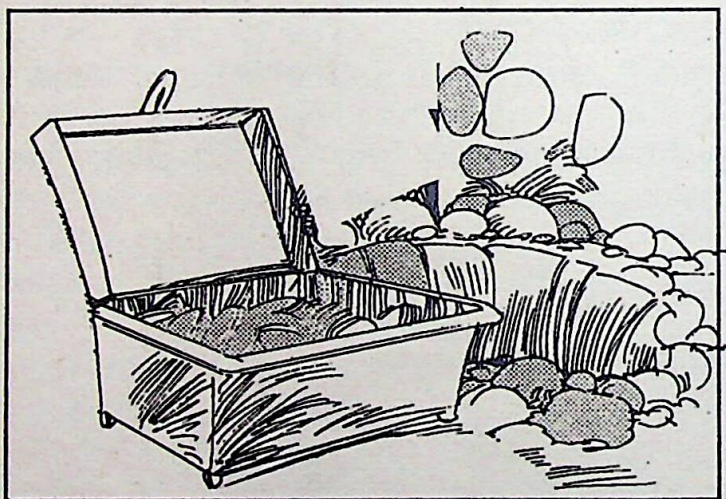
चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा 'फू' कुत्तों का जोड़ा रखने से अतिरिक्त रूप से सुरक्षा मिल जाती है। चीन के लोग इसे सुरक्षा का सामान्य प्रतीक मानते हैं। ऐसे कुत्ते प्रतीक के रूप में मठों और महत्वपूर्ण इमारतों के बाहर रखे



जाते हैं। चीन में मिट्टी अथवा प्लास्टर ऑफ पेरिस से बने ऐसे 'फू' डॉग्स का जोड़ा आसानी से प्राप्त हो जाता है।

फेंगशुई द्वारा शेर को भी सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, इसके लिए मुख्य प्रवेश द्वार पर शेरनी की एक पेन्टिंग लगाई जा सकती है। अपने घर अथवा ऑफिस के बाहर मिट्टी का बना हुआ शेर अथवा Cat family का कोई अन्य सदस्य भी दरवाजे पर रख सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह अच्छा उपाय है।

186. भाग्यशाली मनीबॉक्स गाड़ें



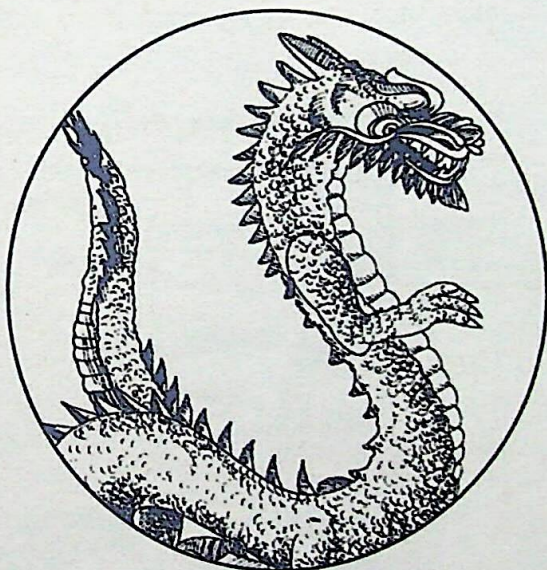
फेंगशुई द्वारा शुभ ऊर्जाओं को सक्रिय करने के लिए उत्तर-पश्चिम दिशा में 'मनीबॉक्स' गाड़ा जा सकता है। इस तरह की ऊर्जाएं पूरे परिवार के लिए शुभ मानी जाती हैं। अगर आपके मकान के पश्चिम अथवा उत्तर-पश्चिम में बाहर की तरफ उभरी हुई जमीन है तो वह बड़ी शुभ मानी जाती है। फेंगशुई द्वारा इसको धन के पहाड़ का प्रतीक माना जाता है।

आपका मनीबॉक्स छोटा होने के साथ मजबूत भी होना चाहिए। किसी छोटी सेफ की तरफ इस मनीबॉक्स को उत्तर-पश्चिम दिशा में इसलिए गाड़ा जाता है कि ये दोनों दिशाएं धातु की प्रतीक मानी जाती हैं।



फेंगशुई द्वारा इस बॉक्स को रोजाना बचने वाली रेजगारी से भरने के पश्चात् ही जमीन में गाड़ना चाहिए। अगर बीच में से छिद्रित सिक्के मिल जायें तो और भी अच्छा होता है।

187. शक्ति का प्रतीक ड्रेगन



फेंगशुई द्वारा ड्रेगन को शक्ति का प्रतीक माना जाता है। जो लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं, खासकर उनमें तिब्बत और चीन के लोग ड्रेगन को एक बेहद शक्तिशाली संरक्षक समझते हैं।

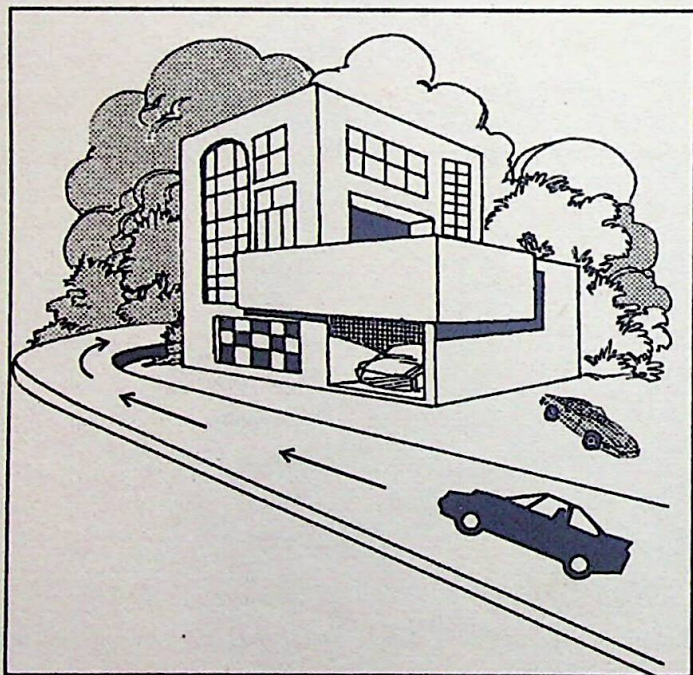
फेंगशुई द्वारा ड्रेगन को अपने घर की पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। मिट्टी, क्रिस्टल अथवा लकड़ी का बना हुआ ड्रेगन आप अपने ऑफिस में मेज के ऊपर या लकड़ी का बना हुआ ड्रेगन ऑफिस में मेज पर या कैबिनेट के ऊपर रखा जा सकता है। ड्रेगन धातु का बना हुआ कभी न हो।

आप अपने ऑफिस की पूर्वी दीवार पर ड्रेगन का पोस्टर लगा सकते हैं। लेकिन यह पोस्टर आप अपने शयनकक्ष में भूलकर भी न लगाएं, क्योंकि इस से Xang ची का प्रवाह होता है जो सोने वालों को परेशानी में डालता है।



अगर आप अपने बगीचे में हरे रंग का ड्रेगन रखें तो वहां बारहों महीने तक हरियाली छाई रहेगी। इसी तरह आप अपनी कुर्सी के हैण्डिल या मेज के ऊपर भी ड्रेगन की आकृति खुदवा सकते हैं। लेकिन फिर इस पर ड्रेगन वर्ष में जन्म लेने वाले ही बैठ सकते हैं।

188. दरांती के आकार जैसी रोड पर बना मकान



फेंगशुई द्वारा दरांती के आकार वाली रोड पर बना मकान दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता है। अगर आप कभी ऐसे स्थान पर अपना मकान बनवाने अथवा मकान खरीदने के इच्छुक हैं जहां पर सड़क या नदी का घुमाव है, तो फिर अपना विचार त्याग ही दें। यह स्थिति किसी दरांती की तरह होती है।

अगर बदकिस्मती से आपको ऐसी जगह पर रहना पड़ जाए तो आपके पास से धन-दौलत बिल्कुल चली जाएगी। भाग्य पर यह स्थिति कुठाराघात



होती है और आपके हाथ आये शुभ मौके निकल जाते हैं। यह घुमाव जितना तीव्र होता है नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव और परिणामों की मात्रा उतनी ही बढ़ती जाएगी।

इस समस्या के समाधान के लिए घर के मुख्य दरवाजे के सामने एक नीचा दरवाजा लगवा दें। यह दरवाजा आपके मकान में नकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश पर अंकुश लगाएगा। अगर आप चाहें तो नीची बाड़ भी लगवा सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।

189. अपने परिवार में मधुर सम्बन्ध स्थापित करने के लिए अपने परिवार का प्रसन्नचित्त मुद्रा में फोटो लगाएं

वही परिवार अच्छा लगता है जहां सब लोग आपस में मिल-जुल कर रहते हैं और उनके बीच मधुर सम्बन्ध बने हों। अगर आप भी अपने परिवार के सदस्यों में मिल-जुल कर रहने की भावना विकसित करने का सबसे आसान तरीका अपनाना चाहते हैं तो अपने ड्राइंगरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में पूरे परिवार की प्रसन्नचित्त मुद्रा में एक फोटो लगा दें। इस फोटो के अन्तर्गत परिवार के सभी सदस्य होने चाहिए। परिवार की खुशी के लिए इस तस्वीर में सभी के चेहरों पर मुस्कुराहट होनी आवश्यक है।

यह आसान तरीका वहां भी अपनाया जा सकता है जहां रात-दिन सास-बहू के झगड़े होते हैं। वहां यह उपाय बेहद प्रभावकारी होते हैं। सास-बहू के बीच में आपसी प्रेमभाव बढ़ाने के लिए उन दोनों का हँसते हुए एक फोटो उसी दिशा में लगा देना चाहिए। यह फेंगशुई द्वारा एक सरल उपाय है।

अगर पति-पत्नी के बीच आपसी सम्बन्धों में प्रेम की कमी हो तो उनके प्रेम को बढ़ाने के लिए उन्हें अपने बैडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में हँसती हुई मुद्रा में अपनी एक फोटो लगा देनी चाहिए।

190. अपने घर में नमक मिलाकर पानी से पौछा लगाएं

अगर आप अपने घर को पवित्र तथा शुद्ध करना चाहते हैं तो वहां नमक मिले हुए पानी से पौछा लगाना चाहिए। फेंगशुई द्वारा यह जल घर



में स्थित नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में बड़ा सहायक सिद्ध होता है।

चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में रोजाना नमक मिले पानी से पौछा लगाना बड़ा ही शुभ माना जाता है। पौछा लगाने वाले पानी में पांच चम्मच सादा नमक मिलाकर पौछा लगा सकते हैं। ऐसा करने से आप घर के किसी भी स्थान के नकारात्मक प्रभाव या नकारात्मक ऊर्जा को कम कर सकते हैं। यह फेंगशुई द्वारा अच्छा उपाय माना जाता है।

191. पीले रंग के फूल क्रीम रंग के फूलदान में लगाएं

अगर आप अपने परिवार के सम्बन्धों को और भी ज्यादा प्रेम में बांधना चाहते हैं, तो फेंगशुई का सहारा लें।

परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम को बढ़ाने के लिए फेंगशुई द्वारा एक आसान उपाय है कि आप अपने घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में क्रीम कलर के चीनी मिट्टी के गुलदस्ते में पीले रंग के कृत्रिम फूल लगाएं, यह स्थान प्रेमपूर्ण सम्बन्धों का स्थान होता है।

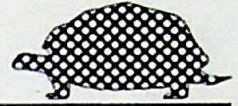
फेंगशुई द्वारा इस स्थान पर पीले रंग के फूल रखने से परिवार के बीच आपसी सम्बन्ध मजबूत बनते हैं। पीले तथा क्रीम कलर मिट्टी के प्रतीक होते हैं। इससे आपसी सम्बन्ध प्रगाढ़ होते हैं।

192. अपने घर से बेकार चीजें निकाल फेंकें

आम तौर पर काफी लोगों को पुरानी वस्तुएं सम्भालकर रखने की आदत होती है, न तो इन वस्तुओं को इस्तेमाल ही किया जाता है और न ही इन वस्तुओं को फेंका जाता है। एक तरह से ये सब बेकार की चीजें होती हैं।

जैसे—

1. जैसे कि घर में बहुत-से पुराने कपड़े होते हैं। आप लोग यह समझकर इन्हें रखे हुए हैं कि शायद यह फैशन फिर दोबारा लौटकर आ जाये या फिर हो सकता है कि आपको ये कपड़े गिफ्ट में मिले हों, कीमती हों, और सिंथेटिक होने की वजह से आपको पसन्द न हों। किसी-न-किसी वजह से आप इन कपड़ों को पहन नहीं पा रहे हों। लेकिन उनके प्रति आपका लगाव



है, इसलिए आप उन्हें फेंकना नहीं चाहते हैं।

2. घर के अन्दर पुरानी किताबें, समाचार-पत्र-पत्रिकाएं, समाचार-पत्रों की कटिंग, जिन्हें आपने इस लालच में सम्भालकर रख रखा है कि कभी ये आपके काम आ सकती हैं, लेकिन पिछले पांच सालों से वह आपके इस्तेमाल में नहीं आ पा रही हैं।

3. पुराने और निष्क्रिय उपकरण।

4. पुरानी ऑडियो कैसेट।

5. टूटी-फूटी हालत में उत्तम दर्शनीय वस्तुएं आदि।

6. लोहे की चीजों का कबाड़ और पुराने अखबार।

7. बन्द पड़ी घड़ियां।

8. अपने मस्तिष्क में कैद पुरानी यादें।

9. पन्द्रह साल से ज्यादा पुराने बहीखाते और अन्य रिकॉर्ड।

अगर आप अपनी जिन्दगी में आगे बढ़ना चाहते हैं या उन्नति करना चाहते हैं तो इन फालतू चीजों को बाहर निकाल दें। इन फालतू चीजों को इकट्ठा करने के लिए मनुष्य पिछड़ जाता है। इस तरह के हर टुकड़े का तार अदृश्य रूप से आपसे जुड़ा हुआ होता है। इस सबकी वजह से आपका विकास अवरुद्ध हो जाता है; क्योंकि इस संग्रह की प्रत्येक वस्तु आपके दिमाग में स्थान को घेरे रहती है, हमारे दिमाग में सिर्फ सीमित जगह होती है इसलिए हमें इन बेकार की चीजों से उसे नहीं भरना चाहिए। इसलिए जल्दी-से-जल्दी इन फालतू भौतिक एवं मानिसक वस्तुओं के संग्रह से छुटकारा पा लेना चाहिए।

193. अपने घर में सिक्कों से भरा हुआ

स्फटिक कांच का कटोरा रखें

हर मनुष्य चाहता है कि उसकी आमदनी में वृद्धि हो, वह भी रात-दिन तरक्की करे, तो इस बात के लिए भी आप फेंगशुई का सहारा ले सकते हैं। आपके मकान के उत्तर-पश्चिम दिशा के स्थान का सम्बन्ध घर के मालिक यानि रोजी कमाने वाले व्यक्ति से होता है। इस स्थान का तत्व धातु है। यहां धातु के सिक्कों से भरा हुआ स्फटिक कांच का कटोरा रखकर आप



इस स्थान की ऊर्जा में वृद्धि कर सकते हैं, लेकिन आपको इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि कटोरा किसी ऐसी जगह पर छिपाकर रखें जहां किसी की नजर उस पर न पड़े।

194. अपने किचन को साफ तथा बर्नर को अवरोधरहित बनाएं

अपनी रसोई को स्वच्छ व साफ-सुथरा रखना प्रत्येक गृहिणी का कार्य होता है। इसी प्रकार बर्नर के प्रति भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। अगर इसमें लापरवाही की गई तो इसका अन्जाम यह होता है कि वह तेल और कालिख से अवरुद्ध हो जाता है। बर्नर को समय-समय पर साफ करते रहना चाहिए। और उसे इसी प्रकार हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। अपने किचन को भी प्रतिदिन सफाई करके स्वच्छ रखना चाहिए। फेंगशुई द्वारा इसे अच्छा माना जाता है।

195. अपने घर में रोजाना साथ-साथ भोजन करें

परिवार में साथ-साथ खाने से प्रेम बढ़ता है, लोगों का कुछ ऐसा ही कहना है। फेंगशुई द्वारा पूरे परिवार के सभी लोगों को दिन में एक बार तो कम-से-कम एक साथ जरूर भोजन करना चाहिए। भोजन करने का एक समय निर्धारित कर लेना चाहिए, ताकि परिवार के सभी लोग एक ही समय एक साथ इकट्ठा हो सकें और डायनिंग टेबल पर एक साथ भोजन कर सकें।

अगर कभी-कभी ऐसा करने के लिए किसी का इंतजार भी करना पड़े तो उसका इंतजार कर लेना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों के बीच जो आपसी सम्बन्ध होते हैं वह मजबूत बनते हैं। एक बात का हमेशा ध्यान रखिए जिस परिवार के लोग एकसाथ मिल-जुलकर खाना खाते हैं वहां आपस में सभी लोगों में काफी प्रेम होता है।

196. झाड़ू-फानूस का महत्त्व

अपने घर को सजाने के लिए लोग झाड़ू-फानूस को भी लगाते हैं। अगर आप भी अपने घर में झाड़ू-फानूस लगाना चाहते हैं तो इसे घर के

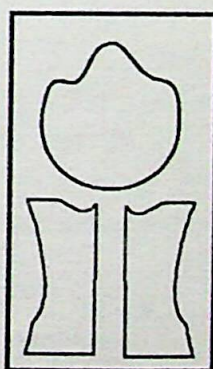
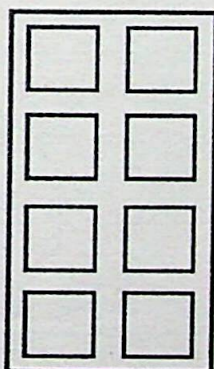
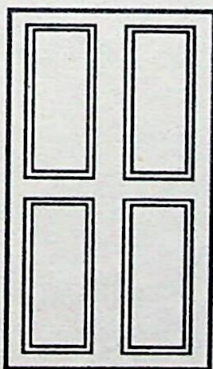


दक्षिण-पश्चिम दिशा के स्थान पर लगाना चाहिए, क्योंकि यह स्थान मिट्टी तत्व से सम्बन्धित होता है।

यह स्थान जीवन के विवाह एवं आपसी सम्बन्धों के पहलू से जुड़ा हुआ होता है। अगर आपका ड्राइंगरूम इसी दिशा में बना हुआ है तो आप इस बात का पूरा फायदा उठा सकते हैं और यहां स्फटिक का एक झाड़-फानूस लगा सकते हैं।

आप रोजाना शाम के समय इस झाड़ फानूस को कम-से-कम दो घण्टे तक जरूर जलायें। ऐसा करने से इस स्थान के पृथ्वी तत्व में अभूतपूर्व वृद्धि होती चली जाती है। ऐसा करने से आपके आपसी सम्बन्ध भी बहुत मजबूत बन जाएंगे और इसके साथ ही जो लोग अविवाहित हैं उनकी भी शादी हो जाएगी। फेंगशुई में इसकी बड़ी मान्यता है।

197. दरवाजे कैसे होने चाहिए



फेंगशुई द्वारा अगर आप अपने दरवाजों का चुनाव करते हैं तो उन्नति, सफलता और प्रगति को प्राप्त कर सकते हैं। आपके ऑफिस या घर के दरवाजे के सामने किसी भी तरह का अवरोध नहीं होना चाहिए; जैसे कि लम्बे कॉरीडोर, चौकोर-पिलर अथवा खुले हुए बीम।

आपके कमरे का दरवाजा बीच में न होकर कोने में होना चाहिए, वह भी शुभ दिशा के अन्तर्गत। अगर आपका दरवाजा शुभ दिशा में नहीं है तो हानिप्रद दिशा में तो बिल्कुल नहीं होना चाहिए।



अपने मकान के दरवाजे पर पारदर्शी शीशा नहीं लगाना चाहिए। आपके मकान की पूर्व दिशा के दरवाजों का रंग भूरा, पश्चिमी दरवाजों का रंग सफेद, उत्तरी दरवाजों का रंग काला और दक्षिणी दरवाजों का रंग औरेंज होना चाहिए। अगर स्लाईडिंग दरवाजा है तो ख्याल रहे कि वह बाहर की ओर न खुलता हो। इस बात का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है।

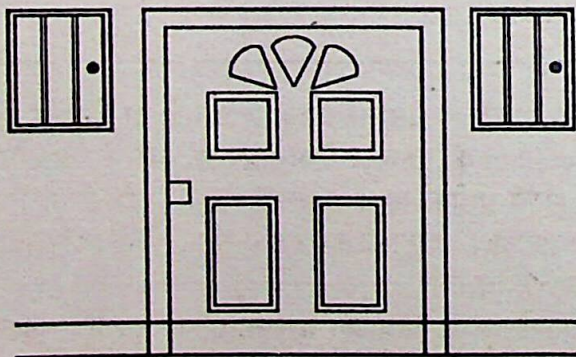
198. भाग्य में वृद्धि करने वाले विजिटिंग कार्ड

फेंगशुई द्वारा विजिटिंग कार्ड का 2×2 इंच का आकार उत्तम माना जाता है। इस कार्ड की डिजाइनिंग को इस प्रकार बनाना चाहिए कि इसका बीच वाला स्थान खाली रहना चाहिए। अगर आपको 'लोगो' आदि लगाना हो तो इसके दायीं तरफ लगवाएं तथा फोन-फैक्स नम्बर बायीं तरफ लिखें।

फेंगशुई द्वारा 'लोगो' का चयन भी कार्ड के ऊपर सावधानी के साथ ही करना चाहिए। तीखा, तीरदार अथवा त्रिकोणात्मक 'लोगो' बिल्कुल नहीं होना चाहिए। न ही कम्पनी का नाम और इसका संकेत होना चाहिए। गोल या लहरदार लोगो ही होना चाहिए।

कार्ड की छपाई करते समय एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि सफेद कार्ड पर काली या नीली स्याही से ही छपाई करानी चाहिए। कार्ड में चुभने वाले रंग बिल्कुल नहीं होने चाहिए।

199. दरवाजे के दोनों तरफ खिड़कियां

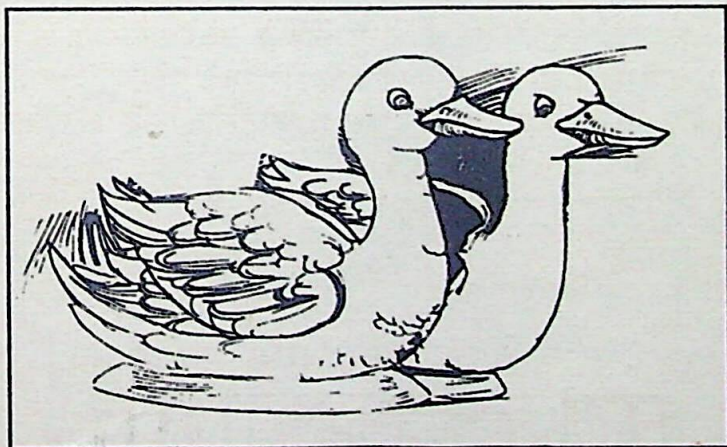




फेंगशुई द्वारा आपके दरवाजे के दोनों तरफ खिड़कियां अशुभ मानी जाती हैं। अगर आपके दरवाजे के दोनों तरफ खिड़कियां हैं और आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं चल रही है तो सोचिये आपकी सौभाग्य में वृद्धि करने वाली ऊर्जा 'ची' आपके मकान में प्रवेश करती है लेकिन खिड़कियों की वजह से टिक नहीं पाती और इसी वजह से आपको धन की तंगी रहती है।

अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अपनी खिड़की की चौखट पर गोल पत्तीदार पौधों को गमले में लगाकर रखिए। अगर आपकी चौखट छोटी है तो फिर पौधों को गमलों में लगाकर टांग सकते हैं। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय है।

200. अपने घर में रोमान्स के लिये प्रेमी-परिन्दे लगाइए



अगर आप किसी से रोमान्स करना चाहते हैं तो फेंगशुई का सहारा लीजिए। पश्चिमी देशों की परम्परा के अनुसार प्रेमी-परिन्दे प्रेम और रोमान्स एवं निष्ठा के मुख्य प्रतीक समझे जाते हैं। जबकि चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार मैंडरिन बत्तख का जोड़ा नौजवान पति-पत्नी के बीच प्रेम और रोमान्स का प्रतीक माना जाता है।

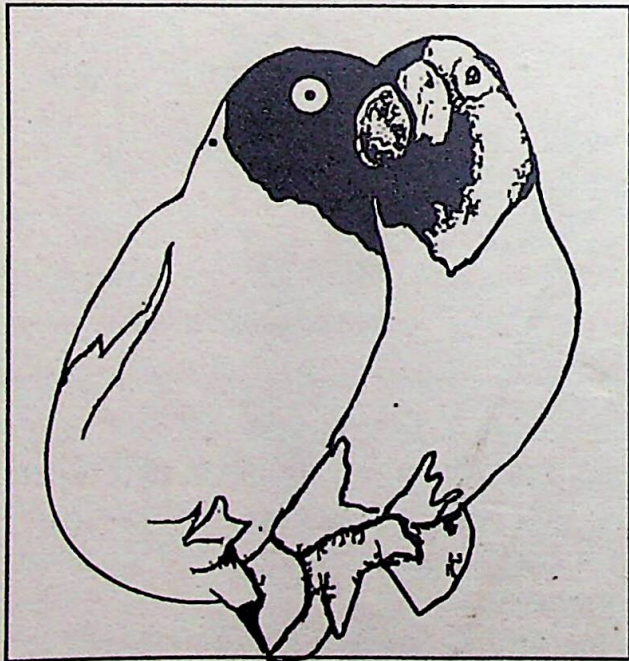
अगर आप भी अपने बीच प्रेम व रोमान्स को स्थापित करना चाहते

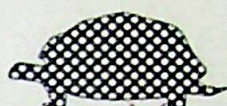


हैं तो इन्हें घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में या बैडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा के कोने में रखा जा सकता है, क्योंकि यह कोना फेंगशुई द्वारा पारस्परिक सम्बन्धों तथा रोमान्स का स्थान माना जाता है, यह आपके प्रेमभरे सम्बन्धों को और भी ज्यादा मजबूत व प्रगाढ़ बना सकता है।

अगर आपकी अभी तक शादी नहीं हुई है और आप अभी तक कुंवारे हैं तो आप इन बत्तखों की पेन्टिंग अपने बैडरूम में लगा सकते हैं या फिर एक जोड़ी बत्तख अपने बैडरूम में रख सकते हैं। लेकिन एक बात का ध्यान रहे कि आप सिर्फ बत्तखों का जोड़ा ही अपने बैडरूम में रख सकते हैं न कि सिर्फ एक बत्तख।

अगर आप एक बत्तख अपने बैडरूम में रखेंगे तो इसका अन्जाम यह होगा कि आप अकेले ही रह जायेंगे। आपकी शादी नहीं होगी, और तीन बत्तख अगर आप अपने बैडरूम में रखते हैं तो आपके वैवाहिक जीवन में किसी तीसरे व्यक्ति की भी दखलअन्दाजी हो सकती है।





अगर आप अपने विपरीत लिंग वाले व्यक्ति को आकर्षित करना चाहते हैं तो इस बात की अच्छी तरह जांच-परख कर लें कि आप बत्तख के जिस जोड़े को रखने वाले हैं, उसमें से एक बत्तख नर और दूसरी मादा होनी चाहिए। दोनों बत्तख नर न हों, या फिर दोनों ही मादा न हों।

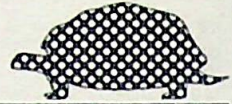
इन्हीं बत्तखों की तरह मैडरिन परिन्दे भी प्रभावशाली होते हैं। इन पक्षियों की पेन्टिंग या उनकी तस्वीरें भी लगायी जा सकती है। पिंजरे में इन पक्षियों को कभी नहीं होना चाहिए। फेंगशुई द्वारा इस बात को अच्छी तरह नहीं माना जाता है क्योंकि ऐसा करने पर व्यक्ति में महत्वाकांक्षा का अभाव होता है।

असली स्फटिक के गोलों को लगाने से पहले उनको शुद्ध करना आवश्यक है। उनसे जुड़ी हुई ऊर्जाओं को दूर करने के लिए कम-से-कम एक सप्ताह के लिए नमक के पानी में रखना चाहिए। असली स्फटिक काफी हद तक बहुत प्रभावशाली होती है, क्योंकि उन्हें विचारों के अनुसार परिवर्तित किया जा सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी जवान बेटी की शादी जल्दी-से-जल्दी व बड़ी धूमधाम के साथ हो तो आप अपने मस्तिष्क में यह कल्पना करें कि आपकी बेटी की शादी हो रही है और वह बहुत खुश है। अगर आपके मस्तिष्क में यह दृश्य उभर आता है तो आप स्फटिक का गोला उठा लाएं और इसे अपनी बायीं हथेली पर रखें।

इसके बाद आप अपनी दाहिनी हथेली से इसे ढक लें और आंखें बंद कर लें, अपनी कल्पना में वही चित्र उभारें फिर यह कल्पना आपके स्फटिक में दर्ज हो जाएगी। अब आप इसको अपने मकान के दक्षिण-पश्चिम के कोने में या अपनी बेटी के बैडरूम में लटका दें। यह स्फटिक बड़ा प्रभावशाली सिद्ध होता है, फेंगशुई द्वारा इसकी अधिक मान्यता है।

201. अपने घर में नारंगी का पौधा लगाएं

फेंगशुई में नारंगी के पौधे की बड़ी मान्यता है। इस पौधे को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। पके हुए फलों से लदे हुए नारंगी या नींबू के पेड़ सौभाग्य व सम्पन्नता की निशानी माने जाते हैं। अकसर इन पेड़ों को मकान तथा ऑफिस के दरवाजे के सामने वाले हिस्से में ही लगाया जाता



है। सुनहरी रंग की इन चमकदार नारंगियों को फेंगशुई द्वारा सोने का प्रतीक समझा जाता है। नए साल के दिनों में तो फलों से लदे हुए नारंगी के पेड़ ज्यादातर सौभाग्य के प्रतीक समझे जाते हैं।

आप भी इन पेड़ों को अपने बगीचे के दक्षिण-पूर्व कोने में लगा सकते हैं, क्योंकि आपके घर का यह स्थान सम्पत्ति का स्थान माना जाता है। अगर आप इस कोने में नारंगी का स्वस्थ तथा फल देने वाला हरा-भरा वृक्ष लगा दें तो यह फेंगशुई द्वारा बहुत ही शुभ माना जाता है।

अगर आप भी अपनी सम्पत्ति तथा सम्पन्नता में वृद्धि करना चाहते हैं तो अपने मकान या फ्लैट के बाहर दक्षिण-पूर्व दिशा में नारंगी का कृत्रिम पौधा भी रख सकते हैं। आपको ऐसे सुन्दर व कृत्रिम नारंगी के पौधे बाजार में बहुत मिल सकते हैं। जो नारंगी के असली पेड़ की तरह ही प्रतीत होते हैं, फेंगशुई द्वारा इन पौधों को लगाकर सौभाग्य में वृद्धि कीजिए।

202. अपने कैरियर लक को जगाएं

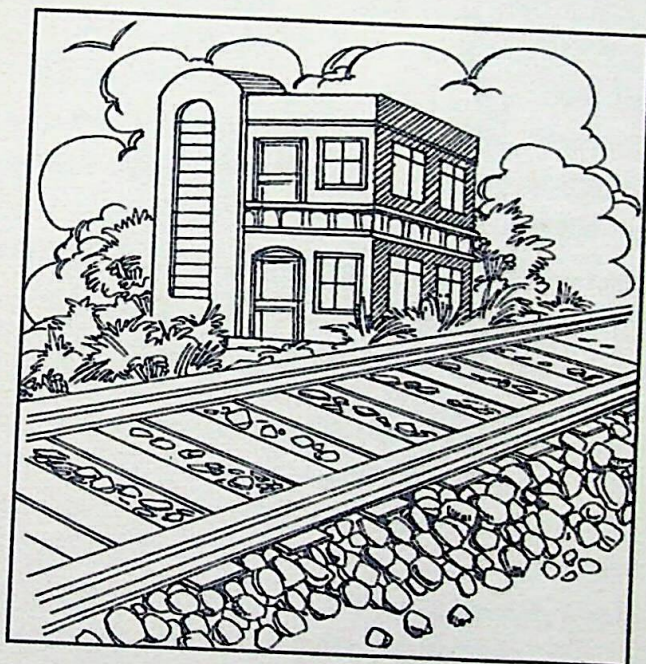
फेंगशुई द्वारा आप अपने कैरियर को बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आपके मकान अथवा घर का उत्तर-पूर्वी कोना कैरियर का प्रतीक माना जाता है, इसलिए आप इसको हमेशा शुभ ऊर्जाओं से युक्त रखने की कोशिश करें।

अगर आपके घर की उत्तर-पूर्व दिशा बैडरूम है तो उसे ऐसे ही रहने दें। इसके अतिरिक्त अपने ड्राइंगरूम के उत्तर-पूर्व भाग को सक्रिय करने की कोशिश करें। आपके मकान की उत्तर-पूर्व दिशा में टॉयलेट कदापि नहीं होना चाहिए।

अगर आपकी इस दिशा में टॉयलेट है तो फेंगशुई द्वारा इसका उपयोग न करें बल्कि इसे हमेशा के लिए बन्द करा देना चाहिए। अगर ऐसा करना मुमकिन न हो तो वहां नदियों में पाये जाने वाले कुछ गोल पत्थर रख दें, ये पत्थर वहां की बुरी और नकारात्मक 'ची' ऊर्जा के प्रतिकूल प्रभाव को घटा देता है। फेंगशुई द्वारा यह एक सरल उपाय होता है।



203. मकान के पास से गुजरती रेलवे लाइन



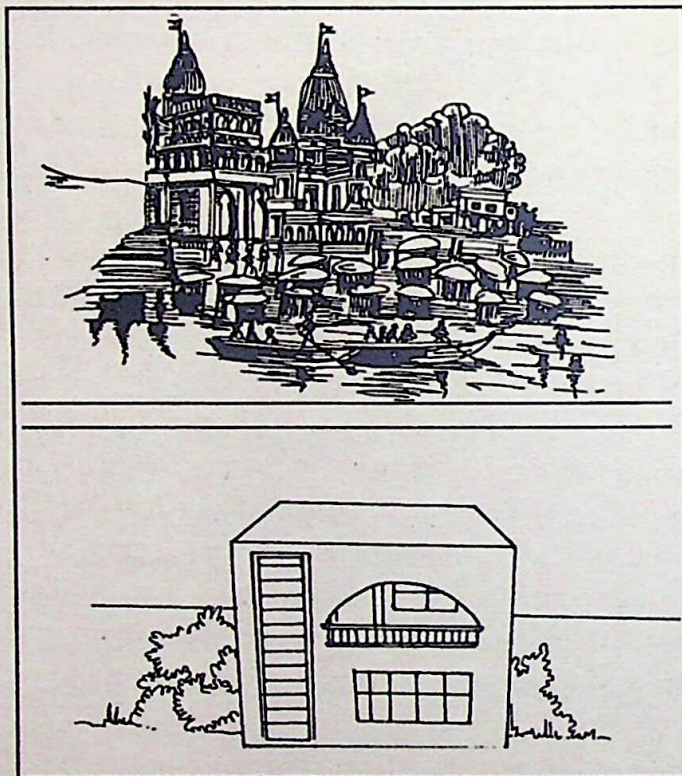
फेंगशुई द्वारा यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती। कई बार मकान इस प्रकार बने होते हैं कि वह फलाइओवर अथवा ऊंचाई से गुजर रही रेलवे लाइन के घुमाव के सामने स्थित होता है अथवा शयनकक्ष रेलवे लाइन या सड़क के समान स्तर पर होता है।

ऐसी हालत में घर में रहने वाले लोगों का खर्च पर नियन्त्रण नहीं रहता और उनकी आर्थिक हालत डाँवाडोल बनी रहती है। उनकी हालत ऐसी हो जाती है, जैसे खुद अपने पैरों में कुल्हाड़ी मार ली हो।

उस समस्या से छुटकारा पाने के लिए फेंगशुई द्वारा घर की बाहरी दीवार पर उस घुमाव के सामने से एक उत्तल दर्पण लगा दें। यह दर्पण घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा 'ची' के प्रवाह को परावर्तन करके उसे वापस लौटा देता है। फेंगशुई द्वारा यह सरल उपाय है।



204. धार्मिक स्थल के सामने बना मकान



फेंगशुई द्वारा आपके मकान के सामने कोई भी धार्मिक स्थल नहीं होना चाहिए, यह स्थिति फेंगशुई द्वारा अशुभ मानी जाती है।

अगर आपके मकान के सामने कोई धार्मिक स्थल है तो इससे घर में रहने वाले लोगों को बहुत अधिक गुस्सा आता है और वह घर में चहल-पहल होने के बावजूद भी अकेलेपन का अनुभव करते हैं।

अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो अपने घर के बाहर एक उत्तल दर्पण लगा दें। यह दर्पण सामने से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा 'ची' को आपके मकान में प्रवेश नहीं करने देता।



205. अपने शौचालय का दरवाजा हमेशा बन्द रखें

प्राचीन समय में लोग शौचालय अपने घर के बाहर बनाया करते थे। यह रिवाज प्राचीन समय में बहुत ही अच्छा था, क्योंकि शौचालय एक ऐसा स्थान है जहां हम अपने शरीर का मल-मूत्र त्यागते हैं। यह स्थान बहुत-सी बीमारियां पैदा करता है तथा अनेकों कीटाणुओं से भरा हुआ होता है।

शौचालय में हमेशा गन्दा पानी बचा हुआ होता है, इसी कारण शौचालय प्रत्येक घर में बुरी ऊर्जा का प्रमुख स्रोत होता है। यह पाकुआ के अनुसार दर्शायी गयी जीवन की अभिलाषाओं को बुरी तरह प्रभावित करता है।

घर के अन्दर जहां-जहां इसका स्थान होगा वहीं इसका बुरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए शौचालय हमेशा परिवार में धनोपार्जन करने वाले व्यक्ति के दुर्भाग्य वाले स्थान में बनाना चाहिए।

आजकल के समय में ज्यादातर लोग शौचालय घर के अन्दर ही बनाते हैं। इसलिए आप कम-से-कम इतना ध्यान अवश्य रखें कि अगर शौचकूप का प्रबन्ध न किया गया हो तो उसका ढक्कन हमेशा बंद रखें।

सिर्फ प्रवेश करते समय और बाहर आते समय ही इसका दरवाजा खुलना चाहिए। इस प्रकार वहां की गन्दी ऊर्जा अच्छी ऊर्जा में मिलकर उसको गन्दी नहीं कर पायेगी। इसके अलावा अपने शौचालय में कम-से-कम सप्ताह में एक बार तो फिनायल का प्रयोग जरूर ही करना चाहिए।

शौचघरों को सादा ही रखना चाहिए, आजकल शौचालयों को सजाने का प्रचलन कुछ बढ़ता ही जा रहा, मगर यह ठीक नहीं है।

206. अपने घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में हरियाली वाला चित्र लगाएं

आपके अपने घर के दक्षिण-पूर्व दिशा का कोना सम्पत्ति का कोना माना जाता है। इस स्थान में हरियाली से परिपूर्ण पहाड़ों से रहित जंगल आदि के चित्र लगाइए। ऐसा करने से आपकी सम्पन्नता में वृद्धि होगी, इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इस तरह का चित्र काष्ठ तत्व का प्रतीक होता है और दक्षिण-पूर्व का स्थान काष्ठ तत्व से सम्बन्धित है।

अगर आपका यह स्थान आपके बेडरूम में पड़ता हो तो इस बात का

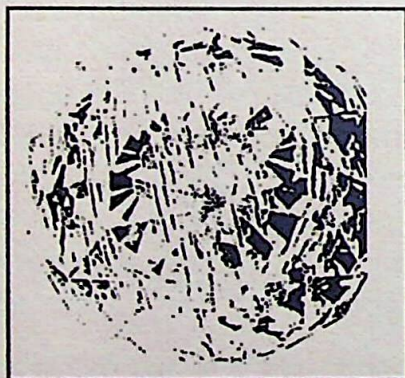


खास ख्याल रखना चाहिए कि जंगल के इस चित्र में पानी का दृश्य न हो, अगर चित्र में पानी का चित्र हो तो इस चित्र को आप अपने ड्राइंगरूम के दक्षिण-पूर्व दिशा वाले स्थान में भी लगा सकते हैं। फेंगशुई द्वारा इससे आपके ड्राइंगरूम का सम्पत्ति वाला स्थान समृद्ध बनता है।

फिर आप देखना कि अपने आपको कितना स्वतन्त्र महसूस करेंगे। जिस तरह से साधु अपने अध्यात्मिक विकास के लिए सामाजिक बन्धनों से मुक्ति पा लेता है उसी तरह आपको भौतिकवादी प्रगति के लिए इन वस्तुओं से जल्दी-से-जल्दी छुटकारा पा लेना चाहिए।

इन फालतू चीजों से छुटकारा पा लेने के बाद आप फिर एक अगरबत्ती रोजाना अपने घर में जलाएं। अगर आप चाहें तो पूजा करने के बाद अपने पूरे घर में घंटी भी बजा सकते हैं।

207. मधुर सम्बन्धों और प्रेम के लिए स्फटिक के गोले का इस्तेमाल करें



स्फटिक का गोला

हर व्यक्ति चाहता है कि वह भी प्रेम करे, उससे भी कोई प्यार करे। फेंगशुई द्वारा आपके घर के दक्षिण-पश्चिम दिशा का कोना प्रेम, रोमांस तथा स्नेह से सम्बन्धित होता है। इस स्थान का तल मिट्टी है।

अगर आप इस स्थान की शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो इसका सरल उपाय असली स्फटिक के दो गोलों का इस्तेमाल करना है, यह एक श्रेष्ठतम उपाय



है। असली स्फटिक की वजह से आपके बैडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा का कोना सक्रिय हो जाता है और वह प्रिय लोगों के साथ आपके सम्बन्धों में सामंजस्य स्थापित कर घर में सुख-शान्ति लाता है।

अगर ड्राइंगरूम में आप ऐसा करेंगे तो पूरे परिवार के स्नेह सम्बन्धों में बढ़ोत्तरी होती है।

208. सोने का तरीका

फेंगशुई द्वारा ठीक प्रकार सोने और गहरी व शांतिदायक नींद लेने के लिए आपके बैडरूम को उचित दिशा में होना चाहिए। वही दिशा शुभ दिशा कहलाएगी।

फेंगशुई द्वारा आपके बैडरूम के बैड की सही स्थिति कुछ इस तरह होनी चाहिए कि आपका सिर उत्तर दिशा की ओर हो। यह इसलिए आवश्यक है ताकि शुभ ऊर्जाएं आपका स्पर्श करें, लेकिन एक बात का हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि आपके पैर दरवाजे की तरफ न हों।

अगर आप इस तरह सोएंगे तो फेंगशुई द्वारा आपके कारोबार और कैरियर में आने वाली बाधाएं दूर हो जाएंगी।

209. कोल्ड ड्रिंक पीने से इन्कार न करें

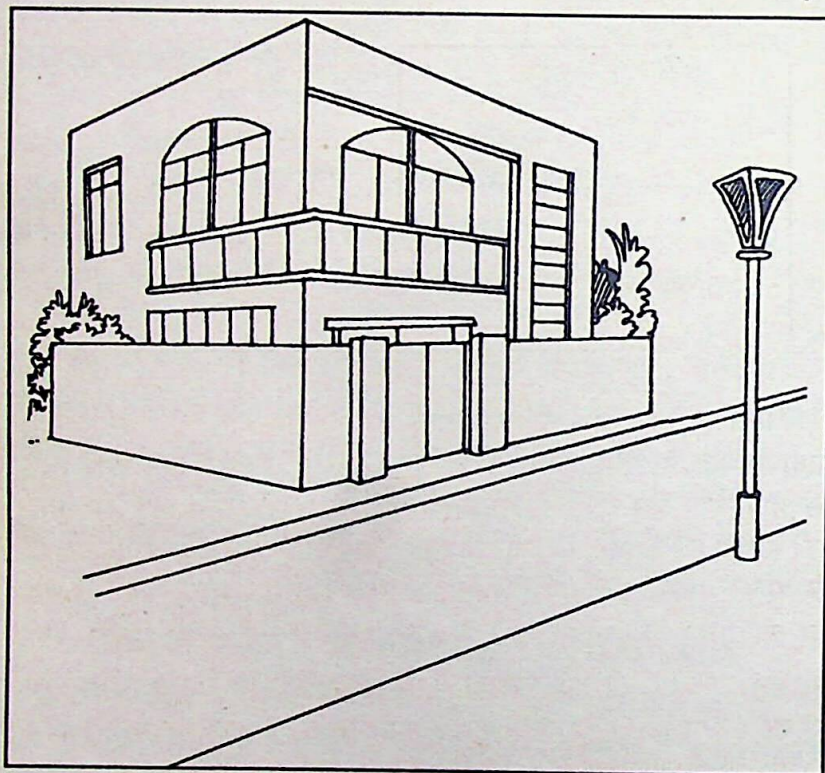
आजकल के इस आधुनिक युग में उच्चवर्गीय और मध्यमवर्गीय लोगों में कुछ खास मौकों पर कॉकटेल पार्टियों का रिवाज आम-सा बनता जा रहा है। इन पार्टियों के अवसर पर मेजबान खुद मेहमानों को कोल्डड्रिंक्स ऑफर करते हैं।

फेंगशुई द्वारा जब कोल्डड्रिंक्स के लिए ऑफर किया जाए तो उसके पीने से इन्कार नहीं करना चाहिए। जो लोग शराब नहीं पीते हैं उन लोगों को कोल्डड्रिंक, जूस या सादा पानी ले लेना चाहिए। लेकिन किसी भी स्थिति में इन्कार करना सही नहीं माना जाता है।

फेंगशुई द्वारा जो व्यक्ति ऐसा करते हैं उनकी वापसी यात्रा में कोई अड़चन पैदा नहीं होती। मेजबान द्वारा ऑफर किए गए ड्रिंस से इन्कार कर देना अपने दुर्भाग्य को आमन्त्रित करना है।



210. लैम्पपोस्ट घर के सामने नहीं होना चाहिए

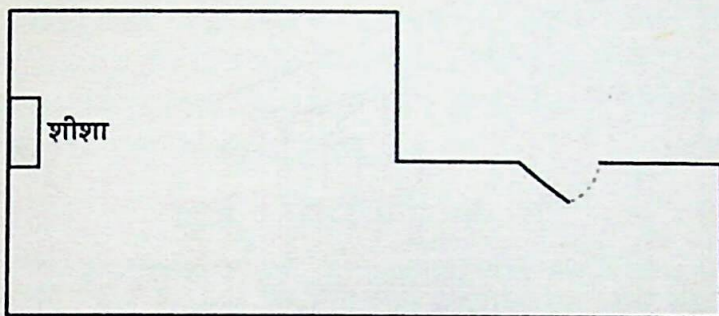


फेंगशुई द्वारा आपके मकान के सामने लैम्पपोस्ट का होना अच्छा नहीं माना जाता है। अगर आपके मकान के मुख्य दरवाजे के ठीक सामने बिजली का खम्भा हो तो परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य कमजोर होता चला जाएगा और उनको हर समय कानून-व्यवस्था का डर लगा रहेगा।

अगर आप इस समस्या का समाधान चाहते हैं तो अपने मुख्य दरवाजे पर एक उत्तल दर्पण लगाकर इस समस्या से छुटकारा पा लें। यह दर्पण बिजली के खम्भे से होने वाले परावर्तन को ग्रहण कर उसे आपके मकान में प्रवेश करने नहीं देता।



211. आकृति का सूत्र



चीनी वास्तुशास्त्र द्वारा कुछ आकृतियां दूसरी आकृतियों की अपेक्षा ज्यादा लाभदायक मानी जाती हैं। व्यक्तिगत कमरों या पूरी इमारत के लिए कुछ आकृतियां जैसे चतुर्भुज, आयत या गोलाकार आकृतियां बड़ी शुभ मानी जाती हैं। लेकिन व्यावहारिक तौर से कमरों तथा इमारतों में कठिन आकृतियां, जैसे 'एल' आकृति का कमरा बनाया जाता है। साधारणतया यह नीचे बने चित्र की भांति होता है।

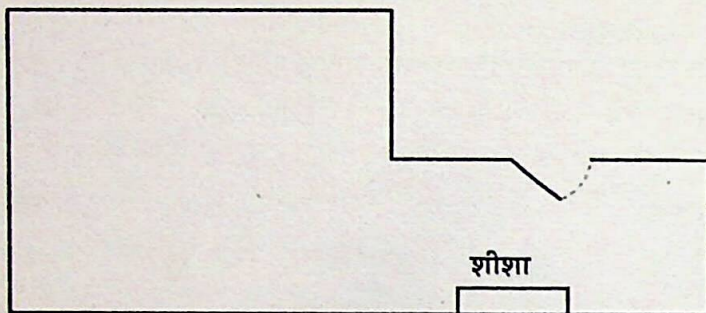
इस आकृति की वजह से ही कमरे का एक भाग गायब है इसलिए यहां पर शक्ति का प्रवाह बहुत ही कमजोर पाया जाता है। दिए गए चित्र में उत्तर-पूर्व भाग गायब है, क्योंकि यह भाग उत्साह और ज्ञान का प्रतीक समझा जाता है इसलिए वहां पर रहने वाले परिवार के सदस्यों में विशेषताओं का अभाव पाया जाता है।

अगर आप इस कमी को पूरा करने के इच्छुक हैं तो विपरीत दिशा में एक शीशा टांगकर इस कमी को पूरा कर सकते हैं। जैसा कि चित्र में दर्शाया गया है। यह शीशा आपको कमरे में पूर्णता का आभास कराने में सहायता करेगा और 'ची' को उत्तर-पूर्व की तरफ प्रवाहित करने में सहायता करेगा, जो कमरे में एक आयत की आकृति को भी प्रदान करेगा।

अपने कमरे में एक शीशा दरवाजे की विपरीत दिशा में लगाकर इसको



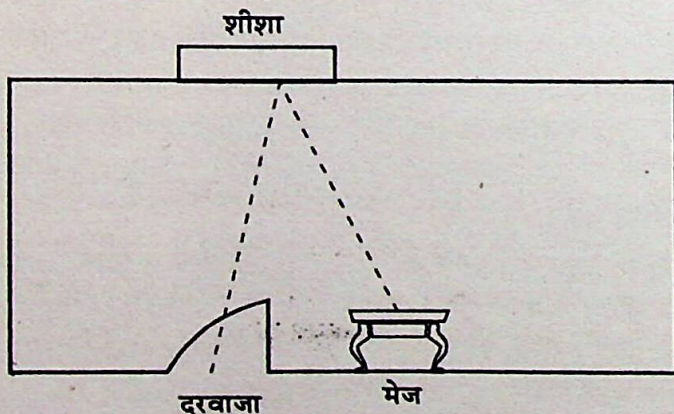
इसी प्रकार का आभास प्रदान कर सकते हैं।



जिस समय हम कमरे को व्यक्तिगत रूप से देखते हैं तब हम देखेंगे कि कैसे हम अलग-अलग हालातों में आकृतियों का प्रयोग कर सकते हैं। तब तक हमें दिमाग में यह बात रखनी है कि चतुर्भुज, आयत तथा गोलाकार आकृतियां कमरों के लिए ज्यादा फायदेमन्द हैं।

212. दरवाजे का सूत्र

चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार सर्वव्यापी घर के सदस्यों को हमेशा कमरे का दरवाजा दिखाई देना चाहिए।



चाहे वह कोई भी कमरा क्यों न हो, शायद यह इसलिए भी हो सकता है कि प्राचीन समय में लोग हमेशा अपने दरवाजे पर निगरानी रखते थे जिससे



कोई चोर-डाकू घर में न घुसे या फिर कोई शत्रु आक्रमण न कर दे। लेकिन यह परम्परा आज भी लागू है। अधिकांशतया ऐसा भी होता है कि आप अपना सोफा अथवा कुर्सी उस जगह नहीं लगा सकते जहां से आपको दरवाजा दिखाई दे सके। लेकिन अगर इस प्रकार की स्थिति न हो तो शीशे को ऐसी जगह टांगना चाहिए जहां से वह दरवाजे का नजारा दिखा सके और आपको पता चल जाए कि किसने प्रवेश किया है।

213. खिड़कियों का सूत्र

चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई द्वारा खिड़कियां काफी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, क्योंकि उन्हीं के जरिये तो सूरज की रोशनी कमरे के अन्दर पहुंचती है। इस प्रकार 'ची' ऊर्जा रोशनी के रूप में कमरे में प्रवाहित होती है।

फेंगशुई द्वारा खिड़की जितनी बड़ी होती है उतनी ही अच्छी मानी जाती है। लेकिन अगर जरूरत से ज्यादा रोशनी अन्दर आयेगी जैसे कि आपके बैडरूम में रोशनी ज्यादा होगी तो वहां रहने वालों के लिए सोना ही मुश्किल हो जायेगा। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप इन खिड़कियों पर भारी पर्दे या फिर चिक भी टांग सकते हैं।

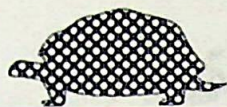
अगर आपके कमरे की खिड़कियां छोटी हैं तो उसके सामने आप एक बड़ा शीशा टांगकर इससे ज्यादा-से-ज्यादा रोशनी कमरे में लाई जा सकती है। यह करने से जो कमरे ज्यादा अंधकारमय रहते हैं उनमें भी 'ची' का प्रवेश सरलता से हो सकता है।

214. बुनियादी उपचार

जो लोग फेंगशुई का प्रयोग करना जानते हैं उनके लिए इन उपचारों का प्रयोग घरों में 'ची' को बढ़ाने के लिए भी किया जाता है। अधिकतर इनमें रोशनी, शीशे, आवाज, सदृश्य पदार्थ जीवन, परिवर्तन, पानी तथा रंग सम्मिलित हैं।

215. प्रकाश का सूत्र

फेंगशुई द्वारा रोशनी का काफी महत्व होता है तथा इसे कमरे में वृद्धि

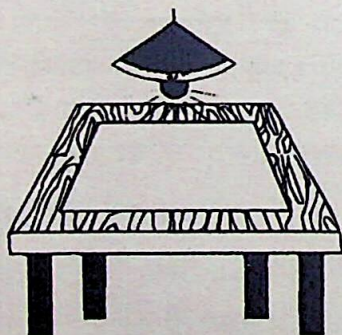


लाने के लिए अनेक रूपों में भी प्रयोग किया जा सकता है। जितना सम्भव हो सके प्राकृतिक रोशनी को ही अधिक महत्त्व दिया जाता है, क्योंकि सूर्य से भी एक अलग 'ची' निकलती है जो कि वायुमण्डल तथा वातावरण में अपना असर दिखाती है।

इसी वजह से लोग चमकीले सूर्य के दिनों में बादलों से घिरे दिन की अपेक्षा काफी खुश रहते हैं। ज्यादातर आपको गहरे रंग के पर्दों का चुनाव करने से बचना चाहिए, क्योंकि यह सूर्य की रोशनी को अपने ही अन्दर सोख लेते हैं। चाहे वह खुले हुए भी क्यों न हों।

घर में हमेशा हल्के रंग के पर्दे ही लगाने चाहिए; जैसे क्रीम कलर के पर्दे; जो कमरे में प्राकृतिक रोशनी लाने में मदद करते हैं, कमरे में जान डाल देते हैं। पर्दों से ज्यादा लाभदायक चिक होती है क्योंकि दिन के समय इनको ऊपर भी किया जा सकता है, इससे अधिक-से-अधिक सूर्य की रोशनी आपके कमरे में प्रवेश कर सकती है।

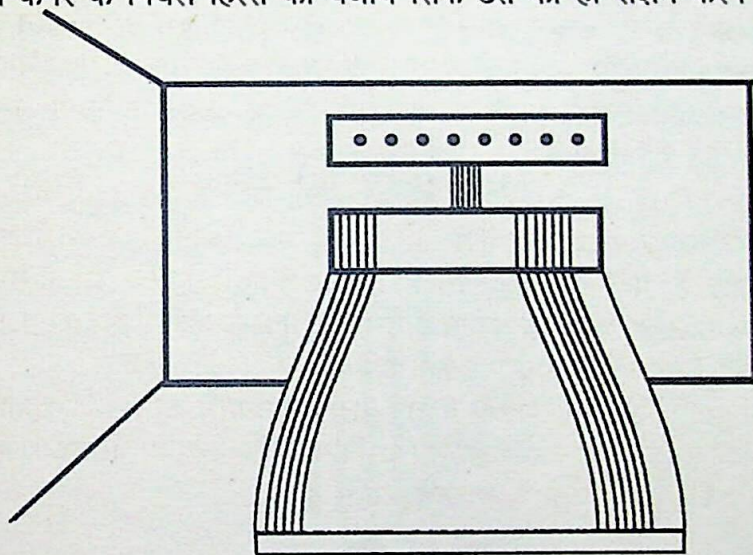
इस प्रकार जहां आपको बहुत ज्यादा काम करने की जरूरत पड़ती है उस स्थान पर तेज रोशनी का प्रबन्ध किया जा सकता है, क्योंकि रोशनी यांग शक्ति का अच्छा स्रोत मानी जाती है।



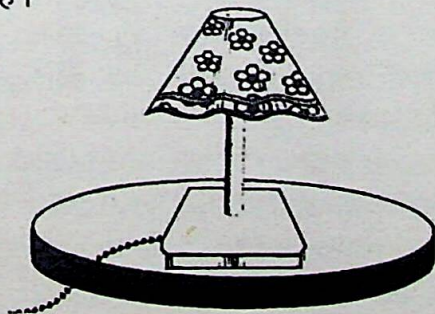
आपके कमरे में जितनी अधिक यांग शक्ति का संचार होगा आपका कमरा उतना ही क्रियाशील होगा। फेंगशुई द्वारा क्रियाशील यांग शक्ति का संचार बहुत सारे बल्ब जलाकर भी किया जा सकता है। जैसे एक मेज के ऊपर रोशनी का होना मनुष्य को अपने काम पर ध्यान देने में बड़ी सहायता प्रदान करता है।



जिन कमरों के अन्दर आप सोना पसन्द करते हैं वहां यिन शक्ति का संचार होना आवश्यक है, इसलिए ऐसी जगहों पर तेज रोशनी का प्रबन्ध नहीं होना चाहिए। ऐसी जगहों पर ऐसी रोशनी का इन्तजाम होना चाहिए जो कमरे के निचले हिस्से की बजाय सिर्फ छत को ही रोशन करे।



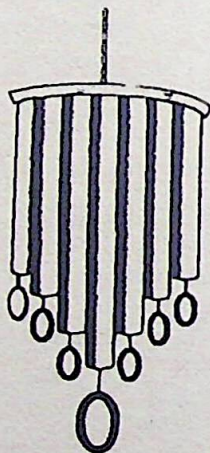
जो आपके दूसरे कमरे हैं जो ज्यादातर खेलने तथा आराम करने के उपयोग में आते हैं उनके अन्दर सन्तुलित प्रकाश का इन्तजाम होना चाहिए। इस प्रकार इसमें यिन और यांग का बराबर सन्तुलन बना रहेगा और वातावरण में शान्ति का संचार रहेगा। जो आपके लिए हर प्रकार के उद्देश्य के लिए उपयुक्त रहता है।





अपने कमरे में कम प्रकाश वाले स्विच को लगाना चाहिए इसके लगाने से आप प्रकाश को कम तथा ज्यादा भी कर सकते हैं। ज्यादातर रोशनी की जरूरत उन मकानों में रहती है, जहां पर छतें नीची तथा अंधेरे कोने ज्यादा होते हैं। छत की तरफ रोशनी होने से कमरे में 'ची' को उठाना ज्यादा आसान और फायदेमन्द होता है। इन अंधेरे कमरों के लिए मोमबत्ती या लैम्प का प्रयोग किया जा सकता है। इस प्रकार आप धीरे चलती हुई 'ची' को उत्तेजित भी कर सकते हैं।

216. ध्वनि का सूत्र



अभी आपने प्रकाश के बारे में काफी कुछ जाना है। प्रकाश एक दिखाई देने वाला तत्व होने की वजह से फेंगशुई में बड़ा महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार ध्वनि है, क्योंकि यह भी रोशनी की तरह ही शक्ति का संचार करती है। फेंगशुई द्वारा किसी भी ध्वनि का कम्पन उसके आसपास की 'ची' ऊर्जा की शक्ति को प्रभावित करती है।

फेंगशुई द्वारा कठोर ध्वनि 'ची' ऊर्जा के प्रभाव को विपरीत दिशा में प्रभावित करती है तथा यह कभी भी फायदेमन्द साबित नहीं होती। उधर दूसरी ओर साफ तथा साधारण ध्वनि 'ची' के प्रवाह को अवरुद्ध नहीं करती है।

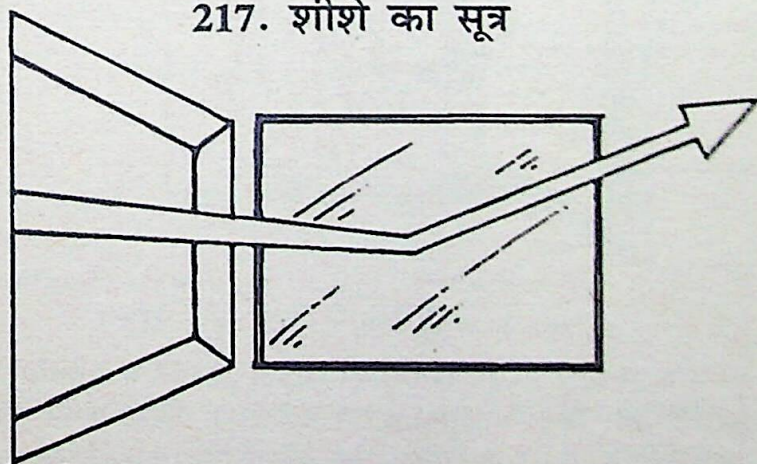


इसी तरह ध्वनि की जगह घन्टी बजाकर लाभ उठाया जा सकता है। हर घण्टी मनचाहा परिणाम देती है। लेकिन धातु वाली घण्टी अपनी अधिक आवाज की वजह से उतनी लाभकारी सिद्ध नहीं होती। आप इन घण्टियों को उस स्थान पर लगा सकते हैं जिस स्थान पर हम 'ची' को ज्यादा-से-ज्यादा उत्तेजित करना चाहते हैं।

फेंगशुई द्वारा घण्टी को कमरे की दक्षिण दिशा में ही लगाना चाहिए, क्योंकि दक्षिणी दिशा की शक्ति व्यक्ति में प्रेम तथा सामाजिक स्तर को उत्तेजित करने में सक्षम होती है। यह शारीरिक सम्बन्ध बनाने तथा सामाजिक और व्यापारिक स्तर में उन्नति के लिए भी लाभदायक है।

इसी प्रकार अगर आप अधिक-से-अधिक धन कमाना चाहते हैं तो इसे कमरे के दक्षिणी-पूर्वी भाग में टांगिए जो इन सब विशेषताओं पर राज करती है। अपने जीवन के उन हिस्सों को देखिए जिन्हें सुधार की आवश्यकता है और उसी के अनुसार अपनी घण्टियों की स्थिति भी चुन लीजिए।

217. शीशे का सूत्र



फेंगशुई द्वारा शीशों को काफी महत्त्व दिया जाता है। शीशों का उपयोग कमरों की आकृति को सन्तुलित करने के लिए किया जाता है।

आप इस शीशे का उपयोग दरवाजे से आने-जाने वालों को देखने के लिए भी कर सकते हैं। यह तो सिर्फ शीशों के उपयोग के लिए सलाह है,

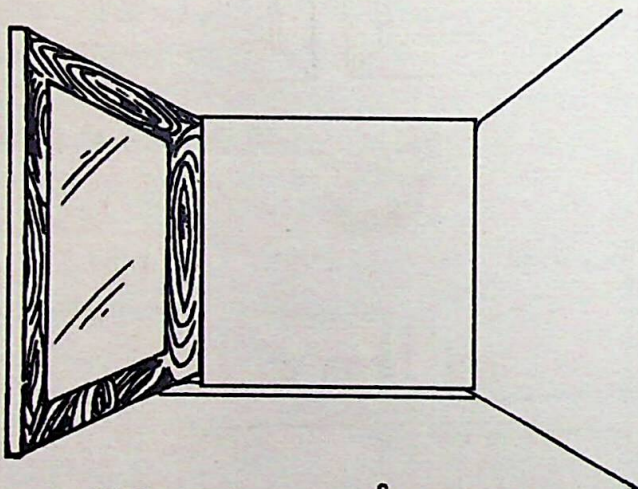


इसके अन्य दूसरे काफी और भी उपयोग हैं।

शीशों को खिड़की के पास और ज्यादा प्राकृतिक रोशनी लाने के लिए टांगा जा सकता है।

अगर शीशे के अन्दर कोई प्राकृतिक प्रतिबिम्ब है जैसे कि पेड़-पौधे, पहाड़ या पानी तो यह शक्ति-संचार करने के लिए बहुत फायदेमन्द साबित होता है।

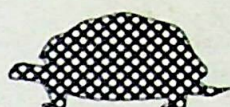
आप शीशे का प्रयोग अपने छोटे कमरे को बड़ा दर्शाने के लिए भी कर सकते हैं। अगर आपका वायरूम छोटा है तो आप शीशे का प्रयोग करके उसको भी दोगुना आकार का दर्शा सकते हैं।



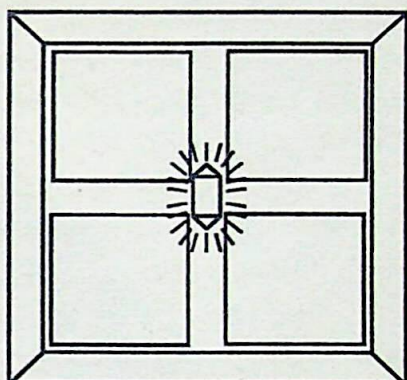
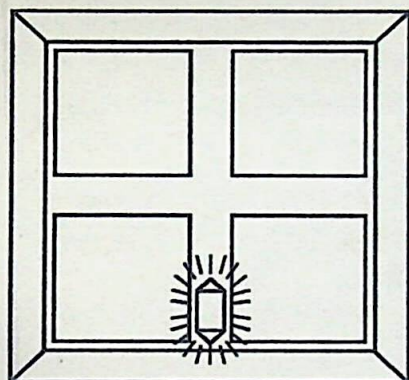
218. सदृश्य पदार्थ का सूत्र

फेंगशुई द्वारा सदृश्य पदार्थ प्रकृति की बैटरी माने जाते हैं। इन पदार्थों में शक्ति को रखने की और उसे संचार करने की काफी क्षमता होती है। इन पदार्थों का उपयोग नकारात्मक 'ची' को सकारात्मक करके उसे सन्तुलित बनाने में किया जाता है।

सदृश्य पदार्थ प्रिज्म की तरह कार्य करते हैं। इन्हें खिड़की के सामने लगाकर अधिक-से-अधिक प्राकृतिक रोशनी को आकर्षित किया जा सकता है। जिन कमरों में प्राकृतिक रोशनी की कमी पायी जाती है उन कमरों में

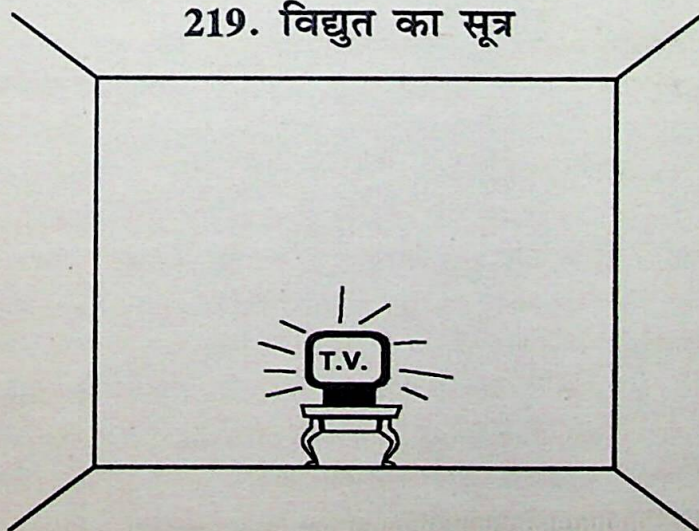


इनका उपयोग बड़ा फायदेमन्द साबित होता है।



इनका आकार हमारे ऊपर निर्भर करता है। जितने बड़े क्रिस्टल होंगे उतनी ही ज्यादा रोशनी देंगे—और माहौल को खुशगवार बनाने में सहायता प्रदान करेंगे। छोटे क्रिस्टलों का उपयोग टांगने के लिए या 'ची' को उत्तेजित करने वाले हवा के झोंकों को और भी ज्यादा फैलाने के लिए किया जाता है।

219. विद्युत का सूत्र





फेंगशुई द्वारा विद्युत उपकरणों का उपयोग भी आपके घर में 'ची' को प्रवाहित करने में सहायक सिद्ध होगा। आपके कमरे के दक्षिण-पूर्वी भाग में टेलीविजन या कम्प्यूटर का होना भी परिवार में धन और सम्पन्नता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है और इसके साथ-साथ यह आपकी कलात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाता है।

फेंगशुई द्वारा इन उपकरणों से निकली शक्ति आसपास फैली 'ची' को सन्तुलित करती है। इसी प्रकार अन्य स्थानों में भी परकार के बिन्दुओं के अनुसार विद्युत उपकरणों का प्रयोग लाभदायक सिद्ध होता है।

आपके कमरे के दक्षिण दिशा वाले स्थान में रेडियो का होना उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि यह आपकी शक्ति के स्तर को बढ़ाने में आपकी मदद करेगा। जबकि आपके कमरे के पूर्व दिशा वाले स्थान में टी०वी० का होना उत्तम माना जायेगा। इससे आपके स्वास्थ्य तथा मानसिक दृष्टि पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

220. जीवित वस्तुओं का सूत्र

फेंगशुई द्वारा जीवित वस्तुएं 'ची' को उत्तेजित करने का एक लाभदायक स्रोत होती हैं। इस वजह से उन वस्तुओं को घर में लाना 'ची' उत्साहित करना है। घर के आस-पास पौधों का लगाना भी 'ची' को उत्तेजित करने का बड़ा उत्तम उपाय है। लेकिन इसके लिए पौधों को काफी देखभाल की आवश्यकता पड़ती है। जिन पौधों के पत्ते किसी कारणवश मुरझा जाते हैं या फिर पीले पड़ जाते हैं तो नकारात्मक 'ची' को घर में आमन्त्रित करते हैं।

अगर आपके मकान के आस-पास पेड़-पौधे नहीं हैं तो आप कृत्रिम पौधों का सहारा ले सकते हैं। यह भी 'ची' के जीवन का प्रतीक माने जाते हैं और जिन्दा पौधों की तरह कार्य करते हैं। लेकिन इनमें सांस और जान की कमी की वजह से यह जिन्दा पौधों की तरह प्रभाव नहीं दिखा पाते।

इनके रखने का बस एक फायदा यह है कि इन्हें देखभाल की कोई आवश्यकता नहीं होती। इन्हें तो सिर्फ हफ्ते या महीने में साफ करने की आवश्यकता पड़ती है फिर से ये नये-तरोताजा हो जाते हैं।



अपने कमरे में आप जिस शक्ति का संचार करना चाहते हैं यिन या यांग उसी प्रकार के पौधे आप अपने घर में लाकर लगाइए। जिन पौधों के पत्ते नुकीले और चमकदार होते हैं वह पौधे यांग शक्ति का संचार करते हैं, ये शक्ति उन लोगों को लाभ पहुंचाती है जो कर्म में विश्वास रखते हैं—और जिन पौधों में गोल पत्ते होते हैं वह यिन शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं और आरामदायक वातावरण को उत्पन्न करते हैं।

आप अपने मकान में पौधों को चाहे जिस स्थान पर भी रख सकती हैं, हर स्थान पर आप इनसे लाभ उठा सकती हैं। मगर उन्हें कमरे में कुछ स्थानों पर रखने से बहुत ज्यादा लाभ उठाया जा सकता है। अगर आप अपने मकान के कार्यालय के दक्षिण-पूर्व दिशा में पौधे को रखें तो यांग शक्ति आपके धन और कला में वृद्धि करेगी। इसी प्रकार परिवार के बैठने के कमरे में पश्चिमी भाग में यिन पौधे का होना पारिवारिक सम्बन्धों को दृढ़ता प्रदान करना है।

अगर आप अपने कमरे को और भी ज्यादा क्रियाशील बनाना चाहते हैं, उसमें और भी ज्यादा 'ची' का प्रवाह करना चाहते हैं तो अपने कमरे में मछलियों का जलाशय रखिए। इससे आपके कमरे में हर समय स्वस्थ 'ची' का प्रवाह होता रहेगा। चीनी वास्तुशास्त्र के अनुसार मछलियों का जलाशय अपने रीति-रिवाज तथा सौभाग्य को बढ़ाने के लिए किया जाता है।

मछलियों का जलाशय काफी हद तक लाभ पहुंचाता है, वैसे तो इसे आप कहीं भी रख सकते हैं मगर जिस क्षेत्र को आप उभारना चाहते हैं इसे उसी जगह पर रखें तो इसका प्रभाव काफी तेज होगा।

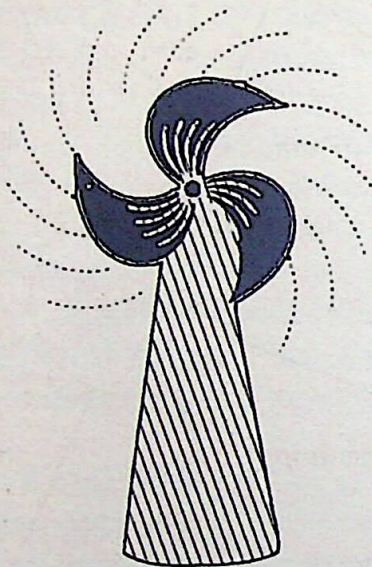
221. परिवर्तन का सूत्र

फेंगशुई द्वारा परिवर्तन भी 'ची' को प्रवाहित करने का प्रतीक माना जाता है और नकारात्मक व गलत प्रवाहित हो रही 'ची' को रोक देना है। इसी वजह से फेंगशुई का प्रयोग करने वाले मोबाइलों को ऐसी जगह पर टांगते हैं जो वहां पर रह रहे लोगों के लिए मददगार हो।

जिस प्रकार मकान का उत्तर-पश्चिम दिशा का स्थान नेतृत्व, संगठन



प्रवृत्ति का प्रतीक माना जाता है या फिर दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र अच्छे सम्बन्धों को स्थापित करने का प्रतीक माना जाता है।



आपके कमरे का वह सामान जिसमें आप परिवर्तन करना चाहते हैं, उसे इन मोबाइलों के साथ रखा जा सकता है; जैसे एक छोटी-सी बैटरी या फिर Mains operated windmill.

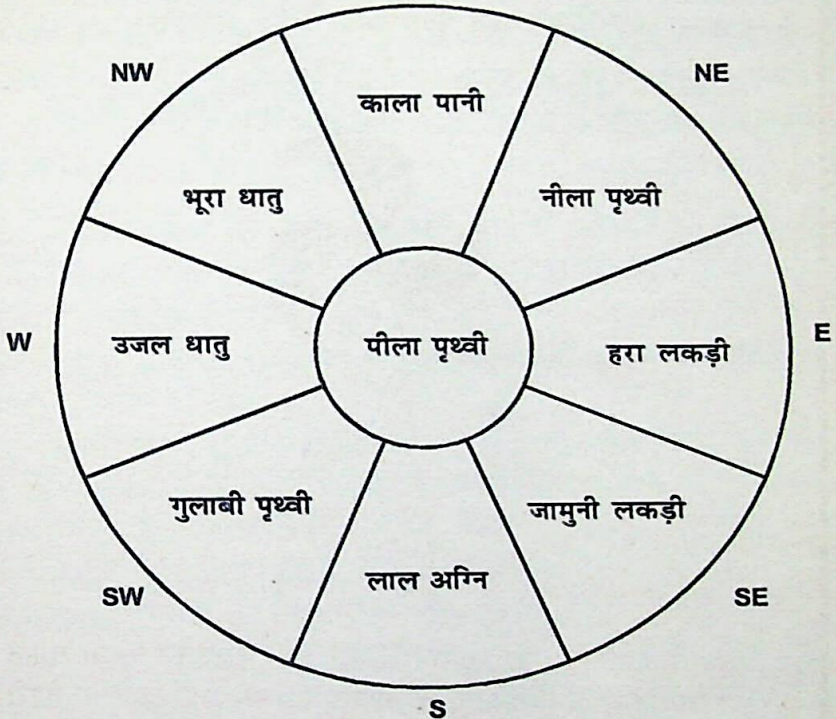
कमरे में लगी घड़ियां भी परिवर्तन लाने का एक अच्छा साधन मानी जाती हैं। आप अपने घर में किस प्रकार की घड़ियां लगाने के इच्छुक हैं, यह सब तो आपके ऊपर ही निर्भर करता है लेकिन घड़ियां लगाते समय एक बात का ध्यान आपको अवश्य रखना चाहिए कि इन घड़ियों का परितर्वन सदृश्य ही रहना चाहिए; जैसे कि एक पेंडुलम वाली घड़ी होती है।

घड़ी को मोबाइल के साथ ऐसे स्थान पर लगाना चाहिए जिस स्थान को आप अधिक उभारना चाहते हैं। अगर आप कमरे के दक्षिण दिशा वाले भाग में इसे लगाएं तो ये प्रेम तथा शक्ति का अधिक-से-अधिक संचार करेगी। वैसे पूर्वी दिशा में घड़ी को लगाना सेक्स और भविष्य-निर्माण की वृद्धि करना है।



222. रंग का सूत्र

N



फेंगशुई द्वारा रंगों को योजनाबद्ध तरीके से उपयोग में लाकर इनका लाभ उठाया जा सकता है। आप अपने घर में हर दिशा के स्थान से मेल खाते तत्वों व रंगों को उपयोग करके लाभ उठाइए और उनके विपरीत तत्वों को नजरअंदाज कर दीजिए।

जैसे कि कमरे के दक्षिण भाग में चटकीले (अग्नि) रंगों का प्रयोग, जैसे लाल, गुलाबी या फिर ऑरेंज, जामुनी रंगों का प्रयोग किया जाना चाहिए। फेंगशुई द्वारा अग्नि का विपरीत तत्व पानी माना जाता है। जिसका सम्बन्ध पूर्व दिशा से होता है इसलिए काले, पीले और ग्रे कलर का चुनाव भूलकर भी न करें।



इसका अर्थ यह नहीं लगाना चाहिए कि कमरे का रंग लाल या ऑरेंज होना चाहिए जिसे कि काफी हद तक लोग पसन्द नहीं करते। उन रंगों का प्रयोग पेन्टिंग या कुशन आदि से किया जा सकता है और कमरे का रंग अपनी इच्छानुसार कराया जा सकता है। पिछले पृष्ठ पर दिये गये चित्र में विभिन्न कमरों में रंगों के प्रयोग के बारे में दिखाया गया है एवं परकार के बिन्दुओं द्वारा रंगों के प्रयोग को दर्शाया गया है।



भवन-निर्माण दोष और फेंगशुई विधि द्वारा निवारण

वर्तमान काल के भवन-निर्माण कार्य में प्राकृतिक स्रोतों से अधिक-से-अधिक ऊर्जा कैसे ग्रहण की जाए, इसकी जानकारी प्राप्त करना अत्यन्त आवश्यक है।

फेंगशुई प्राकृतिक ऊर्जाओं का सही उपयोग करने की एक बेहतरीन कला का नाम है।

आपके भवन, दुकान या औद्योगिक स्थल पर अनेक दोष हो सकते हैं, जो आपकी उन्नति और समृद्धि में अवरोध उत्पन्न कर रहे हैं, लेकिन उनकी तरफ से आप अनजान बने हुए हैं।

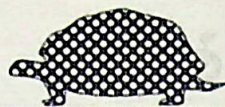
फेंगशुई विधि द्वारा आपके उक्त स्थानों से दोषों का निवारण कर अपनी उन्नति और समृद्धि को शिखर पर पहुंचा सकते हैं।

यदि आप चाहते हैं कि आपके निर्मित भवन को बिना तोड़-फोड़ किए उसके दोषों का निवारण किया जाए, तो फेंगशुई विधि अनुसार आप ऐसा कर सकते हैं।

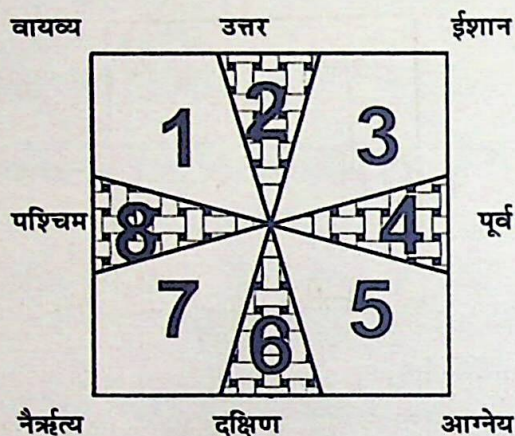
कोई भी निर्माण कार्य करने से पूर्व दिशाओं को समझना आवश्यक है।

सर्वविदित है कि दिशाएं मुख्यतः चार होती हैं—पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण; परन्तु फेंगशुई विधि के अनुसार अन्य चार उप-दिशाएं होती हैं—ईशान, आग्नेय, नेरुत तथा वायव्य।

अतः फेंगशुई की मान्यतानुसार दिशाएं आठ होती हैं और इन आठों दिशाओं की जानकारी किए बिना किसी भी निर्माण में वास्तुदोष का होना स्वाभाविक है, जिनका कुप्रभाव मनुष्य जीवन में कई रूपों में पड़ सकता



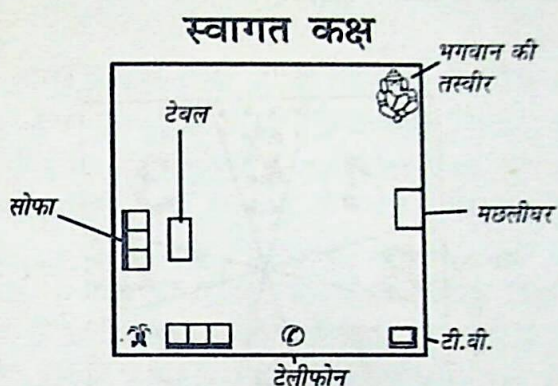
है; जैसे—स्वास्थ्य, धनाभाव, अशान्ति आदि ।



वा.	उ.वा.	उ	उ.ई.	ई.
प.वा.				पू.ई.
प.		ब्रह्म		पू.
प.ने.				पू.आ.
ने.	द.ने.	द.	द.आ.	आ.

इन दिशाओं के विषय में ध्यान देने योग्य विशेष बात यह है कि निर्माण करते समय चारों मुख्य दिशाओं के मध्य खाली स्थान छोड़ना चाहिए, परन्तु उत्तर और पूर्व में दक्षिण व पश्चिम से अधिक खाली जगह छोड़ना लाभकारी सिद्ध होता है।

भवन-निर्माण में विभिन्न दिशाओं में होने वाले दोषों को समझने व उसके निवारण के विषय में जानने से पूर्व एक वास्तुअनुसार निर्मित घर में विभिन्न कक्षों के उचित निर्माण को समझना लाभप्रद है।



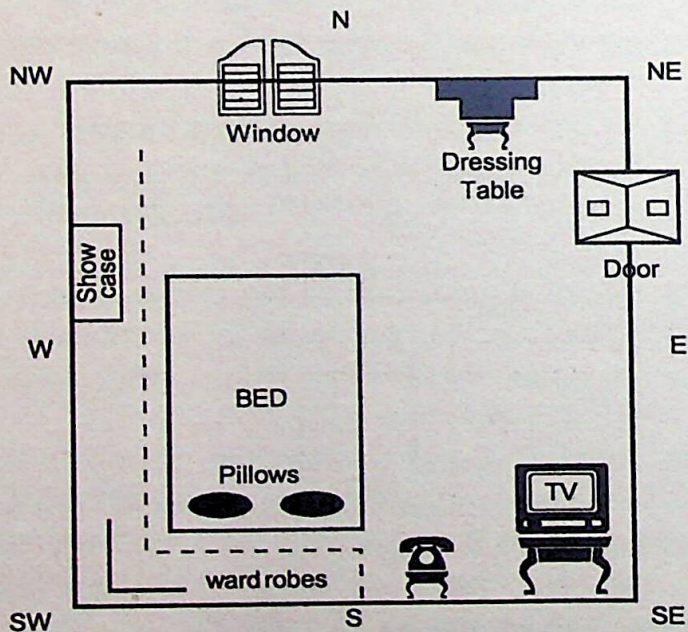
1. इसे अतिथि कक्ष के नाम से भी जाना जाता है।
2. यह ईशान, उत्तर व पूर्व के मध्य स्थित होना चाहिए।
3. इस कक्ष में सोफा सैट अथवा भारी सामान दक्षिण व पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।
4. इस कक्ष की पूर्व-उत्तर दिशा खाली रखनी चाहिए।
5. ऐसा करना सम्भव न हो तो सोफे को उत्तर व पूर्व वाली दीवार से चार-छः इन्च दूर रखना चाहिए। इससे दोष लगने का भय नहीं रहता।
6. इस कक्ष में गृहस्वामी पूर्व या उत्तर दिशा में मुंह करके बैठे।
7. आगन्तुक को दक्षिण या पश्चिम की ओर मुंह करके बिठाना चाहिए।
8. यदि इस कक्ष में डाईनिंग टेबल रखनी हो, तो उसे कक्ष के पश्चिम भाग में सजाकर रखना चाहिए।
9. इस कक्ष में टी०वी० को आग्नेय दिशा में रखें।
10. यदि टी०वी० रखने के लिए सीलिंग आदि बनवाई गयी है तो उसका ढलान ईशान में रखना चाहिए।
11. इस कक्ष के मध्य में कोई भी लहर या झूमर आदि न लगाएं।
12. इस स्थल को ब्रह्मस्थल माना जाता है।
13. इस कक्ष में फर्नीचर सजाने के लिए यह ध्यान रखना आवश्यक है कि वह त्रिकोणीय आकृति में न लगा हो।



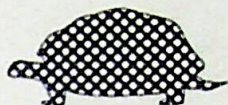
अध्ययन कक्ष

1. इस कक्ष की उत्तम स्थिति ईशान में होती है।
2. इस कक्ष को वायव्य व ईशान में भी स्थित किया जा सकता है।
3. अध्ययन करते समय अपना मुख पूर्व की ओर रखना चाहिए।
4. इस कक्ष को पूजागृह के साथ भी रखना उचित होता है।
5. इस कक्ष में प्रकाश सुविधाजनक अवस्था में होना चाहिए।
6. खिड़की इत्यादि का प्रबन्ध अवश्य इस कक्ष में रखना चाहिए।
7. यदि आप चश्मा लगाकर अध्यापन कार्य कर रहे हैं, तो प्रकाश की कोई किरण आपके चेहरे तक नहीं आनी चाहिए।

शयनकक्ष



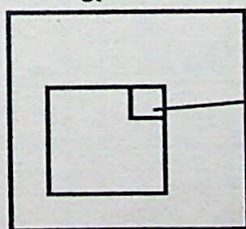
1. गृहस्वामी का शयनकक्ष नेरुत दिशा में सर्वश्रेष्ठ होता है। दक्षिण व पश्चिम दिशा में भी शयनकक्ष श्रेष्ठ व स्वास्थ्यवर्द्धक है। शयन-



कक्ष में पलंग दक्षिण या नेरुत में रखकर उत्तर व पूर्व का भाग खाली रखना चाहिए।

2. सोते समय सिर हमेशा दक्षिण की तरफ करना चाहिए। पांव उत्तर की तरफ रखने चाहिए। यह सभी के लिए सर्वश्रेष्ठ है।
3. विद्यार्थियों के लिए पश्चिम में सिरहाना उपयुक्त है।
4. पूर्व की तरफ सिरहाना वृद्धजनों के लिए उपयुक्त होता है। यह अध्यात्मिक चिन्तन, ध्यान-साधना व अच्छी निद्रा के लिए उपयुक्त है।
5. ईशान व आग्नेय दिशा वाले कक्षों में छोटे बच्चों के लिए शयन का प्रबन्ध कर सकते हैं। बड़ों के लिए यह वर्जित है।
6. पूर्वी और उत्तरी दिशा वालों को करवट लेकर लेटने की आदत डालना अत्यन्त हितकारी है।
7. बायीं तरफ करवट लेकर लेटने की आदत डालना अत्यन्त हितकारी है।
8. उत्तर दिशा में सिरहाना भूलकर भी नहीं करना चाहिए यह स्थिति फेंगशुई के अनुसार अशुभ मानी जाती है। ऐसा करना अत्यन्त वर्जित है।

पूजाघर



पूजाघर

1. मकान, दुकान, फैक्ट्री तथा होटल इत्यादि में पूजाघर ईशान में ही होना चाहिए।
2. इसे भवन का मुख्य अंश माना जाता है।
3. भजन, कीर्तन, साधना अथवा अन्य पूजा इत्यादि ईशान में लाभदायक सिद्ध होती है।



4. इससे घर के अन्दर सुख-शान्ति एवं समृद्धि रहती है।
5. पूजा करते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।
6. पूजाघर को भवन में किसी अन्य स्थान पर बनाना फेंगशुई विधि के अनुसार हानिकारक माना जाता है।
7. पूर्व की ओर मुंह करके पूजा करने पर धन और उत्तर की तरफ मुंह करके पूजा करने पर ज्ञान की प्राप्ति होती है।
8. फेंगशुई की मान्यता है कि गृहस्थ जीवन में घर के अन्दर कभी भी स्थिर देवता या भगवान की स्थापना नहीं करनी चाहिए। इसे अशुभ माना जाता है।
9. पूजाघर में कभी भी मूल्यवान् वस्तुएं नहीं रखनी चाहिए।
10. पूजाघर की सफाई के लिए जो भी साधन आपके पास है, उसे केवल उसी की सफाई के लिए प्रयोग करें।

स्नानघर

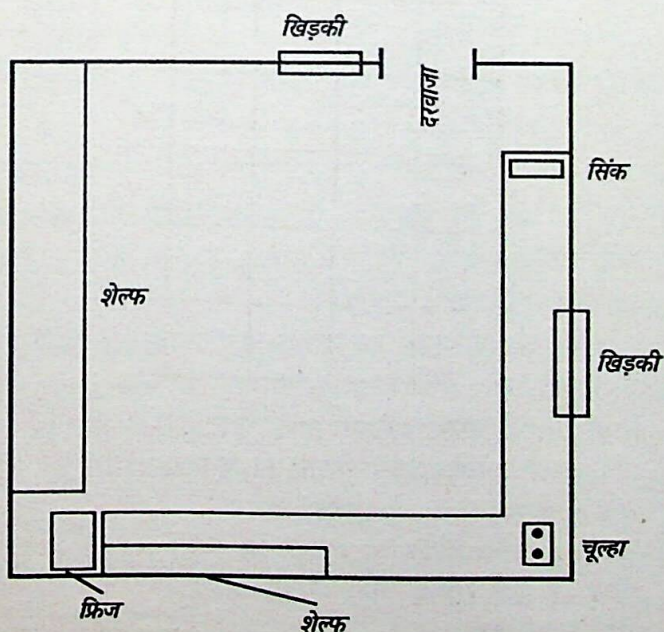
				✓
				✓

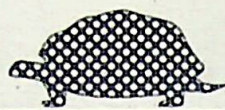
1. स्नानघर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त दिशा पूर्व होती है।
2. संलग्न स्नानघर वाले कक्षों को पूर्व या उत्तर की तरफ बनाना चाहिए।
3. अगर ईशान में बनाना हो तो यह ध्यान रखें कि ईशान कोण बन्द न हो जाए।



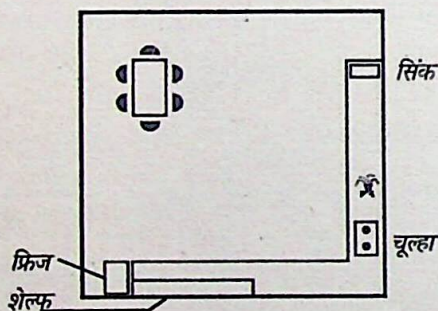
4. स्नानघर के ईशान कोण में गीजर न लगाएं।
5. अगर मकान का मुंह दक्षिण की तरफ हो तो स्नानघर वायव्य में बनाएं।
6. अगर मकान का मुंह पश्चिम की तरफ हो तो स्नानघर पूर्व या वायव्य में बनाना चाहिए।
7. अगर मकान का मुंह उत्तर की तरफ हो तो स्नानघर उत्तरी वायव्य की तरफ बनाया जा सकता है।
सभी सलाहाकारों की मूल धारणा यही है कि स्नानघर पूर्व में बनाना चाहिए।
8. अगर मकान का मुंह पूर्व की तरफ हो तो स्नानघर पूर्वी आग्नेय में बनाना चाहिए।

रसोईघर

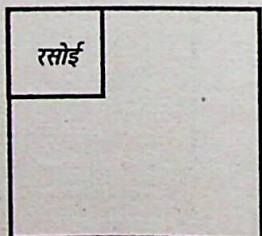




1. रसोईघर की सर्वोत्तम दिशा आग्नेय को माना जाता है।
2. रसोई का मुख पूर्व दिशा की ओर रखना श्रेष्ठकर है।
3. भारी सामान को दक्षिण व पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।
4. चूल्हा रसोईघर के आग्नेय में ही रखना उचित होता है।
5. सिंक को रसोई के ईशान में रखना चाहिए।
6. इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि चूल्हा और सिंक पास-पास न हों।
7. चूल्हा और सिंक पास-पास हैं तो अशुभ फलदायी होते हैं।
8. यदि चूल्हा और सिंक पास-पास हैं तो उनके मध्य हरे पौधे का गमला अवश्य रखना चाहिए।



9. गमले में भले ही प्राकृतिक या कृत्रिम पौधा लगा हुआ हो।
10. यदि आपके रसोईघर में फ्रिज रखा हुआ है तो चूल्हे को कभी फ्रिज के पास नहीं रखना चाहिए।
11. रसोईघर के प्लेटफार्म को दीवार से मिलाकर न रखें।
12. किसी भी हालत में चूल्हा ईशान में नहीं होना चाहिए, इससे दरिद्रता आती है।
13. यदि किसी कारणवश आग्नेय में रसोई बनाना सम्भव न हो, तो इसको वायव्य में भी स्थापित किया जा सकता है।
14. खाना बनाते समय पीठ रसोई के दरवाजे की तरफ नहीं होनी चाहिए।

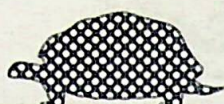




15. यदि किसी कारणवश ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है तो दर्पण का उपयोग करना चाहिए।
16. रसोइघर मुख्य दरवाजे के सामने नहीं होना चाहिए।
17. यदि ऐसा है तो उसको पर्दा, पौधा या दर्पण लगाकर ठीक किया जा सकता है।
18. भोजनालय की व्यवस्था रसोई में ही होनी चाहिए।
19. रसोई में इसका स्थान पश्चिम भाग में रखना चाहिए और पूर्व की ओर मुख करके ही भोजन करना चाहिए।
20. यदि भोजन कक्ष अलग है तो इसको घर के पश्चिम भाग में ही रखना उचित होता है।
21. डाईनिंग टेबिल यदि सजी हुई है तो इसको दरवाजे के सामने नहीं रखना चाहिए।
22. ध्यान रहे घर के मुखिया को भोजन करते समय दरवाजे की तरफ मुख करके बैठना चाहिए।
23. प्रकाश की व्यवस्था सुलभ होनी चाहिए।

विभिन्न कक्षों की स्थिति का अवलोकन

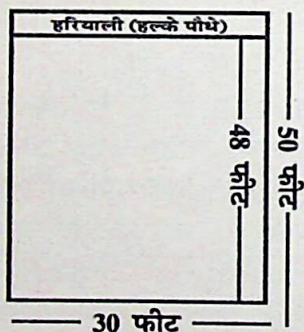
मेहमान अविवाहित कन्या का कमरा एवं रसोई	भण्डार तिजोरी	पूजा, जलस्रोत, अध्ययन कक्ष ड्राइंगरूम आध्यात्मिक कार्य
भोजनालय लिविंग रूम अध्ययन कक्ष बड़े वृक्ष	खाली होना शुभ	स्नानघर स्वागत कक्ष हल्के पौधे
अत्यन्त भारी सामान शौचालय मुख्य शयनकक्ष	सामान्य कक्ष शौचालय भारी सामान बड़े पौधे	रसोई, विद्युत, हल्का सामान विद्युत सम्बन्धित सामग्री।



गृह-निर्माण में कक्षों की माप में सावधानी

गृह-निर्माण करते समय निम्नलिखित तथ्यों की पूर्णतः सावधानी रखनी चाहिए—

1. कक्षों की लम्बाई-चौड़ाई का अनुपात दुगने से अधिक न हो।
2. यदि यह अनुपात 1 : 1 : 6 का हो, तो अति उत्तम होता है।
3. यही अनुपात अन्दर के कमरों का या बरामदे का रखना श्रेष्ठकर होता है।
4. 30'×50' व 40'×60' के प्लॉट लेना उचित होता है।
5. 30'×50' के प्लॉट में निर्माण कार्य 30'×48' में करायें।
6. इसी तरह 40'×60' के प्लॉट में 37.5'×60' में कराएं।
7. इस प्रकार आपके पास दो फीट जगह बच जाएगी। जिसको आप हरियाली लगाकर सजा सकते हैं।
8. इसको आप संलग्न चित्र द्वारा भी सुविधापूर्वक समझ सकते हैं।



भूखण्ड का मध्य भाग या ब्रह्मस्थल

1. इस स्थल को ब्रह्मस्थल भी कहा जाता है।
2. इस स्थल को सदैव खाली रखना चाहिए।



अप्रिय स्थिति



3. इस स्थान में कभी भी तलघर या गड्ढा नहीं होना चाहिए।
4. जहां तक सम्भव हो इस स्थान को ऊंचा रखें।
5. इस भाग में कभी भी शौचालय, रसोई, सीढ़ी या पिलर आदि का निर्माण नहीं करना चाहिए।
6. इस स्थान की हमेशा सफाई करते रहना लाभकर होता है।

गैरेज

गैरेज का सही स्थान आग्नेय व वायव्य ही होता है। अन्यत्र इसका निर्माण नहीं करना चाहिए।

सेवक गृह

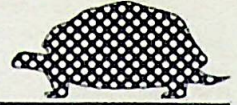
इसकी स्थिति वायव्य में सबसे अधिक उत्तम मानी जाती है। वैसे यदि आप चाहें तो इसे दक्षिण या पश्चिम में भी बनवा सकते हैं।

सीढ़ी

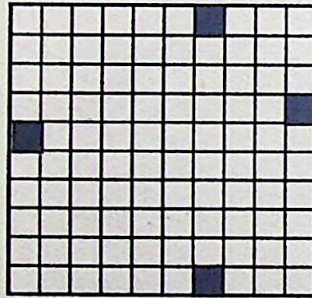
1. सीढ़ियों का निर्माण सबसे ज्यादा उचित और शुभ नेरुत में होता है।
2. इनको आप दक्षिण, पश्चिम, आग्नेय व वायव्य में भी बनवा सकते हैं।
3. सीढ़ियां घड़ी की सुई की भांति अर्थात् बायें से दायें मुड़ने वाली बनवानी चाहिए।
4. इनका निर्माण कभी भी ईशान, पूर्व व उत्तर में नहीं करना चाहिए।
5. सीढ़ियों की संख्या सदैव विषम होनी चाहिए।
6. यदि इन संख्याओं में तीन का भाग देने पर शेष दो बचे तो अति उत्तम होता है।
7. सीढ़ियों का द्वार पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।
8. सीढ़ियों को चढ़ते समय आपका मुंह पूर्व से पश्चिम अथवा उत्तर से दक्षिण की ओर हो, तो शुभ होता है।

दरवाजे

1. निर्माण कराते समय भवन में दरवाजों का वजनी तथा मजबूत होना शुभ है।



2. भवन का मुख्य द्वार किसी पंडित से शुभ मुहूर्त निकलवाकर ही स्थापित करना चाहिए।
3. द्वार दो पल्लों वाला ही होना शुभ होता है।
4. मुख्य द्वार पर सिद्ध गणपति या शुभ चिह्नों की स्थापना करनी चाहिए।
5. मुख्य दरवाजे हमेशा हर दिशा में दाहिनी तरफ तीन और बायीं तरफ से पांच भाग छोड़कर ही बनाना चाहिए।
6. ध्यान रहे पश्चिम की ओर यह मध्य में ही होना शुभ होता है।



दरवाजे

7. दरवाजों की संख्या हमेशा सम रखनी चाहिए।
8. भवन में यदि अनेक दरवाजे लगवाने हों, तो इस प्रकार लगवाने चाहिए कि जब उनकी गणना हो, तो अन्त में शून्य (0) आना चाहिए।
9. भवन के सभी द्वार अन्दर की ओर खुलना शुभ होता है।
10. फेंगशुई विधि अनुसार एक पल्ले का दरवाजा अशुभ माना जाता है।
11. एक-दूसरे के ऊपर दरवाजा होना भी शुभ नहीं माना जाता।
12. यदि एक-दूसरे के ऊपर दरवाजा लगाना है, तो ध्यान रखना चाहिए कि ऊपर के दरवाजे की ऊंचाई नीचे के दरवाजे की ऊंचाई से कुछ कम होनी चाहिए।
13. दरवाजे मुख्यतः लकड़ी के ही होने चाहिए। लोहे या अन्य वस्तु



के दरवाजे भी शुभ नहीं होते।

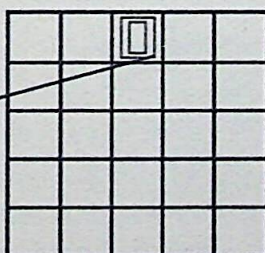
14. लकड़ी के दरवाजे लगाते समय ध्यान रखना चाहिए कि लकड़ी सुगन्धित हो तो अच्छा है।
15. पुराने दरवाजे नये भवन में नहीं लगाने चाहिए।

तिजोरी

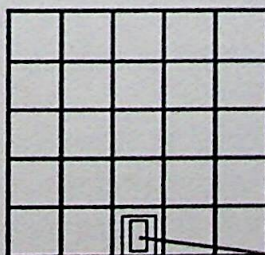
1. तिजोरी यानि धन कुबेर। इसका सबसे अच्छा स्थान उत्तर दिशा में होता है।
2. उत्तर दिशा में तिजोरी रखें, परन्तु इस बात का ध्यान रखें कि तिजोरी का दरवाजा भी उत्तर दिशा की ओर ही खुलना चाहिए।
3. चित्र के अनुसार तिजोरी का उपयोग करना शुभ होता है।

तिजोरी

उत्तर की तरफ
खुलना चाहिए



तिजोरी



उत्तर की तरफ
खुलना चाहिए

4. तिजोरी रखने के लिए स्थान का अभाव हो तो आप तिजोरी को दक्षिण दिशा में रख सकते हैं।



5. दक्षिण दिशा में तिजोरी रखने के पश्चात् उसका मुख उत्तर की ओर ही खुलना चाहिए।
6. तिजोरी में श्री यन्त्र या कुबेर यन्त्र को भी स्थापित कर सकते हैं।
7. श्री यन्त्र या कुबेर यन्त्र तिजोरी में रखने से धन में वृद्धि होती है।

शौचालय

1. शौचालय नेरुत व दक्षिण तथा नेरुत व पश्चिम के मध्य में बनाना शुभ होता है।
2. वैसे इसे आग्नेय, दक्षिण आग्नेय और पश्चिम वायव्य में भी बनाया जा सकता है।
3. शौचालय का दरवाजा उत्तर या पूर्व में खुलने वाला होना चाहिए।
4. शौचालय का निर्माण कभी भी ईशान, पूर्व व उत्तर में नहीं करना चाहिए।
5. शौचालय में शीट की दिशा पूर्व या उत्तरमुख होनी चाहिए।
6. शौचालय के प्रवेश द्वार के सामने प्रसाधन कक्ष नहीं होना चाहिए।
7. यदि शौचालय में एग्जास्टफेन लगाना है, तो यह भी उत्तर या पूर्व की दीवारों पर लगाना शुभ होता है।





अंत में.....

फेंगशुई, वास्तुशास्त्र, पिरामिड पर अनेक पुस्तकें लिखने के बाद भी फेंगशुई पर एक और पुस्तक प्रस्तुत करने की क्या आवश्यकता थी? हमारे देश में फेंगशुई चलन में नहीं था। इसके बावजूद लोग इस शास्त्र को गले लगाए हुए हैं। कार्यालय, भवनों और कारखानों में आज फेंगशुई का धड़ल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। यह माना जाता है कि नए उपक्रमों की स्थापना में फेंगशुई के सिद्धान्तों का पालन किए जाने से सफलता अवश्य मिलेगी।

फेंगशुई विशेषज्ञ कहते हैं कि पंचतत्वों (भूमि, वायु, जल, गगन और आग) के संदर्भ में ऊर्जा का अध्ययन ही फेंगशुई वास्तु है। कॉरपोरेट जगत के लोग किसी प्रोजेक्ट में कदम रखने से पहले, प्लांट के लिए जगह तलाशते समय और यहां तक कि सी०ई०ओ० के ऑफिस की डिजाइन तैयार करने के दौरान चीनी वास्तु फेंगशुई के सम्बंध में बेहिचक परामर्श ले रहे हैं।

फेंगशुई वास्तु विशेषज्ञ के अनुसार प्रबंध निदेशक का कमरा दक्षिण-पश्चिम में होना चाहिए, जबकि फैक्टरी में तैयार माल उत्तम-पश्चिम में रखा जाना चाहिए। आज भारत के औद्योगिक घरानों के मध्य फेंगशुई वास्तु की बड़ी पूछ है।

आज अवसर देखकर चीनी वास्तु फेंगशुई के पंडितों की नई जमात भी सामने आ गई है। वे शहर-शहर घूमकर विभिन्न प्रोजेक्टों को हरी झंडी दिखाने में जुटे हैं। उनका दावा है कि फैक्ट्रियों की फेंगशुई के अनुसार सज्जा में सुधार कर वे बीमार कम्पनियों की स्थिति बदल सकते हैं। परामर्श के लिए अच्छी धनराशि वसूलने वाले ये जानकार कहते हैं कि चीनी वास्तु प्रामाणिक विज्ञान है और इसे अब भरोसेमंद माना जाता है। ऐसे में उनका कहना है कि कम्पनियों को ऐसी रिपोर्ट सामने लानी चाहिए, जिसमें वास्तु



के प्रयोग से पहले और बाद की स्थिति का विस्तृत विश्लेषण किया गया हो। उनके अनुसार अधिकांश कम्पनियां चीनी वास्तु पर निर्भर करती हैं, पर बहुत कम सार्वजनिक तौर पर इस बात को स्वीकार करती हैं।

वस्तु स्थिति जो भी हो हमें अधिकचरे, कम अनुभवी फेंगशुई के जानकारों से बचना चाहिए। वरना समय, श्रम और धन की बर्बादी निश्चित है।

जब हम किसी भी कार्य/व्यवसाय का शुभारम्भ करते हैं तो कामना यही रहती है कि उक्त कार्य-व्यवसाय लाभ को प्राप्त हो और सफल रहे। किसी भी कार्य-व्यवसाय की सफलता के लिए महत्वपूर्ण व्यवसाय स्थल, फैक्ट्री, दुकान, कार्यालय की उपयुक्त एवं समुचित सुन्दर व्यवस्था सर्वाधिक प्रभावपूर्ण होती है। फलस्वरूप कार्य-व्यवसाय स्थल की गलत, दोषपूर्ण वास्तु व्यवस्था जहां एक ओर सफल कार्य-व्यापार के लिए व्यवधान का कारण बन जाती है और अन्ततः उद्यमी का कार्य, श्रम, धन, समय शनैः-शनैः क्षीणता को प्राप्त होता है जिसके परिणामस्वरूप उद्यमी प्रायः अपने भाग्य को दोष देता है। वस्तुतः आपका एक निर्णय व्यवसाय स्थल की समुचित वास्तु व्यवस्था आपके व्यवसाय की सफलता के लिए अति महत्त्व का होता है। अतएव क्यों नहीं इस दिशा में सारगर्भित प्रयास कर सफलता एवं लाभ की ओर कदम रखें। वर्षों के अध्ययन एवं अनुसंधान में इसकी प्रभावशीलता सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों ही रूपों में बड़े प्रभावशाली ढंग से पुस्तक में बतलायी गयी है।

प्रिय पाठकों! अगर कोई व्यक्ति समुद्र की सतह से मोती निकालना चाहता हो तो उसे किनारे पर बैठे रहकर मोती को ऊपर आने के लिए नहीं चिल्लाना चाहिए। यदि वह वास्तव में मोती पाना चाहता है तो उसे श्रम करके उसे पाने के लिए समुद्र की सतह तक गोता लगाना चाहिए। ठीक इसी प्रकार अगर आपको व्यवसाय में हानि हो रही है, परिवार में सुख-स्मृद्धि समाप्त हो गयी है तब आपको किसी विशेषज्ञ के आने की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए वरन् स्वयं उसके पास जाकर समाधान प्राप्त करना चाहिए। यह पुस्तक भी आपकी मार्गदर्शक हो सकती है। आप इसे ध्यानपूर्वक पढ़ें तो सही।

मैंने इस पुस्तक में फेंगशुई के संदर्भ में बार-बार पांच तत्वों का वर्णन किया है। अंत में विषय से हटकर थोड़ा पंचतत्वों को भी समझा दूं।



भगवान तत्व केवल निर्माण करने वाला और संचालन करने वाला ही हो यह बात नहीं है वरन् उसमें अनेक गुण हैं; जैसे सूर्य की असंख्य किरणें अनेक प्रकार की हैं और उनमें अनेक गुण हैं। ईश्वर की निर्माण करने वाली शक्तियों को पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश—पंचभूत नाम से पुकारते हैं। इन पंचभूतों से जड़ पदार्थ का बनना-बिगड़ना होता है। निर्जीव रचना के अतिरिक्त सजीव रचना है जिसे प्राणी जगत कहते हैं। जड़ और चेतन—इन दो नामों से सृष्टि में विभक्त है। जड़ जगत की रचना पंचभूतों की क्रियाशीलता है वैसे ही चेतन जगत की मूल प्रकृति आनन्द तत्वों के कारण से है और जड़-चेतन दोनों ही पक्षों की रचना करने वाले यह पृथक्-पृथक् तत्व मूलतः एक ही शक्ति की धारायें हैं; जैसे अग्नि, वायु आदि स्थूल तत्व सर्वत्र अदृश्य रूप से व्याप्त हैं उसी प्रकार इन जड़ पंचभूतों तथा अन्य चैतन्य तत्वों के भीतर अत्यन्त सूक्ष्म होकर विराज रही हैं। एक शक्ति का निर्माण दूसरी बीज शक्ति से होता है। पंचतत्वों की भी एक बीजशक्ति है। उस बीज-शक्ति के बिना वे भी बेचारे अपना काम करने में समर्थ नहीं हो सकते। अग्नि में गर्मी कायम रखने वाली कोई सत्ता है। वह सूक्ष्म से सूक्ष्म है किन्तु उसी के द्वारा बने पदार्थ हमारे चारों ओर फैले पड़े हैं इसलिये उसे स्थूल भी कहा जा सकता है। जो वस्तु जितनी सूक्ष्म होगी वह उतनी ही व्यापक होगी। पंचभूतों में पृथ्वी से जल, जल से वायु, वायु से अग्नि और अग्नि से आकाश सूक्ष्म है, इसलिये व्यापक है।

आइए अब इन पांच तत्वों का परिचय कराता हूं। फेंगशुई की वस्तुएं किस प्रकार पांच भूतों का प्रतिनिधित्व करती हैं?

धातु—धातु से बनी मूर्तियां, सिक्के, अगरबत्ती स्टैंड्स, पवन घंटियां आदि।

पानी—मछलीघर, पानी के फव्वारे।

लकड़ी—लकड़ी से अर्थ है पेड़-पौधे, फर्नीचर और काठ से बनी विभिन्न वस्तुएं।

आग—आग जैसे मोमबत्तियां, लाइट्स, दीपक इत्यादि।

पृथ्वी—संगमरमर, टेराकोटा, क्रिस्टल बॉल तथा मिट्टी से बनी मूर्तियां, बर्तन इत्यादि।

इन पांच तत्वों का जब सही सम्मिश्रण हमारे जीवन में रहेगा तभी हम



सुखी और समृद्ध बनकर जीवन में उन्नति कर सकते हैं।

वास्तव में फेंगशुई में पंचतत्वों (भूमि, वायु, जल, गगन और अग्नि) के संदर्भ में ऊर्जा (Energy) का अध्ययन और उनका घर में प्रयोग ही फेंगशुई विज्ञान है।

इस शक्ति 'ची' को यांग और यींग में विभाजित किया जाता है। ये दोनों यों तो एक-दूसरे के पूरक हैं पर फिर भी दोनों की अपनी-अपनी गुरुत्वाकर्षण शक्ति है और दोनों का एक-दूसरे के बिना कोई अस्तित्व नहीं है। एक तरह से यांग को Active और यींग को Passive या फिर Positive और Negative कहा जा सकता है। अतः दोनों का होना आवश्यक है।

फेंगशुई वैसे भी चीनी वास्तुकला है जो हमें वातावरण से तारतम्य बनाये रखना सिखाती है। फेंगशुई का आधार चीन का ताओ दर्शन है। ताओ शब्द का चीनी अर्थ ईश्वर या ईश्वरीय शक्ति है। वह प्रेरणा जो सृष्टि की प्रत्येक वस्तु में प्रवाहित हो रही हो ताओ कहलाती है। ताओ से ही यिन तथा यांग उत्पन्न होते हैं। यही शक्ति विश्व की उत्पत्ति, स्थिति एवं विनाश करती है। विश्व के सभी द्रव्यों में यह प्रधान है। इसी को कारण कहा गया है। यही ताओ है। ताओ ही दो शक्तियों को जोड़ता है।

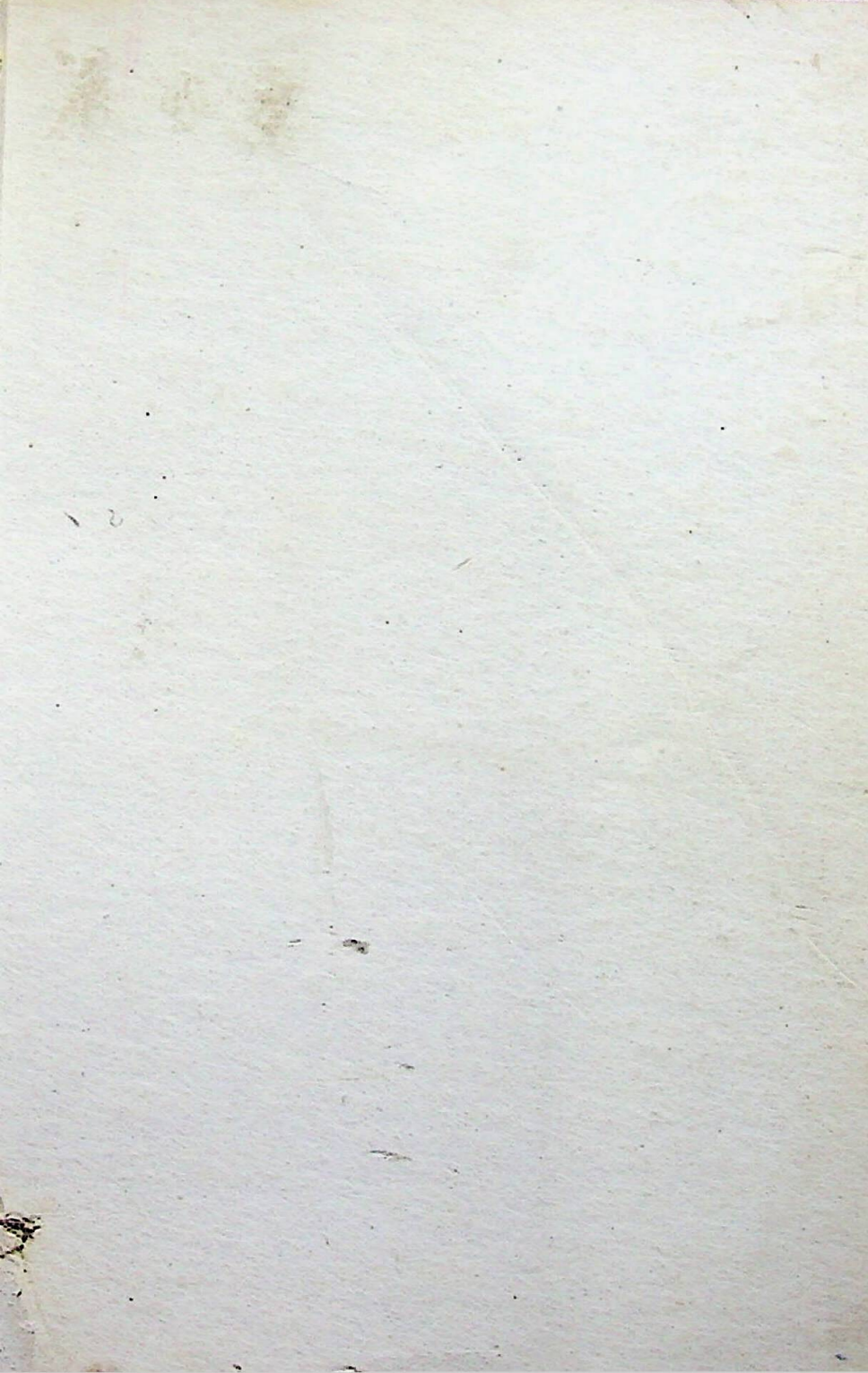
फेंगशुई के अनुसार नल से पानी टपकना अशुभ माना जाता है। वास्तव में यह पानी टपकना दर्शाता है कि घर की धन-सम्पदा घर से बहती जा रही है। घर की दीवारों में दरारें भी नहीं होनी चाहिए। इन्हें शीघ्रता से ठीक कराना चाहिये।

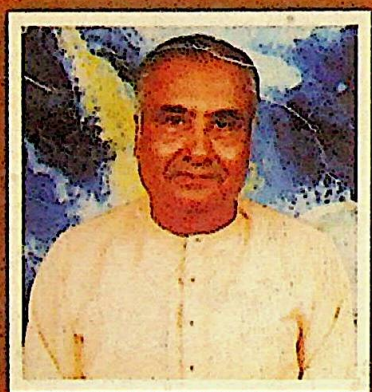
इस प्रकार हमने देखा कि फेंगशुई चीनी कला की वह पद्धति है जिसके द्वारा हम बिना तोड़-फोड़ किये घर के भीतर की सम्पूर्ण व्यवस्था को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखकर अपने लिये सुख, समृद्धि और खुशहाली के द्वार खोल सकते हैं।

अंत में पाठकों मेरी यह पुस्तक आपको समर्पित है। इसका भी उसी शानदार तरीके से स्वागत करें जैसे आप मेरी अन्य पुस्तकों का करते रहे हैं।

मैं व्यवसायी नहीं हूँ। आपकी समस्या का समाधान करने के लिए आपका प्रेम और सहयोग अवश्य चाहूँगा। इसी के साथ अंत में...अध्याय सम्पूर्ण करता हूँ।

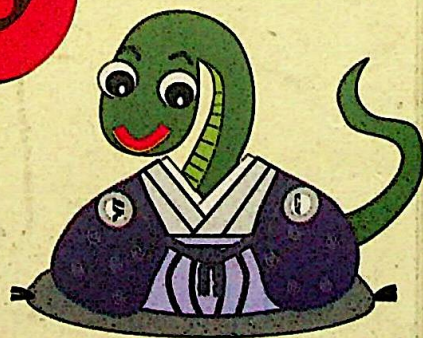
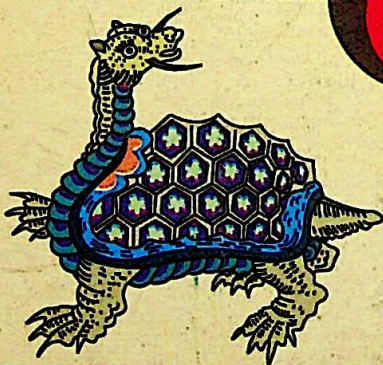
—पं० शशि मोहन बहल





यदि आप अपने आवास में कमी महसूस करते हैं, या अपना नया आवास बनाने जा रहे हैं, तो हमारा आपसे आग्रह है कि आप अपने आवास में फेंग शुई के सूत्र एवं सिद्धान्त अपनायें, इनका अपनाने से आप अपने जीवन में पूर्ण संतुष्टि पायेंगे। यदि आप फेंग शुई को अपना रहे हैं, तो प्रस्तुत पुस्तक आपका मार्गदर्शक करेगी।

A.H.W. MARUTI SERIES



मारुति प्रकाशन